

CURRENT AFFAIRS



INDEX

		पेज नं.
1	राजस्थान परिदृश्य	1 – 9
2	राष्ट्रीय परिदृश्य	10 – 15
3	आर्थिक परिदृश्य	16 – 21
4	अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य	22 – 28
5	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	29 – 40
6	खेल	41 – 46
7	पुरस्कार एवं सम्मान	47 – 50
8	चर्चित व्यक्तित्व	51 – 55
9	चर्चित स्थल	56 – 60
10	महत्त्वपूर्ण तथ्य	61 – 64
11	रिपोर्ट्स एवं इंडेक्स	65 – 71
12	प्रमुख दिवस एवं सप्ताह	72 – 76
13	सार : योजना - कुरुक्षेत्र	77 – 91
14	आलेख	92 – 99
15	टर्म इन न्यूज	100 – 104
	मॉडल प्रश्न	105 – 107

मासिक करेंट अफेयर्स

अप्रैल : 2024



Near Riddhi-Siddhi Circle, Gopalpura Bypass, Jaipur

1

राजस्थान परिदृश्य

IIT जोधपुर ने गंभीर बीमारियों का पता लगाने हेतु नैनोसेंसर विकसित किया

- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के शोधकर्ताओं ने गंभीर बीमारियों हेतु एक नैनोसेंसर विकसित किया है।
- यह नैनोसेंसर हमारे शरीर के विभिन्न कोशिकाओं को नियंत्रित करने वाले प्रोटीन के एक समूह साइटोकिन्स का शीघ्र पता लगा सकेंगे।
- इसके विकास से गंभीर बीमारियों जैसे कैंसर, रुमेटोलॉजिकल रोगों और संक्रामक रोगों का उपचार करने में सहायता मिलेगी और मृत्यु दर में भी कमी आएगी।
- यह नैनोसेंसर सेमीकंडक्टर प्रौद्योगिकी पर आधारित है और सरफेस एन्हांस्ड रमन स्कैटरिंग (SERS) के सिद्धांत पर काम करता है जो तकनीक को अपनी उच्च क्षमता के साथ ट्रेस-स्तरीय अणुओं का पता लगाने में सक्षम बनाता है।
- IIT जोधपुर द्वारा विकसित सेंसर साइटोकिन्स का पता लगाने में केवल 30 मिनट का समय लेती है, जबकि अन्य विधियों में 6 घंटे से अधिक समय लगता है।

साइटोकिन्स

- ये ऊतक क्षति की मरम्मत, कैंसर के विकास और प्रगति का पता लगाने और प्रतिरक्षा प्रतिक्रियाओं को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- साइटोकिन्स सटीक दवा और लक्षित चिकित्सा विज्ञान विकसित करने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

राजस्थान का पहला एलिवेटेड रेलवे ट्रैक

- यह एलिवेटेड ट्रैक दिल्ली के बिजवासन से जयपुर के देहर का बालाजी के बीच स्थापित किया जाएगा।
- रेलवे की पीएसयू राइट्स (RITES) द्वारा इसके लिए डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (DFC) के समानांतर सर्वे किया जाएगा।
- इसमें सर्वे के बाद प्रोजेक्ट की डीपीआर बनाकर रेलवे बोर्ड को सौंपी जाएगी।
- इसमें जयपुर से दिल्ली के बीच करीब 4 स्टेशन प्रस्तावित हैं।

- इस प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत लगभग 43,000 करोड़ रुपये होगी तथा यह प्रोजेक्ट 5 वर्षों में पूरा होगा।
- इसके बाद जयपुर से दिल्ली के बीच का सफर सिर्फ 1.15 घंटे में पूरा होगा। इस ट्रैक पर ट्रेन 220 km/hr. की रफ्तार से चल सकेगी।
- दिल्ली-जयपुर के बीच वाया रेवाड़ी - रिंगस एलिवेटेड ट्रैक बिछाया जाएगा।

देश की पहली सैन्य आपातकालीन हवाई पट्टी

- यह हवाई पट्टी राजस्थान के सांचौर जिले में (सेसावा से अगड़ावा तक) स्थित है।
- यह भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के 40 किमी. दूर स्थित है।
- इसमें तेजस विमान के अलावा जगुआर एवं एयर क्रॉफ्ट माल वाहक विमान C295 को हवाई पट्टी पर उतारा गया।
- यह राष्ट्रीय राजमार्ग 925A पर बनाई गई है।
- यह हवाई पट्टी 3 किमी लंबी व 33 मीटर चौड़ी है।

राजीव गांधी एकेडमिक एक्सीलेंस योजना का नाम बदला

- राजस्थान सरकार ने राजीव गांधी एकेडमिक एक्सीलेंस स्कॉलरशिप योजना का नाम बदलकर स्वामी विवेकानंद एकेडमिक एक्सीलेंस स्कॉलरशिप कर दिया है।
- इस स्कॉलरशिप के तहत 500 सीटें निर्धारित की गई हैं।
- इसमें विदेशी संस्थानों में पढ़ाई के लिए 300 सीटें रहेंगी जबकि देश के शैक्षणिक संस्थानों में पढ़ाई हेतु 200 सीटें निर्धारित की गई है।
- इसमें नियमों में संशोधन के बाद आवेदन करने वालों के लिए पोर्टल 15 अप्रैल से शुरू हुआ।

कोटा : डबरी में पहला डेस्टिनेशन पर्यटन विभाग से पंजीकृत

- कोटा में पहली ग्रामीण पर्यटन इकाई डबरी में तैयार हुई है।
- यह इकाई 65 बीघा जमीन में स्थापित की गई है।
- पर्यटन विभाग की ग्रामीण पर्यटन नीति के तहत ग्रामीण टूरिज्म को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

- डाबरी कलां के आदित्यसिंह ने पर्यटन विभाग के प्रोत्साहन से डेस्टिनेशन तैयार किया है।
- इसमें स्वीमिंग पुल के अलावा अमरूद, संतरे, बांस के कई पौधे विकसित किए गए हैं। इसके अलावा 4 कुटियाएँ हैं, जिसमें हाड़ौती के गाँवों के स्थापत्य की विशेषताएँ समाहित हैं।

सिंदेसर खुर्द: दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी चाँदी उत्पादक खान

- हिंदुस्तान जिंक की राजस्थान स्थित खान सिंदेसर खुर्द विश्व की दूसरी सबसे बड़ी चाँदी उत्पादक खान बन गई है। यह पिछले वर्ष चौथे स्थान पर थी।
- हिंदुस्तान जिंक वेदांता समूह की कंपनी है, जो जिंक, सीसा और चाँदी के खनन से संबंधित है।
- हिंदुस्तान जिंक वर्तमान में विश्व की दूसरी सबसे बड़ा एकीकृत जस्ता उत्पादक कंपनी है और तीसरी सबसे बड़ी चाँदी उत्पादक है।

राजस्थान में प्राथमिक शिक्षा के पाठ्यक्रम में देसी शब्दों को शामिल किया जाएगा

- राजस्थान में नए सत्र से सरकारी स्कूलों में प्राथमिक शिक्षा के छात्र-छात्राओं को देसी शब्दों को शामिल करते हुए पढ़ाया जाएगा।
- नई शिक्षा नीति-2020 के तहत प्राथमिक कक्षाओं में मातृभाषा पर जोर दिया जा रहा है।
- इसके लिए स्थानीय बोली व भाषाओं के आधार पर शब्दकोष तैयार करवाकर पाठ्यक्रम तैयार किया जाएगा।
- इस हेतु राजस्थान के शिक्षा विभाग द्वारा भाषायी सर्वे कराया गया है।
- नई शिक्षा नीति-2020 के तहत इस सर्वे में बच्चों व शिक्षकों से भाषा की जानकारी ली गई थी।
- इसमें बच्चों के घर की भाषा, शिक्षक की भाषा, स्कूल का माध्यम, भाषा को समझने व बोलने की विद्यार्थियों की क्षमता के स्तर आदि का सर्वे कर उसे शाला दर्पण पर अपलोड किया गया।
- अब राज्य स्कूलों में ऊंट को ऊंटड़ों, मटकी को मटको, बंदर को बांदरो, प्याज को कांदा, कौआ को कागलो, बिल्ली को बल्ली और बकरी को छाटठी जैसे संबोधन वाले शब्दों को शामिल किया जाएगा।
- भारतीय भाषा सर्वेक्षण के तहत राजस्थान में 30 भाषाओं को लेकर सर्वेक्षण किया गया है। इनमें हाड़ौती, मारवाड़ी, थली, सांसी, बंजारा, गवारिया, मोटवाड़ी, देवड़ावाटी, खेराड़ी, वागड़ी, शेखावटी, दूढाड़ी आदि शामिल है।

पोषण ट्रेकर रिपोर्ट

- राजस्थान में पोषण ट्रेकर रिपोर्ट के अनुसार वर्तमान में राजस्थान में लगभग 1.94 लाख कुपोषित बच्चे हैं।
- उदयपुर में सबसे अधिक 12,976 कुपोषित बच्चे हैं।
- इसमें जैसलमेर में सबसे कम कुपोषित बच्चे 2,246 हैं।
- इसके अलावा कोटा में अति गंभीर कुपोषित बच्चे केवल 550 हैं जो राज्य में सबसे कम हैं।

पोषण अभियान

- महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा से वर्ष 2018 में पोषण अभियान शुरू किया गया।
- इसके अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्रों के जरिए पोषण व्यवस्था के लिए निगरानी की जा रही है।
- इसके लिए पोषण ट्रेकर एप्लीकेशन शुरू की गई।
- इसके तहत गर्भवती महिलाओं को उनके स्वास्थ्य और बच्चों के पोषण के लिए समय-समय पर परामर्श और जानकारी दी जाती है।
- बच्चों में कुपोषण की समय पर पहचान के लिए जिले के आंगनबाड़ी केंद्रों पर मातृ एवं शिशु के स्वास्थ्य के लिए निगरानी उपकरणों से मॉनिटरिंग की जाती है।

सर्वाधिक कुपोषित जिले

जिले	कुल कुपोषित (बच्चे)	अति गंभीर (बच्चे)
1. उदयपुर	12976	3483
2. दौसा	12459	3477
3. बांसवाड़ा	10063	3594
4. अजमेर	9484	2991
5. पाली	9342	3617

सबसे कम कुपोषित जिले

जिले	कुल कुपोषित	अति गंभीर
1. जैसलमेर	2246	1063
2. कोटा	2361	550
3. धौलपुर	2529	719
4. चूरू	2948	809
5. श्रीगंगानगर	3232	779

राजस्थान में e-RC और e-लाइसेंस सुविधा 1 अप्रैल 2024 से हुई

- राजस्थान में 1 अप्रैल को परिवहन विभाग ने e-RC और e-लाइसेंस की सुविधा शुरू कर दी है।

- इसके तहत नजदीकी ई-मित्र पर लाइसेंस और आरसी के लिए आवेदन किया जा सकता है।
- इसके बाद RTO में लाइसेंस और आरसी की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

राजस्थान में पूर्व सैनिकों को B.Ed डिग्री के समकक्ष मान्यता मिलेगी

- राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने राज्य में पूर्व सैनिकों को B.Ed (Bachelor in Education) प्रोफेशनल डिग्री के समकक्ष मान्यता देने की घोषणा की है।

माही बेसिन से राजस्थान के 10 जिलों को जलापूर्ति हेतु सर्वे होगा

- वर्तमान में माही बेसिन से हर साल 75.38 टीएमसी पानी व्यर्थ बहकर अरब सागर में चला जाता है। यह माही बाँध की भराव क्षमता के बराबर है।
- अब इस पानी का राजस्थान का 10 सूखाग्रस्त जिलों में डायवर्जन होगा। जिससे इन जिलों में पेयजल और सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध हो सकेगा।
- राजस्थान रिवर्स बेसिन अथॉरिटी प्राधिकरण ने इस संदर्भ में सर्वे शुरू किया है। यह प्रोजेक्ट 2030 तक पूरा होगा।
- इसके तहत पानी को समुद्र में जाने से रोककर 10 जिलों चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़, डूंगरपुर, भीलवाड़ा, उदयपुर, राजसमंद, सिरोंही, जालौर-सांचौर, पाली और बाड़मेर को डायवर्जन किया जाएगा।
- इसके लिए नहरें, लिफ्ट योजना पाइप लाईनों का विकास किया जाएगा।
- इसके अलावा अनास, माही नदी में पानी संचय के लिए डेम और एनिकट भी बनेंगे।
- इसमें जालौर-बाड़मेर तक पानी ले जाने के लिए कडाना डेम से गुजरात में जा रही सुजलाम-सुफलाम नहर का विस्तार किया जाएगा।

फार्म पॉन्ड योजना में अनुदान राशि बढ़ी

- किसानों के लिए खेतों में फार्म पॉन्ड बनाकर खेती हेतु कृषि विभाग ने नए टारगेट जारी किए हैं।
- इसमें किसानों को फार्म पॉन्ड बनाने के लिए ज्यादा अनुदान दिया जाएगा।
- इसके तहत फार्म पॉन्ड योजना में इकाई लागत पर अनुदान राशि 90,000 रुपये बढ़ाकर अधिकतम अनुदान की सीमा 1.35 लाख रुपए कर दी गई है।
- फार्म पॉन्ड से किसान सूखे एरिया में भी बारिश का पानी एकत्रित कर सिंचित फसलों की खेती कर सकते हैं।

- नई गाइड लाइन के अनुसार सामान्य श्रेणी के किसानों को फार्म पॉन्ड बनाने पर 90,000 रुपये के स्थान पर 1.20 लाख रुपये का अनुदान मिलेगा।
- इसके अलावा SC/ST व लघु सीमांत श्रेणी किसानों को 1.35 लाख रुपये अनुदान दिया जाएगा।
- आवेदन के लिए किसान के पास कम से कम 0.3 हैक्टेयर या संयुक्त खातेदारी की स्थिति में कम से कम 0.5 हैक्टेयर कृषि भूमि होना आवश्यक है।

राजस्थान की स्कूलों में रोबोटिक्स लैब स्थापित होगी

- राजस्थान के 201 महात्मा गांधी राजकीय विद्यालयों में रोबोटिक्स लैब स्थापित किए जाएंगे।
- राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद् ने इस संदर्भ में स्वीकृति दी है।
- इसमें 163 लैब माध्यमिक शिक्षा और 38 प्राथमिक शिक्षा स्तर पर स्थापित की जाएगी।
- ये लैब नवाचार और अनुसंधान के लिए स्थापित की जाएंगे।
- इन लैब्स में विद्यार्थी रोबोटिक्स या इससे संबंधित क्षेत्र में अनुसंधान और जानकारी हासिल कर सकेंगे।

'रूट्स ऑफ राजस्थान' अभियान

- यह डिजिटल बाल मेला का अभियान है।
- इसका शुभारम्भ 30 मार्च, 2024 (राजस्थान स्थापना दिवस) को किया गया।
- यह 'द फ्यूचर सोसाइटी' द्वारा आयोजित किया गया।
- इसमें भाग लेने हेतु आयु सीमा 10 से 18 वर्ष तक है।
- इसका उद्देश्य राजस्थान में पर्यटन को बढ़ावा देना तथा राज्य में नए पर्यटन स्थलों को प्रोत्साहन देना है।
- इसके तहत बच्चे राज्य के पर्यटन स्थलों की जानकारी देते हुए वीडियो बनाएँगे।
- सर्वश्रेष्ठ वीडियो बनाने वाले बच्चे को 50,000 रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी।
- इसमें अच्छा प्रदर्शन करने वाले 100 बच्चों को 3 दिवसीय जयपुर भ्रमण कराया जाएगा।

कैलादेवी का मेला

- कैला देवी का लक्ष्मी मेला चैत्र नवरात्रों के दौरान 6-22 अप्रैल 2024 तक राजस्थान के करौली में आयोजित किया गया।

कैला देवी

- कैला देवी को मौलिक ऊर्जा, महायोगिनी माया के अवतार के रूप में पूजा जाता है, जिन्होंने नंद-यशोदा के बच्चे के रूप में जन्म लिया था।
- उन्हें कैला देवी के अतिरिक्त और कई स्थानों पर विन्ध्यवासिनी और हिंगलाज माता के रूप में पूजा जाता है।

- कैला देवी का विस्तृत वर्णन स्कंद पुराण के 65वें अध्याय में दिया गया है।
- ऐसी मान्यता है कि देवी ने घोषणा की थी कि कलयुग में उनका नाम कैला होगा और उनके भक्त कैलेश्वरी के रूप में उनकी पूजा करेंगे।
- यह मंदिर करौली में कालीसिल नदी के तट पर त्रिकुट पर्वत पर स्थित है।

भिवाड़ी में एल्युमिनियम प्लांट लगेगा

- दक्षिण भारत की क्रॉफ्टसमैन ऑटोमेशन भिवाड़ी के सलारपुर इंडस्ट्री एरिया में एल्युमिनियम प्रोडक्ट प्लांट लगाएगी।
- पहले चरण में कंपनी इसके लिए 150 करोड़ रुपए का निवेश करेगी।
- यह प्लांट अगले 12 महीने में शुरू होगा।

पुलिस और CBS साइबर फाउंडेशन के बीच MoU

- साइबर क्राइम के प्रति जागरूकता के लिए राजस्थान पुलिस CBS साइबर फाउंडेशन के साथ मिलकर काम करेगी।
- इस संदर्भ में राजस्थान पुलिस और CBS साइबर फाउंडेशन के बीच एमओयू हुआ।
- इसके तहत दोनों पक्षों द्वारा कम्प्यूटर तकनीक के सुरक्षित उपयोग के लिए नागरिकों को सजग और सतर्क बनाने के लिए साइबर जागरूकता कैंपेन चलाया जाएगा।
- कम्प्यूटर, मोबाइल, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, ई-कॉमर्स एप्लीकेशन, ऑनलाइन बैंकिंग, एआई और मशीन लर्निंग टेक्नोलॉजी के सुरक्षित उपयोग के बारे में लोगों को जानकारी दी जाएगी।
- इसके अलावा सेमिनार, वर्कशॉप, वेबिनार और कॉन्फ्रेंस जैसी गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।

BNI जयपुर और CREDAI राजस्थान के बीच एमओयू

- बिजनेस नेटवर्क इंटरनेशनल (BNI) और CREDAI (Confederation of Real Estate Developers Association of India) राजस्थान के बीच एमओयू पर 5 अप्रैल, 2024 को हस्ताक्षर किए गए।
- इस एमओयू के तहत BNI जयपुर अपने नेटवर्क से विक्रेताओं को उनकी आवासीय और वाणिज्यिक परियोजनाओं के लिए CREDAI राजस्थान के सदस्यों की ओर से सूचीबद्ध करेगा।

स्वयं पोर्टल

- इसके तहत विद्यार्थी 'स्वयं पोर्टल' पर अपना पंजीयन कर ऑनलाइन पढ़ाई कर सकेंगे।

- यह पोर्टल राजस्थान के शिक्षा विभाग द्वारा ग्रीष्मकालीन अवकाश का सदुपयोग करने के लिए शुरू किया गया है।
- इसमें NCERT की पुस्तकों से अध्ययन करवाया जाएगा।
- इसके लिए 11वीं और 12वीं कक्षा के 11 विषयों के 28 कोर्स (16 कोर्स 11वीं के शेष 12वीं के) शामिल किए गए हैं।
- इस पोर्टल पर 16 मई से ग्रीष्मकालीन अवकाश हो जाने के बाद से 30 सितम्बर, 2024 तक कक्षाओं का संचालन किया जाएगा।

जयपुर प्रशासन द्वारा 'क्यू ट्रेकर' मोबाइल एप लॉन्च

- यह जयपुर जिला प्रशासन की पहल है।
- इस एप की सहायता से जयपुर निर्वाचन क्षेत्र में मतदान केंद्र की स्थिति और मतदाताओं की संख्या का पता लगाया जा सकेगा।
- यह एप जयपुर जिला प्रशासन ने सूचना प्रौद्योगिकी विभाग (DoIT) के सहयोग से विकसित किया है।
- यह सुविधा जयपुर शहरी व ग्रामीण लोकसभा क्षेत्र की झोटवाड़ा विधानसभा सहित शहर की कुल 9 विधानसभा क्षेत्रों के मतदाताओं हेतु उपलब्ध कराई गई।
- मोबाइल पर प्रति घंटे बूथ पर कुल वोटर्स की संख्या अपडेट की गई। इस जानकारी की सहायता से मतदाता अपनी सुविधा के अनुसार बूथ पर जाकर मतदान कर सकता है।

डॉ. चन्द्रशेखर सेन को कौसा ट्रस्ट कला अवॉर्ड

- कौसा ट्रस्ट अमृतसर की ओर से कौसा ट्रस्ट कला अवॉर्ड्स 2024 का वितरित किए गए।
- इसमें जयपुर के टेराकोटा आर्टिस्ट डॉ. चन्द्रशेखर सेन को भी सम्मानित किया गया।
- सेन को यह अवॉर्ड कला के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया गया।
- अवॉर्ड देश के 11 कलाकारों को प्रदान किया गया।
- सेन को हाल ही में अफ्रीकन मून विश्वविद्यालय दक्षिण पश्चिम अफ्रीका की ओर से मानद उपाधि प्रदान की गई।

राजस्थान में स्वदेशी डिलीवरी प्लेटफॉर्म का सफल परीक्षण

- भारतीय सेना द्वारा 26 अप्रैल, 2024 को बीकानेर के महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में युद्ध के दौरान भारी सैन्य उपकरणों को रेतिले और दुर्गम क्षेत्र में सैनिकों तक पहुँचाने का अभ्यास किया गया।
- यह परीक्षण भारतीय सेना और हवाई डिलीवरी एवं विकास प्रतिष्ठान (ADRDE) द्वारा सैन्य क्षमता बढ़ाने हेतु किया गया था।

- इस अभ्यास को भारतीय सेना ने इंडियन एयरफोर्स के सहयोग से मैकेनाइज्ड प्लेटफॉर्म को जमीन पर उतारा।
- यह एयर ड्रॉप पूर्णतः स्वदेशी रूप से विकसित 32 फीट टाइप V प्लेटफॉर्म से किया गया।
- इस अभ्यास में वायु सेना के C-17 विमान से ड्रॉप जोन में BMP (भारी मशीन) की डिलीवरी की गई।

महिलाओं और किसानों के उत्पादों को बेचने हेतु 'उत्कर्ष किसान' एप विकसित

- यह एप राजस्थान के नागौर जिले के नकुल परिहार द्वारा विकसित किया गया है।
- इस एप पर किसान अपना अनाज और अन्य उत्पाद सीधा ग्राहकों को बेच सकेंगे।
- इसमें महिलाएँ भी हस्तनिर्मित, डिजाइनिंग मेटेरियल, पेंटिंग आदि एप ग्राहकों को बेच सकेंगी।

डॉ. राधेश्याम पारीक

- डॉ. राधेश्याम पारीक प्रख्यात होम्योपैथी चिकित्सक है, जिन्हें हाल ही में पद्मश्री सम्मान से सम्मानित किया गया है।
- डॉ. राधेश्याम 70 वर्ष से आगरा में होम्योपैथिक चिकित्सक है तथा मूल रूप से नवलगढ़ (झुंझुनू) से है।
- डॉ. राधेश्याम का पद्मश्री पुरस्कार हेतु नामांकन उत्तर प्रदेश से हुआ।
- डॉ. राधेश्याम को असाध्य रोगों के मरीजों के इलाज करने हेतु यह सम्मान दिया गया।
- उन्हें जर्मनी में हैनिमैन पुरस्कार सहित कई अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कारों से भी सम्मानित किया गया है।

राजस्थान से पद्मश्री पुरस्कार 2024 विजेता

1. श्री जानकीलाल (कला) (भीलवाड़ा) (जिन्हें "बाबा बहुरूपिया" के नाम से भी जाना जाता है।)
2. श्री अली मोहम्मद और श्री गनी मोहम्मद (कला) (संयुक्त पुरस्कार) (बीकानेर) (प्रसिद्ध गजल गायक और मांड लोक संगीत गायक)
3. श्री लक्ष्मण भट्ट तैलंग (कला) (मरणोपरांत) (जयपुर) (ध्रुपद संगीत के उस्ताद थे।)
4. सुश्री माया टंडन (सामाजिक कार्य) (जयपुर) (सड़क सुरक्षा के लिए किए गए कार्यों हेतु)

नीरू यादव

- राजस्थान की नीरू यादव ने 3 मई को संयुक्त राष्ट्र के जनसंख्या और विकास आयोग (CDP) के वार्षिक सम्मेलन को संबोधित किया।

- नीरू ने पंचायत स्तर पर बालिकाओं और महिलाओं को सशक्त करने के लिए किए गए नवाचारों को प्रस्तुत किया।
- CDP का वार्षिक सम्मेलन न्यूयॉर्क में 29 अप्रैल-3 मई, 2024 को आयोजित किया गया।
- नीरू यादव राजस्थान के झुंझुनू जिले में बुहाना तहसील के लांबी अहीर ग्राम पंचायत की सरपंच हैं।
- वह हॉकी वाली सरपंच के नाम से प्रसिद्ध हैं।
- नीरू 'सच्ची सहेली महिला एग्री' नामक FPO (Farmers Producer Organisation) चलाती हैं, इससे किसानों को खाद बीज व अन्य सामग्री रियायत दर पर मिलती है।
- नीरू यादव ने क्षेत्र में बर्तन बैंक खुलवाकर ग्राम पंचायत को प्लास्टिक मुक्त करने की पहल की।
- उन्होंने पर्यावरण को बढ़ावा देने के लिए विवाह पर कन्यादान के रूप में पेड़ देकर नई मुहिम शुरू की।
- वह मेरा पेड़-मेरा दोस्त मुहिम के तहत सरकारी स्कूलों में 21000 पौधे फ्री बाँट चुकी हैं।

उमेश दत्ता SPG में IG बने

- उमेश दत्ता को 5 अप्रैल, 2024 को स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप (SPG) में पुलिस महानिरीक्षक (IG) नियुक्त किया गया है।
- उमेश दत्ता राजस्थान कैडर के वर्ष 2000 बैच के भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी (IPS) हैं।
- उमेश दत्ता का इस पद 5 वर्ष की अवधि तक रहेंगे।

SPG

- SPG (विशेष सुरक्षा दल) एक सशस्त्र बल है।
- यह बल भारत सरकार के कैबिनेट सचिवालय के अंतर्गत आता है।
- SPG प्रधानमंत्री, पूर्व प्रधानमंत्रियों और उनके परिवार के करीबी सदस्यों को सुरक्षा देता है।
- इसके गठन की आवश्यकता प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या (1984) के बाद महसूस हुई।
- 1985 में बीरबल नाथ समिति की सिफारिश पर इस बल का गठन किया गया।
- पहले इसका नाम विशेष सुरक्षा इकाई (Special Protection Unit-SPU) था बाद में इसका नाम बदलकर Special Protection Group (SPG) कर दिया गया।
- वर्ष 1988 में SPG के संदर्भ में संसद द्वारा अधिनियम बनाया गया इसे SPG ACT, 1988 कहा जाता है।
- SPG का मुख्यालय नई दिल्ली में है। इसके प्रमुख की नियुक्ति केंद्र सरकार द्वारा की जाती है।

- इस पद पर भारतीय पुलिस सेवा (IPS) के एडिशनल डायरेक्टर जनरल (ADG) रैंक से कम के अधिकारी को नियुक्त नहीं किए जाने का प्रावधान है।
- SPG एक्ट, 1988 में वर्ष 2019 में संशोधन किया गया। इसके तहत SPG अब केवल वर्तमान प्रधानमंत्री और उनके साथ उनके आधिकारिक आवास में रहने वाले उनके परिवार के सदस्यों को ही सुरक्षा देगा।
- इसके अलावा SPG पूर्व प्रधानमंत्रियों और उन्हें आवंटित आवास में उनके साथ रहने वाले परिवार के सदस्यों की भी सुरक्षा करेगी। लेकिन यह सुविधा पद छोड़ने की तिथि के 5 वर्ष बाद तक ही मिलेगी।
- SPG का आदर्श वाक्य 'शौर्यम् समर्पणम् सुरक्षणम्' है।

जयपुर के डॉ. आरोह को अमेरिका में साउंडिंग रॉकेट मिशन की कमान

- उत्तरी अमरीका में सूर्य ग्रहण के दौरान किए गए तीन सफल 'साउंडिंग रॉकेट' परीक्षण की कमान जयपुर के डॉ. आरोह बड़जात्या को दी गई।
- आरोह अमरीकी अंतरिक्ष एजेंसी NASA के साउंडिंग रॉकेट मिशन के निदेशक हैं।
- वह पिछले 20 वर्षों से नासा से जुड़े हुए हैं।

कीर्ति अरोड़ा का अमेरिका में 'प्रेसिडेंट लीडरशिप एकेडमी' में चयन

- यह राजस्थान के अलवर जिले से है।
- इन्हें हाल ही में संयुक्त राज्य अमेरिका की 'पेन स्टेट यूनिवर्सिटी की प्रतिष्ठित प्रेसिडेंट लीडरशिप एकेडमी' चयनित किया गया।
- कीर्ति वर्ष 2024 में इस सूची में शामिल होने वाली एकमात्र भारतीय हैं।
- कीर्ति का विदेश में उच्च शिक्षा हेतु चयन राजस्थान सरकार की 'राजीव गांधी स्कॉलरशिप योजना' के तहत हुआ था।
- पेन स्टेट प्रेसिडेंट स्कॉलर के रूप में चयनित 30 विद्यार्थियों को विश्व में विभिन्न स्थानों में शैक्षणिक भ्रमण और राज्यों की संस्कृति और लोगों से जुड़ने का अवसर मिलता है।

ललित गुप्ता

- ललित गुप्ता को 'राजस्थान समरसता रत्न अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया है।
- गुप्ता को यह पुरस्कार उनके सामाजिक एवं गौ सेवा कार्यों के लिए प्रदान किया गया है।

- उन्हें यह पुरस्कार अन्तर्राष्ट्रीय समरसता मंच एवं राष्ट्रीय समता मंच के संयुक्त तत्वावधान में दिया गया।

41वीं सारस गणना

- यह गणना राजस्थान के वन विभाग और केवलादेव नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी भरतपुर द्वारा की गई।
- इस गणना हेतु भरतपुर जिले को 17 जोन में बाँटा गया।
- वर्तमान में भरतपुर जिले में कुल 143 सारस हैं, जबकि वर्ष 2023 में भरतपुर में कुल 185 सारस थे।
- वर्ष 2024 में विगत वर्ष की तुलना में 42 सारस कम हैं।

जीण माता का लक्ष्मीमेला

- यह शक्तिपीठ राजस्थान के सीकर जिले में स्थित है।
- जीणमाता का लक्ष्मी मेला प्रतिवर्ष चैत्र नवरात्रि में आयोजित किया जाता है।
- इसमें दर्शनार्थियों के लिए 'रोप-वे' सुविधा है।
- यह 'रोप-वे' जीण माता मंदिर से पहाड़ी पर स्थित काजल शिखर माता मंदिर तक जाता है।

जीण माता

- जीण माता (जन्म नाम : जीवण) का जन्म राजस्थान के चूरू में घांघू गाँव के एक राजघराने में हुआ था।
- इनका मंदिर सीकर के रेवासा गाँव से 10 किमी. दूर पहाड़ी के पास स्थित है।
- देश के प्राचीन शक्तिपीठों में से एक जीण माता का मंदिर दक्षिणमुखी है।
- मंदिर में जीण माता की अष्टभुजी प्रतिमा है।
- इस मंदिर के पास महात्मा का तपोस्थल भी है, जिसे 'धुणा' कहा जाता है।
- यहां मौजूद सबसे पुराना शिलालेख संवत् 1029 का है तथा मंदिर को आठवीं सदी में निर्मित माना जाता है।
- जीण माता को शक्ति का अवतार माना जाता है तथा 'भैवरों की देवी' कहा जाता है।
- इनके बड़े भाई हर्ष को भगवान शिव का अवतार कहा जाता है। अरावली की पहाड़ियों के बीच हर्षनाथ का मंदिर है।

ओजस्विनी सारस्वत गोल्फ का नेशनल टूर्नामेंट जीती

- यह राष्ट्रीय टूर्नामेंट कोलकाता के टॉलीगंज गोल्फ क्लब में आयोजित किया गया।
- इस चैंपियनशिप में जयपुर की ओजस्विनी सारस्वत ने राजस्थान का प्रतिनिधित्व करते हुए खिताब जीता।
- इससे पहले उन्होंने एशियाई जूनियर मास्टर्स टूर्नामेंट में भी जीत हासिल की थी।

अमरसिंह ने एशिया ओशेनिया अल्ट्रा मैराथन चैंपियनशिप 2024 में स्वर्ण पदक जीता

- अमरसिंह ने कैनबरा (ऑस्ट्रेलिया) में 6-7 अप्रैल 2024 को आयोजित एशिया ओशेनिया अल्ट्रा मैराथन चैंपियनशिप 2024 में **24 घंटे में 272 किमी दौड़ कर नया रिकॉर्ड बनाते हुए स्वर्ण पदक जीता।**
- अमरसिंह ने प्रति घंटे औसतन 11.35 किलोमीटर की दूरी तय की।
- अब तक अमरसिंह अंतरराष्ट्रीय स्तर 5 पदक जीत चुके हैं। जिनमें 4 स्वर्ण व 1 सिल्वर हैं।
- यह चैंपियनशिप इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ अल्ट्रा रनर के तत्वावधान में आयोजित की गई।
- अमरसिंह वर्तमान में वायुसेना में कॉर्पोरल सोल्जर है।

अल्ट्रा मैराथन

- 24 घंटे की दौड़ में प्रतिभागियों को लगातार 24 घंटे दौड़ना होता है और दौड़ते समय उन्हें पोषण और हाइड्रेशन की जरूरत होती है।
- इसमें एथलीट कम से कम चलने या आराम करने की कोशिश करते हैं ताकि वे 24 घंटे में अधिकतम दूरी तय कर सकें।

राजस्थान टीम ने सब-जूनियर बालिका राष्ट्रीय कबड्डी स्पर्धा में रजत पदक जीता

- 33वीं सब-जूनियर बालिका राष्ट्रीय कबड्डी प्रतियोगिता में राजस्थान बालिका वर्ग ने रजत पदक जीता है।
- राजस्थान बालिका टीम ने फाइनल में हरियाणा को हराया।
- 33वीं सब-जूनियर राष्ट्रीय कबड्डी प्रतियोगिता पटना, बिहार में आयोजित की गई।
- इससे पहले राजस्थान पुरुष वर्ग कबड्डी खिलाड़ियों ने 48वीं जूनियर राष्ट्रीय कबड्डी प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता था जबकि 49वीं जूनियर राष्ट्रीय कबड्डी प्रतियोगिता में राजस्थान ने रजत पदक जीता है।

दक्षिणा जोशी ने स्विमिंग में तीन स्वर्ण पदक जीते

- केंद्रीय मंत्रालय (खेल एवं युवा मामले) व स्विमिंग फेडरेशन के संयुक्त तत्वावधान में उदयपुर के खेल गाँव में अस्मिता खेलो इंडिया वुमैंस सीरीज - 2 वेस्ट जोन तैराकी प्रतियोगिता हुई।
- इस प्रतियोगिता में जयपुर की दक्षिणा जोशी ने 200 मीटर बटरफ्लाइ, 100 मीटर बटरफ्लाइ व 200 मीटर बैकस्ट्रोक में तीन गोल्ड मेडल जीते।

- इससे पहले वर्ष 2023 में दक्षिणा जोशी ने SGFI स्टेट टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ तैराक का खिताब जीता था।

दीक्षा जाट ने सीनियर कुश्ती फेडरेशन कप में कांस्य पदक जीता

- 'सीनियर कुश्ती फेडरेशन कप-2024' का आयोजन वाराणसी में किया गया।
- इसमें डीग जिले की दीक्षा जाट ने कांस्य पदक जीता।
- दीक्षा इससे पहले फेडरेशन कप 2022 में रजत पदक तथा सीनियर नेशनल चैंपियनशिप 2023 में कांस्य पदक जीत चुकी हैं।

महिपाल सिंह ने इंडियन ओपन शॉटगन में स्वर्ण पदक जीता

- राजस्थान के महिपाल सिंह शेखावत ने 164वे इंडियन ओपन कम्पिटिशन शॉटगन 2024 में स्वर्ण पदक जीता है।
- इसमें रजत पदक प्रियांशु पांडे (आर्मी) ने और कांस्य पदक मनिंदर सिंह (पंजाब) ने जीता है।
- यह चैंपियनशिप नेशनल राइफल एसोसिएशन की ओर से भटिंडा (पंजाब) में आयोजित हुई।
- इस टूर्नामेंट में पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के 50 से अधिक शूटर्स ने सभी श्रेणियों में भाग लिया।

चन्द्र प्रताप सिंह का इंग्लिश काउंटी क्रिकेट में चयन

- जयपुर के चन्द्र प्रताप सिंह का इंग्लिश काउंटी क्रिकेट खेलने के लिए चयन हुआ है।
- इंग्लिश काउंटी क्रिकेट के सीजन-2024 के लिए सरे काउंटी, लंदन में एक वर्ष का करार हुआ है।
- यह इंग्लैण्ड में उनका 5वाँ सीजन है।
- चन्द्र प्रताप सिंह जूनियर व सब-जूनियर क्रिकेट में राजस्थान का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।

राजस्थान के 2 पैरा खिलाड़ियों ने 5 स्वर्ण और 1 रजत पदक जीते

- राजस्थान नेत्रहीन विद्यालय के दो पैरा खिलाड़ियों ने 23वीं राष्ट्रीय पैरा स्विमिंग चैंपियनशिप में 5 स्वर्ण और 1 रजत पदक जीते।
- **सूरजभान मीणा** ने 100 मी. फ्री स्टाइल में स्वर्ण, 50 मी. फ्री स्टाइल में स्वर्ण पदक और 50 मी. बैक स्ट्रोक में रजत जीता।
- **अनमोल सारण** ने सब जूनियर कैटेगरी में 100 मी. फ्री स्टाइल, 50 मी. बैक स्ट्रोक, 50 मी. फ्री स्टाइल में स्वर्ण पदक जीते।

राजस्थान वुशू टीम ने 4 स्वर्ण सहित 27 पदक जीते

- 23वीं सबजूनियर राष्ट्रीय (बालक/बालिका) वुशू प्रतियोगिता व खेलो इंडिया सबजूनियर व जूनियर विमेन वुशू लीग में राजस्थान वुशू टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 04 स्वर्ण, 09 रजत व 14 कांस्य सहित कुल 27 पदक जीते।
- भारतीय वुशू संघ के तत्वावधान में 26 से 31 मार्च 2024 तक जम्मू में आयोजित हुई।

नेशनल पॉवरलिफ्टिंग चैम्पियनशिप 2024

- इसका आयोजन रायपुर (छत्तीसगढ़) में अप्रैल 2024 में किया गया।
- इस चैम्पियनशिप में सब जूनियर वर्ग में राजस्थान के अमन (157 किग्रा. भार वर्ग) और विनीत (147 किग्रा. भार वर्ग में) ने कांस्य पदक, दीपक (182 किग्रा. भार वर्ग) व सौरभ (148 किग्रा. भार वर्ग) ने रजत पदक और भूरा पहलवान (180 किग्रा भार वर्ग) ने स्वर्ण पदक के साथ स्ट्रॉंग सब जूनियर की ट्रॉफी जीती।
- जूनियर वर्ग में साहब सिंह और ललित सिंह ने रजत पदक जीते।

लवमीत कटारिया भारतीय वालीबॉल टीम की चयन समिति में शामिल

- राजस्थान से अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी रहे लवमीत कटारिया को भारतीय खिलाड़ियों के चयन के लिए बनी 6 सदस्य कमेटी का सदस्य बनाया गया है।
- यह समिति बेंगलूरु में होने वाली भारतीय वालीबॉल टीम की अंडर-18, अंडर-20 और सीनियर वालीबॉल टीम का चयन करेगी।
- लवमीत पूर्व में भी चीन में आयोजित एशियन गेम्स हेतु भारतीय टीम की चयन समिति में शामिल थे।

अव्यांश सिंह

- यह भरतपुर जिले से क्रिकेट खिलाड़ी है।
- इनका इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड की काउंटिंग डिवीजन लीग में ओवरसीज प्लेयर के रूप में अनुबंध किया गया है।
- अव्यांश वर्ष 2021-22 में दक्षिण अफ्रीका बोर्ड की प्रीमियर लीग भी खेल चुके हैं।
- अव्यांश ने अंडर-23 सी.के. नायडू ट्रॉफी में भी राजस्थान टीम का प्रतिनिधित्व किया है।

राजस्थान ने बास्केटबॉल में स्वर्ण पदक जीता

- पुडुच्चेरी में आयोजित 38वीं यूथ नेशनल बास्केटबॉल चैंपियनशिप में राजस्थान ने बालक वर्ग में स्वर्ण पदक जीता।

- राजस्थान ने खिताबी मुकाबले में पंजाब को 85-77 से हराया।
- राजस्थान की बालिका वर्ग की टीम चतुर्थ स्थान पर रही।

कॉम्बेट रेसलिंग राष्ट्रीय प्रतियोगिता में राजस्थान ने 5 स्वर्ण, 1 रजत और 1 कांस्य पदक जीता

- कॉम्बैट फेडरेशन ऑफ इंडिया की ओर से प्रथम कॉम्बेट रेसलिंग राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन उड़ीसा के जगन्नाथपुरी में हुआ।
- इसमें राजस्थान के राजकुमार, करतार सिंह, अभिषेक शर्मा, हार्दिक चौधरी ओर पूजा गुर्जर ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि राहुल योगी ने रजत पदक और राहुल सिंह ने कांस्य पदक जीता।

पाना देवी गोदारा ने नेशनल मास्टर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में 3 स्वर्ण पदक जीते

- राजस्थान की बुजुर्ग महिला पाना देवी गोदारा (92 वर्षीय) ने पुणे में आयोजित 44वीं नेशनल मास्टर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप 2024 में तीन स्वर्ण पदक जीते हैं।
- ये 3 स्वर्ण पदक 100 मीटर, दौड़ गोला फेंक, तशतरी फेंक स्पर्धाओं में जीते।
- पाना देवी बीकानेर जिले की नोखा तहसील के अणखीसर गाँव से है।
- वह अगस्त 2024 में स्वीडन में आयोजित होने वाली वर्ल्ड चैम्पियनशिप में भाग लेंगी।

अक्षिता डागर

- जयपुर में आयोजित ऑल इंडिया राहा कप कराटे चैंपियनशिप में जयपुर की अक्षिता डागर ने 11 वर्ष आयु वर्ग में स्वर्ण पदक जीता।

महत्वपूर्ण तथ्य**राजस्थान के 7 ऐसे नेता जो केंद्र और राज्य के सभी सदनों के सदस्य रहे**

- राजस्थान से **लोकसभा, राज्यसभा व राज्य की विधानसभा** तीनों सदनों का प्रतिनिधित्व करने वाले नेताओं की संख्या 7 हैं।
 1. जगन्नाथ पहाड़िया
 2. जगदीश प्रसाद माथुर
 3. किरोड़ीलाल मीणा
 4. नरेंद्र बुडानिया
 5. रामनिवास मिर्धा
 6. कुंभाराम आर्य
 7. कनकमल कटारा

जगन्नाथ पहाड़िया

- जगन्नाथ पहाड़िया वर्ष 1980 में 11 महीने के लिए राजस्थान के अनुसूचित जाति से आने वाले पहले मुख्यमंत्री बने।
- वह 1989 में बिहार व 2009 में हरियाणा के राज्यपाल नियुक्त हुए।
- जगन्नाथ पहाड़िया 1980, 1985, 1990 व 2003 में विधानसभा के अलावा 1957, 1967, 1971 व 1980 में लोकसभा चुनाव जीत चुके हैं, जबकि वह 1965 में राज्य सभा सदस्य चुने गए।

जगदीश प्रसाद माथुर

- यह भाजपा के पहले प्रदेशाध्यक्ष रह चुके हैं।
- जगदीश प्रसाद 1957 में सीकर से विधायक व 1977 में लोकसभा सांसद निर्वाचित हुए। 1972 में राज्यसभा सदस्य चुने गए।

किरोड़ीलाल मीणा

- किरोड़ीलाल 1995, 1998, 2003 व 2013, 2023 में अलग- अलग विधानसभाओं से विधायक बने तथा 1998 में सर्वाइमाधोपुर व 2009 में दौसा से लोकसभा चुनाव जीत चुके हैं।
- मीणा 2018 में राज्य सभा सांसद चुने गए।

नरेंद्र बुडानिया

- नरेंद्र बुडानिया 2023 में तारानगर से विधायक है, जबकि 1985, 1996 और 1998 में चूरू से लोकसभा सांसद तथा 2012 से 2018 तक राज्यसभा सदस्य रह चुके हैं।

रामनिवास मिर्धा

- रामनिवास मिर्धा राजस्थान विधानसभा में 1953 से 1967 तक लगातार विधायक के साथ मंत्री रहे।
- वर्ष 1967, 1968 व 1974 में राज्य सभा सदस्य रहे तथा वर्ष 1977 से 1980 तक राज्यसभा उपसभापति रहे।
- इसके अलावा 1991 के लोकसभा चुनाव में वे बाड़मेर से सांसद चुने गए।

कुंभाराम आर्य

- जनता दल के संस्थापक अध्यक्ष कुंभाराम आर्य ने 1952 में चूरू विधानसभा से निर्दलीय चुनाव जीता।
- 1968 में भारतीय क्रांति दल से राज्य सभा सदस्य चुने गए। इसके अलावा 1980 में लोकदल से सीकर से लोकसभा चुनाव जीता।

कनकमल कटारा

- कनकमल कटारा 2002 व 2003 में सागवाड़ा से विधायक रहे और 2019 में बांसवाड़ा से लोकसभा सदस्य चुने गए।
- कनकमल कटारा 1994 में राज्य सभा सदस्य चुने गए थे।

2

राष्ट्रीय परिदृश्य

राजव्यवस्था एवं शासन

‘जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों से मुक्त होने का अधिकार’ मूल अधिकार में शामिल है: सुप्रीम कोर्ट

- यह फैसला लुप्तप्राय ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (गोडावण) प्रजाति के अस्तित्व से जुड़े एक मामले में सुनाया गया।
- सर्वोच्च न्यायालय ने पहली बार क्लाइमेट और इकोलॉजी के बीच संतुलित निर्णय दिया।
- यह निर्णय ‘एम.के. रंजीतसिंह बनाम यूनियन ऑफ इंडिया’ वाद में दिया गया।
- सर्वोच्च न्यायालय ने कोयले और गैस से चलने वाले बिजली उत्पादन के बदलाव (सौर ऊर्जा उत्पादन) और विलुप्त हो रहे ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (गोडावण) पक्षी की रक्षा के बीच संतुलन बनाया है।

निर्णय

- सर्वोच्च न्यायालय ने गोडावण के 13,000 वर्ग किमी के मुख्य आवास को छोड़कर 77,000 वर्ग किमी में बिजली ट्रांसमिशन लाइनों पर लगी रोक हटा दी है।
- यह फैसला नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन बढ़ाने और पक्षियों की सुरक्षा के बीच संतुलन बनाने पर केंद्रित था।
- बिजली के तारों से टकराने से ज्यादातर गोडावण पक्षी मर जाते हैं, इसलिए पर्यावरणविद एम. के. रंजीतसिंह की दलीलों के आधार पर हाई वोल्टेज तारों पर रोक लगाई गई थी।

- सर्वोच्च न्यायालय ने अनुच्छेद 14 और 21 के दायरे का विस्तार करते हुए इसमें ‘जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों से मुक्त होने अधिकार’ (Right to be Free from the Adverse effects of Climate Change) को भी शामिल करने का निर्णय दिया।
- सरकार के अलग-अलग मंत्रालयों के अनुरोध को स्वीकार करते हुए, शीर्ष अदालत ने कहा कि अनुच्छेद 21 प्राण और दैहिक स्वतंत्रता के अधिकार को मान्यता देता है जबकि अनुच्छेद 14 के तहत सभी व्यक्तियों को विधि के समक्ष समानता और कानूनों की समान सुरक्षा का उल्लेख है।
- ये अनुच्छेद ‘स्वच्छ पर्यावरण के अधिकार और जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों से मुक्त होने

के अधिकार’ के महत्वपूर्ण स्रोत हैं।

- सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि स्वच्छ पर्यावरण का अधिकार ‘जीवन के अधिकार’ (Right to Life) में शामिल है।
- ‘स्वास्थ्य का अधिकार’ भी अनुच्छेद 21 के तहत ‘जीवन के अधिकार’ का एक भाग है। यह अधिकार वायु प्रदूषण, बढ़ते तापमान, सूखा, फसल नष्ट होने के कारण खाद्य आपूर्ति में कमी, तूफान और बाढ़ जैसे कारकों के कारण प्रभावित होता है।
- वंचित समुदायों की जलवायु परिवर्तन के अनुकूल ढलने या इसके प्रभावों से निपटने में असमर्थता जीवन के अधिकार (अनुच्छेद 21) के साथ ही समानता के अधिकार (अनुच्छेद 14) का उल्लंघन करती है।
- न्यायालय ने कहा कि भारत का लक्ष्य 2022 तक 175 गीगावॉट की स्थापित नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता (बड़ी पनबिजली को छोड़कर) हासिल करना है।
- यह एक ऐसा लक्ष्य है जो स्वच्छ ऊर्जा अपनाने के लिए देश की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, और भविष्य का लक्ष्य 2030 तक 450 गीगावॉट क्षमता स्थापित करने का है।

पर्यावरण के संदर्भ में संवैधानिक प्रावधान

- संविधान के अनुच्छेद 48A में उल्लेख है कि राज्य पर्यावरण का संरक्षण और संवर्धन करने तथा देश के वनों और वन्यजीवों की सुरक्षा करने का प्रयास करेगा।
- मौलिक कर्तव्य: अनुच्छेद 51A(g) में उल्लेख है कि भारत के प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य होगा कि वह वन, झील, नदी और वन्यजीवों सहित प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा और संवर्धन करना और प्राणि मात्र के प्रति दया भाव रखे।

मुद्दा

- यह मामला गोडावण पक्षी के बिजली के तारों से टकराने से संरक्षण और सौर ऊर्जा हेतु आवंटित जमीन से संबंधित है।
- गोडावण का वैज्ञानिक नाम: अर्देओटिस नाइग्रिसेप्स (Ardeotis Nigriceps) है।
- गोडावण पक्षी मुख्य रूप से राजस्थान में पाया जाता है। जजों ने अप्रैल 2019 के सुप्रीम कोर्ट के आदेश को रद्द कर दिया।

- 19 अप्रैल, 2021 को, सर्वोच्च न्यायालय ने राजस्थान और गुजरात में 90,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में बिजली ट्रांसमिशन लाइनों पर रोक लगाने का आदेश दिया था।
- इस निर्णय से सौर ऊर्जा उत्पादन में कमी आने की आशंका थी और 2030 तक नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को 450 गीगावॉट तक बढ़ाने के लक्ष्य भी पूरा नहीं हो सकता था।
- केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय; बिजली मंत्रालय तथा नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने इस निर्णय पर पुनर्विचार करने और निर्देशों में संशोधन करने का आग्रह किया।
- केंद्र सरकार का तर्क था कि हाई वोल्टेज बिजली लाइनों को भूमिगत करना तकनीकी रूप से संभव नहीं है।

कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी अनुच्छेद 15 द्वारा संरक्षित एक संवैधानिक अधिकार है-सुप्रीम कोर्ट

- सुप्रीम कोर्ट ने कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी के लिए बाल देखभाल अवकाश (Child Care Leave: CCL) के प्रावधान की महत्ता को रेखांकित किया।
- इस फैसले से देश में रोजगार में महिलाओं की स्थिति पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ेगा।
- सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि **कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी केवल विशेषाधिकार का मामला नहीं है, बल्कि अनुच्छेद 15 द्वारा संरक्षित एक संवैधानिक अधिकार है।**
- एक आदर्श नियुक्ता के रूप में राज्य उन विशेष चिंताओं से अनभिज्ञ नहीं रह सकता है जो उसकी सरकार में कार्यबल के रूप में नियुक्त महिलाओं से संबंधित हैं।
- यदि राज्य ऐसा प्रावधान नहीं करता है तो बाल देखभाल अवकाश के प्रावधान के अभाव में, एक माँ को कार्यबल छोड़ने के लिए बाध्य होना पड़ सकता है।
- सुप्रीम कोर्ट ने राज्य के मुख्य सचिव को मामले के सभी पहलुओं को देखने के लिए 3 सदस्यीय समिति गठित करने का निर्देश दिया है।
- सुप्रीम कोर्ट हिमाचल प्रदेश के एक सरकारी कॉलेज में एक असिस्टेंट प्रोफेसर की याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसे 2008 में केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए छठे केंद्रीय वेतन आयोग द्वारा शुरू की गई बाल देखभाल अवकाश (CCL) से वंचित कर दिया गया था।

- महिला कर्मचारी ने एक दुर्लभ आनुवंशिक विकार से पीड़ित अपने बच्चे की देखभाल के लिए अवकाश की मांग की थी।
- **नोट:** केंद्र सरकार के नियम के अनुसार एक महिला सरकारी कर्मचारी जिसके अठारह वर्ष से कम आयु के नाबालिग बच्चे हैं और जिसके पास कोई अर्जित अवकाश नहीं है, को अवकाश देने में सक्षम प्राधिकारी द्वारा अधिकतम दो वर्ष की अवधि के लिए, यानी 730 दिनों के लिए बाल देखभाल अवकाश दिया जा सकता है, हालांकि यह अवकाश दो बच्चों तक की देखभाल के लिए पूरी सेवा अवधि के लिए है।

सुप्रीम कोर्ट ने 14 वर्षीय बलात्कार पीड़िता के अबॉर्शन का फैसला वापस लिया

- सुप्रीम कोर्ट ने 29 अप्रैल 2024 को अपने 22 अप्रैल के उस फैसले को वापस ले लिया, जिसमें उसने 14 वर्षीय बलात्कार पीड़िता के **30 सप्ताह के गर्भ को गिराने की अनुमति दी थी।**
- पीड़ित लड़की और उसके माता-पिता ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि गर्भपात कराने पर पीड़िता को स्वास्थ्य संबंधी चिंताएँ हो सकती हैं इसलिए बच्चे को जन्म देने का फैसला लिया गया।
- मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन-न्यायाधीशों की पीठ ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग पर पीड़िता के माता-पिता से बात करने के बाद अपने पहले आदेश को पलट दिया।
- इससे पहले 22 अप्रैल 2024 को, **सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र की 14 वर्षीय दुष्कर्म पीड़िता की लगभग 30 सप्ताह के गर्भ की चिकित्सीय समाप्ति की अनुमति दी।**
- सुप्रीम कोर्ट ने बाम्बे हाई कोर्ट के उस आदेश को रद्द कर दिया था, जिसमें गर्भपात की इजाजत देने से इनकार किया गया था।
- सुप्रीम कोर्ट ने गर्भपात की अनुमति देने के लिए संविधान के **अनुच्छेद 142** के तहत अपनी विशेष शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए पूर्ण न्याय किया।

मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी अधिनियम (MTPA):

- इसे पंजीकृत चिकित्सकों द्वारा गर्भधारण को समाप्त करने का प्रावधान करने के लिए अधिनियमित किया गया था।
- मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी एक्ट 1971 (MTPA) के अनुसार गर्भावस्था को समाप्त करने की अधिकतम अवधि 24 सप्ताह है।
- **नोट:** यह अधिनियम एक डॉक्टर की सलाह पर 20 सप्ताह तक की गर्भावस्था को समाप्त करने की अनुमति देता है।

- कुछ मामलों (विवाहित महिलाओं के साथ-साथ विशेष श्रेणियों की महिलाओं जैसे रेप पीड़िता, कमजोर महिलाएँ, और विकलांग महिलाएँ शामिल) के तहत गर्भावस्था 20-24 सप्ताह के होने पर गर्भपात कराने का अधिकार दिया जा सकता है।
- मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी (MTP) अधिनियम के तहत, 24 सप्ताह से अधिक गर्भ की समाप्ति आमतौर पर प्रतिबंधित है, जब तक कि गर्भावस्था महिला के जीवन के लिए गंभीर खतरा न हो या भ्रूण में महत्वपूर्ण विकार शामिल न हों।

चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों को भी निजता का अधिकार है: सर्वोच्च न्यायालय

- सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों को उनके या उनके आश्रितों के स्वामित्व वाली हर चल संपत्ति का खुलासा करने की आवश्यकता नहीं है।
- **नोट:** निजता का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 21 के प्राण और दैहिक स्वतंत्रता के अधिकार के अंतर्गत आता है।
- उम्मीदवारों को केवल उस संपत्ति के बारे में जानकारी का खुलासा करना होगा जो पर्याप्त मूल्य की हो या विलासितापूर्ण जीवन शैली का प्रतिनिधित्व करती हो।
- निर्णय के अनुसार मतदाता को किसी उम्मीदवार की प्रत्येक संपत्ति के बारे में जानने का अधिकार नहीं है।

मुद्दा

- सर्वोच्च न्यायालय ने यह निर्णय अरुणाचल प्रदेश के निर्दलीय विधायक कारिखो क्रि से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान दिया।
- सर्वोच्च न्यायालय ने 2019 अरुणाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव में तेजू से कारिखो क्रि के चुनाव को बरकरार रखा।
- 2019 विधानसभा चुनाव परिणाम की घोषणा को चुनौती देने वाली कांग्रेस उम्मीदवार नुनी तायांग द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए, उच्च न्यायालय ने कारिखो क्रि के चुनाव को अमान्य घोषित कर दिया था।

सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय ओर क्यूरेटिव रिट याचिका का महत्व

- हाल ही में भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने अपनी असाधारण शक्तियों का उपयोग करते हुए 2021 के स्वयं के फैसले को रद्द कर दिया।

- दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन द्वारा दिल्ली एयरपोर्ट मेट्रो एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड (DAMEPL) को ₹ 7,687 करोड़ भुगतान करने के आदेश से राहत दी।
- यह फैसला एक तरफ न्यायालय के क्यूरेटिव रिट के महत्व को रेखांकित करता है। साथ ही यह अंतिम निर्णय और वास्तविक या अधिष्ठायी न्याय (Substantive Justice) के बीच संभावित संघर्ष को दर्शाता है।
- इस मामले में, एक आर्बिट्रल ट्रिब्यूनल ने 2017 में DAMEPL के पक्ष में फैसला सुनाया था, जिसे नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से दिल्ली हवाई अड्डे तक लाइन के निर्माण, रखरखाव और संचालन का ठेका मिला था।

क्यूरेटिव रिट याचिका

- क्यूरेटिव रिट याचिका (Curative writ petition) संविधान में उल्लेख नहीं है।
- इसके तहत सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय में तकनीकी कमी से 'गंभीर अन्याय' को रोका जा सकता है।
- सर्वोच्च न्यायालय ने सबसे पहले रूपा अशोक हुरा बनाम अशोक हुरा (2002) मामले (Rupa Ashok Hurra Vs Ashok Hurra - another, 2002) में क्यूरेटिव रिट की अवधारणा को स्पष्ट किया था।
- इसके तहत क्यूरेटिव पिटीशन पर विचार तभी किया जा सकता है जब याचिकाकर्ता यह सिद्ध करता है कि प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन हुआ है, और आदेश पारित करने से पहले अदालत ने उसकी बात नहीं सुनी।
- यह रिट सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अपने ही फैसले की समीक्षा करने से इनकार करने के बाद दायर की जाती है।
- ऐसी याचिका पर विचार करने के लिए केवल दो मुख्य आधार हैं:
 - प्रक्रिया के दुरुपयोग को रोकना
 - गंभीर अन्याय को रोकना।
- क्यूरेटिव पिटीशन के तहत सर्वोच्च न्यायालय पुनर्विचार याचिका (Review Petition) के खारिज होने के बाद भी अपने फैसले की समीक्षा और संशोधन किया जा सकता है।

सर्वोच्च न्यायालय ने सभी VVPAT और EVM को क्रॉस-सत्यापित करने हेतु याचिका खारिज की

- सर्वोच्च न्यायालय ने 26 अप्रैल 2024 को सभी VVPAT और EVM को क्रॉस-सत्यापित करने की मांग को लेकर सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया।

- इसके अलावा बैलेट पेपर की मांग को लेकर दर्ज याचिका भी खारिज कर दी गई।
- यह फैसला सर्वोच्च न्यायालय के जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की बेंच दिया।
- सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि मतदान इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (EVM) से ही होगा तथा EVM-VVPAT का 100% मिलान नहीं किया जाएगा।
- VVPAT की पर्ची 45 दिनों तक सुरक्षित रखी जाएगी तथा ये पर्चियाँ उम्मीदवारों के हस्ताक्षर के साथ सुरक्षित रहेगी।
- सर्वोच्च न्यायालय का निर्देश है कि चुनाव के बाद सिंबल लोडिंग यूनितों को भी सील कर सुरक्षित किया जाए।
- इसके अलावा उम्मीदवारों के पास नतीजों की घोषणा के बाद टेक्निकल टीम द्वारा EVM के माइक्रो कंट्रोलर प्रोग्राम की जाँच कराने का विकल्प होगा, जिसे चुनाव घोषणा के 7 दिनों के भीतर किया जा सकेगा।
- VVPAT वेरिफिकेशन का खर्चा उम्मीदवारों को खुद ही उठाना पड़ेगा। यदि किसी स्थिति में EVM से छेड़छाड़ पाई जाती है तो खर्च वापस दिया जाएगा।
- **नोट:** मार्च 2023 में एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्मर्स (ADR) ने 100% EVM वोटों और VVPAT की पर्चियों का मिलान करने की मांग को लेकर याचिका दायर की थी।
 - याचिकाकर्ता ने VVPAT पर्चियों की पूरी गिनती करवाने का अनुरोध किया तथा एक साथ मतदाता सत्यापन योग्य पेपर ऑडिट ट्रेल (VVPAT) सत्यापन का सुझाव दिया गया।
- वर्तमान में VVPAT वेरिफिकेशन के तहत लोकसभा क्षेत्र की प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के सिर्फ 5 मतदान केंद्रों के EVM वोटों और VVPAT पर्ची का मिलान किया जाता है।

VVPAT

- इसका पूरा नाम 'वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (Voter Verifiable Paper Audit Trail)' है।
- इसे भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (BEL) और इलेक्ट्रॉनिक कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ECIL) द्वारा डिजाइन किया गया है।
- VVPAT का सबसे पहले प्रयोग 2013 के नागालैंड विधानसभा उपचुनाव में किया गया।
- इसके बाद लोकसभा चुनाव 2014 में कुछ सीटों पर भी इसका प्रयोग किया गया।
- लोकसभा चुनाव 2019 में पहली बार सभी मतदान केंद्रों पर VVPAT का प्रयोग किया गया।

- इसका उद्देश्य वोटिंग प्रक्रिया में पारदर्शिता लाना है।
- यह मशीन EVM से जुड़ी रहती है, जैसे ही वोटर वोट डालता है, VVPAT में एक पर्ची दिखती है। इस पर्ची में उस कैंडिडेट का नाम और चुनाव चिन्ह होता है, जिसे उसने वोट दिया होता है।
- VVPAT की स्क्रीन पर ये पर्ची 7 सेकंड तक दिखाई देती है।
- VVPAT की सहायता से यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि मतदाता ने जिसे मतदान किया, वोट उसी को दिया है अथवा नहीं।

नोटा (NOTA) को अधिक वोट मिलने पर चुनाव पुनः कराने हेतु याचिका

- सुप्रीम कोर्ट को याचिका में नोटा (NOTA: None Of The Above/इनमें से कोई नहीं) विकल्प को अन्य उम्मीदवारों से अधिक मत मिलने पर चुनाव को रद्द करने और नए सिरे से चुनाव कराने का आदेश देने की मांग की गई है।
- सुप्रीम कोर्ट ने 26 अप्रैल 2024 को एक जनहित याचिका पर भारत के चुनाव आयोग से जवाब मांगा है।
- यह जनहित याचिका लेखक, कार्यकर्ता और वक्ता **शिव खेड़ा** ने दायर की है।
- सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अनुसरण में 2013 में चुनावों में मतदाताओं को नोटा (NOTA) का विकल्प प्रदान किया गया था।
- जनहित याचिका में नोटा से कम वोट पाने वाले उम्मीदवारों को 5 साल की अवधि के लिए सभी चुनाव लड़ने से रोक लगाने की भी मांग की गई है।

नोटा (NOTA: None Of The Above/इनमें से कोई नहीं)

- पीपुल्स यूनिन फॉर सिविल लिबर्टीज मामले में 27 सितंबर, 2013 को भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने निर्णय दिया कि मतदाताओं के पास अपना मत डालते समय "इनमें से कोई नहीं" (NOTA) चुनने का विकल्प होना चाहिए।
- सर्वोच्च न्यायालय ने इस संदर्भ में भारत के चुनाव आयोग को EVM में एक बटन जोड़ने का निर्देश दिया था।
- वर्तमान में, किसी निर्वाचन क्षेत्र में नोटा को सबसे अधिक वोट मिलते हैं, तो दूसरे सबसे अधिक वोट प्राप्त करने वाले उम्मीदवार को विजेता घोषित किया जाता है।

- नोटा नकारात्मक वोट के विपरीत, तटस्थ वोटिंग है और इसका कोई संख्यात्मक मूल्य नहीं है।
- भारतीय चुनावों में नोटा अभी तक लोकप्रिय विकल्प नहीं है। लोकसभा चुनाव 2019 में, NOTA को केवल 1.06% वोट मिले, जो 2014 के चुनावों में मिले 1.08% से कम है।

शुद्ध उधार सीमा (NBC) मामले में केरल को राहत नहीं, सर्वोच्च न्यायालय ने मामला संवैधानिक पीठ को भेजा

- सर्वोच्च न्यायालय ने राज्य की अतिरिक्त उधार लेने की शक्तियों पर केंद्र के साथ विवाद में केरल सरकार को अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया और मामले को एक बड़ी संवैधानिक पीठ को भेज दिया।
- इसके अलावा सर्वोच्च न्यायालय ने 2018 में FRBM अधिनियम 2003 में किए गए कुछ बदलावों पर रोक लगाने से भी इनकार कर दिया, जो राज्यों पर उधार प्रतिबंध लगाता है।
- राजकोषीय नीति से संबंधित न्यायिक समीक्षा के दायरे की जाँच भी संवैधानिक पीठ द्वारा की जाएगी।
- केरल ने संविधान के अनुच्छेद 131 के तहत सर्वोच्च न्यायालय में केंद्र सरकार के खिलाफ अपील की। इस अनुच्छेद के तहत देश में राज्य बनाम राज्य, राज्य बनाम केंद्र के बीच विवादों की अपील सर्वोच्च न्यायालय में की जा सकती है।
- सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार के इस तर्क को स्वीकार कर लिया कि यदि कोई राज्य एक वित्तीय वर्ष में अपनी उधार लेने की शक्तियों का अधिक उपयोग करता है, तो अगले वर्षों में इसमें कमी हो सकती है।
- न्यायालय ने संविधान के अनुच्छेद 131 और 293 की व्याख्या से जुड़े व्यापक सवालों के समाधान के लिए मामले को 5 न्यायाधीशों की संवैधानिक पीठ के पास भेज दिया।
- अनुच्छेद 131 के तहत, सर्वोच्च न्यायालय के पास केंद्र और राज्यों के बीच उत्पन्न होने वाले कानूनी मुद्दे आरंभिक अधिकारिता में आते हैं।
- अनुच्छेद 293 अनुदान बाहरी उधार लेने की शक्ति और संघ (केंद्र) द्वारा इसे विनियमित करने के बारे में बताता है।
- चूंकि अनुच्छेद 293 की पहले आधिकारिक तौर पर व्याख्या नहीं की गई है, इसलिए पीठ ने मामले को आगे के विचार के लिए 5 न्यायाधीशों की पीठ के पास भेज दिया।

केंद्र बनाम केरल विवाद

- केरल ने केंद्र से ₹ 19,351 करोड़ उधार लेने की मंजूरी का अनुरोध किया था। जबकि केंद्र 13,608 करोड़ रुपये की उधारी की अनुमति देने पर सहमत हुआ।
- केंद्र सरकार का तर्क है कि केरल में वित्तीय चुनौतियाँ इसके कुप्रबंधन के कारण थी। इसके अलावा राज्य को केंद्र द्वारा पर्याप्त वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराए गए थे।
- जबकि केरल ने केंद्र सरकार पर राज्य पर मनमाने ढंग से शुद्ध उधार सीमा (NBC) लगाने का आरोप लगाया, जिससे राज्य में वित्तीय संकट पैदा हुआ।
- वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने दिसंबर 2023 में संसद में स्पष्ट किया था कि केरल सहित वित्त वर्ष 2024 के लिए राज्य सरकारों की उधार क्षमता पर नियमों में ढील देने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

शुद्ध उधार सीमा (NBC: Net Borrowing Ceiling)

- यह खुले बाजार उधार सहित विभिन्न स्रोतों से राज्य के उधार लेने पर एक सीमा लगाता है।
- 15वें वित्त आयोग की सिफारिश पर, राज्यों के लिए NBC वित्तीय वर्ष (वित्त वर्ष) 2023-24 के लिए सकल राज्य घरेलू उत्पाद (GSDP) का 3% या पूर्ण रूप से ₹ 8,59,988 करोड़ तय किया गया है।
- केंद्र सरकार ने ऐसी सीमा तक पहुंचने के लिए राज्यों के सार्वजनिक खाते से उत्पन्न होने वाली देनदारियों में कटौती करने का निर्णय लिया।
- केंद्र ने NBC को अनुच्छेद 293(3) के तहत अपनी की शक्तियों का उपयोग करते हुए लगाया है।

राज्यों की वित्तीय स्वायत्तता के संदर्भ में संवैधानिक और विधिक उपबंध

- अनुच्छेद 293 राज्यों को राज्य की समेकित निधि से गारंटी पर केवल भारत के क्षेत्र में और प्रत्येक राज्य के विधानमंडलों द्वारा उल्लिखित सीमा के भीतर उधार लेने की अनुमति देता है।
- अनुच्छेद 293(3) के तहत, राज्य को कोई भी ऋण लेने के लिए केंद्र की सहमति लेनी होगी, 'राज्य का सार्वजनिक ऋण' विषय सातवीं अनुसूची में राज्य सूची में शामिल है। अर्थात् संसद ऐसे मामलों पर कानून नहीं बना सकती या प्रशासन नहीं कर सकती।

- अनुच्छेद 266(2) में उल्लेख है कि केंद्र या राज्य सरकार द्वारा एकत्र किया गया धन जो समेकित निधि से संबंधित नहीं है, उसे 'सार्वजनिक खातों' के अंतर्गत लाया जा सकता है। ऐसे सार्वजनिक खातों से संबंधित सभी गतिविधियाँ पूरी तरह से राज्य विधायिका के दायरे में आती हैं।
- यदि किसी राज्य को केंद्र से उधार लेने की आवश्यकता है, तो ऐसे लेनदेन को राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधन अधिनियम (FRBM Act) 2003 के तहत विनियमित किया जाएगा।

लोकसभा चुनावों में पहली बार 'वोट फ्रॉम होम'

- भारत के निर्वाचन आयोग (ECI) ने लोकसभा चुनाव 2024 में पहली बार बुजुर्गों और दिव्यांगजनों के लिए घर से मतदान (Vote from Home) की सुविधा प्रदान की है।

- वोट फ्रॉम होम सुविधा निम्नलिखित को प्रदान की जाएगी-
 - 85 वर्ष से अधिक आयु के मतदाता
 - 40% या इससे अधिक दिव्यांगता वाले दिव्यांगजन (PwDs)
- इसका उद्देश्य चुनावी प्रक्रिया की समावेशिता व पहुंच सुनिश्चित करने और लोकतांत्रिक भागीदारी को मजबूत करना है।
- देश में 81 लाख से अधिक 85 वर्ष से अधिक आयु के वृद्ध मतदाता और 90 लाख से अधिक दिव्यांग मतदाता पंजीकृत हैं।
- यह सुविधा निर्वाचन आयोग के आदर्श वाक्य 'कोई भी मतदाता न छूटे' की पुष्टि करती है।
- इसके तहत चुनाव अधिसूचना के पाँच दिन के भीतर, पात्र मतदाताओं को फॉर्म 12D भरना होगा और रिटर्निंग अधिकारी को जमा करना होता है।

3

आर्थिक परिदृश्य

RBI डिजिटल इंडिया ट्रस्ट एजेंसी (DIGITA) की स्थापना करेगा

- रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया द्वारा अवैध ऋण देने वाले ऐप्स पर नजर रखने के लिए एक डिजिटल इंडिया ट्रस्ट एजेंसी (DIGITA) की स्थापना की जाएगी।
- यह एजेंसी डिजिटल ऋण देने वाले ऐप्स का सत्यापन करेगी और सत्यापित ऐप्स का एक सार्वजनिक रजिस्टर बनाएगी।
- DIGITA के हस्ताक्षर के बिना ऐप्स को कानून प्रवर्तन के उद्देश्य से अनाधिकृत माना जाएगा।
- यह एजेंसी डिजिटल क्षेत्र में वित्तीय अपराधों के खिलाफ लड़ाई में एक महत्वपूर्ण चेकपॉइंट के रूप में भी कार्य करेगी।
- इससे सत्यापन प्रक्रिया से बढ़ते डिजिटल ऋण क्षेत्र में अधिक पारदर्शिता और जवाबदेही आएगी।
- **नोट:** सितंबर 2022 से अगस्त 2023 तक, गूगल प्ले स्टोर से 2,200 से अधिक डिजिटल लेंडिंग ऐप्स (DLAs) हटाए जा चुके हैं।

नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड और IREDA को 'नवरत्न' कंपनी का दर्जा मिला

- वित्त मंत्रालय के तहत सार्वजनिक उद्यम विभाग (DPE) ने 18 अप्रैल 2024 को नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (NFL) को तथा 26 अप्रैल 2024 को भारतीय नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी (IREDA) को नवरत्न का दर्जा प्रदान किया।
- यह दर्जा मिलने के बाद कंपनी ऑपरेशनल तौर पर ज्यादा स्वतंत्रता के साथ काम कर पाएगी।

CPSE को नवरत्न का दर्जा देने हेतु मानदंड

- केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों (CPSE) जो मिनीरत्न - I, अनुसूची 'A' के तहत हैं तथा इसने पिछले 5 वर्षों में से 3 वर्षों में 'उत्कृष्ट' प्रदर्शन किया हो।
- CPSE को निम्नलिखित 6 चयनित प्रदर्शन संकेतकों में 60 या उससे अधिक (100 में से) का समग्र स्कोर हो उन्हें नवरत्न का दर्जा दिया जा सकता है:
 1. शुद्ध लाभ से शुद्ध मूल्य (25)
 2. जनशक्ति लागत से कुल उत्पादन लागत या सेवा लागत (15)
 3. मूल्यहास से पहले लाभ, ब्याज और कर (PBDIT) से नियोजित पूंजी (15)

4. PBDIT से कारोबार (15)

5. प्रति शेयर आय (10)

6. अंतर - क्षेत्रीय प्रदर्शन (20)

- नवरत्न का दर्जा प्राप्त होने पर CPSE को **1,000 करोड़ रुपये तक** निवेश करने हेतु **केंद्र सरकार** की मंजूरी नहीं लेनी पड़ती है।
- नवरत्न कंपनियों को किसी एक प्रोजेक्ट पर अपनी कुल संपत्ति का 15% या किसी दिए गए वर्ष में अपनी कुल संपत्ति का 30% निवेश करने की अनुमति है। यह 1,000 करोड़ रुपये की सीमा के अधीन है।

भारत में नवरत्न कंपनियाँ

भारत में वर्तमान में 18 नवरत्न कंपनियाँ हो गई हैं।

1. भारत इलेक्ट्रॉनिक लिमिटेड
2. कंटेनर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
3. इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड
4. हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड
5. महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड
6. नेशनल एल्युमीनियम कंपनी लिमिटेड
7. नेशनल बिल्डिंग्स कंस्ट्रक्शन कॉर्पोरेशन लिमिटेड
8. नेवेली लिग्नाइट कॉर्पोरेशन लिमिटेड
9. NMDC लिमिटेड
10. राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड
11. शिपिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
12. रेल विकास निगम लिमिटेड
13. ONGC विदेश लिमिटेड
14. राष्ट्रीय केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड
15. IRCON इंटरनेशनल लिमिटेड
16. RITES लिमिटेड
17. नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (NFL)
18. भारतीय नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी (IREDA)

नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड

- NFL एक नवरत्न कम्पनी है जिसका पंजीकृत कार्यालय नई दिल्ली में है।
- यह कम्पनी 23 अगस्त 1974 को निगमित की गई थी।
- इसका कॉर्पोरेट कार्यालय नोएडा (उत्तर प्रदेश) में है।

- इसकी प्राधिकृत पूंजी 1,000 करोड़ रुपये और पदत पूंजी 490.58 करोड़ रुपये है जिसमें से 74.71% हिस्सा भारत सरकार का है और 25.29% हिस्सेदारी वित्तीय संस्थाओं की है।
- नेशनल फर्टिलाइजर को NFL के नाम भी जानते हैं। यह देश का दूसरा सबसे बड़ा यूरिया मैनुफैक्चरर है।
- इस कंपनी के फर्टिलाइजर प्रोडक्ट्स की बिक्री 'KISAN' ब्रांड से होती है।

भारतीय नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी (IREDA):

- IREDA नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (भारत सरकार) के तहत एक गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थान है।
- इसकी स्थापना मार्च 1987 में हुई।
- वर्ष 2015 में इसे IREDA को मिनी रत्न (श्रेणी-1) का दर्जा दिया गया।
- वर्ष 2023 में IREDA को अनुसूची B से अनुसूची A श्रेणी के केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों में अपग्रेड कर दिया है।
- IREDA ऊर्जा के नए एवं नवीकरणीय स्रोतों से संबंधित परियोजनाओं की स्थापना के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है।
- इसमें केंद्र सरकार की 75% स्वामित्व हिस्सेदारी है।

प्रत्यक्ष कर संग्रह में 17.7% की वृद्धि हुई

- भारत का शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 2023-24 में 17.7% बढ़कर 19.58 लाख करोड़ रुपये हो गया, यह वर्ष के संशोधित अनुमानों से अधिक है।
- केंद्र सरकार ने बजट में वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 18.23 लाख करोड़ रुपये का लक्ष्य रखा था।
- वर्ष 2022-23 में प्रत्यक्ष कर संग्रह 16.64 लाख करोड़ रुपये था।
- वित्त मंत्रालय द्वारा जारी आँकड़ों के अनुसार व्यक्तिगत आय करों का संग्रह 50.06% से बढ़कर 53.3% हो गया।
- जबकि कॉर्पोरेट करों का योगदान विगत वर्ष के 49.6% से घटकर 46.5% हो गया है।

विरासत कर (Inheritance Tax)

- हाल ही में सैम पित्रोदा (भारतीय प्रवासी कांग्रेस अध्यक्ष) द्वारा दिए गए एक साक्षात्कार में उस समय विवाद खड़ा हो गया जब उन्होंने कहा कि विरासत कर (Inheritance Tax) के मामले में अमेरिका की तरह भारत भी इसे लागू करने पर विचार कर सकता है।

- विरासत/संपत्ति कर आम तौर पर केवल संपत्ति के उस हिस्से पर लागू होता है जो एक निश्चित सीमा राशि (दुनिया के विभिन्न हिस्सों में अलग-अलग) से अधिक है।
- विरासत कर एक पूर्वनिर्धारित सीमा से ऊपर लगाया जाता है। जैसे-जैसे विरासत/संपत्ति का मूल्य बढ़ता है, कर की दर बढ़ती है।
- विरासत करों का प्राथमिक उद्देश्य सरकारी राजस्व को बढ़ाना और धन पुनर्वितरण को बढ़ावा देना है।
- हाल के वर्षों में, कई देशों में विरासत कर को समाप्त किया जा रहा है।
- टैक्स फाउंडेशन के द्वारा जारी डाटा के अनुसार, 2000 के बाद से, 11 देशों ने विरासत कर को समाप्त कर दिया है।

संपत्ति कर (Estate Tax) और विरासत कर में अंतर

- संपत्ति कर मृत व्यक्ति की संपत्ति के कुल मूल्य पर लगाया जाता है, जबकि विरासत कर उन लाभार्थियों पर लगाया जाता है जिन्हें संपत्ति विरासत में मिलती है।

वैश्विक परिप्रेक्ष्य:

- दुनिया भर में विरासत कर निम्नलिखित प्रकार से है:
 - जापान - 55%
 - दक्षिण कोरिया - 50%
 - फ्रांस - 45%
 - यूनाइटेड किंगडम - 40%
 - संयुक्त राज्य अमेरिका - 40% (केवल आयोवा, केंटकी, मैरीलैंड, नेब्रास्का, न्यू जर्सी और पेंसिल्वेनिया में)

भारतीय परिप्रेक्ष्य

- **नोट:** वर्तमान में, भारत में विरासत में मिली संपत्ति पर कोई कर नहीं लगाया जाता है, क्योंकि इसे 1985 में समाप्त कर दिया गया था लेकिन यह संपत्ति कर के रूप में जारी रहा जिसे 2015 में समाप्त कर दिया गया।
- वर्तमान में, भारत में कोई विशिष्ट संपत्ति कर नहीं है। हालाँकि, यदि कुछ विरासत में मिली संपत्तियाँ बेची जाती हैं तो उन पर पूंजीगत लाभ कर लागू हो सकता है।

संपत्ति शुल्क (Estate Duty)

- भारत में आर्थिक असमानता को कम करने के लिए संपत्ति शुल्क अधिनियम के तहत 1953 में संपत्ति शुल्क (विरासत कर) पेश किया गया था।
- यह कर किसी व्यक्ति की मृत्यु के समय उसके पास मौजूद संपत्ति के कुल मूल्य पर लगाया जाता था। जब संपत्ति उत्तराधिकारियों को दी जाती थी तो उन्हें कर का भुगतान करना पड़ता था।

- यह शुल्क सभी अचल संपत्ति के साथ-साथ भारत या बाहर स्थित सभी चल संपत्ति पर लगाया गया था।
- इसे समाप्त करने के कारणों में विभिन्न प्रकार की संपत्ति का मूल्यांकन करने के लिए अलग-अलग नियम, मुकदमेबाजी, कर एकत्रीकरण की अधिक लागत थी।
- अंततः 1985 में तत्कालीन वित्त मंत्री वीपी सिंह द्वारा इस कर को समाप्त कर दिया गया।

- इच्छुक SFB ने पिछले दो वित्तीय वर्षों में शुद्ध लाभ दर्ज किया हो और निर्धारित पूँजी पर्याप्तता मानदंडों को पूरा किया हो।
- विविध ऋण पोर्टफोलियो वाले SFB को प्राथमिकता दी जाएगी।

विरासत कर के लाभ

- सरकार के राजस्व में वृद्धि।
- देश में संपत्ति असमानता में कमी।
- अवसर की समानता को प्रोत्साहन।
- समृद्ध लोगों से समाज के लिए अधिक योगदान को सुनिश्चित कराता है।
- धन के अनुकूलतम उपयोग को प्रोत्साहित करता है।

विरासत कर की चुनौतियाँ

- कर चोरी तथा पहले से कर योग्य संपत्तियों पर दोहरे कराधान की संभावना।
- काला धन और बेनामी संपत्तियों को प्रोत्साहन।
- निवेश और धन सृजन को हतोत्साहित करेगा।
- कर को लागू करने की प्रशासनिक जटिलता।

यूनिवर्सल बैंक

- यूनिवर्सल बैंक (UB) वाणिज्यिक बैंक, वित्तीय संस्थान, NBFC जैसी वित्तीय संस्थाएँ हैं जो वित्तीय लेनदेन करते हैं।
- यूनिवर्सल बैंकिंग एक ही मंच पर बीमा, विकास बैंकिंग, निवेश बैंकिंग, वाणिज्यिक बैंकिंग और अन्य वित्तीय सेवाओं सहित बैंकिंग और वित्तीय सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करती है।
- नरसिम्हम समिति द्वारा यूनिवर्सल बैंक को विकास वित्तीय संस्थान (DFI) के रूप में रेखांकित किया गया था।

लघु वित्त बैंक (SFB)

- लघु वित्त बैंक (SFB) एक सार्वजनिक लिमिटेड कंपनी के रूप में पंजीकृत वित्तीय संस्थान हैं।
- ये देश के कम बैंकिंग सेवा वाले और बिना बैंक वाले क्षेत्रों में बैंकिंग और क्रेडिट सेवाएँ प्रदान करते हैं।
- SFB की अवधारणा रघुराम राजन समिति ने रखी थी।
- वर्ष 2014-15 के केंद्रीय बजट घोषणा के बाद, आरबीआई ने नवंबर 2014 में लघु वित्त बैंकों के लिए दिशानिर्देश जारी किए।
- SFB कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत पब्लिक लिमिटेड कंपनी के रूप में पंजीकृत हैं।
- भारत में लघु वित्त बैंकों का विनियमन रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया द्वारा किया जाता है।
- स्माल फाइनेंस बैंक्स द्वारा दिए गए ऋण का लगभग 75 प्रतिशत प्राथमिकता वाले क्षेत्र को देना आवश्यक है।

RBI ने स्मॉल फाइनेंस बैंक (SFB) को यूनिवर्सल बैंक बनाने के लिए पात्रता निर्धारित की

- भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने 27 अप्रैल 2024 को लघु वित्त बैंकों (Small Finance Banks: SFBs) को यूनिवर्सल बैंकों में स्वैच्छिक बदलाव के लिए दिशानिर्देश जारी किए।
- SFBs से यूनिवर्सल बैंक में परिवर्तन के लिए आवेदन का मूल्यांकन 1 अगस्त, 2016 को निजी क्षेत्र में यूनिवर्सल बैंकों के 'ऑन टैप' लाइसेंसिंग के दिशानिर्देशों के अनुसार किया जाएगा।

पात्रता

- स्टॉक एक्सचेंज में लिस्टेड SFB ही यूनिवर्सल बैंक बनने के लिए पात्र होंगे।
- ऐसे SFB की न्यूनतम नेटवर्थ 1,000 करोड़ रुपये होनी चाहिए।
- ऐसे SFB के पास अनुसूचित दर्जा और कम से कम पांच वर्षों का ट्रैक रिकॉर्ड अच्छा होना चाहिए। जिसमें सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (NPA) 3% या उससे कम और पिछले दो वित्तीय वर्षों में नेट NPA 1% या उससे कम होना चाहिए।

ऑन-टैप बैंक लाइसेंसिंग

- ऑन-टैप बैंक लाइसेंसिंग (On-tap bank licensing) सुविधा पूरे वर्ष RBI में बैंक लाइसेंस के लिए आवेदन करने के लिए एक विंडो प्रदान करती है।
- यह विंडो 2016 में शुरू की गई थी।
- इसका उद्देश्य वित्तीय समावेशन को बढ़ाने और अधिक वित्तपोषण है।

भारत का लक्ष्य 2029-30 तक अपना पहला निजी तौर पर प्रबंधित रणनीतिक पेट्रोलियम रिजर्व (SPR) बनाना है

- भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक और उपभोक्ता है।
- इसका उद्देश्य वैश्विक आपूर्ति व्यवधानों और मूल्य वृद्धि से बचाने के लिए अपनी SPR क्षमता का विस्तार करना है।
- यह निजी पट्टेदारों, ज्यादातर तेल कंपनियों को कच्चे तेल का व्यापार करने की अनुमति देता है।
- अब तक, भारत ने दक्षिणी भारत में अपने तीन मौजूदा SPR के लिए केवल आंशिक व्यवसायीकरण की अनुमति दी है, जिनकी संयुक्त क्षमता 36.7 मिलियन बैरल है।
- भारत ने निजी साझेदारों के साथ दो नए SPR बनाने की योजना बनाई है, जिन्हें स्थानीय स्तर पर तेल का व्यापार करने की अनुमति दी जाएगी।
- पहली **कर्नाटक राज्य के पादुर में** 18.3 मिलियन बैरल की रिजर्व है, और दूसरी **ओडिशा राज्य में** 29.3 मिलियन बैरल की SPR है।
- देश में कच्चे तेल की कमी की स्थिति में इस पर पहला अधिकार सरकार का होगा।
- तेल भंडारण क्षमता का विस्तार करने से भारत को अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (IEA) में शामिल होने में भी मदद मिलेगी, जिसके लिए इसके सदस्यों को न्यूनतम 90 दिनों की तेल खपत आरक्षित करने की आवश्यकता होती है।
- भारत के तेल भंडार, जिसमें SPR वॉल्यूम भी शामिल है, लगभग 66 दिनों की खपत को पूरा करने के लिए पर्याप्त है।
- भारतीय सामरिक पेट्रोलियम रिजर्व लिमिटेड (ISPRL) के अनुसार पादुर SPR और इससे जुड़ी पाइपलाइन और तेल आयात सुविधा पर लगभग 55 बिलियन रुपये (659 मिलियन डॉलर) खर्च होंगे, जिसमें केंद्र सरकार कुल लागत का 60% तक प्रदान करेगी।
- इसके तहत सबसे कम केंद्रीय वित्तपोषण की आवश्यकता वाले या 60 साल के पट्टे के लिए सबसे अधिक प्रीमियम का भुगतान करने वाले बोलीदाता को SPR के अधिकार दिए जाएंगे।

मौद्रिक नीति समिति (MPC) की बैठक

- भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) की मौद्रिक नीति समिति (MPC) की बैठक 3-5 अप्रैल को मुंबई में हुई।

- इस बैठक की अध्यक्षता बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने की।
- यह चालू वित्त वर्ष (2024-25) की पहली द्विमासिक (अप्रैल-मई) मौद्रिक नीति (1st Bi-Monthly Monetary Policy) समीक्षा बैठक थी।
- इस बैठक में RBI ने रेपो दर को 6.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखने का निर्णय लिया।
- यह लगातार सातवीं बार है जिसमें RBI ने मुख्य दरों में कोई परिवर्तन नहीं किया है।
- MPC ने अंतिम बार फरवरी 2023 में रेपो रेट में बढ़ोतरी की थी और इसे 6.25 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत किया गया था।

मौद्रिक नीति समिति (MPC)

- भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) की मौद्रिक नीति समिति में वर्तमान में 6 सदस्य हैं।
- इसमें तीन सदस्य RBI से होते हैं और तीन अन्य स्वतंत्र सदस्य भारत सरकार द्वारा नियुक्त किए जाते हैं।
- समिति की अध्यक्षता रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के गवर्नर द्वारा की जाती है।
- इस समिति का गठन उर्जित पटेल समिति की सिफारिश के आधार किया गया।

रेपो दर में परिवर्तन का प्रभाव

- रिजर्व बैंक जिस दर पर बैंकों को ऋण देता है, उसे रेपो दर कहते हैं।
- रेपो दर में वृद्धि से बैंकों को RBI से अधिक ब्याज पर ऋण मिलता है।
- रेपो दर में वृद्धि से लोग अपने बचत को खर्च करने के बजाय बैंक में जमा करने को प्रोत्साहित होते हैं, जिससे मांग घटेगी और महंगाई कम हो सकती है।
- RBI बढ़ते मुद्रास्फीति (महंगाई दर) पर नियंत्रण के लिए नीतिगत रेपो दर में वृद्धि करता है, जबकि बाजार में मांग को बढ़ाने के लिए रेपो दर में कमी करता है।

वर्तमान दरें

नीति रिपो दर (RR)	6.50%
रिवर्स रेपो दर (RRR)	3.35%
सीमांत स्थायी सुविधा दर (MSF)	6.75%
बैंक दर (BR)	6.75%
नकद आरक्षित अनुपात (CRR)	4.50%
वैधानिक तरलता अनुपात (SLR)	18%

SEBI द्वारा SCORES 2.0 लॉन्च

- इसका पूरा नाम Sebi Complaint Redress System है।

- यह भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (SEBI) की एक वेब आधारित केंद्रीकृत शिकायत निवारण प्रणाली है।
- यह निवेशकों को अपनी शिकायतें दर्ज करने और इस वेबसाइट से किसी भी स्थान से शिकायत निवारण की स्थिति को ऑनलाइन ट्रैक करने में सक्षम बनाता है।
- यह बाजार मध्यस्थों और सूचीबद्ध कंपनियों के विरुद्ध निवेशकों से ऑनलाइन शिकायतें प्राप्त कर उनका समाधान करता है।
- SCORES 2.0 में शिकायतों के समाधान की समयसीमा घटाकर 21 कैलेंडर दिन कर दी गई है।
- इसके अलावा, समीक्षा के दो स्तर होंगे, पहला 'नामित निकाय' द्वारा और यदि निवेशक असंतुष्ट है, तो SEBI दूसरे स्तर पर समीक्षा करेगा।
- दूसरा-SCORES 2.0 को केवाईसी पंजीकरण एजेंसी डेटाबेस के साथ एकीकृत किया जाएगा।

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (SEBI)

- यह एक वैधानिक निकाय है।
- इसका गठन 12 अप्रैल, 1988 को भारत सरकार के एक प्रस्ताव के माध्यम से एक गैर-सांविधिक निकाय के रूप में किया गया।
- इसे वर्ष 1992 में एक वैधानिक दर्जा दिया गया और भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 के प्रावधान 30 जनवरी, 1992 को लागू हुए।
- इसका मुख्य कार्य प्रतिभूतियों में निवेशकों के हितों की रक्षा करना तथा प्रतिभूति बाजार को बढ़ावा देना एवं विनियमित करना है।
- इसका मुख्यालय मुंबई में स्थित है तथा क्षेत्रीय कार्यालय अहमदाबाद, कोलकाता, चेन्नई और दिल्ली में हैं।
- वर्तमान में इसकी अध्यक्ष सुश्री माधवी पुरी बुच (SEBI की पहली महिला अध्यक्ष) है।

नाबार्ड ने डिजिटल कृषि ऋण में तेजी लाने हेतु RBI इनोवेशन हब (RBIH) के साथ साझेदारी की

- इसके तहत ऐसी प्रणाली स्थापित की जाएगी, जो कृषि ऋणों के तेजी से प्रसंस्करण को सक्षम करेगी।
- नाबार्ड e-KCC ऋण उत्पत्ति प्रणाली पोर्टल को रिजर्व बैंक इनोवेशन हब (RBIH) के पब्लिक टेक प्लेटफॉर्म फॉर फ्रिक्शनलेस क्रेडिट (PTPFC) के साथ एकीकृत करेगा।
- नाबार्ड ने सहकारी बैंकों और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (RRBs) के लिए डिजिटल किसान क्रेडिट कार्ड

(KCC) ऋण प्रसंस्करण की सुविधा के लिए ऋण उत्पत्ति प्रणाली पोर्टल विकसित किया है।

- इस साझेदारी से कृषि ऋण के डिजिटलीकरण से किसानों को तुरंत ऋण की डिलीवरी सुनिश्चित होगी, साथ ही बैंकों की दक्षता में सुधार होगा।

रिजर्व बैंक इनोवेशन हब

- रिजर्व बैंक इनोवेशन हब 24 मार्च, 2022 को बंगलुरु में स्थापित किया गया।
- इसका उद्देश्य संस्थागत ढाँचे के माध्यम से वित्तीय नवाचार को एक स्थायी तरीके से प्रोत्साहित करना और पोषित करना है।
- यह कंपनी अधिनियम, 2013 के अंतर्गत RBI की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी के रूप में स्थापित की गई है।
- RBIH को 100 करोड़ रुपये की प्रारंभिक पूंजी के साथ स्थापित किया गया है।
- इसका लक्ष्य ऐसा इकोसिस्टम बनाना है, जो देश में कम आय वाली आबादी के लिए वित्तीय सेवाओं और उत्पादों तक पहुंच को बढ़ावा देने पर केंद्रित हो।

रत्न एवं आभूषण क्षेत्र को अधिकृत आर्थिक संचालक (Authorised Economic Operator : AEO) का दर्जा

- केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने रत्न एवं आभूषण क्षेत्र को अधिकृत आर्थिक संचालक (Authorised Economic Operator : AEO) का दर्जा दिया है।
- हीरा और हीरे के आभूषण बनाने वाली अग्रणी कंपनी एशियन स्टार AEO का दर्जा पाने वाली रत्न एवं आभूषण उद्योग की पहली कंपनी बन गई है।
- AEO दर्जा प्राप्त इकाई को 'सुरक्षित (Secure)' व्यापारी और एक विश्वसनीय व्यापारिक भागीदार माना जाता है।

अधिकृत आर्थिक संचालक (AEO) कार्यक्रम

- यह वैश्विक व्यापार को सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने के लिए विश्व सीमा शुल्क संगठन SAFE फ्रेमवर्क ऑफ स्टैंडर्ड्स (WCO SAFE FoS) के तत्वावधान में एक कार्यक्रम है।
- AEO कार्यक्रम को व्यापार करने में आसानी को बढ़ावा देने के लिए निर्यात-उन्मुख उद्योगों के लिए एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू किया गया था।
- AEO कार्यक्रम विभिन्न क्षेत्रों में निर्यात संचालन को सरल बनाने में सहायक है, जिससे निर्यातकों के लिए समय और लागत की बचत होती है।

- इस कार्यक्रम का उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखला सुरक्षा को बढ़ाना और वैध वस्तुओं की आवाजाही को सुविधाजनक बनाना है।
- इस कार्यक्रम के तहत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में लगी यूनिट को आपूर्ति श्रृंखला सुरक्षा मानकों के अनुरूप सीमा शुल्क द्वारा अनुमोदित किया जाता है।
- भारत का AEO कार्यक्रम विश्व व्यापार संगठन के व्यापार सुविधा समझौता के अनुच्छेद 7.7 के तहत की गई प्रतिबद्धताओं के अनुरूप है।

गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (GeM) का सकल व्यापारिक मूल्य (GMV) 4 ट्रिलियन रुपये तक पहुंचा

- वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार सरकारी ई-मार्केटप्लेस (GeM) का सकल व्यापारिक मूल्य (GMV) चालू वित्त वर्ष 2023-24 में 4 ट्रिलियन रुपये तक पहुंच गया है।
- इसका प्रमुख कारण सरकारी विभागों द्वारा सक्रिय रूप से पोर्टल के माध्यम से वस्तुओं और सेवाओं की खरीद करना है।
- यह पोर्टल 1.5 लाख से अधिक सरकारी ग्राहकों को 12,070 उत्पादों और 320 से अधिक सेवाओं की एक श्रृंखला प्रदान करता है।
- GeM पर सेवाओं की खरीद वित्त वर्ष 2020-21 में 8,500 करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 2022-23 में 66,000 करोड़ रुपये हो गई थी।
- मेक इन इंडिया उत्पादों को बढ़ावा देने की अपनी पहल के तहत इसने 22,290 से अधिक स्टार्टअप को भारतीय बाजार में अपनी उपस्थिति स्थापित करने में सहायता प्रदान की है।
- कोल इंडिया लिमिटेड, एनटीपीसी लिमिटेड, ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड और भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड जैसे प्रमुख केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों ने अपनी सेवा खरीद आवश्यकताओं के लिए सक्रिय रूप से GeM का उपयोग किया है।
- इसके अलावा, गुजरात, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, उत्तराखंड और पंजाब सहित कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने सेवाओं की खरीद के लिए GeM को प्राथमिकता के आधार पर चुना है।
- GeM ने **स्टार्टअप रनवे 2.0** भी शुरू किया है, जहां स्टार्टअप को सरकारी खरीदारों के सामने अपने अभिनव उत्पादों और सेवाओं को प्रदर्शित करने और सार्वजनिक खरीद में शामिल होने का अवसर मिलता है।

GeM पोर्टल

- इसे 9 अगस्त 2016 को वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा लॉन्च किया गया था।
- यह केंद्र सरकार का ऑनलाइन खरीद मंच है, जो केवल सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, सरकारी विभागों, सहकारी समितियों और नागरिक निकायों के लिए ही उपलब्ध है।
- इसका मुख्य उद्देश्य सरकारी खरीदारों के लिए एक खुला और पारदर्शी खरीद मंच बनाना है।

IRDAI ने स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी खरीदने वाले व्यक्तियों के लिए आयु सीमा समाप्त की

- भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (IRDAI) ने बाजार का विस्तार करने और स्वास्थ्य देखभाल खर्चों से पर्याप्त सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी खरीदने वाले व्यक्तियों के लिए 65 वर्ष की आयु सीमा हटा दी है।
- यह निर्णय लोगों को पूर्ण कवरेज प्राप्त करने में सहायक सिद्ध होगा।
- यह अप्रत्याशित चिकित्सा खर्चों के खिलाफ पर्याप्त सुरक्षा सुनिश्चित करेगा।
- बीमाकर्ता कैंसर, हृदय या गुर्दे की विफलता और एड्स जैसी गंभीर चिकित्सा समस्याओं वाले व्यक्तियों को कवरेज देने से इनकार नहीं कर सकते हैं।

अडाणी ग्रीन 10,000 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता वाली पहली भारतीय कंपनी बनी

- यह 10,000 मेगावाट से अधिक नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता वाली भारत की पहली कंपनी है।
- अडाणी ग्रीन कंपनी के पास अब 10,934 मेगावाट के साथ भारत में सबसे बड़ा ऑपरेटिंग पोर्टफोलियो है।
- वित्तीय वर्ष 2024 में, 2,848 मेगावाट नई नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता जोड़ी गई।
- इसके परिचालन पोर्टफोलियो में 7,393 मेगावाट सौर, 1,401 मेगावाट पवन और 2,140 मेगावाट पवन-सौर हाइब्रिड क्षमता शामिल है।
- इसका 2030 तक 45 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा का लक्ष्य है।
- अडाणी ग्रीन गुजरात के खावड़ा में, दुनिया की सबसे बड़ी नवीकरणीय ऊर्जा सुविधा का निर्माण कर रहा है।

4

अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

भारत को म्यांमार स्थित सितवे पोर्ट को संचालित करने का अधिकार मिला

- भारत को म्यांमार स्थित सितवे (Sittwe) बंदरगाह को संचालित करने का अधिकार मिल गया है।
- ईरान में चाबहार के बाद सितवे दूसरा विदेशी बंदरगाह है जिसके संचालन का अधिकार भारत को मिला है।
- भारत के विदेश मंत्रालय ने कलादान नदी पर स्थित सितवे बंदरगाह के संचालन को संभालने के लिए इंडिया पोर्ट्स ग्लोबल (IPGL) के एक प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।
- विदेश मंत्रालय की मंजूरी के द्वारा बंदरगाह अब भारत द्वारा संचालित यूनिट बन गया है।
- IPGL केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के 100 प्रतिशत स्वामित्व वाली कंपनी है।
- इस बंदरगाह का विकास कलादान मल्टीमॉडल ट्रांजिट ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट (KMTTP) का हिस्सा है।
- इस बंदरगाह को भारत में मिजोरम राज्य के साथ म्यांमार में सितवे बंदरगाह को जोड़ने वाली कलादान नदी मल्टीमॉडल ट्रांजिट ट्रांसपोर्ट सुविधा के निर्माण और संचालन के लिए विकसित किया गया है।
- इस संदर्भ में भारत और म्यांमार के बीच एक फ्रेमवर्क समझौता हुआ।
- सितवे को मई 2023 में भारत से कार्गो मिलना शुरू हुआ था। कार्गो की पहली खेप कोलकाता के श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंदरगाह से म्यांमार के संवेदनशील रखाइन प्रान्त के बंदरगाह के लिए रवाना हुई थी।
- यह बंदरगाह बांग्लादेश गए बिना जहाजों को विशाखापत्तनम और कोलकाता से पूर्वोत्तर राज्यों तक कार्गो तक पहुंचने के लिए एक महत्वपूर्ण कनेक्टिविटी लाभ प्रदान करता है।
- सितवे पोर्ट भारत की मदद से म्यांमार के रखाइन राज्य की राजधानी सितवे में बनाया गया है।

कलादान मल्टीमॉडल परियोजना

- कलादान मल्टीमॉडल परियोजना भारत और म्यांमार के बीच एक संयुक्त परियोजना है।
- भारत और म्यांमार ने वर्ष 2008 में कलादान मल्टीमॉडल परियोजना समझौते पर हस्ताक्षर किए।
- कलादान मल्टीमॉडल परियोजना कोलकाता बंदरगाह को समुद्र द्वारा म्यांमार के सितवे बंदरगाह से जोड़ती है।
- यह सितवे को कलादान नदी के माध्यम से पालेतवा तक तथा पालेतवा को सड़क मार्ग से भारत की सीमा तक (लांगतलाई, मिजोरम तक) जोड़ती है।
- इसे एक मल्टीमॉडल प्रोजेक्ट का नाम दिया गया है क्योंकि इसमें सड़कों, पुलों और फ्लोटिंग बैराजों जैसे व्यापक बुनियादी ढाँचे का उपयोग किया जाता है।

Kaladan Multi Modal Transit Transport Project



परियोजना के लाभ

- यह परियोजना म्यांमार के पूर्वी बंदरगाहों से देश के पूर्वोत्तर हिस्सों में व्यापार को प्रोत्साहन मिलेगा तथा पूर्वोत्तर राज्यों के आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।
- सितवे पोर्ट का लिंक न सिर्फ पूर्वोत्तर राज्यों में माल भेजने के लिए एक वैकल्पिक मार्ग प्रदान करेगा, बल्कि कोलकाता से मिजोरम और उससे आगे तक सामान ढोने में होने वाली लागत और दूरी को भी काफी कम कर देगा।
- इससे सिलीगुड़ी कॉरिडोर (चिकन नेक) पर निर्भरता भी कम हो जाएगी।

नेपाल द्वारा बिम्सटेक चार्टर को मंजूरी दी गई

- नेपाल की संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा ने 'बे ऑफ बंगाल इनिशिएटिव फॉर मल्टी-सेक्टरल टेक्निकल एंड इकोनॉमिक को-ऑपरेशन (BIMSTEC) के चार्टर को मंजूरी दी है।
- बिम्सटेक चार्टर को इसके सदस्य देशों की संसद द्वारा मंजूरी के बाद ही लागू किया जा सकता है।
- नेपाल के अलावा, बिम्सटेक के अन्य 6 सदस्य देशों ने अपनी संसदों से बिम्सटेक चार्टर को पहले ही मंजूरी प्रदान कर दी है।

BIMSTEC

- यह एक क्षेत्रीय बहुपक्षीय संगठन है।
- इसके सदस्य बंगाल की खाड़ी के तटवर्ती और समीपवर्ती क्षेत्रों में स्थित है।
- इसके 7 सदस्य निम्नलिखित हैं-
 1. बांग्लादेश
 2. भूटान
 3. भारत
 4. नेपाल
 5. श्रीलंका
 6. म्यांमार
 7. थाईलैंड
- यह दक्षिण और दक्षिण पूर्व-एशिया के बीच एक पुल की तरह कार्य करता है।
- इसका उद्देश्य दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया में तटीय और निकटवर्ती देशों के बीच साझा विकास और सहयोग में तेजी लाना है।
- इसकी स्थापना वर्ष 1997 में बैंकॉक घोषणा के माध्यम से की गई।
- इसका गठन BIST-EC (Bangladesh, India, Srilanka, Thailand – Economic Cooperation) नाम से किया गया।
 - इसमें 4 सदस्य देश बांग्लादेश, भारत, श्रीलंका और थाईलैंड शामिल थे।
- वर्ष 1997 में म्यांमार के शामिल होने के बाद इसका नाम बदलकर 'BIMST-EC' कर दिया गया।
- वर्ष 2004 में नेपाल और भूटान के इसमें शामिल होने के बाद संगठन का नाम बदलकर 'बे ऑफ बंगाल इनिशिएटिव फॉर मल्टी सेक्टरल टेक्निकल एंड इकोनॉमिक को-ऑपरेशन (BIMSTEC)' कर दिया गया।

ईरान-इजरायल तनाव: विश्व और भारत पर प्रभाव

- ईरान ने 14 अप्रैल 2024 को सैंकड़ों ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइलों से इजरायल पर हवाई हमले किए।
- ये हमले इजरायल द्वारा सीरिया में ईरानी वाणिज्य दूतावास पर एयर स्ट्राइक के जवाब में किए गए। सीरिया में हुए हमले में ईरान के वरिष्ठ सैन्य कमांडरों की मृत्यु हो गई थी।

- ईरान द्वारा इस हमले को 'ऑपरेशन टू प्रॉमिस' नाम दिया गया।
- हालांकि इजरायल के मिसाइल डिफेंस सिस्टम और सहयोगी देशों की मदद से इस हमले को नाकाम कर दिया।

वैश्विक प्रभाव

आर्थिक प्रभाव

- **कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि:** इससे कच्चा तेल, जो पहले से ही छह महीने के उच्चतम स्तर है, तनाव बढ़ने पर 100 डॉलर प्रति बैरल को पार कर सकता है।
- **सप्लाई चेन में बाधा:** दोनों देशों के बीच तनाव से सप्लाई चेन में बाधा उत्पन्न होगी क्योंकि ईरान स्वेज नहर को बंद कर सकता है और ईरान समर्थक हूती विद्रोही इस क्षेत्र में अशांति पैदा कर सकते हैं।
- **उच्च मुद्रास्फीति:** इस तनाव से वैश्विक स्तर पर मुद्रास्फीति बढ़ सकती है। वैश्विक आर्थिक वृद्धि 3.1% से नीचे गिर सकती है।

परमाणु निरस्त्रीकरण में बाधा:

- ईरान-इजरायल संघर्ष से ईरान परमाणु समझौते की बातचीत अटक सकती है। दोनों देशों के बीच तनाव में वृद्धि क्षेत्र में शांति प्रक्रियाओं में बाधा उत्पन्न कर सकती है।

वैश्विक गुटबंदी की आशंका:

- इजरायल के समर्थन में अमेरिका और यूरोपीय देश शामिल हो सकते हैं, जबकि रूस और चीन ईरान का समर्थन कर सकते हैं।

क्षेत्रीय अस्थिरता:

- इजरायल और ईरान दोनों ही क्षेत्र में महत्वपूर्ण देश हैं, और उनके बीच कोई भी तनाव क्षेत्रीय स्थिरता को खतरा उत्पन्न हो सकता है।
- सीरिया, लेबनान और सऊदी अरब जैसे अन्य देशों को व्यापक संघर्ष में शामिल किया जा सकता है।

कच्चातितु द्वीप

- कच्चातितु द्वीप (Katchatheevu Island) का मुद्दा हाल के दिनों में चर्चा में रहा है।
- कच्चातितु द्वीप भारत और श्रीलंका के बीच पाक जलडमरूमध्य में 285 एकड़ में फैला द्वीप है। इसकी लंबाई 1.6 किमी और चौड़ाई 300 मीटर से अधिक है।
- हाल ही में RTI (Right To Information) से मिली जानकारी के अनुसार कच्चातितु के संदर्भ में वर्ष 1974 में भारत की तत्कालीन प्रधानमंत्री

- ईदिरा गांधी और श्रीलंका की राष्ट्रपति श्रीमावो भंडारनायके ने एक समझौता किया था।
- इसके तहत कच्चातिवु द्वीप को श्रीलंका को औपचारिक रूप से सौंप दिया गया था।
 - यह भारत के रामेश्वरम और श्रीलंका के नेदुन्तीवु के बीच पाक जलडमरूमध्य में स्थित है।
 - यह बंगाल की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ता है और यह द्वीप सामरिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है।
 - **भारत में कच्चातीवु का हस्तांतरण अवैध माना जाता है क्योंकि इसे भारतीय संसद द्वारा अनुमोदित नहीं किया गया था।**
 - भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने **बेरुबारी यूनिथन वाद (1960)** में फैसला सुनाया कि भारतीय क्षेत्र को किसी अन्य देश को हस्तांतरित करने के लिए संसद द्वारा संविधान संशोधन अधिनियम के माध्यम से अनुमोदन किया जाना चाहिए।



पृष्ठभूमि

- कच्चातिवु द्वीप का निर्माण 14वीं शताब्दी में ज्वालामुखी विस्फोट के कारण हुआ था।
- यह 17वीं शताब्दी में मदुरई के राजा रामानद के अधीन था।
- ब्रिटिश शासनकाल में यह द्वीप मद्रास प्रेसीडेंसी के अधीन था।
- भारत और श्रीलंका ने वर्ष 1921 में मछली पकड़ने के लिए भूमि पर दावा किया और विवाद अनसुलझा रहा।

अमेरिका, जापान और फिलीपींस की पहली त्रिपक्षीय शिखर बैठक

- अमेरिका, जापान और फिलीपींस की पहली त्रिपक्षीय शिखर बैठक 11 अप्रैल, 2024 को वाशिंगटन डीसी में आयोजित की गई थी।

- इस बैठक में चीन के साथ बढ़ते क्षेत्रीय विवादों के बीच अपने सहयोगियों, जापान और फिलीपींस का समर्थन करने की संयुक्त राज्य अमेरिका की प्रतिबद्धता पर चर्चा हुई।

अमेरिका-फिलीपींस और जापान में रक्षा समझौते

- संयुक्त राज्य अमेरिका और जापान ने चीन और रूस का मुकाबला करने के लिए अपने गठबंधन को मजबूत करते हुए मिसाइल तकनीक से लेकर चंद्रमा पर लैंडिंग और सैन्य सहयोग के साथ इन्फ्रा परियोजनाओं योजनाओं की घोषणाएँ की।
- फिलीपींस में सैन्य अड्डों तक पहुंच रखने हेतु USA ने फिलीपींस में इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए 1280 लाख डॉलर दिए जाने की अनुशंसा की है।
- दक्षिण चीन सागर में 7 अप्रैल 2024 को चार देशों का संयुक्त नौसैनिक अभ्यास आयोजित किया गया। इन देशों में अमेरिका, जापान, आस्ट्रेलिया और फिलीपींस शामिल थे।
- यह अभ्यास चीन की आक्रामकता को प्रतिसंतुलित करने और एकजुटता का संदेश देने हेतु किया गया।

दक्षिण चीन सागर विवाद

- दक्षिण चीन सागर विवाद का मुख्य कारण चीन का इस क्षेत्र में विभिन्न क्षेत्रों का दावा करना है। चीन, दक्षिण-चीन सागर के 80% भाग को अपना भाग मानता है।
- चीन और फिलीपींस के बीच तनाव चीन सागर में स्थित थॉमस शोल पर केंद्रित है।
- चीन और जापान के बीच सेनकाकू द्वीप के संदर्भ में विवाद है।
- सेनकाकू द्वीप और दूसरा थॉमस शोल दोनों व्यापार के लिए महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं और संभावित रूप से तेल और गैस भंडार से समृद्ध हैं।

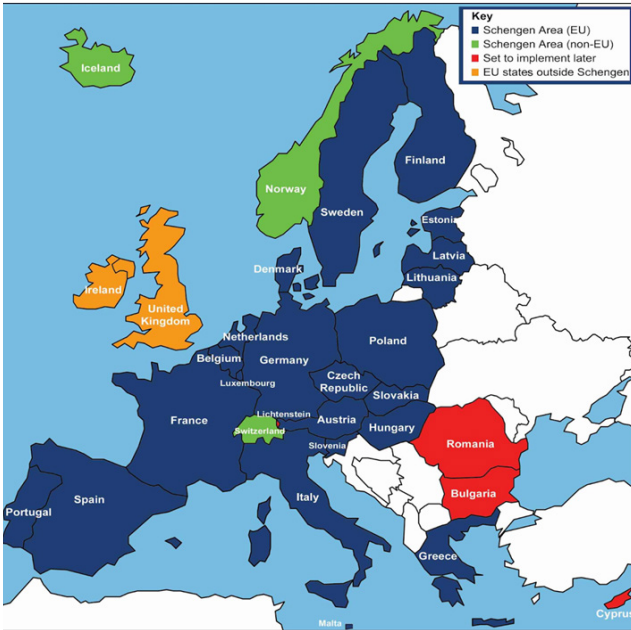
दक्षिण चीन सागर का महत्व

- दक्षिण चीन सागर को दुनिया के सबसे व्यस्त जलमार्गों में से एक माना जाता है। यह व्यापार तथा परिवहन के लिये एक प्रवेश द्वार के रूप में कार्य करता है।
- दक्षिण चीन सागर में स्थित विभिन्न देशों के बीच इस क्षेत्र में अपना वर्चस्व स्थापित करने को लेकर तनाव की स्थिति है।
- इस क्षेत्र की मूल विवाद की जड़ है दक्षिण चीन सागर में स्थित स्पार्टले और पार्सल द्वीप, क्योंकि यह दोनों द्वीप कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस से परिपूर्ण हैं।

- मत्स्य व्यापार में शामिल देशों के लिए यह जल क्षेत्र काफी महत्वपूर्ण है, साथ ही इसकी भौगोलिक स्थिति के कारण इसका सामरिक महत्व भी बढ़ जाता है।
- **नोट:** परमानेंट कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन के 2016 के फैसले के बावजूद चीन लगभग पूरे दक्षिण चीन सागर पर अपना दावा करता है।

रोमानिया और बुल्गारिया शेंगेन क्षेत्र में शामिल हुए

- यूरोपीय आयोग के अनुसार, बुल्गारिया और रोमानिया देश 31 मार्च 2024 को आंशिक रूप से शेंगेन क्षेत्र (Schengen Area) में शामिल हो गए।
- शेंगेन क्षेत्र यूरोप का मुक्त आवागमन क्षेत्र है।
- इस क्षेत्र में शामिल होने पर दोनों देशों को हवाई और समुद्र मार्ग से मुक्त आवाजाही की अनुमति होगी।
- शेंगेन क्षेत्र में शामिल होने हेतु सभी सदस्य देशों की सर्वसम्मति की आवश्यकता होती है।



शेंगेन क्षेत्र (Schengen Area)

- शेंगेन क्षेत्र में शामिल देशों के बीच सीमा नियंत्रण खत्म कर दिया गया है। यह दुनिया का सबसे बड़ा मुक्त आवागमन क्षेत्र है।
- वर्तमान में इस क्षेत्र में 29 सदस्य शामिल हैं, जिनमें से 25 यूरोपीय संघ के सदस्य हैं। स्विट्जरलैंड, नॉर्वे, आइसलैंड और लिकटेंस्टीन भी यूरोप के शेंगेन क्षेत्र का हिस्सा हैं।
- बुल्गारिया और रोमानिया 2007 में और क्रोएशिया 2013 में यूरोपीय संघ में शामिल हुए।
- शेंगेन क्षेत्र के देशों की बीच, वीजा नीति, शरण नीति, और अपने पुलिस और न्यायिक अधिकारियों के बीच सहयोग के लिए समझौते हैं।

- शेंगेन क्षेत्र की शुरुआत 1985 में 5 यूरोपीय संघ देशों – फ्रांस, जर्मनी, बेल्जियम, नीदरलैंड और लक्जमबर्ग – के बीच एक अंतर सरकारी परियोजना के रूप में हुई थी।
- शेंगेन क्षेत्र के देशों के बीच आवागमन हेतु पासपोर्ट की आवश्यकता नहीं होती। यदि किसी के पास सदस्य देश का वैध वीजा है, तो वह अन्य शेंगेन देशों की भी यात्रा कर सकता है।

शेंगेन क्षेत्र में शामिल देश

- ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, क्रोएशिया, चेकिया, डेनमार्क, एस्टोनिया, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, ग्रीस, हंगरी, आइसलैंड, इटली, लातविया, लिकटेंस्टीन, लिथुआनिया, लक्जमबर्ग, माल्टा, नीदरलैंड, नॉर्वे, पोलैंड, पुर्तगाल, स्लोवाकिया, स्लोवेनिया, स्पेन, स्वीडन, स्विट्जरलैंड **रोमानिया और बुल्गारिया (नवीनतम)**।

भारत द्वारा 16 देशों में 'डिफेंस अताशे' की नियुक्ति की गई

- भारत सरकार ने 16 देशों में सैन्य प्रतिनिधियों 'डिफेंस अताशे' (Defence Attache) की नियुक्ति की है।
- इनकी नियुक्ति उन देशों में की गई है, जिनमें भारत हथियारों निर्यात करता है या जहाँ निर्यात किए जाने की संभावनाएँ हैं।
- भारत सरकार द्वारा डिफेंस अताशे की नियुक्ति का उद्देश्य विभिन्न देशों के साथ अपने रणनीतिक संबंध मजबूत करने और हथियारों के निर्यात को बढ़ावा देने की है।
- भारत ने अफ्रीकी देशों जैसे तंजानिया, मोजाम्बिक, इथियोपिया, आइवरी कोस्ट और जिबूती में पहली बार अपने डिफेंस अताशे (सैन्य प्रतिनिधि) की नियुक्ति की है।
- जबकि रूस, यूके समेत कुछ देशों से भारत ने डिफेंस अताशे की संख्या में कमी की है।
- **नोट:** भारत ने वित्त वर्ष (2023-24) में 21,083 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड रक्षा निर्यात किया है।
- स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट के अनुसार, म्यांमार भारतीय हथियारों का सबसे बड़ा आयातक है, जिसका भारत के निर्यात में 31 फीसदी हिस्सा है। श्रीलंका (19%) दूसरे स्थान पर है। इसके अलावा मॉरीशस, नेपाल, आर्मेनिया, वियतनाम और मालदीव अन्य प्रमुख आयातक हैं।

डिफेंस अताशे

- डिफेंस अताशे उच्च-रैंक के सैन्य अधिकारी होते हैं जो दूतावासों में राजदूत के अधीन काम करते हैं। यह दोनों देशों के द्विपक्षीय सैन्य और रक्षा संबंधों पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

- ये संबंधित देशों की सरकार के साथ रक्षा और सैन्य संबंधी मामलों का प्रतिनिधित्व करते हैं।
- डिफेंस अताशे इन देशों के साथ न सिर्फ भारत का सैन्य तालमेल बढ़ाने में मदद करेंगे बल्कि चीन के बढ़ते प्रभाव को प्रतिसंतुलित करने में मदद करेंगे।

यूनाइटेड किंगडम की संसद ने रवांडा डिपोर्टेशन बिल पास किया

- यूनाइटेड किंगडम (UK) की संसद ने 23 अप्रैल 2024 को रवांडा डिपोर्टेशन बिल पास कर दिया।
- इस बिल का उद्देश्य ब्रिटेन में अवैध रूप से आने वाले शरणार्थियों को रवांडा भेजना है।
- यह बिल 2022 में तत्कालीन प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन रवांडा के साथ हुए एक समझौता के बाद लाया गया था।
- इस समझौते के अनुसार, ब्रिटेन द्वारा रवांडा को अवैध शरणार्थियों को रखने के लिए 3,000 करोड़ रुपये दिए जाएंगे।
- इसके तहत यूके के आब्रजन अधिकारियों को जनवरी 2022 के बाद 'अवैध रूप से' यूके में प्रवेश करने वाले किसी भी शरण चाहने वाले को रवांडा भेजने का अधिकार दिया गया है। यह बिना पूर्व अनुमति के यूके आने वाले किसी भी व्यक्ति पर लागू होगा।
- ऐसे व्यक्तियों को यूके में शरण के लिए आवेदन करने से भी प्रतिबंधित किया जा सकता है।

रवांडा

- रवांडा पूर्व-मध्य अफ्रीका में भूमध्यरेखा के दक्षिण में स्थित लैंडलॉक्ड देश है।
- इसकी राजधानी किगाली है।
- रवांडा के उत्तर में युगांडा, पूर्व में तंजानिया, दक्षिण में बुरुंडी और पश्चिम में कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (किंशासा) और किवु झील स्थित है।

कजाकिस्तान में SCO रक्षा मंत्रियों की बैठक

- शंघाई सहयोग संगठन (SCO) के रक्षा मंत्रियों की बैठक 26 अप्रैल 2024 को **कजाकिस्तान के अस्ताना में** आयोजित की गई।
- इसकी संयुक्त विज्ञप्ति में 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' के विचार पर सहमति व्यक्त की गई। यह 'वसुधैव कुटुंबकम' को प्रतिबिंबित करता है।

शंघाई सहयोग संगठन (SCO)

- यह एक स्थायी अंतर-सरकारी अंतरराष्ट्रीय संगठन है।
- इसका गठन 15 जून 2001 में शंघाई (चीन) में किया गया।

- SCO के गठन से पहले शंघाई फाइव नाम से जाना जाता था। इसमें कजाखस्तान, चीन, किर्गिजस्तान, रूस और ताजिकिस्तान सदस्य थे।
- वर्ष 2001 में उज्बेकिस्तान के शामिल होने के बाद शंघाई फाइव का नाम बदलकर शंघाई सहयोग संगठन कर दिया गया।
- वर्ष 2017 में भारत तथा पाकिस्तान इस संगठन के सदस्य बने।
- ईरान को वर्ष 2023 में SCO की सदस्यता प्रदान की गई।
- रूसी तथा मंदारिन SCO की आधिकारिक भाषाएँ हैं।
- SCO की अध्यक्षता सदस्य देशों द्वारा रोटेशन के आधार पर एक-एक वर्ष के लिए की जाती है।
- शंघाई सहयोग संगठन का सचिवालय बीजिंग (चीन) में है।
- SCO चार्टर पर 2002 में हस्ताक्षर किए गए जिसे 19 सितंबर 2003 को लागू किया गया।
- वर्तमान में SCO में 9 सदस्य देश शामिल हैं।
 1. चीन
 2. भारत
 3. ईरान
 4. कजाकिस्तान
 5. किर्गिजस्तान
 6. पाकिस्तान
 7. रूस
 8. उज्बेकिस्तान
 9. ताजिकिस्तान

स्वच्छ अर्थव्यवस्था निवेशक फोरम

- इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क फॉर प्रॉस्पेरिटी (IPEF) द्वारा 5-6 जून 2024 को सिंगापुर में अपने पहले स्वच्छ अर्थव्यवस्था निवेशक फोरम की मेजबानी करेगा।
- यह ऊर्जा परिवर्तन, टिकाऊ विमानन ईंधन, बैटरी भंडारण हाइड्रोजन, हरित डेटा केंद्र आदि पर केंद्रित है।
- यह फोरम निवेश को बढ़ावा देने के लिए क्षेत्र के सबसे बड़े निवेशकों, नवोन्मेषी स्टार्टअप उद्यमियों और अत्याधुनिक परियोजना समर्थकों और सरकारी एजेंसियों को एक साथ लाएगा।
- इसका मुख्य उद्देश्य टिकाऊ बुनियादी ढाँचे, जलवायु प्रौद्योगिकी और नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं में निवेश जुटाना है।

इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क फॉर प्रॉस्पेरिटी (IPEF):

- इसे मई 2022 में लॉन्च किया गया था।
- यह क्षेत्र के देशों को लचीले, टिकाऊ और समावेशी आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने में सहयोग करने के लिए एक मंच प्रदान करता है।

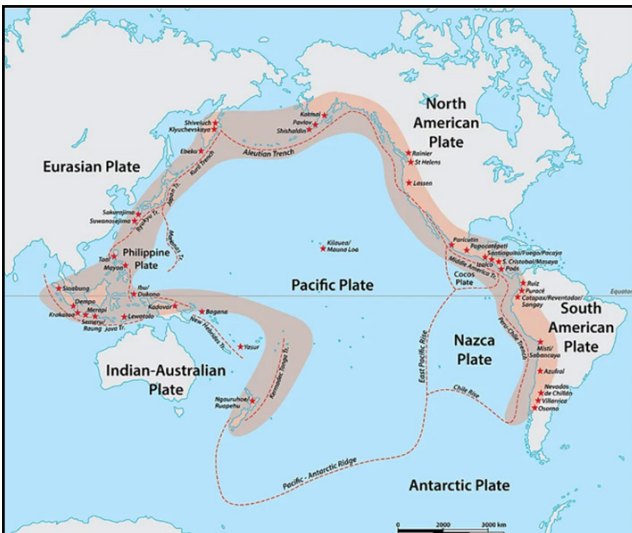
- 14 देश इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क फॉर प्रॉस्पेरिटी के सदस्य हैं।
- व्यापार, आपूर्ति श्रृंखला, स्वच्छ अर्थव्यवस्था और निष्पक्ष अर्थव्यवस्था IPEF के चार स्तंभ हैं।

उज्बेकिस्तान में अत्याधुनिक आईटी लैब का उद्घाटन किया गया

- भारत और उज्बेकिस्तान के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने हेतु भारत के सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे द्वारा अत्याधुनिक आईटी लैब का उद्घाटन किया गया।
- यह लैब भारत द्वारा विकसित की गई है। इसका विकास भारत के विदेश मंत्रालय की 'सी (C)' पहल द्वारा किया गया।
- इसमें एक हार्डवेयर प्रोग्रामिंग लैब, एक ऑब्जेक्ट-ओरिएटेड प्रोग्रामिंग लैब, एक वेब प्रोग्रामिंग लैब, एक सर्वर रूम, एक मल्टीमीडिया रूम और एक वर्चुअल रियलिटी रूम भी शामिल है।
- इससे उज्बेक सशस्त्र बलों के लिए उपलब्ध प्रशिक्षण संसाधनों को समृद्ध करने और भारत और उज्बेकिस्तान के बीच गहरी समझ और सहयोग को बढ़ावा मिलेगा।

ताइवान में भूकंप

- ताइवान में 4 अप्रैल 2024 को पिछले 25 वर्षों में सबसे बड़ा भूकंप आया।
- अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (USGS) के अनुसार, रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 7.4 थी।
- भूकंप का केंद्र हुलियन काउंटी से सिर्फ 18 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिण पश्चिम में स्थित था।
- ताइवान भूकंप संवेदनशील क्षेत्र है क्योंकि यह 'रिंग ऑफ फायर' के किनारे स्थित है जहां दुनिया के 90% भूकंप आते हैं।



रिंग ऑफ फायर

- रिंग ऑफ फायर में मुख्य रूप से सैकड़ों सक्रिय ज्वालामुखी स्थित हैं और ये प्रशांत महासागर के किनारे स्थित हैं।
- इस बेल्ट का आकार अर्धवृत्ताकार या घोड़े की नाल जैसा है और लगभग 40,250 किलोमीटर तक फैला हुआ है।
- इसमें यूरेशियाई, उत्तरी अमेरिकी, जुआन डे फूका, कोकोस, कैरेबियन, नजका, अंटार्कटिक, इंडो-ऑस्ट्रेलियन, फिलीपीन और अन्य छोटी प्लेटों सहित कई टेक्टोनिक प्लेटों के मिलन स्थित हैं।
- यह संयुक्त राज्य अमेरिका, इंडोनेशिया, मैक्सिको, जापान, कनाडा, ग्वाटेमाला, रूस, चिली, पेरू और फिलीपींस सहित 15 और देशों से होकर गुजरती है।
- रिंग ऑफ फायर में टेक्टोनिक प्लेटों के लगातार खिसकने, टकराने या एक-दूसरे के ऊपर या नीचे जाने के कारण अधिक भूकंप आते हैं।
- ताइवान में दो टेक्टोनिक प्लेटों – फिलीपीन सी प्लेट और यूरेशियन प्लेट – की परस्पर क्रिया के कारण भूकंप आते हैं।
- रिंग ऑफ फायर में अधिक सक्रिय ज्वालामुखियों का अस्तित्व टेक्टोनिक प्लेटों की गति के कारण है।

'ग्रीन इस्लाम' आंदोलन

- दुनिया के सबसे बड़ी मुस्लिम आबादी वाले देश इंडोनेशिया ने पर्यावरण के प्रति जागरूकता हेतु पर्यावरण को धर्म से जोड़कर 'ग्रीन इस्लाम' नाम से नई मुहिम शुरू की है।
- इंडोनेशिया खुद द्वीपीय देश हैं और वर्तमान में पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना कर रहा है।
- हाल में राजधानी जकार्ता में इस्तिकलाल मस्जिद में ग्रैंड इमाम नसरुद्दीन उमर ने लोगों पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में कार्य करने हेतु प्रोत्साहित किया है।
- इंडोनेशिया में दक्षिण पूर्व एशिया की सबसे बड़ी मस्जिद है उसे पूरी तरह सौर पैनल से लैस कर इसे ग्रीन मस्जिद में बदल दिया है।
- इस अभियान का सकारात्मक प्रभाव अन्य देशों में भी पड़ा है।
- ग्रीन इस्लाम आंदोलन के समर्थकों का कहना है कि 20 करोड़ मुसलमानों को शिक्षित करने से बदलाव लाया जा सकता है।

इराक का डेवलपमेंट रोड प्रोजेक्ट (DRP)

- हाल ही में 22 अप्रैल 2024 को इराक की राजधानी बगदाद में तुर्किए, इराक, कतर और

- संयुक्त अरब अमीरात ने DRP पर सहयोग के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।
- तुर्किए के राष्ट्रपति एर्दोगन के इराक दौरे के दौरान इस प्रोजेक्ट को लेकर यह सहमति बनी।
 - एर्दोगन ने इराक के प्रधानमंत्री मोहम्मद शिया अल-सुडानी के साथ मिलकर सभी देशों के परिवहन मंत्री की मौजूदगी में समझौता ज्ञापन साइन किया।
 - यह प्रोजेक्ट 1,200 किलोमीटर हाईवे और रेल प्रोजेक्ट के माध्यम से खाड़ी देशों को इराक से होते हुए यूरेशिया (एशिया और यूरोप के बीच) में स्थित तुर्किए से जोड़ेगा।
 - तुर्किए और खाड़ी के अरब देशों का लक्ष्य इराक के बसरा प्रांत में अल-फॉ बंदरगाह के जरिए तुर्किए के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच प्रदान करने का लक्ष्य है।
 - यह समझौता आर्थिक विकास बढ़ाने और पूर्व और पश्चिम के बीच क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने हेतु किया गया है।
 - यह प्रोजेक्ट **इंडिया-मिडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कोरिडोर (IMEC) के प्रत्युत्तर में** माना जा रहा है।
 - इस प्रोजेक्ट में लॉजिस्टिक्स हब, औद्योगिक परिसरों की स्थापना और तेल और गैस पाइपलाइनों का एकीकरण शामिल है।

डेटा बेस्ड जनगणना कराने वाला पहला देश

- **न्यूजीलैण्ड** डेटा बेस्ड जनगणना कराने वाला विश्व का पहला देश होगा।
- इस देश में जनगणना वर्ष 2028 में की जाएगी।
- डेटा बेस्ड जनगणना में डोर टू डोर सर्वे नहीं होगा, बल्कि विभिन्न सरकारी संस्थानों यथा टैक्स डिपार्टमेंट, समाज कल्याण विभाग आदि के आँकड़ों का उपयोग किया जाएगा।

बौद्धिक संपदा सुरक्षा मामले में भारत अमेरिका की निगरानी सूची में शामिल

- संयुक्त राज्य अमेरिका ने बौद्धिक संपदा (IP) संरक्षण मामले में अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (United States Trade Representative-USTR) ने भारत को 'प्राथमिकता निगरानी सूची' में रखा है।

- USTR की '2024 Special 301 Report' के अनुसार बौद्धिक संपदा की सुरक्षा और प्रवर्तन के सम्बन्ध में भारत 'दुनिया की सबसे चुनौतीपूर्ण' प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना हुआ है।
- निगरानी सूची में शामिल अन्य देशों में भारत के साथ-साथ अर्जेंटीना, चिली, चीन, इंडोनेशिया, रूस और वेनेजुएला को भी शामिल किया गया है।

पहला अंतर्राष्ट्रीय इंद्रधनुष पर्यटन सम्मेलन

- यह सम्मेलन 20 अप्रैल 2024 को काठमांडू (नेपाल) में आयोजित किया गया।
- इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य नेपाल को LGBTQ (Lesbian, Gay, Bisexual, Transgender and Queer) - अनुकूल पर्यटन स्थल के रूप में स्थापित करना है।
- इस एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन नेपाल पर्यटन बोर्ड के सहयोग से गैर-सरकारी संगठन मयाको पहिचान नेपाल द्वारा किया गया।
- मयाको पहिचान नेपाल के कार्यकारी निदेशक, **सुनील बाबू पंत** नेपाल में LGBT समुदाय से पहले संसद सदस्य हैं।
- नेपाल के सुप्रीम कोर्ट ने 2007 में एक ऐतिहासिक निर्णय के तहत तीसरे लिंग की पहचान को मान्यता देने वाले कानून बनाने और सभी भेदभावपूर्ण कानूनों को खत्म किया।
- नेपाल के सुप्रीम कोर्ट ने जून 2023 में, एक अंतरिम आदेश के माध्यम से, समलैंगिक विवाह को कानूनी रूप से पंजीकृत करने की अनुमति दी।

जिम्बाब्वे द्वारा ZiG नामक नई स्वर्ण-समर्थित मुद्रा शुरू की गई

- ZiG का पूरा नाम 'Zimbabwe Gold' है।
- नए ZiG बैंकनोट ₹ 1 और ₹ 200 के बीच मूल्यवर्ग में आएंगे।
- यह जिम्बाब्वे में पिछले 25 वर्षों से संकट से संकट की ओर बढ़ रही अर्थव्यवस्था को स्थिर करने का नवीनतम प्रयास है।
- ZiG ने जिम्बाब्वे डॉलर, RTGS का स्थान लिया।
- जिम्बाब्वे के नागरिकों को पुराने, मुद्रास्फीति प्रभावित नोटों को नई मुद्रा से बदलने के लिए 21 दिन का समय दिया गया है।
- नई मुद्रा तत्काल प्रभाव से लागू की गई है और बैंकों को मौजूदा जिम्बाब्वे डॉलर शेष को ZiG में परिवर्तित करना होगा।

5

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

देश का पहला ट्राई-सर्विस कॉमन डिफेंस स्टेशन

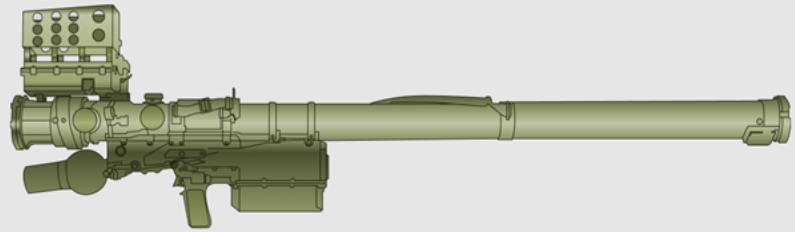
- महाराष्ट्र के मुंबई में ट्राई-सर्विस कॉमन डिफेंस स्टेशन (Tri-Service Common Defence Station) स्थापित किया जाएगा।
- इसका उद्देश्य तीनों सेनाओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना है।
- नोट: अंडमान और निकोबार में तीनों सेनाओं की कमांड है, जिसे 2001 में बनाया गया था।
- यहाँ पर तीनों सेनाओं के लिए लॉजिस्टिक सपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जाएगा।
- मुंबई में तीनों सेनाओं के डिफेंस स्टेशन का नेतृत्व भारतीय नौसेना करेगी, क्योंकि उसकी मौजूदगी वहाँ पर सबसे ज्यादा है।
- मुंबई के बाद सुलूर (तमिलनाडु) और गुवाहाटी (असम) में भी संयुक्त डिफेंस स्टेशन बनाए जाएंगे।
- सुलूर (तमिलनाडु) में ट्राई-सर्विस कॉमन डिफेंस स्टेशन की कमान वायुसेना संभालेगी, जबकि गुवाहाटी में इसका नेतृत्व थल सेना द्वारा किया जाएगा।
- इस स्टेशन में लॉजिस्टिक, इंफ्रास्ट्रक्चर और एडमिनिस्ट्रेशन को एक साथ लाया जाएगा।
- इससे देश के पश्चिमी तट और पश्चिमी सीमा पर तीनों सेनाएँ एक साथ बेहतर समन्वय से निगरानी रख सकेंगी।
- इसके तहत रसद, बुनियादी ढांचे, मरम्मत और रखरखाव, स्टोर और आपूर्ति आदि का थल सेना, नौसेना और वायुसेना सुविधाओं को एक ही रक्षा स्टेशन में समेकित किया जाएगा।
- नोट: भारतीय सशस्त्र बलों में वर्ष 2023 में सेवाओं के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिए अंतर-सेवा पोस्टिंग जैसी अतिरिक्त पहल की गई थी।

इग्ला-S मैन पोर्टेबल एयर डिफेंस सिस्टम (MANPADS)

- भारतीय सेना को रूस निर्मित 24 इग्ला-S मैन पोर्टेबल एयर डिफेंस सिस्टम (MANPADS) के साथ 100 मिसाइलों का पहला बैच मिल गया है।
- यह सतह-से-हवा में मार करने वाली बहुत कम दूरी की वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली है।
- इसे किसी व्यक्ति या चालक दल द्वारा दुश्मन के विमान को गिराने के लिए फायर किया जा सकता है।
- इस मिसाइल प्रणाली का उद्देश्य भारतीय सेना की बहुत कम दूरी की वायु रक्षा क्षमताओं (VSHORAD) को बढ़ाना है।
- इसकी रेंज 5 से 6 किलोमीटर की है।
- इसमें 9M342 मिसाइल, 9P522 लॉन्चिंग मैकेनिज्म, 9V866-2 मोबाइल टेस्ट स्टेशन और 9F719-2 टेस्ट सेट शामिल हैं।

इग्ला-एस पोर्टेबल विमान भेदी मिसाइल प्रणाली

सभी प्रकार के विमानों और हेलीकॉप्टरों के साथ-साथ क्रूज़ मिसाइलों जैसे छोटे हवाई लक्ष्यों को किसी भी समय नष्ट करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जब वे पृष्ठभूमि और कृत्रिम थर्मल हस्तक्षेप की स्थिति में टक्कर और कैच-अप मार्गों पर दृष्टिगोचर होते हैं।



- ➡ **500 से 6,000 मीटर तक**
मारक क्षमता
- ⬆️ **10 से 3,500 मीटर तक**
लक्ष्य ऊंचाई
- 🕒 **12 सेकंड से अधिक नहीं**
मोबाइल-टू-कॉम्बैट मोड परिवर्तन का समय
- 🕒 **5 सेकंड तक**
सक्रियण से काम करने के लिए तैयार होने तक का समय

लक्ष्य गति

- 🌀 **400 मीटर प्रति सेकंड तक**
टकराव मार्गों पर
- 🌀 **320 मीटर प्रति सेकंड तक**
कैच-अप मार्गों पर

होमिंग हेड प्रकार:

- ट्रैकिंग • पैसिव • थर्मल • द्विवर्णात्मक

- यह क्रूज मिसाइलों और ड्रोन जैसे हवाई टारगेट्स की पहचान कर सकता है।
- यह 2,266 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से टारगेट की तरफ बढ़ती है।
- **नोट:** भारत ने नवंबर 2023 में रूस के साथ 120 लॉन्चर और 400 मिसाइलों की खरीद के लिए अनुबंध पर हस्ताक्षर किए थे।
- शेष प्रणालियों को रूस से Transfer of Technology के माध्यम से भारत में बनाया जाएगा।
- उत्तरी सीमा पर ऊंचे पहाड़ी इलाकों के लिए नई अधिकृत वायु रक्षा संरचनाओं के लिए इग्ला-S सिस्टम की खरीद की जा रही है।

भारतीय नौसेना हेतु पहले फ्लीट सपोर्ट शिप की स्टील कटिंग

- भारतीय नौसेना के लिए 5 फ्लीट सपोर्ट शिप्स (First Fleet Support Ships - FSS) में से पहले जहाज की 'स्टील कटिंग' का समारोह 10 अप्रैल 24 को **हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड (HSL), विशाखापत्तनम** में आयोजित हुआ।
- 5 फ्लीट सपोर्ट जहाजों के अधिग्रहण के लिए HSL के साथ अनुबंध पर अगस्त 2023 में हस्ताक्षर किए गए थे और जहाजों को 2027 के मध्य में भारतीय नौसेना को सौंपा जाएगा।
- फ्लीट सपोर्ट शिप से तात्पर्य ऐसे जहाजों से है, जो युद्ध के दौरान अन्य युद्धपोतों की मदद करेंगे।
- स्टील कटिंग का मतलब उसके ढाँचे के निर्माण के लिए स्टील को आकार देना शुरू करना है।
- ये पाँचों जहाज पूरी तरह से स्वदेश में बनेंगे। इनकी विस्थापन क्षमता लगभग 40-45 हजार टन होगी।
- ये फ्लीट सपोर्ट जहाज समुद्र में बेड़े के जहाजों की पुनःपूर्ति के माध्यम से भारतीय नौसेना की क्षमताओं को बढ़ाएंगे।
- इनकी सहायता से युद्ध के दौरान नौसेना के जंगी जहाजों को ईंधन, पानी, रसद, गोला-बारूद की सप्लाई होगी।
- इन जहाजों को आपातकालीन स्थितियों में कर्मियों और आम लोगों को निकालने और प्राकृतिक आपदाओं के दौरान साइट पर राहत सामग्री की त्वरित डिलीवरी इस्तेमाल किया जा सकता है।
- ये जहाज एंटी-शिप, एंटी-सबमरीन हथियारों और CIWS सिस्टम से लैस होंगे।

- इससे बंदरगाह पर लौटे बिना लंबे समय तक संचालन को सक्षम बनाया जा सकेगा, इस प्रकार बेड़े की रणनीतिक पहुंच और गतिशीलता में वृद्धि होगी।

भारत ने फिलीपींस को ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल की आपूर्ति की

- भारत ने 19 अप्रैल को फिलीपींस को ब्रह्मोस मिसाइलों के पहली खेप की आपूर्ति की।
- इस आपूर्ति के लिए भारतीय वायुसेना (IAF) ने अपना C-17 ग्लोबमास्टर मालवाहक विमान फिलीपींस भेजा।
- भारत और फिलीपींस के बीच जनवरी 2022 में, ब्रह्मोस के तट-आधारित, एंटी-शिप संस्करण की तीन बैटरियों के लिए 375 मिलियन अमेरिकी डॉलर का सौदा हुआ था।
- फिलीपींस इस मिसाइल का पहला निर्यातक देश बना है।
- फिलीपींस और चीन के बीच दक्षिण चीन सागर में तनाव की स्थिति है।
- दक्षिण चीन सागर में स्थित थॉमस शोल और स्कारबोरो शोल को लेकर चीन और फिलीपींस के बीच तनाव है।
- फिलीपींस ने चीन की आक्रामकता का मुकाबला करने और अपनी सैन्य क्षमताओं को बढ़ाने के लिए भारत से ब्रह्मोस मिसाइलों का अधिग्रहण किया है।

ब्रह्मोस एक सुपरसॉनिक क्रूज मिसाइल है।



इसे भारत-रूस ने संयुक्त रूप से मिलकर बनाया है।



ब्रह्मोस को लेकर **1998** में हुआ था भारत-रूस के बीच करार।



भारतीय सेना को **2007** में पहली बार ब्रह्मोस मिसाइल मिली।

फरवरी 2011 में इंडियन आर्मी ने 3000 करोड़ रुपये के ब्रह्मोस मिसाइल के ऑर्डर दिए।

मार्च 2013 तक इंडियन नेवी और एयरफोर्स ने **6800** करोड़ रुपये के ब्रह्मोस के ऑर्डर दिए।

ब्रह्मोस-II का विकास जारी, **1500** किमी तक होगी इसकी रेंज।

ब्रह्मोस मिसाइल

- ब्रह्मोस रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) और रूस के NPO माशिनोस्ट्रोयेनिया के बीच एक संयुक्त उद्यम है और मिसाइल का नाम ब्रह्मपुत्र और मोस्कवा नदियों से लिया गया है।
- यह मिसाइल जमीन, समुद्र, सब-सी यानी समुद्र के नीचे से और हवा से सतह और समुद्र-आधारित लक्ष्यों के खिलाफ लॉन्च करने में सक्षम है।
- इस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल को भारतीय सशस्त्र बलों के तीनों अंगों में शामिल कर दिया गया है।
- मिसाइल टेक्नोलॉजी कंट्रोल रेजीम (MTCR) के दायित्वों के अनुसार मिसाइल की मारक क्षमता मूल रूप से 290 किमी तय की गई थी।
- जून 2016 में इस क्लब में भारत के प्रवेश के बाद, इस मिसाइल के रेंज को बढ़ाकर 450 किमी तक कर दिया गया है और इसे 600 किमी और उससे आगे तक बढ़ाने पर काम चल रहा है।
- एक मिसाइल जो मैक 1 और मैक 5 के बीच की गति से यात्रा कर सकती है उसे सुपरसोनिक माना जाता है।

भारत ने निर्भय क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण किया

- भारत ने 19 अप्रैल 2024 को निर्भय क्रूज मिसाइल (Nirbhay cruise missile) का सफल परीक्षण किया।
- रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) ने यह परीक्षण ओडिशा तट पर चांदीपुर एकीकृत परीक्षण रेंज में किया था।
- परीक्षण के दौरान इस मिसाइल ने 864 किमी से 1111 किमी प्रति घंटे की रफ्तार हासिल की।

निर्भय मिसाइल

- निर्भय मिसाइल को स्वदेशी प्रौद्योगिकी क्रूज मिसाइल (Indigenous Technology Cruise Missile, ITCM) के रूप में भी जाना जाता है।
- यह लंबी दूरी की सब-सोनिक क्रूज मिसाइल है।
- यह भारत की पहली स्वदेश निर्मित क्रूज मिसाइल है।
- इस मिसाइल को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) ने स्वदेशी रूप से विकसित किया है।
- यह 100 मीटर से भी कम ऊंचाई पर 0.7 मैक (सब-सोनिक) गति से घूमने और परिभ्रमण करने में सक्षम है।

- यह दो स्टेज की मिसाइल है, पहले दौर में ठोस और दूसरे दौर में तरल ईंधन का इस्तेमाल होता है।
- यह मिसाइल 200-300 किलोग्राम के परंपरागत हथियार ले जा सकती है।
- यह परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम है। इसकी अधिकतम रेंज 1500 किमी है।
- यह समुद्र और जमीन दोनों जगहों से दागी जा सकती है। यह मिसाइल समुद्र से कम ऊंचाई पर उड़ते हुए दुश्मन के रडार को चकमा देने में सक्षम है।



निर्भय मिसाइल की खासियतें

मिसाइल ने परीक्षण के दौरान 864 किमी से 1111 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार हासिल की।

यह मिसाइल हार्गिंग कैपेबिलिटी से लैस है, जिसमें निशाना लगाने के बाद निष्क्रिय करना बेहद मुश्किल होता है।

यह दो स्टेज की मिसाइल है, जिसमें पहले स्टेज में ठोस और दूसरे स्टेज में लिक्विड फ्यूल का इस्तेमाल होता है।

मिसाइल 6 मीटर लंबी और 0.52 मीटर चौड़ी है, इसके विंग्स की कुल लंबाई 2.7 मीटर है।

यह समुद्र और जमीन दोनों से लॉन्चर के जरिए दागी जा सकती है।

यह मिसाइल 300 किलोग्राम तक के हथियार ले जा सकती है और इसकी अधिकतम रेंज 1500 किमी है।

ये जमीन से 50 मीटर ऊपर और समुद्र से 4 किमी ऊपर उड़कर टारगेट को ध्वस्त कर सकती है।

यह रास्ते में अपनी दिशा बदलकर टारगेट को नष्ट कर सकती है।

सशस्त्र बल चिकित्सा सेवा (AFMS) और IIT कानपुर के बीच समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर हुए

- सशस्त्र बल चिकित्सा सेवा (AFMS) ने 18 अप्रैल 2024 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) कानपुर के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान और प्रशिक्षण के लिए एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए।
- इस समझौता ज्ञापन के तहत, AFMS और IIT

कानपुर दुर्गम इलाकों में सैनिकों के सामने आने वाली स्वास्थ्य समस्याओं से निपटने के लिए अनुसंधान और प्रौद्योगिकियों के विकास में सहयोग करेंगे।

- आर्म्ड फोर्सिंग मेडिकल कॉलेज में आर्म्ड फोर्सिंग सेंटर फॉर कम्प्यूटेशनल मेडिसिन केंद्र स्थापित है, जो कि देश के मेडिकल कॉलेजों में अपनी तरह का पहला केंद्र है।
- यह A.I. डायग्नोस्टिक मॉडल विकसित करने हेतु तकनीकी विशेषज्ञता भी प्रदान करेगा।

केरल में खुला सोनार प्रणालियों को परखेगा अत्याधुनिक SPACE सेंटर

- इसका पूरा नाम SPACE: Submersible Platform for Acoustic Characterisation and Evaluation है।
- DRDO के अध्यक्ष और रक्षा विभाग (R&D) सचिव समीर वी. कामत ने 17 अप्रैल, 2024 को केरल के इडुक्की में अंडरवाटर एकोस्टिक रिसर्च फेसिलिटी, कुलमावु में इसका उद्घाटन किया।
- यह जहाजों, पनडुब्बियों और हेलीकॉप्टरों सहित विभिन्न प्लेटफॉर्मों पर भारतीय नौसेना द्वारा उपयोग के लिए विकसित सोनार प्रणालियों के लिए एक अत्याधुनिक परीक्षण और मूल्यांकन सुविधा है।
- इसमें दो अलग-अलग संयोजन शामिल होंगे-
 - एक प्लेटफॉर्म जो पानी की सतह पर तैरता है।
 - दूसरा सबमर्सिबल प्लेटफॉर्म जिसे विंच सिस्टम का उपयोग करके 100 मीटर तक किसी भी गहराई तक उतारा जा सकता है।
- SPACE का उपयोग मुख्य रूप से संपूर्ण सोनार प्रणाली के मूल्यांकन के लिए किया जाएगा।
- यह आधुनिक वैज्ञानिक उपकरणों का उपयोग करके वायु, सतह, मध्य जल और जलाशय तल मापदंडों के सर्वेक्षण, नमूनाकरण और डेटा संग्रह के लिए उपयुक्त होगा।

मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल क्रिस्टल मेज 2 का सफल परीक्षण

- भारत ने 24 अप्रैल 2024 को क्रिस्टल मेज 2 मिसाइल (Crystal Maze 2 Missile) के एक नए मॉडल का सफलतापूर्वक परीक्षण किया।
- इस मिसाइल परीक्षण के लिए वायुसेना ने Su-30 MKI लड़ाकू विमान का इस्तेमाल किया गया।
- यह परीक्षण नई विकसित प्रौद्योगिकियों की प्रभावशीलता को प्रदर्शित करने के लिए आयोजित किया गया।

क्रिस्टल मेज 2 मिसाइल

- यह इजराइल द्वारा विकसित मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल है।
- यह 250 किलोमीटर से अधिक दूरी पर स्थित लक्ष्य पर हमला करने की क्षमता रखती है।
- यह एक उन्नत वायु-प्रक्षेपित (हवा से सतह) मिसाइल है।
- इसे ROCKS के नाम से भी जाना जाता है।
- इसे हाई वैल्यू टार्गेट्स पर सटीक हमले के लिए डिजाइन किया गया है।

DRDO द्वारा भारत में सबसे हल्का बुलेट प्रूफ जैकेट विकसित किया गया

- यह जैकेट BIS गोला-बारूद के उच्चतम खतरे के स्तर 6 के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करता है।
- हाल ही में इस बुलेट प्रूफ जैकेट का सफल परीक्षण चंडीगढ़ के टर्मिनल बैलिस्टिक रिसर्च लेबोरेटरी (TBRL) में किया गया।
- इस जैकेट का फ्रंट हार्ड आर्मेड पैनल (HAP) कई हिट्स को रोकने में सक्षम है।
- यह पॉलिमर बैकिंग के साथ मोनोलिथिक सिरमिक प्लेट से बना है।

'एक्सोस्केलेटन के लिए उभरती प्रौद्योगिकियों और चुनौतियों' पर पहली अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला

- इसका आयोजन 16 से 17 अप्रैल, 2024 तक बेंगलुरु में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) की रक्षा जैव-इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रोमेडिकल प्रयोगशाला द्वारा किया गया।
- इसमें परिवर्तनकारी एक्सोस्केलेटन प्रौद्योगिकी के महत्व और सैन्य और नागरिक वातावरण में इसके व्यापक अनुप्रयोगों पर बल दिया गया।
- इसमें पुनर्वास, व्यावसायिक चिकित्सा और संवर्धन में एक्सोस्केलेटन प्रौद्योगिकियों के महत्व को रेखांकित किया गया।
- एक्सोस्केलेटन तकनीक दोहरी अमेरिकी तकनीक होने के कारण इसमें जबरदस्त व्यावसायिक क्षमता है।

वायुसेना को मिलेंगे 97 LCA मार्क 1-A लड़ाकू विमान

- रक्षा मंत्रालय ने वायुसेना में स्वदेशीकरण में आत्मनिर्भरता हेतु सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) को 65,000 करोड़ रुपये के ऑर्डर जारी किए गए हैं।
- इसके तहत HAL से 97 LCA मार्क 1-A फाइटर जेट्स खरीदे जाएंगे।
- यह केंद्र सरकार का स्वदेशी लड़ाकू विमानों का सबसे बड़ा ऑर्डर है।

- LCA मार्क 1-A फाइटर जेट्स वायुसेना में मिग-21, मिग-23 और मिग-27 जैसे फाइटर जेट्स की जगह लेंगे।
- भारतीय वायुसेना HAL को 83 LCA मार्क 1-A फाइटर जेट्स का ऑर्डर पहले ही दे चुकी है।
- LCA मार्क 1-A तेजस एयरक्राफ्ट का आधुनिक संस्करण है।

तेजस से ज्यादा फीचर्स



LCA मार्क 1A में AESA रडार लगा है। इस रडार की रेंज पुराने तेजस एयरक्राफ्ट से ज्यादा है और जैमिंग को बेहतर तरीके से रोकता है।

इसमें मिड-एयर रिफ्यूइलिंग की क्षमता है। इससे सिंगल इंजन फाइटर जेट की रेंज बढ़ाने में मदद मिलेगी।

इसमें लगभग 40 सुधार किए गए हैं, जिनसे इसका मेंटेनेंस आसान हो जाएगा।

इसमें अपग्रेडेड रडार वॉरनिंग रिसीवर सिस्टम (RWR) लगाया गया है। इससे एयरक्राफ्ट खतरों का जल्दी डिटेक्ट कर पाएगा।

इसमें डिजिटल मैप जेनरेटर, स्मार्ट मल्टी-फंक्शन डिस्प्ले और एडवांस रेडियो अल्टीमीटर भी दिया गया है।

भारतीय सेना ने 'प्रोजेक्ट आकाशतीर' के तहत नियंत्रण और रिपोर्टिंग सिस्टम को शामिल करना शुरू किया।

- भारतीय सेना ने अपनी वायु रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने के लिए 'प्रोजेक्ट आकाश तीर' के तहत नियंत्रण और रिपोर्टिंग सिस्टम को शामिल करने की पहल की है।
- यह मित्रवत विमानों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा और विवादित हवाई क्षेत्र में शत्रु विमानों पर नजर रखेगा।
- यह परियोजना सेना की वायु रक्षा तंत्र की परिचालन दक्षता और एकीकरण में उल्लेखनीय वृद्धि करेगी।

प्रोजेक्ट आकाश तीर

- 'प्रोजेक्ट आकाशतीर' एक महत्वपूर्ण पहल है जिसका उद्देश्य भारतीय सेना की वायु रक्षा क्षमताओं को बढ़ाना है।
- इसे भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (BEL) द्वारा 'आत्मनिर्भर भारत' पहल के रूप में विकसित किया गया।

- यह परियोजना वायु रक्षा नियंत्रण और रिपोर्टिंग प्रक्रियाओं को डिजिटलीकरण करके स्वचालित करने के लिए डिजाइन की गई है।
- यह प्रणाली सभी स्तरों पर रडार और संचार प्रणालियों को एक नेटवर्क में एकीकृत करती है, जो पुख्ता रणनीतिक जानकारी और नियंत्रण प्रदान करती है।
- यह टारगेटेड लक्ष्यों पर तेजी से हमला करने में सक्षम है और हवाई क्षेत्र में अपने विमानों की सुरक्षा सुनिश्चित करता है।

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (BEL)

- यह भारत सरकार के स्वामित्व वाली एयरोस्पेस और रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी है।
- यह मुख्य रूप से सेना और एयरोस्पेस अनुप्रयोगों के लिए उन्नत इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद बनाती है।
- यह भारत के रक्षा मंत्रालय के तहत 9 सार्वजनिक उपक्रमों में से एक है। भारत सरकार द्वारा इसे नवरत्न का दर्जा दिया गया है।
- इसकी स्थापना 1954 में बैंगलोर, कर्नाटक, भारत में हुई थी।

परमाणु हमला करने में सक्षम अग्नि प्राइम मिसाइल का सफल परीक्षण

- भारत ने 4 अप्रैल 2024 को अग्नि प्राइम मिसाइल का सफल परीक्षण किया गया।
- यह परीक्षण भारतीय सेना की स्ट्रैटेजिक फोर्स कमांड ने DRDO के साथ मिलकर ओडिशा के डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से किया।
- इससे पहले 7 जून 2023 को भी DRDO ने अग्नि प्राइम मिसाइल का सफल परीक्षण किया था।

अग्नि प्राइम

- अग्नि प्राइम मिसाइल को इंटीग्रेटेड गाइडेड मिसाइल डेवलेपमेंट प्रोग्राम के तहत देश ही में विकसित किया गया है।
- इस प्रोग्राम के तहत पृथ्वी, अग्नि, त्रिशूल, नाग और आकाश जैसी मिसाइलें विकसित की गई हैं।
- अग्नि प्राइम बैलिस्टिक मिसाइल एक मध्यम दूरी की मिसाइल है, जिसकी रेंज करीब 1200-2000 किलोमीटर के बीच है।
- यह मिसाइल परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम है, इस मिसाइल पर 1500 से 3000 किलो तक वॉरहेड ले जाए जा सकते हैं।
- इस मिसाइल में सॉलिड फ्यूल का इस्तेमाल किया जाता है।
- यह अग्नि मिसाइल सीरीज की यह सबसे नई और छोटी मिसाइल है।

आकाश मिसाइल प्रणाली का सफल परीक्षण

- भारत ने 31 मार्च 2024 को आकाश मिसाइल प्रणाली का सफल परीक्षण किया।
- यह परीक्षण भारतीय सेना की पश्चिमी कमान ने किया। आकाश मिसाइल प्रणाली दुश्मन के विमान या मिसाइल को हवा में (सतह से हवा में मार करने में सक्षम) नष्ट कर सकती है।

आकाश मिसाइल प्रणाली

- आकाश मिसाइल सिस्टम की सिंगल यूनिट में चार मिसाइलें होती हैं, जो अलग-अलग टारगेट्स को नष्ट कर सकती हैं।
- आकाश मिसाइल प्रणाली को रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) ने स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित किया है।
- यह एक मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली है।
- इसकी मारक क्षमता 40 से 80 km है।
- इसे इंटीग्रेटेड गाइडेड मिसाइल डेवलपमेंट प्रोग्राम (IGMDP) के तहत विकसित किया गया है, जिसमें नाग, अग्नि और त्रिशूल मिसाइल और पृथ्वी बैलिस्टिक मिसाइल का विकास भी शामिल है।
- भारतीय वायु सेना और भारतीय सेना के लिए दो मिसाइल संस्करण बनाए गए हैं।
- इसके तहत मिसाइल सतह-से-हवा में मार करने वाली प्रणाली पूरी तरह से स्वायत्त मोड में काम करते हुए कई हवाई लक्ष्यों को साध सकती है।
- इस प्रणाली में एक लॉन्चर, एक मिसाइल, एक नियंत्रण केंद्र, एक बहुक्रियाशील अग्नि नियंत्रण रडार, एक प्रणाली हथियार और विस्फोट तंत्र, एक डिजिटल ऑटोपायलट, C4I (कमांड, नियंत्रण संचार और खुफिया) केंद्र और सहायक जमीनी उपकरण शामिल हैं।

डोर्नियर 228 विमान की भारत द्वारा गुयाना को आपूर्ति

- हाल ही में, गुयाना को अपनी रक्षा क्षमताओं में उल्लेखनीय वृद्धि के लिए भारत स्थित एयरोस्पेस और रक्षा कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) से दो डोर्नियर 228 विमान प्राप्त हुए।
- भारत ने इसके तहत पहली बार **किसी कैरेबियाई देश के साथ पहला लाइन ऑफ क्रेडिट (LOC) समझौता** किया है।
- गुयाना को दोनों डोर्नियर-228 विमान ऋण सहायता के हिस्से के रूप में दिए गए हैं।
- इस सौदे के लिए गुयाना रक्षा बल ने 23.27 मिलियन डॉलर के ऋण पर भारत के साथ लाइन

ऑफ क्रेडिट (LOC) पर हस्ताक्षर किए थे।

- इसका उपयोग समुद्री गश्त और सेना की आवाजाही और सुरक्षा क्षमताओं को बढ़ाने हेतु किया जाएगा।

वित्त वर्ष 2023-24 में पहली बार रक्षा निर्यात रिकॉर्ड 21,083 करोड़ रुपये तक पहुंचा

- भारत का वित्त वर्ष 2023-24 में रक्षा निर्यात रिकॉर्ड 21,083 करोड़ रुपये (लगभग 2.63 बिलियन अमेरिकी डॉलर) तक हो गया है, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 32.5% प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है।
- इसमें निजी क्षेत्र का 60%, रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक क्षेत्रक उपक्रमों का 40% योगदान रहा।
- वित्त वर्ष 2013-14 की तुलना में पिछले 10 वर्षों में रक्षा निर्यात 31 गुना बढ़ा है।
- वित्त वर्ष 2022-23 में 1,414 निर्यात प्राधिकारों से, वित्त वर्ष 2023-24 में यह संख्या बढ़कर 1,507 हो गई।
- रक्षा निर्यात को बढ़ावा देने के लिए भारतीय उद्योगों को प्रदान किए गए 'एंड-टू-एंड' डिजिटल समाधान के साथ-साथ सरकार द्वारा लाए गए नीतिगत सुधारों और 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' पहल के कारण उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

स्वदेशी मैन पोर्टेबल एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल (MPATGM) हथियार प्रणाली का सफल परीक्षण

- रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) ने मैन पोर्टेबल एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल (MPATGM) हथियार प्रणाली को स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित किया है।
- इसकी उच्च श्रेष्ठता साबित करने के उद्देश्य से विभिन्न उड़ान विन्यासों में प्रौद्योगिकी का कई बार मूल्यांकन किया गया है।
- इसका परीक्षण DRDO और भारतीय सेना द्वारा किया गया।
- इसके तहत राजस्थान के पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज में 13 अप्रैल, 2024 को वॉरहेड उड़ान परीक्षण सफलतापूर्वक आयोजित किए गए।
- इसकी 'डुअल मोड सीकर (दिन/रात में ऑपरेशन में सक्षम)' कार्यक्षमता टैंक युद्ध में इस मिसाइल क्षमता के लिए एक महत्वपूर्ण है।
- इसे आसानी से कहीं भी ले जाया जा सकता है। यह कहीं से भी दुश्मन के टैंक को निशाना बनाने में सक्षम है।

मंटा रे अंडरवाटर ड्रोन

- यह एक **मानवरहित अंडरवाटर व्हीकल** है, जो लंबे समय तक समुद्र के अंदर रह सकता है।

- इसे अमेरिका की डिफेंस एडवांस्ड रिसर्च प्रोजेक्ट्स एजेंसी (DARPA) द्वारा डिजाइन किया गया है, जो विशालकाय समुद्री मछली मंटा रे पर आधारित है।
- इसी मछली के नाम पर इसे **मंटा रे** नाम दिया गया है।
- यह अंडरवाटर व्हीकल पूरी तरह से ऑटोनॉमस है।
- इसे अनमैन्ड अंडरसी व्हीकल (UUV) की श्रेणी में रखा गया है।
- इसका उपयोग समुद्र के अंदर खोजबीन, रिसर्च और जासूसी जैसे कार्यों में किया जा सकता है।
- इस अंडरवाटर व्हीकल की मदद से भविष्य में रेस्क्यू ऑपरेशन भी किया जा सकता है।
- इसे हथियार के रूप में भी प्रयोग में लिया सकता है।
- यह बिना आवाज किये लंबे समय तक समुद्र के अंदर गहराई में गोता लगा सकता है।
- मंटा रे अंडरवाटर व्हीकल मॉड्यूलर है, इसे फोल्ड कर कहीं भी ले जाया जा सकता है।
- इस ड्रोन को कई तरह के पेलोड लगाकर अलग-अलग मिशन पर भेजा जा सकता है।
- **नोट:** सिंगापुर के वैज्ञानिकों ने 2017 में मंटा रे की तरह दिखने वाला रोबोट बनाया था, जो लचीले पंखों से पानी में तैर सकता है।

ISRO ने रॉकेट इंजनों के लिए कार्बन-कार्बन (C-C) नोजल विकसित किया

- ISRO ने रॉकेट इंजन के लिए हल्के कार्बन-कार्बन (C-C) नोजल के विकास के साथ रॉकेट इंजन प्रौद्योगिकी में सफलता हासिल की है।
- विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (VSCC) द्वारा किया गया यह नवाचार रॉकेट इंजन के महत्वपूर्ण मापदंडों को बढ़ाने में सक्षम है।
- इसमें थ्रस्ट लेवल, विशिष्ट आवेग और थ्रस्ट-टू-वेट अनुपात शामिल हैं, जिससे लॉन्च वाहनों की पेलोड क्षमता में वृद्धि होगी।
- ग्रीन कंपोजिट के कार्बनीकरण और उच्च तापमान उपचार जैसी प्रक्रियाओं का उपयोग करके, इसने कम घनत्व, उच्च विशिष्ट शक्ति और उत्कृष्ट कठोरता वाला एक नोजल बनाया है।
- यह उच्च तापमान पर भी यांत्रिक गुणों को बनाए रखने में सक्षम है।
- इस नोजल की एक प्रमुख विशेषता **सिलिकॉन कार्बाइड की इसकी विशेष एंटी-ऑक्सीडेशन कोटिंग** है, जो ऑक्सीकरण वाले वातावरण में इसकी परिचालन सीमाओं को बढ़ाती है।
- इससे प्रतिकूल वातावरण में परिचालन तापमान सीमा को बढ़ाया जा सकता है।

- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) के वर्कहॉर्स लॉन्चर, पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (PSLV) के लिए PS4, PSLV का चौथा चरण, वर्तमान में कोलंबियम मिश्र धातु से बने नोजल के साथ दो इंजन का उपयोग करता है।
- इस नोजल से PSLV की पेलोड क्षमता में 15 किलोग्राम की वृद्धि होने का अनुमान है, जो अंतरिक्ष मिशनों के लिए एक उल्लेखनीय वृद्धि है।

TSAT-1A उपग्रह

- टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (TASL) ने अपने सब-मीटर ऑप्टिकल सैटेलाइट को सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में स्थापित कर दिया है।
- TSAT-1A को SpaceX के बैंडवैगन-1 मिशन के साथ लॉन्च किया गया था।
- TSAT-1A को SpaceX के फाल्कन 9 रॉकेट द्वारा 7 अप्रैल 2024 को अमेरिका के फ्लोरिडा में कैंनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च किया गया।
- यह उपग्रह TASL और सैटेलाइटिक के सहयोग से विकसित किया गया।
- यह भारत में एक उन्नत पृथ्वी अवलोकन उपग्रह को विकसित करने और एकीकृत करने के लिए सैटेलाइटिक की विशेषज्ञता और जटिल प्रणाली एकीकरण करने के लिए TASL की क्षमता के साथ सहयोग करता है।
- TSAT-1A को कर्नाटक में टाटा एडवांस्ड के असंबली, इंटीग्रेशन और टेस्टिंग (AIT) प्लांट में असंबल किया गया था।
- यह हाई-रिजॉल्यूशन ऑप्टिकल उपग्रह तस्वीर प्रदान करेगा। यह **भारतीय निजी क्षेत्र द्वारा निर्मित पहला सैन्य ग्रेड भू-स्थानिक उपग्रह** है।

START कार्यक्रम

- START कार्यक्रम ISRO द्वारा शुरू किया गया है।
- इसका पूरा नाम 'Space Science and Technology Awareness Training (अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी जागरूकता प्रशिक्षण)' है।
- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने गुजरात विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद (GUJCOST) को START कार्यक्रम के लिए नोडल केंद्र के रूप में नामित किया है।
- यह एक ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम है, जो विज्ञान और प्रौद्योगिकी के स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों के लिए है।
- अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी जागरूकता प्रशिक्षण (START) 2024 कार्यक्रम अप्रैल से मई 2024 तक होगा।
- इस कार्यक्रम में अंतरिक्ष विज्ञान अनुसंधान के विभिन्न क्षेत्रों को शामिल किया गया है।

- इसका उद्देश्य युवाओं को अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आकर्षित करना है।
- यह केवल भारत के शैक्षणिक संस्थानों, विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में पढ़ने वाले छात्रों के लिए है।
- START कार्यक्रम के तहत, GUJCOST ज्ञान प्रसार के लिए केंद्रीय केंद्र के रूप में काम करते हुए, लाइव कक्षाओं को होस्ट करेगा।

अंतरिक्ष में पहला युद्धाभ्यास

- संयुक्त राज्य अमेरिका की स्पेस सैन्य शाखा पहली बार पृथ्वी की कक्षा में युद्धाभ्यास करेगी।
- इसको युद्धाभ्यास को 'विक्टस हेज' नाम दिया गया है।
- इसे अमेरिका पृथ्वी से बाहर अपने सैटेलाइट और अन्य संसाधनों की रक्षा के लिए आयोजित कर रहा है।
- अमरीकी स्पेस सिस्टम कमांड (SSC) द्वारा हाल में इस संदर्भ में 2 निजी अंतरिक्ष कंपनियों के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं।
- यूएस स्पेस फोर्स ने अपने विक्टस हेज मिशन के लिए रॉकेट लैब और टू एनोमली को कुल 620 लाख डॉलर का अनुबंध दिया है।
- नोट: रूस और चीन भी अंतरिक्ष में सैन्य क्षमताओं को लगातार बढ़ा रहे हैं।
- रॉकेट लैब को अपने इलेक्ट्रॉन रॉकेट का उपयोग करके एक अंतरिक्ष यान का निर्माण और लॉन्च करने के लिए अनुबंधित किया गया है, जबकि टू एनोमली को कमांड और कंट्रोल सेंटर उपलब्ध कराना होगा।

एडवांस्ड कम्पोजिट सोलर सेल सिस्टम (ACS3)

- NASA के एडवांस्ड कम्पोजिट सोलर सेल सिस्टम (ACS3) अंतरिक्ष यान को 23 अप्रैल 2024 को न्यूजीलैंड के माहिया में रॉकेट लैब के इलेक्ट्रॉन रॉकेट से लॉन्च किया गया।
- ACS3 माइक्रोवेव ओवन के आकार के उपग्रह है।
- अगली पीढ़ी की सौर पाल तकनीक (Solar Sail Technology) को ही एडवांस्ड कम्पोजिट सोलर सेल सिस्टम (ACS3) के नाम से जाना जाता है।
- यह तकनीक भविष्य की अंतरिक्ष यात्रा को आगे बढ़ा सकती है और सूर्य और सौर मंडल के बारे में हमारी समझ का विस्तार कर सकती है।

- सौर पाल (Solar Sail) सूर्य के प्रकाश के दबाव का उपयोग प्रणोदन के लिए करते हैं, सूर्य की ओर या उससे दूर झुकते हैं ताकि फोटॉन परावर्तक पाल से टकराकर अंतरिक्ष यान को धकेल सकें।
- इससे भारी प्रणोदन प्रणाली (Heavy Propulsion System) समाप्त हो जाती है और लंबी अवधि और कम लागत वाले मिशन सक्षम हो सकते हैं।
- इसे अगली पीढ़ी की सौर सेल प्रौद्योगिकी (Solar Sail Technology) का टेस्ट करने के लिए को पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित किया है।
- ACS3 से प्राप्त डेटा भविष्य में बड़े पैमाने के समग्र सौर सेल सिस्टम के डिजाइन का मार्गदर्शन करेगा।
- इस डेटा का उपयोग अंतरिक्ष मौसम की प्रारंभिक चेतावनी हेतु उपग्रहों के प्रक्षेपण, निकट-पृथ्वी क्षुद्रग्रह टोही मिशन, या मानव युक्त अन्वेषण मिशनों के लिए संचार रिले के लिए किया जा सकता है।
- इसके तहत NASA भविष्य के कम लागत वाले गहरे अंतरिक्ष मिशनों के लिए सौर पाल प्रणोदन प्रणालियों (Solar Sail Propulsion Systems) के लिए नई तैनाती योग्य संरचनाओं और सामग्री प्रौद्योगिकियों का विकास कर रहा है।
- इससे पारंपरिक रॉकेट प्रणोदक की आवश्यकता समाप्त हो जाती है।
- ACS3 प्रौद्योगिकी प्रदर्शन का प्राथमिक उद्देश्य कम-पृथ्वी कक्षा में समग्र बूम सौर पाल की सफल तैनाती करना है।

चीन ने 3 अंतरिक्ष यात्रियों को शेनझोउ-18 यान द्वारा तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन पर भेजा

- चीन के शेनझोउ-18 मिशन को 25 अप्रैल 2024 को लॉन्च किया गया।

- इसके तहत चीन के 3 अंतरिक्ष यात्रियों की एक टीम को पृथ्वी की निचली कक्षा में तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन के लिए भेजा गया।
- चीन इस मिशन के तहत 2030 तक चंद्रमा पर अंतरिक्ष यात्रियों को भेजने की दिशा में काम कर रहा है।
- शेनझोउ-18 अंतरिक्ष यान, को 'डिवाइन वेसल' के रूप में भी जाना जाता है।
- अंतरिक्ष यान मिशन कमांडर **ये गुआंगफू** (जिन्होंने पहले 2021 शेनझोउ-13 मिशन पर काम किया था) है और इसके अलावा 2 अन्य सदस्य **ली कांग और ली गुआंगसु** है।
- ये तीनों यात्री अंतरिक्ष स्टेशन में 6 महीने तक रहेंगे।
- इनके मुख्य कार्यों में वैज्ञानिक प्रयोग करना, स्पेसवॉक करना और अंतरिक्ष स्टेशन के लिए नियमित रखरखाव और प्रबंधन करना शामिल है।।

Gaia BH3: सबसे बड़े स्टेलर ब्लैक होल की खोज

- खगोलविदों ने हमारी मिल्की वे आकाशगंगा में सूर्य से 33 गुना अधिक द्रव्यमान वाले सबसे बड़े स्टेलर ब्लैक होल "गैया बीएच3 (Gaia BH3) का पता लगाया है।
- यह पृथ्वी का दूसरा निकटतम ब्लैक होल भी है, जो पृथ्वी से केवल 2,000 प्रकाश वर्ष दूर है।
- वैज्ञानिकों ने यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के गैया मिशन (Gaia mission) द्वारा एकत्र किए गए डेटा के नवीनतम भंडार में BH3 को देखा।
- Gaia mission अंतरिक्ष दूरबीन को एक अरब तारों का 3D मानचित्र संकलित करने के उद्देश्य से 2013 में लॉन्च किया गया था।
- जब सूर्य के द्रव्यमान से आठ गुना से अधिक द्रव्यमान वाले तारे का ईंधन खत्म हो जाता है, तो सुपरनोवा के रूप में इसमें विस्फोट हो जाता है और इसका कोर ढहकर एक स्टेलर ब्लैक होल बन जाता है।
- अध्ययनों से पता चला है कि आकाशगंगा में लगभग 50 संभावित या पुष्टि किए गए स्टेलर मास वाले ब्लैक होल हैं, लेकिन नासा के अनुसार अकेले हमारी आकाशगंगा मिल्की वे में 100 मिलियन तक हो सकते हैं।
- Gaia BH3 के बाद सिग्नस एक्स-1 (Cygnus X-1) दूसरा सबसे बड़ा ब्लैक होल है, जिसका द्रव्यमान सूर्य से 21 गुना बड़ा है।
- Gaia BH3 आकाशगंगा में स्टेलर ओरिजिन का सबसे विशाल ब्लैक होल बन गया है।

ब्लैक होल

- ब्लैक होल तारों की मृत्यु के बाद की अवस्था को कहते हैं। तारे अपने केंद्र में हाइड्रोजन का हीलियम में संलयन या फ्यूजन से पैदा होने वाली ऊर्जा से चमकते हैं।
- दो बलों के संतुलन के कारण तारा स्थाई रूप से लम्बे समय तक चमकता रहता है। जहाँ उसके अपने पदार्थ का गुरुत्वाकर्षण उसे संकुचित कर छोटा बनाने का प्रयास करता है तो दूसरा केंद्र से बाहर निकलने वाला विकिरण जो उसे फैलाकर बड़ा करना चाहता है।
- इसलिए जब तारे के केंद्रीय भाग में ईंधन समाप्त हो जाता है तो वह सिकुड़ने लगता है। सूर्य जैसे द्रव्यमान वाले तारे मृत्यु के बाद व्हाइट ड्वार्फ तारे बनते हैं।
- सूर्य से कई गुना द्रव्यमान वाले बड़े तारों की जब मृत्यु होती है तो उनमें प्रचंड विस्फोट होता है जिसे सुपरनोवा विस्फोट कहते हैं। तारे के पदार्थ ब्रह्मांड में चारों दिशाओं में फैल जाते हैं और केंद्र में एक सघन छोटा-सा पिंड बचा रहता है। उसे न्यूट्रॉन तारा कहते हैं।
- इससे भी अधिक द्रव्यमान वाले तारों में सुपरनोवा विस्फोट के बाद बचे बीच के भाग का गुरुत्वाकर्षण द्वारा सिकुड़ना और भी आगे जारी रहता है। वह इतना सघन और इतने अधिक गुरुत्वाकर्षण वाला पिंड बन जाता है कि वहां से प्रकाश की किरण भी बाहर नहीं निकल सकती। ऐसे में वह अपना अस्तित्व नहीं बचा पाता। वह शून्य आकार धारण कर लेता है। तारे की इसी अवस्था को ब्लैक होल कहते हैं।
- खगोलशास्त्री आम तौर पर ब्लैक होल को उनके द्रव्यमान के अनुसार तीन श्रेणियों में विभाजित करते हैं: स्टेलर-मास, सुपरमैसिव, और मध्यवर्ती-द्रव्यमान।
- जब सूर्य के द्रव्यमान से आठ गुना से अधिक द्रव्यमान वाले तारे का ईंधन खत्म हो जाता है, तो इसका कोर ढह जाता है, पलट जाता है और सुपरनोवा के रूप में विस्फोट हो जाता है।
- सुपरमैसिव ब्लैक होल का द्रव्यमान सूर्य के द्रव्यमान से सैकड़ों-हजारों से अरबों गुना अधिक होता है। सैजिटेरियस।' (Sgr A) का द्रव्यमान सूर्य से 4.2 मिलियन गुना अधिक है।
- Sgr A जैसे सुपरमैसिव ब्लैक होल बड़े तारों की मृत्यु से नहीं बनते, बल्कि उत्तरोत्तर बड़े और बड़े ब्लैक होल के विलय से बनते हैं।
- हमारी आकाशगंगा सहित लगभग हर बड़ी आकाशगंगा के केंद्र में एक सुपरमैसिव ब्लैक होल होता है।

दुनिया का सबसे शक्तिशाली लेजर

- रोमानिया में दुनिया का सबसे शक्तिशाली लेजर विकसित किया गया है।
- यह स्वास्थ्य क्षेत्र से लेकर अंतरिक्ष तक हर चीज में क्रांतिकारी प्रगति ला सकता है।
- यह लेजर सूर्य से अरबों गुना तेज और चमकीली किरण पैदा करने में सक्षम होगी।
- इसे रोमानिया की राजधानी बुखारेस्ट में एक अनुसंधान केंद्र ने विकसित किया गया है।
- यह यूरोपियन यूनियन इंफ्रास्ट्रक्चर एक्सट्रीम लाइट इंफ्रास्ट्रक्चर (ELI) परियोजना का हिस्सा है।
- इस लेजर तकनीक को चिरप्ट पल्स एम्प्लीफिकेशन (CPA) तकनीक के रूप में जाना जाता है।
- यह नोबेल पुरस्कार विजेता फ्रांस के जेराड मौरौ (Gérard Mourou) और कनाडा की डॉना स्ट्रिकलैंड (Donna Strickland) के आविष्कारों पर आधारित है।
- फ्रांस के जेराड मौरौ और कनाडा के डॉना स्ट्रिकलैंड ने अत्याधुनिक सटीक उपकरणों के निर्माण लिए लेजर की शक्ति का उपयोग करने के लिए 2018 नोबेल भौतिकी पुरस्कार जीता।

शक्तिशाली लेजर के संभावित अनुप्रयोग

- परमाणु कचरे की रेडियोधर्मिता अवधि को कम करना।
- अंतरिक्ष में जमा हो रहे मलबे को हटाना।
- लक्षित कैंसर उपचारों और उन्नत शल्य चिकित्सा तकनीकों जैसे चिकित्सा उपचारों में।
- कैंसर थेरेपी में उपयोगी।
- न्यूक्लियर फ्यूजन, रिन्यूएबल एनर्जी और बैटरी के क्षेत्र में प्रगति को बढ़ावा में सहायक।

रूस ने किया अंगारा-A5 अंतरिक्ष रॉकेट का सफल प्रक्षेपण

- रूस ने 11 अप्रैल 2024 को अंगारा-A5 अंतरिक्ष रॉकेट का सफल परीक्षण किया।
- यह परीक्षण वोस्तोचन कोस्मोड्रोम से किया गया। हालांकि, यह रूस का तीसरा परीक्षण है जो सफल हुआ।
- अंगारा रॉकेट 54.5 मीटर (178.81 फुट) लम्बा तीन चरणों वाला रॉकेट है।
- इसका वजन लगभग 773 टन है, लगभग 24.5 टन वजन अंतरिक्ष में ले जा सकता है।
- रूस ने 1991 में सोवियत संघ के विघटन के कुछ साल बाद एक रूस-निर्मित लॉन्च वाहन के लिए अंगारा परियोजना की शुरुआत की थी।

रैम्पेज मिसाइल भारतीय वायुसेना और नौसेना के बेड़े में शामिल

- हाल ही में भारत ने वायु रक्षा प्रणाली को चकमा देने वाली इजरायली रैम्पेज मिसाइलों को भारतीय वायुसेना और नौसेना के बेड़े में शामिल किया गया है।
- वायुसेना ने सुखोई-30 एमकेआइ और मिग-29 जगुआर लड़ाकू विमानों को रैम्पेज मिसाइलों से लैस किया है।
- नौसेना ने मिग-29 के नौसैनिक लड़ाकू विमानों के लिए मिसाइलों को अपने बेड़े में भी शामिल किया है।

रैम्पेज मिसाइल

- सुपरसोनिक गति वाली रैम्पेज 250 किलोमीटर तक लक्ष्य को ध्वस्त करने में सक्षम है।
- हवा से जमीन पर मार करने वाली रैम्पेज मिसाइलें 47 मीटर लम्बी और 570 किलोग्राम भारी हैं।
- हाई-स्पीड लो ड्रैग-मार्क 2 मिसाइल के रूप में जानी जाने वाली इस मिसाइल का कथित तौर पर ईरानी ठिकानों पर हाल के हमलों के दौरान इजरायली वायु सेना द्वारा बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया गया था।

12P/Pons-Brooks धूमकेतु सूर्य के अपने निकटतम बिंदु पर पहुँचा

- 12P/Pons-Brooks एक धूमकेतु है, जिसे 'मदर ऑफ ड्रेगन' या 'शैतानी धूमकेतु' (Devil Comet) अथवा 'मिलेनियम फाल्कन' (Millennium Falcon) भी कहा जाता है।
- यह धूमकेतु 21 अप्रैल, 2024 को सूर्य के अपने निकटतम बिंदु (पेरिहेलियन) पर पहुँचा। उस समय यह सूर्य से 74.4 मिलियन मील दूर था तथा उस समय इसकी चमक सर्वाधिक थी।
- यह धूमकेतु 8 अप्रैल, 2024 को पूर्ण सूर्य ग्रहण के दौरान सींग (horned) आकृति में दिखाई दिया था।
- यह धूमकेतु जून 2024 में पृथ्वी के सबसे निकट (मात्र 232 मिलियन किलोमीटर दूर) होगा। लेकिन उस समय यह केवल दक्षिणी गोलार्द्ध में दिखाई देगा।
- यह ब्रह्मांडीय हेलस्टोन हर 71 वर्षों में केवल एक बार सूर्य की परिक्रमा करता है।
- यह विशेष पिंड एक क्रायोवोल्केनो है, जो फूटता है तो बड़ी मात्रा में गैस और बर्फ जमा हो जाती है और जमे हुए कोक कैन की तरह जल जाते हैं।

NASA चंद्रमा के लिए कोऑर्डिनेटेड लूनर टाइम (CLT) निर्धारित करेगा

- अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसी नासा (NASA) चंद्रमा और अन्य खगोलीय पिंडों के लिए समय का एक स्टैंडर्ड मानक स्थापित करेगी।
- इसका लक्ष्य राष्ट्रों और निजी उद्यमों के बीच बढ़ती चंद्र दौड़ में अंतरराष्ट्रीय मानदंड स्थापित करना है।
- चंद्रमा पर गुरुत्वाकर्षण कम (Gravitational Force On Moon) होने के कारण वहाँ समय पृथ्वी की तुलना में 58.7 माइक्रोसेकंड तेज चलता है। इसलिए धरती और चंद्रमा का समय एक जैसा नहीं होता है।
- अमेरिकी स्पेस एजेंसी NASA 2026 तक कोऑर्डिनेटेड लूनर टाइम (LTC) अर्थात् चंद्रमा के लिए 'स्टैंडर्ड टाइम' तैयार करेगी।
- LTC एक मानक समय होगा जो चंद्रमा पर जाने वाले उपग्रहों और यानों के लिए इंटरनेशनल स्टैंडर्ड टाइम (International Standard Time) तय करेगा।
- LTC को तय करने में कोऑर्डिनेटेड यूनिवर्सल टाइम (UTC) को आधार बनाया जा सकता है, जिसे संयुक्त राष्ट्र (United Nations) ने पूरी दुनिया का मानक समय तय किया है।

ब्रह्मांड का सबसे बड़ा 3D मैप

- डार्क एनर्जी स्पेक्ट्रोस्कोपिक इंस्ट्रूमेंट (DESI) ने सटीक माप के साथ, ब्रह्मांड का सबसे बड़ा 3D मैप बनाया है।
- इसका उद्देश्य पिछले 11 अरब वर्षों में डार्क एनर्जी के प्रभावों का अध्ययन करना है।
- पहली बार वैज्ञानिकों ने युवा ब्रह्मांड के विस्तार के इतिहास को 1% से भी कम त्रुटि के साथ मापा है।
- इससे हमें ब्रह्मांड के विकास के बारे में व्यापक जानकारी मिल सकेगी।
- ब्रह्मांड के इस नए मॉडल को **लैम्ब्डा सीडीएम (Lambda CDM)** का नाम दिया गया है।
- मैटर और डार्क एनर्जी दोनों ही विपरीत तरीकों से ब्रह्मांड के विस्तार को आकार देते हैं।
- मैटर और डार्क मैटर विस्तार को धीमा कर देते हैं, जबकि डार्क एनर्जी इसकी गति बढ़ा देती है।

डार्क एनर्जी स्पेक्ट्रोस्कोपिक इंस्ट्रूमेंट (DESI)

- DESI 5,000 रोबोटिक 'आँखों' वाला एक अनूठा उपकरण है, जिनमें से प्रत्येक आँख आकाशगंगा से आने वाले प्रकाश को अलग से कैप्चर और प्रोसेस कर सकता है।

- यह अमेरिका के एरिजोना में किट पीक नेशनल ऑब्जर्वेटरी में निकोलस W मायल 4-मीटर टेलीस्कोप पर लगा है।
- DESI को एक ही समय में 5,000 आकाशगंगाओं का निरीक्षण करने की क्षमता है।
- यह हमारे ब्रह्मांड का विकास, इसका भविष्य में अंत, और भौतिकी के सबसे बड़े रहस्यों में से एक 'डार्क एनर्जी' के बारे में बताएगा।

नाइजीरिया मेनिनजाइटिस का टीका तैयार करने वाला विश्व का पहला देश बना

- नाइजीरिया मेनिनजाइटिस (Meningitis) के लिए अत्यधिक प्रभावी टीका पेश करने वाला विश्व का पहला देश बन गया है।
- Men5CV नामक टीका विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) द्वारा अनुशंसित है।
- यह एक ही शॉट में मेनिंगोकोकस बैक्टीरिया के 5 स्ट्रेन से सुरक्षा प्रदान करता है। यह मेनिंगोकोकस बैक्टीरिया के स्ट्रेंस A, C, W, Y और X से बचाता है।
- ये सभी मेनिनजाइटिस और रक्त विषाक्तता का कारण बन सकते हैं।

मेनिनजाइटिस

- मेनिनजाइटिस मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी (spinal cord) के आसपास की झिल्लियों की एक गंभीर सूजन है।
- मेनिनजाइटिस वायरस, बैक्टीरिया, कवक या परजीवियों के कारण हो सकता है।
- इससे मस्तिष्क क्षति, सुनने की हानि और सीखने की अक्षमता सहित गंभीर बीमारियों का कारण बन सकता है।
- मेनिनजाइटिस किसी भी उम्र के लोगों को प्रभावित कर सकता है।
- न्यूमोकोकल कंजुगेट वैक्सिन (PCV) को भारत के यूनिवर्सल टीकाकरण कार्यक्रम (UIP) में शामिल किया गया है।
- PCV बच्चों को निमोनिया और मेनिनजाइटिस जैसे न्यूमोकोकल रोग के गंभीर रूपों से बचाता है।

गगन शक्ति: भारतीय वायुसेना का सबसे बड़ा युद्धाभ्यास

- राजस्थान में **जैसलमेर जिले की पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में 1-10 अप्रैल तक भारतीय वायुसेना का सबसे बड़ा युद्धाभ्यास गगन शक्ति आयोजित किया गया।**

- इसमें चीन और पाकिस्तान के साथ दो मोर्चों पर युद्ध के लिए भारतीय वायुसेना की तैयारी का परीक्षण किया गया।
- इस युद्धाभ्यास में भारतीय वायुसेना के करीब 10 हजार वायु सैनिकों ने भाग लिया। इसमें तेजस, राफेल, सुखोई 30, जगुआर, ग्लोबमास्टर, चिनुक, अपाचे, प्रचंड सहित कई लड़ाकू विमान व हेलीकॉप्टर्स की भागीदारी थी।
- गगनशक्ति युद्धाभ्यास का आयोजन भारतीय वायुसेना द्वारा सामान्यतः प्रत्येक पाँच वर्ष में होता है। इससे पूर्व 'गगन शक्ति' अभ्यास का आयोजन वर्ष 2018 में किया गया था।

IMT TRILAT 24

- यह भारत, मोजाम्बिक और तंजानिया के बीच त्रिपक्षीय नौसैनिक अभ्यास है।
- यह IMT TRILAT का दूसरा संस्करण था जो मोजाम्बिक के नाकाला में संपन्न हुआ।
- इस अभ्यास का उद्देश्य भारत, मोजाम्बिक और तंजानिया की नौसेनाओं के बीच समुद्री सहयोग और अंतर-संचालनीयता को बढ़ाना है।
- IMT TRILAT 24 दो चरणों में आयोजित किया गया। पहला चरण हार्बर चरण था जो 21-24 मार्च तक जंजीबार में आयोजित किया गया। दूसरा चरण समुद्री चरण था जो 24-28 मार्च तक आयोजित किया गया।
- मोजाम्बिक, दक्षिण-पूर्वी अफ्रीका का एक देश है। इसकी राजधानी मापुटो है।
- तंजानिया पूर्वी अफ्रीका में स्थित है। इसकी राजधानी डोडोमा है।

दस्तलिक 2024 अभ्यास (Exercise DUSTLIK 2024)

- यह भारत-उज्बेकिस्तान संयुक्त सैन्य अभ्यास है। यह दस्तलिक का 5वाँ संस्करण है।
- इसका आयोजन 15 से 28 अप्रैल 2024 तक उज्बेकिस्तान गणराज्य के टर्मेज में किया गया।

'पूर्वी लहर अभ्यास'

- भारतीय नौसेना ने फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, पूर्वी नौसेना कमान के परिचालन नियंत्रण के तहत पूर्वी समुद्र-तट पर 'पूर्वी लहर अभ्यास' (XPOL) का संचालन 20 अप्रैल, 2024 को किया।
- इस अभ्यास का उद्देश्य क्षेत्र की समुद्री सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के क्रम में भारतीय नौसेना की तैयारियों के मूल्यांकन की दिशा में प्रक्रियाओं का सत्यापन करना था।
- XPOL को कई चरणों में आयोजित किया गया, जिसमें सामरिक चरण के दौरान वास्तविक परिदृश्य में युद्ध प्रशिक्षण और हथियार चरण के दौरान लक्ष्य तक आयुध पहुँचाने की भारतीय नौसेना की क्षमता की पुष्टि के लिए विभिन्न फायरिंग का सफल संचालन आदि शामिल थे।

सागर कवच 2024

- भारतीय नौसेना ने रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण लक्षद्वीप में 1-2 अप्रैल, 2024 को 'सागर कवच' नामक समुद्री सुरक्षा अभ्यास आयोजित किया।
- इस दो दिवसीय अभ्यास में भारतीय नौसेना, तटरक्षक बल, समुद्री पुलिस, मत्स्य पालन और सीमा शुल्क तथा अन्य सुरक्षा एजेंसियाँ शामिल थीं।
- 2 अप्रैल को सम्पन्न हुए अभ्यास ने समुद्र से उत्पन्न होने वाले असममित खतरे से निपटने के दौरान तटीय सुरक्षा तंत्र की प्रभावशीलता को प्रमाणित किया।

6

खेल

भारत के डी. गुकेश ने FIDE कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट जीता

- भारत के 17 वर्षीय दोम्माराजू गुकेश (Dommaraju Gukesh) ने 22 अप्रैल 2024 को कनाडा के टोरंटो में FIDE कैंडिडेट्स टूर्नामेंट (FIDE Candidates tournament) जीता।
- गुकेश यह खिताब जीतने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने हैं।
- वह पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद के बाद कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतने वाले दूसरे भारतीय भी हैं।
- गुकेश का शतरंज विश्व चैंपियनशिप खिताब के लिए चीन के डिंग लिरेन से मुकाबला होगा।



कैंडिडेट्स टूर्नामेंट

- यह टूर्नामेंट विश्व चैंपियनशिप से पहले खेला जाता है।
- इस टूर्नामेंट का विजेता विश्व चैंपियनशिप मैच के पिछले विजेता से मैच खेलता है।
- यह टूर्नामेंट विश्व चैंपियनशिप मैच के लिए खिलाड़ी का चयन करता है।
- यह 8 खिलाड़ियों वाला, डबल राउंड-रॉबिन टूर्नामेंट है।
- FIDE विश्व कप के शीर्ष तीन खिलाड़ी सीधे कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए अर्हता प्राप्त करते हैं।

तीरंदाजी विश्व कप 2024

- इसके स्टेज 1 का आयोजन 23-28 अप्रैल 2024 को शंघाई (चीन) में किया गया।
- इसमें भारत ने 5 स्वर्ण, 2 रजत और 1 कांस्य सहित कुल 8 पदक जीते।
- तरुणदीप राय, प्रवीण जाधव और धीरज बोम्मदेवरा की भारतीय पुरुष रिकर्व टीम ने स्वर्ण पदक जीता।

- यह 14 वर्षों में पुरुषों की रिकर्व टीम तीरंदाजी में भारत का पहला विश्व कप स्वर्ण पदक था।
- दीपिका कुमारी ने महिलाओं की व्यक्तिगत रिकर्व स्पर्धा में रजत पदक जीता।
- यह दीपिका का लगातार दूसरा पदक था। इससे पहले उन्होंने फरवरी में 2024 एशिया कप में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीता था।
- अंकिता भकत और धीरज ने मिश्रित टीम रिकर्व में कांस्य पदक जीता।
- धीरज बोम्मदेवरा ने पेरिस 2024 के लिए भारत का एकमात्र तीरंदाजी कोटा हासिल किया।

भारत के पदक विजेता

वर्ग	तीरंदाज	पदक
कंपाउंड महिला	ज्योति सुरेखा वेन्नम	स्वर्ण
कंपाउंड पुरुष टीम	टीम इंडिया	स्वर्ण
कंपाउंड मिश्रित टीम	टीम इंडिया	स्वर्ण
कंपाउंड महिला टीम	टीम इंडिया	स्वर्ण
रिकर्व पुरुष टीम	टीम इंडिया	स्वर्ण
कंपाउंड पुरुष	प्रियांश	रजत
रिकर्व महिला	दीपिका कुमारी	रजत
रिकर्व मिश्रित टीम	टीम इंडिया	कांस्य

तीरंदाजी विश्व कप

- यह 4 चरणों में एक कैलेंडर वर्ष में 4 अलग-अलग देशों में आयोजित किया जाता है।
- 4 चरणों के बाद अंतिम चरण में विश्व कप का फाइनल आयोजित किया जाता है।
- 2024 विश्व कप 23 अप्रैल, 2024 से शुरू होकर 20 अक्टूबर तक चलेगा। विश्व कप का चरण 1 शंघाई (चीन) में आयोजित किया गया।
- दूसरा और तीसरा चरण क्रमशः येचिओन (दक्षिण कोरिया) और अंताल्या (तुर्की) में आयोजित किया गया।
- तीरंदाजी विश्व कप का फाइनल मेक्सिको के त्लाक्सकाला में आयोजित किया जाएगा।

मियामी ओपन टेनिस टूर्नामेंट 2024

- 44 साल की उम्र में बोपन्ना ने मास्टर्स 1000 खिताब जीतने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी होने का अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया। फाइनल में इंडो-ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी ने इवान डोडिग और ऑस्टिन क्राजिसेक को शिकस्त दी।

- भारत के रोहन बोपन्ना और उनके साथी ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू एब्डेन ने फ्लोरिडा में मियामी ओपन 2024 टेनिस पुरुष युगल खिताब जीता।
- इस जीत से बोपन्ना और एब्डेन पुरुष युगल रैंकिंग में पहले स्थान पर पहुंच गए हैं।
- बोपन्ना और एब्डेन की जोड़ी ने दूसरा एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब जीता, उन्होंने 2023 में इंडियन वेल्स टूर्नामेंट जीता था।
- रोहन बोपन्ना ने अपने करियर में 6 एटीपी मास्टर्स खिताब जीते हैं।
- लिअंडर पेस, महेश भूपति और सानिया मिर्जा के बाद **बोपन्ना मियामी ओपन खिताब जीतने वाले चौथे भारतीय खिलाड़ी हैं।**

मियामी ओपन विजेता

पुरुष एकल : जननिक सिनर (इटली)
पुरुष युगल : रोहन बोपन्ना (भारत)/ मैथ्यू एब्डेन (ऑस्ट्रेलिया)
महिला एकल : डेनिएल कोलिन्स (यूएसए)
महिला युगल : सोफिया केनिन/बेथानी माटेक-सैंड्स (यूएसए)

नोट: डेनिएल कोलिन्स सेरेना विलियम्स, वीनस विलियम्स और स्लोएन स्टीफंस के बाद मियामी ओपन एकल खिताब जीतने वाले चौथी अमेरिकी हैं।

BMW टेनिस ओपन 2024

- भारत के युकी भांबरी और फ्रांस के ओलिवेट्टी की जोड़ी ने जर्मनी के एड्रियास मिज और जान-लेनार्ड स्ट्रफ को फाइनल में 7-6, 7-6 से हराकर खिताब जीता।
- भारतीय और फ्रांसिसी जोड़ी का यह पहला खिताब है जबकि युकी भांबरी का एटीपी टूर पर यह दूसरा खिताब है।
- वह बवेरियन इंटरनेशनल टेनिस चैंपियनशिप जीतने वाले पहले भारतीय भी बन गए हैं।
- युकी भांबरी पुरुष युगल में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग पर 56वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

तेजस्विन शंकर ने शॉकर स्पिंग इनविटेशनल 2024 का खिताब जीता

- भारतीय एथलीट तेजस्विन शंकर ने कंसास में शॉकर स्पिंग इनविटेशनल 2024 में सीजन की अपनी पहली आउटडोर मीट में ऊँची कूद में 2.17 मीटर की छलांग लगा खिताब जीता।
- तेजस्विन डिक्थलॉन में एशियन गेम्स 2023 के रजत पदक विजेता रहे थे।
- उन्होंने बर्मिंघम में 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स में कांस्य

पदक जीता था।

- ऊँची कूद में तेजस्विन शंकर का सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत स्कोर 2.29 मीटर है।

सुमित नागल मोंटे कार्लो मास्टर्स में मुख्य ड्रॉ मैच जीतने वाले पहले भारतीय बने।

- सुमित नागल 9 अप्रैल 2024 को मोंटे कार्लो मास्टर्स में मुख्य ड्रॉ मैच जीतने वाले पहले भारतीय बने।
- सुमित नागल ने शुरुआती दौर में इटली के 35वें रैंकिंग वाले माटेओ अर्नाल्डी को हराया।
- उन्होंने एटीपी मास्टर्स इवेंट में अर्नाल्डी को तीन सेटों में 5-7, 6-2 और 6-4 से हराया।
- वह विजय अमृतराज (1977) और रमेश कृष्णन (1982) के बाद मोंटे कार्लो में मुख्य ड्रॉ में शामिल होने वाले केवल तीसरे भारतीय हैं।
- वह क्ले पर मास्टर्स 1000 मैच जीतने वाले पहले पुरुष भारतीय एकल खिलाड़ी बन गए।

मोंटे कार्लो मास्टर्स:

- यह पुरुष पेशेवर खिलाड़ियों के लिए एक वार्षिक टेनिस टूर्नामेंट है।
- यह फ्रांस में आयोजित किया जाता है।
- यह एटीपी टूर पर 9 एटीपी टूर मास्टर्स 1000 कार्यक्रमों का हिस्सा है।

बिंद्यारानी देवी ने IWF विश्व कप में कांस्य पदक जीता

- इसका आयोजन थाईलैंड के फुकैत में किया गया।
- बिंद्यारानी ने 55 किग्रा वर्ग में कुल 196 किग्रा भार उठाकर कांस्य पदक जीता।
- इसके साथ ही उन्होंने क्लीन एंड जर्क में 113 किग्रा. के साथ रजत पदक भी जीता।
- बिंद्यारानी ने कुल 196 किग्रा (स्नैच में 83 किग्रा + क्लीन एंड जर्क में 113 किग्रा) उठाकर समग्र रूप से कांस्य पदक जीता।
- बिंद्यारानी देवी बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 की रजत पदक विजेता रही हैं।
- डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया के कांग ह्योन ग्योंग ने 234 किग्रा (103 किग्रा स्नैच + 131 किग्रा क्लीन एंड जर्क) उठाकर स्वर्ण पदक जीता।
- IWF विश्व कप, विश्व चैंपियनशिप और महाद्वीपीय चैंपियनशिप में, प्रत्येक में स्नैच, क्लीन एंड जर्क और कुल लिफ्टों के लिए पदक प्रदान किए जाते हैं।
- बिंद्यारानी ने दक्षिण कोरिया में आयोजित एशियाई वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप 2023 में महिलाओं के 55 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीता था।

एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप 2024

- इसका आयोजन 11-16 अप्रैल, 2024 को किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में किया गया।
- इसमें भारत ने 4 रजत और 5 कांस्य पदक सहित कुल 9 पदक जीते।
- इस प्रतियोगिता में 30 भारतीय पहलवानों ने हिस्सा लिया, जिनमें 10 फ्रीस्टाइल, 10 ग्रीको रोमन और 10 महिला पहलवान शामिल थे।

एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप 2024: भारत के पदक विजेता

• उदित	57 किग्रा भार वर्ग फ्रीस्टाइल	रजत पदक
• राधिका	68 किग्रा भार वर्ग फ्रीस्टाइल	रजत पदक
• अंजू	53 किग्रा भार वर्ग फ्रीस्टाइल	रजत पदक
• हर्षिता	72 किग्रा भार वर्ग फ्रीस्टाइल	रजत पदक
• अभिमन्यु	70 किग्रा भार वर्ग फ्रीस्टाइल	कांस्य पदक
• विक्की	97 किग्रा भार वर्ग फ्रीस्टाइल	कांस्य पदक
• शिवानी	50 किग्रा भार वर्ग फ्रीस्टाइल	कांस्य पदक
• मनीषा	62 किग्रा भार वर्ग फ्रीस्टाइल	कांस्य पदक
• अंतिम कुंडू	65 किग्रा भार वर्ग फ्रीस्टाइल	कांस्य पदक

- इससे पहले अस्थाना, कजाकिस्तान में आयोजित एशियाई चैंपियनशिप के पिछले संस्करण में, भारतीय पहलवानों ने 14 पदक जीते थे, जिनमें 1 स्वर्ण, 3 रजत और 10 कांस्य पदक शामिल थे।
- इसमें पुरुषों के 57 किग्रा में अमन सेहरावत एकमात्र पहलवान थे, जिन्होंने स्वर्ण पदक जीता था।

जीता।

- आनंदी लड़कियों की अंडर-17 स्पर्धा में शीर्ष स्थान पर भी रहीं।
- आनंदी ने वर्ष 2023 में थाइलैंड के फुकेत किंग्स कप में स्वर्ण पदक जीता था।

बलराज पंवार ने पेरिस ओलंपिक हेतु भारत का पहला रोइंग कोटा हासिल किया

- बलराज पंवार ने दक्षिण कोरिया के चुंगजू में आयोजित 2024 विश्व एशियाई और ओशियान ओलंपिक और पैरालंपिक क्वालिफिकेशन रेगाटा में पुरुष एकल स्कल स्पर्धा में तीसरा स्थान हासिल किया।
- उन्होंने 2000 मीटर की दौड़ 7 मिनट और 1.2 सेकंड के समय में पूरी की।
- इसमें शीर्ष 5 दावेदारों ने पुरुषों की एकल स्कल श्रेणी में ओलंपिक के लिए कोटा हासिल किया।

सौरव घोषाल ने पेशेवर स्क्वैश से सन्यास लिया

- सौरव घोषाल एक भारतीय स्क्वैश खिलाड़ी हैं। हालाँकि, वह भारत के लिए खेलना जारी रखेंगे।
- घोषाल ने अपने करियर के दौरान 12 प्रोफेशनल स्क्वैश एसोसिएशन (PSA) खिताब जीते।
- वह विश्व स्क्वैश रैंकिंग में शीर्ष 10 एथलीट में रह चुके हैं।
- वह एकमात्र भारतीय व्यक्ति हैं, जिन्होंने विश्व रैंकिंग में शीर्ष 10 में प्रवेश किया।
- उन्होंने 5 अलग-अलग एशियाई खेलों के संस्करणों में पदक जीते हैं, जिसमें हांगझोऊ 2022 और इंचियोन 2014 में टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक भी जीता (एशियाई खेलों में 2 स्वर्ण पदक)।

51वीं राष्ट्रीय कैरम चैम्पियनशिप

- इसका आयोजन 6-14 अप्रैल 2024 को ग्वालियर (मध्य प्रदेश) में किया गया।
- इस चैम्पियनशिप के महिला वर्ग के फाइनल में, रश्मि कुमारी ने के नागाजोथी को 25-8, 14-20, 25-20 से हराया।
- रश्मि कुमारी 3 बार विश्व चैंपियन भी रह चुकी हैं। रश्मि के लिए यह रिकॉर्ड 12वां राष्ट्रीय महिला एकल खिताब था।
- इस चैम्पियनशिप के पुरुष वर्ग के फाइनल में, के श्रीनिवास ने एस आदित्य को 25-0, 19-6 से हराकर खिताब जीता।
- श्रीनिवास ने चौथी बार राष्ट्रीय पुरुष एकल चैम्पियनशिप का खिताब जीता।
- 51वीं राष्ट्रीय कैरम चैम्पियनशिप की मेजबानी मध्य प्रदेश कैरम एसोसिएशन ने की।

ओपन स्क्वैश यूरो चैलेंज सेलिंग (नौकायन) प्रतियोगिता

- यह प्रतियोगिता 5-7 अप्रैल 2024 तक इटली में आयोजित की गई।
- भारत की 15 वर्षीय आनंदी नंदन चंदावरकर ने इस प्रतियोगिता के मिश्रित वर्ग में कांस्य पदक

- 2022 में ग्लासगो में युगल स्पर्धा में दीपिका पल्लीकल कार्तिक और सौरभ घोषाल ने **स्वर्ण पदक** जीता था।
- सौरभ घोषाल और दीपिका पल्लीकल ने 2018 राष्ट्रमंडल खेलों में मिश्रित युगल में रजत पदक भी जीता था।
- बर्मिंघम में आयोजित राष्ट्रमंडल खेल 2022 में सौरभ घोषाल कांस्य जीता। वह स्क्वैश में व्यक्तिगत पदक जीतने वाले भारत के पहले खिलाड़ी भी बने।
- सौरभ 13 बार राष्ट्रीय खिताब जीत चुके हैं।
- PSA वर्ल्ड टूर स्क्वैश खिलाड़ियों के लिए एक पेशेवर सर्किट है।
- यह टेनिस में एटीपी और डब्ल्यूटीए और बैडमिंटन में बीडब्ल्यूएफ के समान है।
- नवंबर 2021 में मलेशियाई ओपन स्क्वैश चैंपियनशिप में आखिरी PSA खिताब जीता था।

खेल मंत्रालय ने धाविका ज्योति याराजी को मिशन ओलंपिक के तहत इटली में ट्रेनिंग की मंजूरी दी

- एशियाई खेलों की रजत पदक विजेता धाविका ज्योति याराजी पेरिस ओलंपिक की तैयारियों हेतु स्पेन के टेनरिफे में प्रशिक्षण लेंगी।
- केंद्रीय खेल मंत्रालय मिशन ओलंपिक सेल के तहत उन्हें प्रशिक्षण के लिए वित्तीय सहायता मुहैया कराएगा।
- हांगझाऊ में आयोजित एशियन गेम्स 2022 में ज्योति ने रजत पदक जीता था।

टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (TOPS)

- इसकी केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय (MYAS) द्वारा सितंबर 2014 में शुरुआत की गई।
- इसका उद्देश्य ओलंपिक और पैरालंपिक में भारत के खिलाड़ियों का बेहतर प्रदर्शन सुनिश्चित करने हेतु सुविधाएँ उपलब्ध कराना है।
- एथलीटों को प्रबंधन और समग्र समर्थन प्रदान करने के लिये तकनीकी सहायता टीम स्थापित करने की दृष्टि से अप्रैल 2018 में इसे नया रूप दिया गया था।
- युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय 'उच्च प्राथमिकता' वाले खेलों (तीरंदाजी, बैडमिंटन, मुक्केबाजी, हॉकी, निशानेबाजी और कुश्ती) में प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने पर जोर देने के साथ TOPS के सदस्यों की नियुक्ति हेतु उत्तरदायी है।

मिशन ओलंपिक सेल:

- मिशन ओलंपिक सेल (MOC) उन एथलीटों की सहायता के लिये गठित किया गया है जिन्हें TOPS के तहत चुना गया है।
- मिशन ओलंपिक सेल महानिदेशक, भारतीय खेल प्राधिकरण (DG, SAI) की अध्यक्षता में कार्य करता है।

बिल्किस मीर पेरिस ओलंपिक खेलों में पहली भारतीय महिला जूरी सदस्य बनेंगी

- जम्मू-कश्मीर की बिल्किस मीर 26 जुलाई से 11 अगस्त तक आयोजित होने वाले पेरिस ओलंपिक 2024 में जूरी सदस्य के रूप में प्रतिनिधित्व करने वाली भारत की पहली महिला बनेंगी।
- बिल्किस वर्ष 2023 में चीन के हांगझू में एशियाई खेलों में जूरी सदस्य थीं।
- इससे पहले, उन्होंने कैनेडिंग में भारत का प्रतिनिधित्व किया और महिलाओं की राष्ट्रीय टीम के लिए कोच के रूप में काम किया।
- चीन के हांगझू में 19वें एशियाई खेलों (2022) में एकमात्र भारतीय महिला जूरी सदस्य के रूप में उनकी भागीदारी रही है।
- बिल्किस को 'कश्मीर घाटी की एक्वा वुमन' के रूप में जाना जाता है।

मैक्स वेरस्टैपेन F1 जापानी ग्रांड प्रिक्स 2024 के विजेता बने

- रेड बुल के मैक्स वेरस्टैपेन ने 7 अप्रैल 2024 को जापानी फॉर्मूला वन (F1) ग्रांड प्रिक्स 2024 का खिताब जीता।
- हालैंड के मैक्स वेरस्टैपेन ने रेड बुल के ही सर्जियो पेरेज को हराया, जबकि ऑस्ट्रेलिया के कार्लोस सैन्ज तीसरे स्थान पर रहे।
- मैक्स वेरस्टैपेन 2021, 2022 और 2023 के वर्ल्ड चैंपियन भी रह चुके हैं।

फॉर्मूला वन चैंपियनशिप (F1)

- इसका आयोजन फेडरेशन इंटरनेशनल डील ऑटोमोबाइल (FIA) द्वारा किया जाता है।
- फॉर्मूला वन चैंपियनशिप 2024 में 24 ग्रैंड प्रिक्स शामिल हैं।
- जो ड्राइवर अधिकतम अंक प्राप्त करता है वही विश्व ड्राइवर चैंपियनशिप का खिताब जीत सकता है।
- जर्मनी के माइकल शूमाकर और यूनाइटेड किंगडम के लुईस हैमिल्टन अब तक 7-7 बार विश्व ड्राइवर चैंपियनशिप जीत चुके हैं।

एथलेटिक्स ओलंपिक चैंपियंस को पुरस्कार राशि देने वाला पहला खेल बना

- विश्व एथलेटिक्स (WA) ने ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेताओं को पुरस्कार राशि देने की घोषणा की है।
- विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबेस्टियन कोए के अनुसार, इस साल पेरिस में स्वर्ण पदक जीतने वाले प्रत्येक खिलाड़ी को 50,000 डॉलर मिलेंगे।
- एथलेटिक्स में ओलंपिक रजत और कांस्य पदक विजेताओं को इस बार की बजाय 2028 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेलों से पुरस्कार राशि मिलेगी।
- **नोट:** अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (IOC) अभी तक मेडल विजेताओं को पुरस्कार राशि नहीं देती थी।

- पदक विजेताओं को उनके देश की सरकारों, राष्ट्रीय खेल संघों या स्पोर्सर्स से आर्थिक सहायता मिलती है।

हॉकी इंडिया अवार्ड्स 2024

- छठे वार्षिक हॉकी इंडिया अवार्ड्स में 31 मार्च को, हार्दिक सिंह और सलीमा टेटे को क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग में 'प्लेयर ऑफ द ईयर 2023' नामित किया गया।
- हार्दिक सिंह को 'बलबीर सिंह सीनियर ट्रॉफी' और 25 लाख रुपये के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- नोट: हार्दिक सिंह 'FIH (Federation of International Hockey) प्लेयर ऑफ द ईयर' भी रह चुके हैं

पुरस्कार	विजेता
<ul style="list-style-type: none"> ◆ प्लेयर ऑफ द ईयर (महिला) ◆ प्लेयर ऑफ द ईयर (पुरुष) ◆ मेजर ध्यानचंद लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड ◆ गोलकीपर ऑफ द ईयर ◆ डिफेंडर ऑफ द ईयर ◆ मिडफील्डर ऑफ द ईयर ◆ फॉरवर्ड ऑफ द ईयर ◆ वीमेन अंडर-21 प्लेयर ऑफ द ईयर ◆ मेन अंडर-21 प्लेयर ऑफ द ईयर 	<ul style="list-style-type: none"> ◆ सलीमा टेटे ◆ हार्दिक सिंह ◆ अशोक कुमार ◆ पीआर श्रीजेश ◆ हरमनप्रीत सिंह ◆ हार्दिक सिंह ◆ अभिषेक ◆ दीपिका सोरेंग ◆ अरायजीत सिंह हुंदल

- हॉकी इंडिया ने भारतीय महिला हॉकी टीम की फारवर्ड दीपिका सोरेंग वर्ष के उभरते खिलाड़ी के लिए प्रतिष्ठित हॉकी इंडिया असुंता लाकड़ा पुरस्कार से सम्मानित किया।
- उन्होंने महिला जूनियर एशिया कप में टीम के लिए पदार्पण करते हुए 6 मैचों में 7 गोल दागकर टीम को स्वर्ण पदक जीतने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- 2016 की जूनियर विश्व कप विजेता पुरुष टीम को भी इस कार्यक्रम में सम्मानित किया गया।
- जूनियर एशिया कप और पुरुष एवं महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली भारतीय टीमों के साथ-साथ पुरुष एशियाई खेलों की विजेता टीम को भी पुरस्कृत किया गया।

हॉकी इंडिया: एक दृष्टि

- हॉकी इंडिया भारत में हॉकी संचालन हेतु अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ और भारत सरकार से मान्यता प्राप्त संस्था है।
- इसकी स्थापना मई 2009 में भारतीय हॉकी महासंघ (IHF) और भारतीय महिला हॉकी महासंघ (IWHF) के विलय से हुई।
- हॉकी इंडिया ने 2014 में वार्षिक हॉकी इंडिया पुरस्कार शुरू किया था।

लॉरियस स्पोर्ट्समैन पुरस्कार नोवाक जोकोविच को प्रदान किया गया।

- सर्बिया के टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को 22 अप्रैल 2024 को मैड्रिड में रिकॉर्ड 5वीं बार लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्समैन ऑफ द ईयर पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- जोकोविच ने 2012, 2015, 2016, 2019 और 2024 के साथ 5 बार यह पुरस्कार जीत चुके हैं। स्पेन की फुटबॉल खिलाड़ी ऐटाना बोनमती ने 'वर्ल्ड स्पोर्ट्सवुमन ऑफ द ईयर' का पुरस्कार जीता।

लॉरियस स्पोर्ट्स अवॉर्ड्स के विजेताओं की सूची

श्रेणी	विजेता
वर्ल्ड स्पोर्ट्समैन ऑफ द ईयर अवार्ड	नोवाक जोकोविच
वर्ल्ड स्पोर्ट्सवुमेन ऑफ द ईयर अवार्ड	ऐटाना बोनमती
वर्ल्ड टीम ऑफ द ईयर अवार्ड	स्पेन महिला फुटबॉल टीम
वर्ल्ड ब्रेकथ्रू ऑफ द ईयर अवार्ड	जूड बेलिंगहैम
वर्ल्ड कमबैक ऑफ द ईयर अवार्ड	सिमोन बाइल्स
स्पोर्ट फॉर गुड अवार्ड	फंडासीन राफा नडाल
वर्ल्ड स्पोर्ट्सपर्सन ऑफ द ईयर विथ ए डिसेबिलिटी अवार्ड	डाइडे डे गूट
वर्ल्ड एक्शन स्पोर्ट्सपर्सन ऑफ द ईयर अवार्ड	अरिसा टू

हरेंद्र सिंह

- यह पूर्व भारतीय हॉकी खिलाड़ी और द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता है।
- इन्हें हाल ही में हॉकी इंडिया ने राष्ट्रीय महिला हॉकी टीम के कोच के रूप में नियुक्त किया गया है।

56वीं राष्ट्रीय खो-खो चैम्पियनशिप (2023-24)

- दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में 56वीं राष्ट्रीय खो-खो चैम्पियनशिप 1 अप्रैल, 2024 को सम्पन्न हुई।
- इस प्रतियोगिता में महाराष्ट्र ने महिला और पुरुष दोनों वर्गों के खिताब अपने नाम किए।
- पुरुष वर्ग का फाइनल मुकाबला महाराष्ट्र और रेलवे के मध्य खेला गया। जिसमें महाराष्ट्र की टीम ने भारतीय रेलवे टीम को 52-50 से पराजित किया।
- महिला वर्ग का खिताब महाराष्ट्र ने एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया को 18-16 से हराया।

ओलम्पिक ज्योति प्रज्वलन समारोह

- ग्रीस के ओलम्पिया शहर में ओलम्पिक फ्लेमिंग लाइटिंग सेरेमनी का आयोजन 16 अप्रैल, 2024 को किया गया।
- इसमें काँच के जरिए हेरा मंदिर की छत से सूर्य की रोशनी द्वारा ओलम्पिक फ्लेम जलाई गई, जो कि प्राचीनकाल से चला आ रहा एक रिवाज है।
- ज्योति प्रज्वलन समारोह का आयोजन ओलम्पिक खेल शुरू होने से 100 दिन पहले किया जाता है।
- ओलम्पिक गेम्स शुरू होने से खत्म होने तक यह फ्लेम कढ़ाही में जलती रहती है।
- ओलम्पिया में सेरेमनी के बाद ओलम्पिक ज्योति सबसे पहले ग्रीस का सफर करती है।
- इसके बाद इसे लगभग 5000 किमी. की दूरी तक ग्रीस के रास्ते से होकर ले जाया जाता है। अंत में मेजबान देश को सौंप दी जाती है।

7

पुरस्कार एवं सम्मान

चंद्रयान-3 मिशन टीम को जैक स्विगर्ट जूनियर पुरस्कार 2024

- भारत की चंद्रयान -3 मिशन टीम ने अंतरिक्ष अन्वेषण मानकों को बढ़ाने के लिए, 2024 का जैक स्विगर्ट जूनियर पुरस्कार जीता है।
- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) को यह पुरस्कार चंद्रयान-3 टीम की असाधारण उपलब्धियों के लिए दिया गया।
- चंद्रयान-3 चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र पर उतरने वाला विश्व का पहला अंतरिक्ष यान है।
- इसरो ने चंद्रयान-3 मिशन को 14 जुलाई 2023 को लॉन्च किया था।
- चंद्रयान-3 मिशन में शामिल लैंडर 'विक्रम' और रोवर 'प्रज्ञान' 23 अगस्त, 2023 को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरे थे।

जैक स्विगर्ट पुरस्कार

- यह पुरस्कार अमेरिका के स्पेस फाउंडेशन (Space Foundation) द्वारा दिया जाता है।
- यह अंतरिक्ष अन्वेषण और खोज में किसी कंपनी, अंतरिक्ष एजेंसी या संगठनों के द्वारा असाधारण उपलब्धियों को मान्यता देता है।
- यह पुरस्कार अंतरिक्ष यात्री जॉन एल. जैक स्विगर्ट जूनियर की स्मृति में दिया जाता है।
- स्पेस फाउंडेशन अंतरिक्ष पारिस्थितिकी तंत्र के लिए सूचना, शिक्षा और सहयोग प्रदान करता है।

ब्रेकथ्रू पुरस्कार 2024

- इसके तहत 13 अप्रैल, 2024 को लॉस एंजिल्स में आयोजित समारोह में पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया गया।
- इसमें प्रभावशाली वैज्ञानिक खोजों के लिए दुनिया के सबसे प्रतिभाशाली लोगों को सम्मानित किया जाता है।
- ब्रेकथ्रू पुरस्कार को लोकप्रिय रूप से 'विज्ञान के ऑस्कर (Oscar of Science)' के रूप में जाना जाता है।
- इनमें जीवन विज्ञान, मौलिक भौतिकी और गणित में ब्रेकथ्रू पुरस्कारों के 11 विजेता शामिल हैं।

जीवन विज्ञान में ब्रेकथ्रू पुरस्कार

- इस वर्ष के जीवन विज्ञान पुरस्कार विजेताओं

में तीन प्रमुख बीमारियों - कैंसर, सिस्टिक फाइब्रोसिस और पार्किंसंस रोग के खिलाफ महत्वपूर्ण प्रगति के लिए प्रदान किए गए।

- कार्ल जून और मिशेल सैडेलेन को कैंसर के इलाज हेतु आनुवंशिक रूप से T कोशिकाओं के संदर्भ में खोज हेतु यह पुरस्कार मिला।
- सबाइन हदीदा, पॉल नेगुलेस्कु और फ्रेड्रिक वान गोर को सिस्टिक फाइब्रोसिस के कारणों का इलाज करने हेतु पहली प्रभावी दवाओं का आविष्कार हेतु यह पुरस्कार मिला।
- थॉमस गैसर, एलेन सिड्रान्स्की और एंड्रयू सिंगलटन को पार्किंसंस रोग के सबसे आम आनुवंशिक कारणों की खोज के कारण यह पुरस्कार मिला।

मौलिक भौतिकी (Fundamental Physics) में ब्रेकथ्रू पुरस्कार

- इसमें ब्रेकथ्रू पुरस्कार जॉन कार्डी और अलेक्जेंडर जमोलोडचिकोव को प्रदान किया गया।

गणित में ब्रेकथ्रू पुरस्कार

- इसमें ब्रेकथ्रू पुरस्कार साइमन ब्रेंडल को प्रदान किया गया।
- इसके अलावा भौतिकी और गणित में प्रारंभिक कैरियर उपलब्धियों के लिए 6 न्यू होराइजन्स पुरस्कार प्रदान किए गए।
- 3 महिला गणितज्ञों को मरियम मिर्जाखानी न्यू फ्रंटियर्स पुरस्कार प्रारंभिक करियर उपलब्धियों के लिए प्रदान किए गए।

ब्रेकथ्रू पुरस्कार

- यह पुरस्कार 2010 में शुरू हुआ।
- यह पुरस्कार जीव विज्ञान, भौतिकी और गणित के क्षेत्र में प्रतिवर्ष दिया जाता है।
- इस पुरस्कार के तहत 30 लाख अमरीकी डॉलर राशि प्रदान की जाती है।
- इस पुरस्कार को वैज्ञानिक युग की प्रमुख खोज या उपलब्धि को रेखांकित करने के लिए संस्थापक प्रायोजक सर्गेई ब्रिन, प्रिसिला चान और मार्क जुकरबर्ग, जूलिया और यूरी मिलनर और ऐनी वोज्स्की द्वारा स्थापित किया गया।

पावलुरी सुब्बा राव को अंतरिक्ष विज्ञान में उनके योगदान के लिए आर्यभट्ट पुरस्कार

- अनंत टेक्नोलॉजीज के संस्थापक और अध्यक्ष **पावलुरी सुब्बा राव** को एयरोनॉटिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया (ASI) द्वारा स्थापित 'आर्यभट्ट पुरस्कार' से सम्मानित किया गया है।
- उन्हें ASI के 'प्रतिष्ठित फेलो' की उपाधि से भी सम्मानित किया गया।
- उन्हें 'भारत में अंतरिक्ष विज्ञान को बढ़ावा देने में उनके योगदान' के लिए यह पुरस्कार मिला।

अनंत टेक्नोलॉजीज लिमिटेड

- यह एक भारतीय एयरोस्पेस निर्माता कंपनी है।
- यह कंपनी लॉन्च वाहनों, उपग्रहों, अंतरिक्ष यान पेलोड और ग्राउंड सिस्टम के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स और मैकेनिकल सबसिस्टम बनाती है।
- यह न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड के साथ साझेदारी के माध्यम से उपग्रह भी बनाता है और लॉन्च सेवाएँ प्रदान करता है।
- इसकी स्थापना 1992 में की गई।
- इसका मुख्यालय हैदराबाद (तेलंगाना) में है।
- इसके हैदराबाद, बेंगलुरु और तिरुवनंतपुरम में उत्कृष्टता केंद्र हैं।

कीस मानवतावादी पुरस्कार 2021

- **रतन टाटा** को कीस मानवतावादी पुरस्कार 2021 से सम्मानित किया गया।
- यह पुरस्कार KISS (कलिंग इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज) के संस्थापक अच्युत सामंत ने पुरस्कार प्रदान किया।
- रतन टाटा को पुरस्कार मिलने की घोषणा मूल रूप से 2021 में की गई थी। हालाँकि, कोविड-19 महामारी के कारण इसमें देरी हुई।
- रतन टाटा टाटा समूह के मानद चेयरमैन हैं। वह एक प्रसिद्ध उद्योगपति हैं।
- KISS मानवतावादी पुरस्कार की स्थापना 2008 में अच्युत सामंत द्वारा की गई थी।
- इसका उद्देश्य उन संगठनों और व्यक्तियों को स्वीकार करना है जो वैश्विक स्तर पर मानवीय कार्यों का प्रतीक हैं।

रेजवाना चौधरी पद्मश्री से सम्मानित

- प्रसिद्ध बांग्लादेशी गायिका रेजवाना चौधरी बान्या को प्रतिष्ठित पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- राष्ट्रपति भवन में आयोजित नागरिक अलंकरण समारोह में द्रौपदी मुर्मू ने वर्ष 2024 के लिए पद्म

विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री पुरस्कार प्रदान किए।

- कला के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए उन्हें यह पुरस्कार मिला।
- वह रवीन्द्र संगीत की अध्यापिका हैं।
- वह ढाका में एक प्रतिष्ठित संगीत विद्यालय 'शूरेर धारा' चलाती हैं। उन्होंने रवीन्द्र संगीत पर कई किताबें भी लिखी हैं।

REC लिमिटेड को स्कोच ESG पुरस्कार 2024

- REC लिमिटेड को नवीकरणीय ऊर्जा वित्तपोषण श्रेणी में स्कोच ESG (Environmental, Social, and Governance) पुरस्कार 2024 प्राप्त हुआ है।
- REC भारत के स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी के रूप में उभरा है और भारत के सतत भविष्य में सक्रिय रूप से योगदान दे रहा है।
- REC ने कई टिकाऊ परियोजनाओं के लिए प्रतिबद्धता जताई है और हरित परियोजनाओं के लिए विभिन्न समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं।
- स्कोच ESG पुरस्कार उन संगठनों को मान्यता देते हैं जो पर्यावरण, सामाजिक और शासन (ESG) प्रथाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हैं।
- स्कोच ESG पुरस्कार और मूल्यांकन भारत 2047 के प्रति संगठनों की प्रतिबद्धता के मूल्यांकन के लिए एक महत्वपूर्ण बेंचमार्क है।

REC लिमिटेड:

- इसका पूरा नाम "Rural Electrification Corporation Ltd." है।
- यह केंद्रीय विद्युत मंत्रालय के तहत 'महारत्न' श्रेणी का केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम है।
- यह RBI के साथ एक गैर-बैंकिंग वित्त कंपनी NBFC और बुनियादी ढांचा वित्तपोषण कंपनी (IFC) के रूप में पंजीकृत है।
- इसकी स्थापना 1969 में पूरे भारत में विद्युत क्षेत्र के वित्तपोषण और विकास पर ध्यान केंद्रित करने के लिए की गई थी।
- यह राज्य बिजली बोर्डों, राज्य सरकारों और केंद्र और राज्य बिजली उपयोगिताओं को वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

डॉ. गगनदीप कांग को वैश्विक स्वास्थ्य में प्रतिष्ठित जॉन डर्क पुरस्कार

- डॉ. गगनदीप कांग बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन में वैश्विक स्वास्थ्य निदेशक हैं।

- वह यह पुरस्कार पाने वाली **पहली भारतीय महिला** हैं।
- डॉ. कांग ने बच्चों के स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है।
- वह रॉयल सोसाइटी की फेलो चुनी जाने वाली पहली भारतीय महिला भी है।

जॉन डर्क्स पुरस्कार

- यह सर्वाधिक मान्यता प्राप्त वैश्विक स्वास्थ्य पुरस्कार है।
- कनाडा का गेर्डनर फाउंडेशन वैश्विक स्वास्थ्य में जॉन डर्क्स पुरस्कार प्रदान करता है।
- यह पुरस्कार बायोमेडिकल विज्ञान में विश्व स्तर पर महत्वपूर्ण अनुसंधान के लिए सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार है।

भारत के लोकेश मुनि को गोल्ड वालंटियर सर्विस पुरस्कार

- अमेरिकी राष्ट्रपति के गोल्ड वालंटियर सर्विस पुरस्कार भारत के जैन आध्यात्मिक गुरु लोकेश मुनि को प्रदान किया गया।
- यह पुरस्कार उन्हें जन कल्याण और मानवता में उनके योगदान के लिए दिया गया है।
- वरिष्ठ डेमोक्रेटिक कांग्रेसी ब्रैड शर्मन ने 9 अप्रैल 2024 को यूएस कैपिटल में लोकेश मुनि को राष्ट्रपति पुरस्कार गोल्डन शील्ड और सम्मान प्रमाण पत्र प्रदान किया।
- लोकेश मुनि भारत में अहिंसा विश्व भारती और विश्व शांति केंद्र के संस्थापक हैं।

गोल्ड वालंटियर सर्विस पुरस्कार

- अमेरिका में 2003 में, राष्ट्रपति की काउंसिल ऑन सर्विस एंड सिविक एंगेजमेंट द्वारा गोल्ड वालंटियर सर्विस पुरस्कार की स्थापना की गई।
- अमेरिकॉर्स अमेरिकी सरकार की एक स्वतंत्र एजेंसी है।
- अमेरिकॉर्स राष्ट्रपति के गोल्ड वालंटियर सर्विस पुरस्कार के विजेताओं का चयन करता है।

ममता जी सागर को अंतर्राष्ट्रीय साहित्य पुरस्कार

- विश्व लेखक संगठन (WOW) ने 6 अप्रैल 2024 को कन्नड़ कवि, नाटककार और शिक्षाविद्, ममता जी सागर को साहित्य में उनके योगदान के लिए विश्व साहित्य पुरस्कार से सम्मानित किया।
- यह कार्यक्रम नाइजीरिया के अबुजा में विश्व लेखक संगठन की पहली कांग्रेस के एक भाग के रूप में आयोजित किया गया।
- ममता जी सागर 'काडा नविलिना हेज्जे' (1992 में

प्रकाशित) और 'नादिया नीरिना तेवा' (1999) जैसे संकलनों के साथ लिंग, राजनीति और मानवाधिकार उल्लंघन से संबंधित मुद्दों को पर लिखती हैं।

लता दीनानाथ मंगेशकर अवार्ड (Lata Dinanath Mangeshkar Award) 2024

- इस पुरस्कार की घोषणा 16 अप्रैल 2024 को मुंबई में आयोजित मास्टर दीनानाथ मंगेशकर स्मृति प्रतिष्ठान पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट और मंगेशकर परिवार द्वारा की गई।
- हिंदी सिनेमा के प्रसिद्ध अभिनेता **अमिताभ बच्चन** को तीसरा **लता दीनानाथ मंगेशकर अवार्ड (Lata Dinanath Mangeshkar Award) 2024** से सम्मानित किया गया।
- यह पुरस्कार अमिताभ बच्चन को राष्ट्र, अपने लोगों और समाज के प्रति उनके उल्लेखनीय समर्पण के दिया गया।
- इससे पहले साल 2022 व 2023 में यह अवार्ड क्रमशः पीएम नरेन्द्र मोदी और गायिका आशा भोसले को दिया गया था।
- इस पुरस्कार की शुरुआत ट्रस्ट और मंगेशकर परिवार की तरफ से भारत रत्न और स्वर कोकिला दिवंगत लता मंगेशकर की स्मृति में वर्ष 2022 में की गई थी।
- ट्रस्ट और मंगेशकर परिवार की तरफ से कई अन्य पुरस्कारों की भी घोषणा की गई।

मास्टर दीनानाथ मंगेशकर पुरस्कार	
प्राप्तकर्ता	श्रेणी
ए.आर. रहमान	संगीत
रणदीप हुड्डा (विशेष)	सिनेमा
अशोक सराफ	संगीत
पद्मिनी कोल्हापुरे	सिनेमा
रूपकुमार राठौड़	संगीत
अतुल परचुरे	मराठी रंगमंच
मंजिरी फडके	साहित्य

'भारत और दक्षिण एशिया में सर्वश्रेष्ठ एयरपोर्ट स्टाफ 2024' का पुरस्कार

- GMR हैदराबाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (GHIAL) को स्काईट्रैक्स द्वारा 'भारत और दक्षिण एशिया में सर्वश्रेष्ठ एयरपोर्ट स्टाफ 2024' का पुरस्कार दिया जाएगा।
- इस पुरस्कार के लिए चयन हेतु स्टाफ सेवा की संयुक्त गुणवत्ता (रवैया, मित्रता, दक्षता) सहित कारकों की एक विस्तृत श्रृंखला का विश्लेषण किया जाता है।

स्काईटैक्स

- यह एक वैश्विक हवाई परिवहन रेटिंग संगठन है।
- यह 1989 से दुनिया भर में हवाई अड्डों और एयरलाइंस का मूल्यांकन कर रहा है।
- यह विविध मूल्यांकनों के आधार पर 1 से 5 स्टार तक स्टार रेटिंग प्रदान करता है।

पर्यावरणविद् आलोक शुक्ला को ग्रीन नोबेल पुरस्कार

- छत्तीसगढ़ के पर्यावरणविद् आलोक शुक्ला को 'गोल्ड मैन एनवायरन्मेंटल पुरस्कार 2024' (Goldman Environmental Prize) से सम्मानित किया गया है। 'हसदेव अरण्य बचाओ संघर्ष समिति' के संयोजक आलोक शुक्ला को यह पुरस्कार अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में 29 अप्रैल, 2024 को आयोजित कार्यक्रम में प्रदान किया गया।
- इस वर्ष यह अवॉर्ड भारत के आलोक शुक्ला सहित दुनियाभर से 7 लोगों को प्रदान किया गया है।
- आलोक शुक्ला को यह अवॉर्ड छत्तीसगढ़ में 4.45 लाख एकड़ में फैले जैव विविधता से समृद्ध जंगलों (हसदेव जंगल) को बचाने लिए दिया गया है। हसदेव अरण्य को छत्तीसगढ़ के फेफड़े के रूप में जाना जाता है।
- ग्रीन नोबल पुरस्कार के नाम से विख्यात यह पुरस्कार दुनिया के छह महाद्वीपीय क्षेत्रों के जमीनी स्तर के पर्यावरण नायकों को दिया जाता है। आलोक शुक्ला के अलावा यह अवॉर्ड अफ्रीका

से सिनेगुगु जुकुलु और नोन्हेले म्बूथमा (दोनों द. अफ्रीका), यूरोप से टेरेसा विसेंट (स्पेन), ऑस्ट्रेलिया से मुर्वाहा मुरुची जॉनसन (ऑस्ट्रेलिया), उत्तरी अमेरिका से आन्द्रे विडुएरे (यूएसए) एवं दक्षिण अमेरिका से मार्केल गोम्स (ब्राजील) को प्रदान किया गया है।

फिल्म 'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' को कान्स फिल्म फेस्टिवल 2024 के लिए चुना गया

- भारतीय फिल्म निर्माता पायल कपाड़िया की फिल्म 'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' को कान्स फिल्म फेस्टिवल 2024 के लिए चुना गया है। इसकी घोषणा 11 अप्रैल को इस फेस्टिवल के आयोजकों द्वारा की गई।
- कान्स फिल्म फेस्टिवल 14-25 मई, 2024 तक चलेगा। कान्स फिल्म फेस्टिवल 2024 में दिखाई जाने वाली सर्वश्रेष्ठ फिल्म को 'पाम डि'ओर (Palme d'Or) अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा।
- इस अवॉर्ड को 'गोल्डन पाम अवॉर्ड' के नाम से भी जाना जाता है।
- यह पिछले 40 वर्षों के पश्चात् कान्स के इस सेक्शन में पहुँचने वाली पहली फिल्म होगी। इससे पहले वर्ष 1983 में मृणाल सेन की फिल्म 'खारिज' दिखाई गई थी।
- उल्लेखनीय है कि पायल कपाड़िया की डॉक्यूमेंट्री 'ए नाइट ऑफ नोइंग नथिंग' ने वर्ष 2021 में कान्स फिल्म फेस्टिवल में ओइल डी'ओर (गोल्डन आई) पुरस्कार जीता था।

8

चर्चित व्यक्तित्व

मनोज पांडा

- हाल ही में इन्हें 16वें वित्त आयोग के पूर्णकालिक सदस्य के रूप में नामित किया गया है।
- पांडा एक प्रसिद्ध अर्थशास्त्री हैं और उन्होंने इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनॉमिक ग्रोथ में प्रोफेसर के रूप में भी काम किया है।

16वाँ वित्त आयोग

- गठन:** 31 दिसंबर, 2023 को।
- अध्यक्ष:** डॉ. अरविंद पनगढ़िया (नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष)
- सचिव:** ऋत्विक् रंजनम पांडे

पूर्णकालिक सदस्य

- अजय नारायण झा
 - एनी जॉर्ज मैथ्यू
 - निरंजन राजाध्यक्ष
 - मनोज पांडा
- अल्पकालिक सदस्य:** सौम्य कांति घोष
 - पहली बैठक:** 14 फरवरी 2024 को।
 - 1 अप्रैल, 2026 से 5 वर्षों हेतु अपनी सिफारिशों 31 अक्टूबर, 2025 तक प्रस्तुत करेगा।

वित्त आयोग

- अनुच्छेद: 280 (संवैधानिक संस्था)
- गठन: राष्ट्रपति द्वारा।
- संरचना: 1 अध्यक्ष + 4 सदस्य
- नियुक्ति: राष्ट्रपति द्वारा।
- अवधि: प्रत्येक 5 वर्षों में।
- संस्था: अर्द्ध-न्यायिक निकाय।
- सिफारिशें: सलाहकारी (बाध्यकारी नहीं)
- शक्तियाँ: सिविल कोर्ट की सभी शक्तियाँ।
- रिपोर्ट: राष्ट्रपति को। (राष्ट्रपति द्वारा संसद के दोनों सदनों के समक्ष प्रस्तुत)
- पहले अध्यक्ष: के.सी. नियोगी।
- 15वें अध्यक्ष: एन.के. सिंह।
- उद्देश्य:** केंद्र और राज्य सरकारों के बीच राजस्व संसाधनों के आवंटन की सिफारिश करना।

राकेश मोहन

- राकेश मोहन को विश्व बैंक आर्थिक सलाहकार पैनल का सदस्य बनाया गया है।
- यह वर्तमान में सेंटर फॉर सोशल एंड इकोनॉमिक प्रोग्रेस (CSEP) में मानद अध्यक्ष हैं।

- यह प्रधान मंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के अंशकालिक सदस्य के रूप में भी कार्यरत हैं।
- यह भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व डिप्टी गवर्नर तथा अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के बोर्ड में कार्यकारी निदेशक भी रहे हैं।
- उन्होंने वित्त मंत्रालय में आर्थिक मामलों के सचिव और मुख्य आर्थिक सलाहकार के रूप में भी कार्य किया।
- विश्व बैंक आर्थिक सलाहकार पैनल के अध्यक्ष लॉर्ड निकोलस स्टर्न होंगे।
- विश्व बैंक समूह के मुख्य अर्थशास्त्री इंदरमित गिल पैनल की सह-अध्यक्षता करेंगे।

रबी शंकर

- यह रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के डिप्टी गवर्नर हैं जिन्हें 1 साल का विस्तार दिया गया है।
- कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने 3 मई, 2024 से एक वर्ष की अवधि के लिए मंजूरी दे दी है।
- उन्हें मई 2021 में 3 साल की अवधि के लिए आरबीआई के डिप्टी गवर्नर के रूप में नियुक्त किया गया था।

गोपी थोटाकुरा

- गोपीचंद थोटाकुरा (Gopichand Thotakura) अंतरिक्ष की सैर करने वाले पहले भारतीय पर्यटक बनेंगे।
- गोपीचंद जेफ बेजोस के स्पेस स्टार्टअप Blue Origin के NS (New Shepard)-25 मिशन में जाने वाले 6 लोगों में से एक है।
- थोटाकुरा के अलावा इस मिशन में 5 अन्य अंतरिक्ष यात्री एड ड्वाइट, मेसन एंजेल, सिल्वेन चिरोन, केनेथ एल. हेस और कैरोल स्कॉलर शामिल होंगे।
- 1984 में अंतरिक्ष में जाने वाले पहले भारतीय राकेश शर्मा थे।
- गोपीचंद Preserve Life Corp के को-फाउंडर हैं। यह जॉर्जिया बेस्ड एक वेलनेस और अप्लायड हेल्थ सेंटर कंपनी है।
- Note: गोपीचंद के बाद वरिष्ठ ट्रेवल डॉक्युमेंट्री प्रोड्यूसर संतोष जॉर्ज कुलनगरा ने भी वर्जिन गैलेक्टिक स्पेस प्लेन में जाएंगे।
- यह 'न्यू शेपर्ड' मिशन के तहत मनुष्य को अंतरिक्ष में ले जाने वाली 7वीं उड़ान और मिशन की 25वीं उड़ान होगी।

- 'न्यू शेपर्ड' ब्लू ओरिजिन द्वारा अंतरिक्ष पर्यटन के लिए विकसित पूरी तरह से पुनः इस्तेमाल होने वाला उप-कक्षीय प्रक्षेपण यान है।

न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस

- अनिरुद्ध बोस को राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी (NJA), भोपाल का नया निदेशक नियुक्त किया है।
- यह उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश है।

राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी (NJA)

- इसे 17 अगस्त 1993 को सोसायटी पंजीकरण अधिनियम 1860 के तहत पंजीकृत किया गया था।
- इसके संस्थापक निदेशक एन.आर. माधव मेनन थे।
- यह संस्थान भोपाल में स्थित है।
- इसका प्राथमिक उद्देश्य देश भर में ट्रायल कोर्ट और संवैधानिक न्यायालयों के न्यायाधीशों को प्रशिक्षण और शिक्षा प्रदान करना है।
- इस संस्थान के शासी निकाय (Governing Council) के अध्यक्ष भारत के मुख्य न्यायाधीश होते हैं।
- इसके निदेशक NJA के प्रधान कार्यकारी अधिकारी हैं।
- इसके निदेशक की नियुक्ति भारत के मुख्य न्यायाधीश द्वारा की जाती है।

नईमा खातून

- नईमा खातून अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (AMU) की पहली महिला कुलपति नियुक्त की गई है।
- नईमा मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष रह चुकी हैं।
- इनका कार्यकाल 5 वर्ष तक रहेगा।

जगजीत पवाड़िया

- भारत के जगजीत पवाड़िया तीसरे कार्यकाल के लिए अंतरराष्ट्रीय नारकोटिक्स कंट्रोल बोर्ड (INCB) के लिए पुनः चुने गए हैं।
- इन्हें मार्च 2025-2030 तक पांच साल के लिए चुना गया।
- श्री पवाड़िया 2015 से, लगातार अंतरराष्ट्रीय नारकोटिक्स कंट्रोल बोर्ड के सदस्य हैं।
- वह 2021-2022 में इस बोर्ड (INCB) के अध्यक्ष भी रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय नारकोटिक्स कंट्रोल बोर्ड (INCB)

- यह 1968 में स्थापित हुआ।
- यह संयुक्त राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय दवा नियंत्रण सम्मेलनों के कार्यान्वयन के लिए स्वतंत्र और अर्द्ध-न्यायिक निगरानी निकाय है।

- इसमें 13 सदस्य होते हैं जो, जो आर्थिक और सामाजिक परिषद द्वारा निर्वाचित होते हैं।
- इसमें विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) द्वारा नामांकित व्यक्तियों की सूची में से चिकित्सा, औषधीय या फार्मास्युटिकल अनुभव वाले 3 सदस्यों का चयन किया जाता है।
- जबकि 10 सदस्यों का चयन सरकारों द्वारा नामित व्यक्तियों की सूची से किया जाता है।

दिनेश कुमार त्रिपाठी

- दिनेश कुमार त्रिपाठी को भारतीय नौसेना का नया प्रमुख नियुक्त किया गया है।
- इन्होंने 1 मई को एडमिरल आर हरि कुमार का स्थान लिया।
- वह पश्चिमी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ के रूप में रहे हैं।
- वह 4 जनवरी, 2024 को नौसेना स्टाफ के 38वें वाइस एडमिरल बने थे।
- वह एक संचार और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध विशेषज्ञ हैं।
- इन्हें अति विशिष्ट सेवा पदक और नौ सेना पदक से सम्मानित किया गया है।

मुकेश दलाल

- मुकेश दलाल सूरत लोकसभा सीट से 18वीं लोकसभा के लिए पहले निर्विरोध सांसद निर्वाचित हुए हैं।
- सूरत लोकसभा सीट से कांग्रेस के कैंडिडेट निलेश कुम्भानी चुनाव अधिकारी के समक्ष प्रस्तावक पेश नहीं कर पाए थे। इस कारण उनका नामांकन रद्द होने के बाद शेष 8 उम्मीदवारों ने भी अपने नाम वापस ले लिया था।
- इससे पहले वर्ष 2012 में उत्तर प्रदेश के कन्नौज से समाजवादी पार्टी से डिंपल यादव निर्विरोध चुनी गई थीं।

नलिन प्रभात

- वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी नलिन प्रभात को देश के आतंकवाद निरोधक बल, राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (NSG) का महानिदेशक नियुक्त किया गया है।
- वह CRPF में अतिरिक्त महानिदेशक के पद रह चुके हैं।
- कैबिनेट की नियुक्ति समिति (ACC) ने 31 अगस्त, 2028 तक की अवधि के लिए मंजूरी दे दी।
- इससे पहले सशस्त्र सीमा बल (SSB) प्रमुख दलजीत सिंह चौधरी एनएसजी का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे थे।

अद्वैत नायर

- नायका की सह-संस्थापक और सीईओ अद्वैत नायर को **वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के 2024 की यंग ग्लोबल लीडर्स कम्युनिटी में शामिल** किया गया है।
- नायर एक परिवर्तन-निर्माता और उद्यमी के रूप में अपने काम के लिए दुनिया भर के 90 व्यक्तियों के एक समूह में शामिल हुईं।
- वह दुनिया की सबसे शक्तिशाली व्यापारिक नेताओं में से एक हैं।
- उन्होंने कंपनी की स्थापना और इसे व्यवसाय का रूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- विश्व आर्थिक मंच के युवा वैश्विक नेताओं के मंच का उद्देश्य 40 वर्ष से कम उम्र के परिवर्तन लाने वालों की उपलब्धियों को रेखांकित करना और दुनिया की समस्याओं के समाधान खोजने में मदद करना है।

कमल किशोर

- संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कमल किशोर को **आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए अपना विशेष प्रतिनिधि नियुक्त** किया है।
- वह भारत के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारी रह चुके हैं।
- कमल किशोर को संयुक्त राष्ट्र आपदा जोखिम न्यूनीकरण कार्यालय (UNDRR) के महासचिव के सहायक महासचिव और विशेष प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त किया गया है।
- भारत की G-20 अध्यक्षता के हिस्से के रूप में, किशोर ने आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर G-20 कार्य समूह का नेतृत्व किया।

संयुक्त राष्ट्र आपदा जोखिम न्यूनीकरण कार्यालय (UNDRR)

- गठन: 1999 में।
- मुख्यालय: जिनेवा (स्विट्जरलैंड) में।
- उद्देश्य: आपदा न्यूनीकरण के लिए अंतर्राष्ट्रीय रणनीति के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करना।

नरसिंह यादव

- पूर्व राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता नरसिंह पंचम यादव को भारतीय कुश्ती महासंघ के एथलीट आयोग का अध्यक्ष चुना गया।
- नरसिंह यादव अर्जुन पुरस्कार विजेता और 2010 एशियाई चैंपियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता रहे हैं।

जूडिथ सुमिनवा तुलुका

- जूडिथ सुमिनवा तुलुका **कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य की पहली महिला प्रधान मंत्री** नियुक्त की गई हैं।
- तुलुका एक अर्थशास्त्री हैं। वह कांगो की राष्ट्रीय राजधानी किंशासा में शांति के सुदृढीकरण और लोकतंत्र के सुदृढीकरण स्तंभ के समन्वयक के रूप में संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) के लिए काम कर चुकी हैं।
- कांगो में राष्ट्रपति देश की सबसे बड़ी पार्टी विधायक दल के सदस्य को प्रधानमंत्री नियुक्त करता है।
- वर्तमान में कांगो में रवांडा की सीमा से लगे इलाके में तनाव की स्थिति है।
- इस क्षेत्र की गोल्ड माइंस और दूसरे रिसोर्स पर 120 से ज्यादा आर्म्ड ग्रुप ने कब्जा कर लिया है।
- कांगो, अल्जीरिया के बाद अफ्रीका का दूसरा सबसे बड़ा देश है।

अब्देल फतेह अल-सिसी

- अब्देल फतेह अल-सिसी ने **मिस्र के राष्ट्रपति** के रूप में अपने तीसरे कार्यकाल के लिए शपथ ली।
- अल-सिसी का कार्यकाल 6 वर्ष का रहेगा।
- अल-सिसी मिस्र के सेना प्रमुख रह चुके हैं।
- उन्हें चुनावों में 89.6% वोट मिले।
- अल-सिसी ने 2013 में, तत्कालीन राष्ट्रपति मोहम्मद मोर्सी का स्थान लिया था।
- वह 2018 में, फिर से चुने गए। उन्होंने पिछले दोनों चुनाव 97% वोटों से जीते थे।
- उन्होंने राष्ट्रपति का कार्यकाल 4 से बढ़ाकर 6 वर्ष कर दिया और लगातार कार्यकाल की सीमा को 2 बार से बढ़ाकर 3 बार तक बढ़ाने के लिए संविधान में संशोधन किया।

मिस्र

- इसकी राजधानी काहिरा है।
- इसकी मुद्रा मिस्र पाउंड है।
- इसके प्रधान मंत्री मुस्तफा मदबौली हैं।

साइमन हैरिस

- साइमन हैरिस 9 अप्रैल 2024 को **आयरलैंड के नए प्रधान मंत्री** बने।
- उन्होंने भारतीय मूल के लियो वराडकर का स्थान लिया।
- आयरिश संसद ने हैरिस के पक्ष में 88 से 69 वोट दिए।
- वह **आयरलैंड के अब तक के सबसे कम उम्र के प्रधान मंत्री** बने हैं।

आयरलैंड

- यह उत्तर-पश्चिमी यूरोप में स्थित एक देश है।
- इसकी राजधानी डबलिन है। यह एक एकात्मक, संसदीय गणतंत्र है।
- इसकी संसद या विधायिका को ओरेचटस के नाम से जाना जाता है।
- इसका निचला सदन डेल ईरेन है और ऊपरी सदन सीनाड ईरेन है।
- सरकार का प्रमुख ताओसीच (प्रधान मंत्री) होता है, जिसे राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किया जाता है।

पीटर पेलेग्रिनी

- पीटर स्लोवाकिया के राष्ट्रपति बने हैं।
- पीटर पेलेग्रिनी ने विपक्षी उम्मीदवार इवान कोरकोक को हराया।
- जहां पीटर पेलेग्रिनी को 53% वोट मिले, वहीं कोरकोक को 47% वोट मिले।
- पीटर पेलेग्रिनी संसद अध्यक्ष के रूप में कार्यरत थे।
- स्लोवाकिया में राष्ट्रपति संसदीय चुनावों के बाद प्रधानमंत्री का चयन करते हैं।

स्लोवाकिया:

- यह मध्य यूरोप में स्थित है।
- इसके उत्तर में पोलैंड और पूर्व में यूक्रेन की सीमा लगती है।
- इसके दक्षिण में हंगरी, पश्चिम में ऑस्ट्रिया और उत्तर पश्चिम में चेक गणराज्य की सीमा लगती है।
- इसकी राजधानी ब्रातिस्लावा है और यहाँ एकात्मक संसदीय गणतंत्र प्रणाली है।

क्रिस्टालिना जॉर्जीवा

- क्रिस्टालिना जॉर्जीवा को **अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) के प्रबंध निदेशक (MD)** के रूप में पुनः नियुक्त किया गया है।
- इनकी नियुक्ति 1 अक्टूबर, 2024 से शुरू होने वाले 5 वर्ष के कार्यकाल के लिए है।
- जॉर्जीवा IMF की प्रमुख बनने वाली दूसरी महिला हैं।
- उन्होंने वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारी उथल-पुथल के दौर में, कोविड-19 महामारी के प्रकोप से लेकर यूक्रेन पर रूस के आक्रमण तक, IMF का नेतृत्व किया है।
- परंपरागत रूप से, यूरोपीय देश IMF के प्रबंध निदेशक की सिफारिश करते हैं।

बजनी बेनेडिक्टसन

- बजनी बेनेडिक्टसन को आइसलैंड के प्रधान मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया है।

- इन्होंने कैटरीन जैकब्सडॉटर का स्थान लिया।
- बेनेडिक्टसन आइसलैंड के विदेश मंत्री के पद पर रह चुके हैं।

शेख अहमद अब्दुल्ला अल-अहमद

- कुवैत के अमीर ने शेख अहमद अब्दुल्ला अल-अहमद अल-सबा को **कुवैत का नया प्रधानमंत्री** नियुक्त किया है।
- 4 अप्रैल को नई संसद के चुनाव के बाद शेख मोहम्मद ने 6 अप्रैल को अपने मंत्रिमंडल का इस्तीफा सौंप दिया था। नई संसद के निर्वाचित होने के बाद उनका इस्तीफा एक प्रक्रियागत कदम था।
- नए प्रधानमंत्री शेख अहमद, कुवैत के अर्थशास्त्री हैं। 2006 से 2011 तक स्वास्थ्य, तेल और सूचना मंत्री और 1999 से 2005 तक वित्त और संचार मंत्री भी रह चुके हैं।
- लगभग 4.2 मिलियन की आबादी वाला कुवैत दुनिया का छठा सबसे बड़ा तेल भंडार वाला देश है।
- कुवैत का गठबंधन संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ 1991 के खाड़ी युद्ध से रणनीतिक संबंध है।

रस कुक (Russ Cook)

- ब्रिटिश नागरिक और मैराथन धावक रस कुक (Russ Cook) ने 7 अप्रैल को, 352-दिवसीय ओडिसी के साथ **16 देशों की यात्रा करने के बाद पूरे अफ्रीका में अपनी दौड़ पूरी** की।
- अप्रैल 2023 में, श्री कुक ने अफ्रीका के सबसे दक्षिणी बिंदु, दक्षिण अफ्रीकी गाँव एल'अगुलहास से अपनी यात्रा शुरू की, और 16,000 किलोमीटर से अधिक की कुल दूरी तय करते हुए महाद्वीप के पश्चिमी तट तक आगे बढ़े।
- रस एंजेला पहुंचने से पहले, श्री कुक नामीबिया, अंगोला, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, कांगो गणराज्य, कैमरून, नाइजीरिया, बेनिन, टोगो, घाना, आइवरी कोस्ट, गिनी, सेनेगल, मॉरिटानिया और अल्जीरिया से होकर गुजरे।
- इस दौरान उन्होंने चौरिटी के लिए 5 लाख पाउंड से अधिक राशि भी जुटाई है।

संजय नायर

- सोरिन इन्वेस्टमेंट फण्ड के चेयरमैन संजय नायर ने वर्ष 2024-25 के लिए उद्योग मंडल एसोचौम (The Associated Chambers of Commerce and Industry of India) अध्यक्ष का पदभार सँभाला है।
- नायर ने इस पद पर स्पाइसजेट के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक अजय सिंह का स्थान लिया है, जिनका कार्यकाल पूरा हो गया।

ASSOCHAM

- ASSOCHAM का पूरा नाम: Associated Chambers of Commerce and Industry of India.
- मुख्यालय : नई दिल्ली
- स्थापना: 1920
- यह भारत के शीर्ष व्यापार संघों में से एक है। यह संगठन भारत में व्यापार एवं वाणिज्य के हितों का प्रतिनिधित्व करता है।

जयश्री दास वर्मा

- उद्योग मंडल फिक्की महिला संगठन (FLO) के 41वें अध्यक्ष के तौर पर पदभार ग्रहण किया।

पीटर हिग्स

- ब्रिटिश भौतिक विज्ञानी पीटर हिग्स का 94 वर्ष की आयु में निधन हो गया।
- उन्होंने हिग्स बोसोन कण के अस्तित्व पर एक सिद्धांत दिया, जिसे 'गॉड पार्टिकल' भी कहा जाता है।
- उन्होंने एडिनबर्ग विश्वविद्यालय में लगभग पांच दशकों तक प्रोफेसर के रूप में कार्य किया।
- 'गॉड पार्टिकल' की खोज 4 जुलाई, 2012 को जिनेवा, स्वित्जरलैंड के पास यूरोपीय परमाणु अनुसंधान संगठन (CERN) में लार्ज हैड्रॉन कोलाइडर (LHC) पर प्रयोग के दौरान की गई थी।
- 'गॉड पार्टिकल' के अस्तित्व की भविष्यवाणी करने वाले सिद्धांत के लिए उन्हें फ्रांकोइस एंगलर्ट के साथ 2013 में भौतिकी में संयुक्त रूप से नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

हिग्स फील्ड-हिग्स बोसोन

- हमारे आस-पास की हर चीज कणों यानी पार्टिकल्स से बनी है। लेकिन जब ब्रह्मांड की शुरुआत हुई, तो किसी भी कण में द्रव्यमान नहीं था, वे सभी प्रकाश की गति से इधर-उधर भटक रहे थे।
- तारे, ग्रह और जीवन केवल इसलिए बन सके क्योंकि कणों ने हिग्स बोसोन से जुड़े मौलिक क्षेत्र यानी हिग्स फील्ड से अपना द्रव्यमान प्राप्त किया।
- इस द्रव्यमान देने वाले क्षेत्र के अस्तित्व की पुष्टि 2012 में हुई, जब CERN में हिग्स बोसोन कण की खोज की गई।

डी.एस. मजीठिया

- डी.एस. मजीठिया का 27 अप्रैल 2024 को निधन हुआ।
- यह भारतीय वायु सेना (IAF) के सबसे उम्रदराज सेवानिवृत्त लड़ाकू पायलट थे।
- उन्होंने जिप्सी मोथ, वेपिटी, हार्ट, ऑडेक्स और अटलांटा जैसे विमान उड़ाए।
- वह 1940 में वायु सेना की स्वयंसेवी सेवाओं में शामिल हुए।
- उन्होंने लाहौर के वाल्टन में इनिशियल ट्रेनिंग स्कूल में सर्वश्रेष्ठ पायलट ट्रॉफी जीती।
- वह अगस्त 1947 में सेवानिवृत्त हुए। उन्हें 'माजी' के नाम से जाना जाता था।

सुब्रह्मण्य धारेश्वर

- यक्षगान प्रतिपादक का 25 अप्रैल को 67 वर्ष की आयु में बेंगलुरु में निधन हो गया।
- यक्षगान गायक सुब्रह्मण्य धारेश्वर को बेहतरीन आवाज के लिए 'भागवत श्रेष्ठ' के नाम से भी जाना जाता है।
- सुब्रह्मण्य धारेश्वर ने यक्षगान के क्षेत्र में 46 वर्षों तक सक्रिय रहे।
- यक्षगान तटीय कर्नाटक का एक अनूठा नृत्य रूप है, जिसमें विशिष्ट गायन, नृत्य और नाटक शैलियाँ शामिल हैं।
- यह पड़ोसी राज्य केरल के थेय्यम कला रूप से समानता रखता है।

सुधीर कक्कड़

- भारतीय मनोविश्लेषण के जनक कहे जाने वाले सुधीर कक्कड़ का 85 वर्ष की आयु में निधन हो गया।
- वह एक प्रसिद्ध लेखक और सांस्कृतिक आलोचक थे।
- उन्होंने भारत में मनोविश्लेषण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया।
- उन्होंने 20 से अधिक नॉन-फिक्शन और फिक्शन किताबें लिखी हैं।
- द इनर वर्ल्ड (1978) कक्कड़ की पहली प्रमुख कृतियों में से एक थी।
- उन्होंने भारत में धर्म के प्रभाव, सामाजिक मानदंडों, अंतरंग संबंधों और यौन अभिव्यक्ति सहित कम ही चर्चा वाले विषयों को उठाया।

9

चर्चित स्थल

नाथपा झाकड़ी: भारत की पहली बहुउद्देश्यीय हरित हाइड्रोजन पायलट परियोजना का उद्घाटन

- भारत के पहले बहुउद्देश्यीय (संयुक्त ताप और बिजली) ग्रीन हाइड्रोजन पायलट प्रोजेक्ट का उद्घाटन नाथपा झाकड़ी हाइड्रो पॉवर स्टेशन (NJHPS) में 24 अप्रैल, 2024 को किया गया।
- 1500 मेगावाट का यह प्रोजेक्ट हिमाचल प्रदेश के झाकड़ी में स्थित है।
- यह 'सतलुज जल विद्युत निगम' (SJVN) से संबंधित है।
- अत्याधुनिक तकनीक वाली यह हरित हाइड्रोजन पायलट परियोजना दैनिक आठ घंटे के परिचालन में 14 किलोग्राम हरित हाइड्रोजन उत्पादन करेगी।
- उत्पादन की गई हाइड्रोजन को 12 M3 की कुल भंडारण क्षमता वाले छह भंडारण टैंकों में 30 बार के दबाव में रखा जाएगा। परियोजना 20 NM3/घंटा क्षमता के एल्कालाइन इलेक्ट्रोलाइजर का उपयोग करते हुए हाइड्रोजन का उत्पादन करेगी, जो कि वाधाल (शिमला) स्थित एसजेवीएन के 1.31 मेगावाट सौर ऊर्जा संयंत्र से आपूर्ति की जाने वाली नवीकरणीय ऊर्जा से संचालित होगी।

फणीगिरी: ऐतिहासिक सिक्के के भंडार की खोज

- तेलंगाना के विरासत विभाग ने राजधानी हैदराबाद से 110 किमी दूर स्थित प्रसिद्ध बौद्ध विरासत स्थल फणीगिरी (Phanigiri) में सिक्कों के भंडार की खोज की है।
- इस स्थान पर मिट्टी के एक बर्तन में सीसे के 3,730 सिक्के मिले हैं, जिनके अग्र भाग पर हाथी का चिह्न और पृष्ठ भाग पर उज्जैन का चिह्न अंकित है।
- ये सिक्के इक्ष्वाकु शासन काल के हैं। सातवाहन शक्ति के पतन के बाद इक्ष्वाकु वंश ने लगभग तीसरी और चौथी शताब्दी में कृष्णा नदी की पूर्वी घाटी में शासन किया था।
- फणीगिरी गाँव का नाम पहाड़ी के आकार के कारण पड़ा, जो साँप के फन जैसा प्रतीत होता है।
- ऐसी मान्यता है कि फणीगिरि, दक्कन के पश्चिम और पूर्वी तट को जोड़ने वाले प्राचीन व्यापार मार्ग (दक्षिणापथ) पर पहाड़ी की चोटी पर सामरिक रूप से स्थित महत्वपूर्ण बौद्ध मठों में से एक था।

भारती अनुसंधान स्टेशन: अंटार्कटिका में भारत का तीसरा डाकघर

- डाक विभाग अंटार्कटिका में भारतीय अनुसंधान स्टेशन पर भारत के डाकघर की शाखा खोलेगा। इस स्टेशन का नया पिन कोड MH-1718 होगा।
- **नोट:** वर्तमान में अंटार्कटिका पर भारत के दो सक्रिय अनुसंधान स्टेशन – मैत्री और भारती एक-दूसरे से 3,000 किमी दूर स्थित हैं। दोनों डाकघर शाखाएँ गोवा डाक प्रभाग का हिस्सा हैं।
- अंटार्कटिका में भारत का पहला डाकघर 1984 में दक्षिण गंगोत्री में स्थापित किया गया था।
- दक्षिण गंगोत्री अंटार्कटिका में भारत का पहला रिसर्च स्टेशन था।
- दक्षिण गंगोत्री 1988-89 में बर्फ में डूब गया और बाद में इसे निष्क्रिय कर दिया गया।
- 26 जनवरी, 1990 को अंटार्कटिका पर भारत के मैत्री अनुसंधान केंद्र में दूसरी डाकघर शाखा स्थापित की गई थी।
- अंटार्कटिका में तीसरा पोस्ट ऑफिस खोलने के लिए 5 अप्रैल का दिन चुना गया क्योंकि इसी दिन नेशनल सेंटर फॉर पोलर एंड ओशन रिसर्च (NCPOR) का 24वां स्थापना दिवस था।
- अंटार्कटिका 'अटलांटिक संधि' द्वारा शासित है, जो किसी भी देश के क्षेत्रीय दावों को अलग रखता है और सैन्य गतिविधि या परमाणु परीक्षण पर प्रतिबंध लगाता है।
- अर्थात् अंटार्कटिका महाद्वीप का उपयोग केवल वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए किया जा सकता है।
- भारतीय डाकघर केवल भारतीय भूमि के अधिकार क्षेत्र में स्थापित किया जा सकता है।
- अंटार्कटिका एक ऐसी भूमि पर भारतीय डाकघर खोलने का तात्पर्य है कि यह इस महाद्वीप पर भारत की उपस्थिति का दावा करने के संदर्भ में एक रणनीतिक उद्देश्य पूरा करता है।

IT बॉम्बे: कैंसर के इलाज के लिए पहली स्वदेशी CAR-T सेल थेरेपी की शुरुआत

- राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने 4 अप्रैल 2024 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) बॉम्बे में कैंसर के इलाज के लिए भारत की पहली स्वदेशी रूप से विकसित जीन थेरेपी का शुभारंभ किया।

- कैंसर के इलाज हेतु इस थेरेपी का नाम 'NexCAR19 CAR-T सेल थेरेपी' है।
- इसे इम्यूनोएक्ट के सहयोग से IIT बॉम्बे, टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल ने विकसित किया है।
- जीन-आधारित यह थेरेपी विभिन्न प्रकार के कैंसर के निदान में सहायक सिद्ध होगी।
- यह NexCAR19 CAR T-सेल थेरेपी देश की पहली CAR T-सेल थेरेपी है, जिससे कैंसर के इलाज की लागत में भी कमी आएगी।
- NexCAR19 को भारत के बाहर उपलब्ध कीमत के लगभग दसवें हिस्से पर लॉन्च किया गया है। विदेश में इलाज का खर्च लगभग ₹4 करोड़ है।

पुणे का कमांड अस्पताल: पीजोइलेक्ट्रिक बोन कंडक्शन हियरिंग इम्प्लांट करने वाला देश का पहला सरकारी अस्पताल

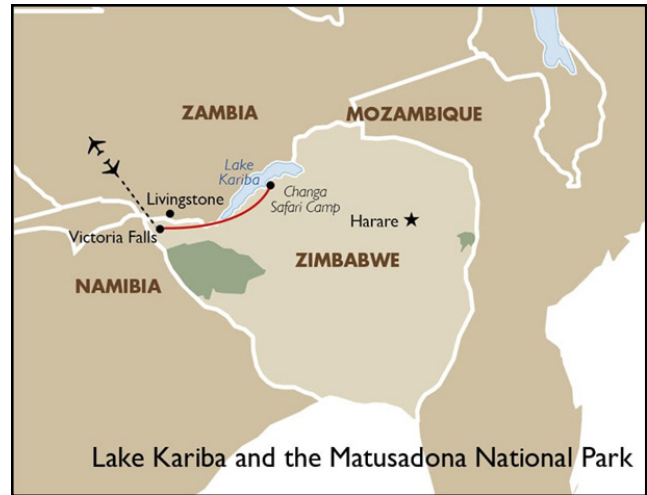
- कमांड अस्पताल पुणे में (दक्षिणी कमान) के कान, नाक और गला (ENT) विभाग ने कान के बाहरी एवं मध्य हिस्सों में जन्मजात गंभीर विसंगतियों के मरीजों को पीजोइलेक्ट्रिक बोन कंडक्शन हियरिंग इम्प्लांट (BCI) सफलतापूर्वक प्रत्यारोपित करने वाला देश का पहला सरकारी अस्पताल बन गया है।
- पीजोइलेक्ट्रिक BCI सिस्टम श्रवण बाधित रोगियों के लिए एक प्रत्यारोपित चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिक उपकरण है।
- इस उपकरण की लागत बहुत ज्यादा होने से लोगों तक इसकी पहुंच सीमित है।
- प्रवाहकीय/मिश्रित श्रवण हानि वाले या एक कान के बहरेपन वाले कई ऐसे रोगी हैं, जिनमें कॉकलियर इम्प्लांटेशन नहीं किया जा सकता है साथ ही इन्हें श्रवण यंत्र या मध्य कान की सर्जरी से भी लाभ नहीं मिलता है।
- बोन कंडक्शन इम्प्लांटेशन ऐसे रोगियों के उपचार हेतु उपाय है।

अंडमान-निकोबार: शोम्पेन जनजातियों ने पहली बार मताधिकार का प्रयोग किया

- पहली बार शोम्पेन (Shompen) जनजातियों ने 19 अप्रैल 2024 को अंडमान और निकोबार लोकसभा क्षेत्र में अपना वोट डालकर चुनाव प्रक्रिया में भाग लिया।
- शोम्पेन जनजाति के 7 सदस्यों ने फॉरेस्ट स्टाफ क्वार्टर के अंदर बने 'शोम्पेन हट' नामक मतदान केंद्र पर अपने मताधिकार का प्रयोग किया।
- शोम्पेन देश में विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (PVTGs) में से एक है।

- वे ग्रेट निकोबार द्वीप के घने उष्णकटिबंधीय वर्षा वनों में रहते हैं।
- 2011 की जनगणना के आंकड़ों के अनुसार शोम्पेन की अनुमानित जनसंख्या 229 थी।
- अंडमान-निकोबार की अन्य दो आदिम जनजातियों जैसे ओनो और ग्रेट अंडमानीज ने भी 2019 के लोकसभा चुनाव की तरह इस बार भी अपने मताधिकारों का प्रयोग किया है।

करिबा झील (Lake Kariba): अल नीनो की वजह से उत्पन्न सूखा



- जिम्बाब्वे में करिबा झील (Lake Kariba) का जल स्तर अल नीनो की वजह से उत्पन्न सूखे के कारण गिर गया है।
- जिम्बाब्वे देश के राष्ट्रपति एमर्सन मनांगागवा ने राष्ट्रीय आपदा घोषित कर दी है।
- 2010 की शुरुआत से, अल नीनो मौसम पैटर्न ने जम्बेजी क्षेत्र में सूखे और गर्मी बढ़ी है, जिससे करिबा झील में जल स्तर में गिरावट आई है।
- करिबा 280 किलोमीटर लंबी मानव निर्मित झील है।
- करिबा बाँध को 1955-1959 में जाम्बिया और जिम्बाब्वे के बीच जम्बेजी नदी बेसिन में बनाया गया था।

सालास वाई गोमेज: पानी के नीचे पर्वत श्रृंखला के पास 160 समुद्री प्रजातियों की खोज

- दक्षिणपूर्वी प्रशांत महासागर में सालास वाई गोमेज पानी के नीचे पर्वत श्रृंखला की खोज के बाद, वैज्ञानिकों ने 160 समुद्री प्रजातियों की खोज की घोषणा की।
- उनमें से कम से कम 50 प्रजातियाँ विज्ञान के लिए नई हैं। स्क्वड, मछली, मूंगा, मोलस्क, समुद्री अर्चिन, केकड़े और स्क्वाट लॉबस्टर की खोज की गई है।

- यह खोज सालास वाई गोमेज रिज से रापा नुई तक 40 दिनों के अभियान के बाद आया।
- इस अभियान से एकत्र किए गए डेटा से नए समुद्री संरक्षित क्षेत्रों की स्थापना में मदद मिलेगी।
- सालास वाई गोमेज क्षेत्र में 110 से अधिक समुद्री पर्वत हैं और यहाँ कई समुद्री जानवरों का प्रवास है।
- संयुक्त राष्ट्र उच्च समुद्र संधि के अनुसमर्थन के बाद, सालास वाई गोमेज रिज उच्च समुद्री संरक्षित क्षेत्र के रूप में नामित होने के लिए विचाराधीन है।

तेलंगाना: 3 नए पुरातात्विक स्थलों की खोज

- पुरातत्वविदों की एक टीम ने तेलंगाना के मुलुगु जिले के SS तडवई मंडल में बंदला गाँव के पास ओरागुट्टा में एक अद्वितीय लौह युगीन महापाषाण संबंधी स्थल की खोज की है।
- तेलंगाना के भद्राद्रि कोटागुडेम जिले के चोप्पाला गाँव में दो नए शैल (Rock) कला स्थलों की भी खोज की गई है।

ओरागुट्टा: लौह युगीन महा पाषाण संबंधी स्थल

- इस स्थल की खोज में K.P. राव, हैदराबाद विश्वविद्यालय में इतिहास के प्रोफेसर प्रवीण राजू, योगी वेमना विश्वविद्यालय शामिल है।
- इस साइट पर नए प्रकार के स्मारक हैं, जो भारत के अन्य क्षेत्रों में नहीं हैं।
- इस क्षेत्र में हमें एक प्रकार का महापाषाण स्मारक मिलता है जिसे 'डोल्मेनाईड सिस्टम्स' के नाम से जाना जाता है। इस क्षेत्र के अधिकांश स्मारक चौकोर या आयताकार आकार के हैं।
- ये स्मारक लगभग 1,000 ईसा पूर्व के हो सकते हैं।

चोप्पाला गाँव में दो नए शैल (Rock) कला स्थल

- इन स्थलों की खोज हैदराबाद विश्वविद्यालय के मानद प्रोफेसर केपी राव ने की थी।
- इनमें से एक में केवल जानवरों का चित्रण है, मनुष्यों का कोई चित्रण नहीं है। ये पेंटिंग मध्यपाषाण युग (8000-3000 BCE) की हैं क्योंकि इनमें कोई हथियार या घरेलू जानवर नहीं दिखाए गए हैं।

कच्छ (गुजरात): विशाल साँप 'वासुकी इंडिकस' के जीवाश्म की खोज

- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) रुड़की के शोधकर्ताओं ने सबसे बड़े साँपों में से एक के जीवाश्म की खोज की है।
- नए शोध के अनुसार गुजरात के कच्छ से 2005

में मिले 4.7 करोड़ साल (47 मिलियन वर्ष) प्राचीन जीवाश्म सबसे बड़े साँपों में से एक की रीढ़ से हो सकते हैं।

- साइंटिफिक रिपोर्ट्स जर्नल में प्रकाशित स्टडी में शोधकर्ताओं ने इसे वासुकी इंडिकस नाम दिया है।
- यह नाम पौराणिक कथाओं में वर्णित समुद्र मंथन वाले भगवान शंकर के नाग वासुकी से प्रेरित है।
- वासुकी इंडिकस के 10-15 मीटर लंबे जीवाश्म अवशेष, गुजरात के कच्छ में पनाद्रो लिग्नाइट खदान में 27 टुकड़ों में पाए गए हैं।
- यह प्रजाति अब विलुप्त हो चुके मैडट्सोइडे (Madtsoiidae) स्नेक फैमिली से संबंधित है।
- वासुकी इंडिकस का शरीर संभवतः चौड़ा और बेलनाकार था।
- वासुकी इंडिकस मैडट्सोइडे नामक साँपों के एक समूह से जुड़ा हुआ है जो पहली बार दक्षिण अमरीका, अफ्रीका, भारत व दक्षिणी यूरोप में 6.6 से 10 करोड़ साल पहले दिखे थे।

पडता बेट : 5200 वर्ष पुरानी हड़प्पा बस्ती

- 'पडता बेट' गुजरात के कच्छ जिले के जूना खटिया गाँव के पास स्थित पुरातात्विक स्थल है, जहाँ केरल विश्वविद्यालय के पुरातत्वविदों ने एक महत्वपूर्ण 5200 वर्ष पुरानी हड़प्पा बस्ती का पता लगाया है।
- यहाँ से प्राप्त अवशेषों में टेराकोटा चीनी मिट्टी के बर्तन, कलाकृतियाँ और जानवरों की हड्डियाँ शामिल हैं।
- यह अवशेष प्रारम्भिक हड़प्पा काल लगभग 3200 ईसा पूर्व से लेकर उत्तर हड़प्पा काल 1700 ईसा पूर्व तक के हैं।
- इससे पहले पुरातत्वविदों ने वर्ष 2018 में गुजरात के कच्छ जिले के जूना खटिया गाँव के बाहरी इलाके में 500 कब्रों वाले एक सामूहिक दफन स्थल का पता लगाया था।

नई दिल्ली: भारत की सबसे बड़ी जलवायु घड़ी स्थापित

- वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (CSIR) द्वारा पृथ्वी दिवस के अवसर पर 22 अप्रैल 2024 को नई दिल्ली के रफी मार्ग स्थित CSIR मुख्यालय में भारत की सबसे बड़ी जलवायु घड़ी स्थापित और सक्रिय की गई।
- इसका उद्देश्य जलवायु परिवर्तन और इसके दुष्प्रभावों के बारे में जागरूकता फैलाना है।
- CSIR-एनर्जी स्वराज फाउंडेशन एमओयू के तहत, CSIR में ऊर्जा साक्षरता प्रशिक्षण भी दिया गया।
- चेतन सिंह सोलंकी (IIT, बॉम्बे के प्रोफेसर) एनर्जी स्वराज फाउंडेशन के संस्थापक हैं।

विज्ञानम पोर्ट: भारत के पहले ट्रांसशिपमेंट हब के रूप में संचालित करने की मंजूरी

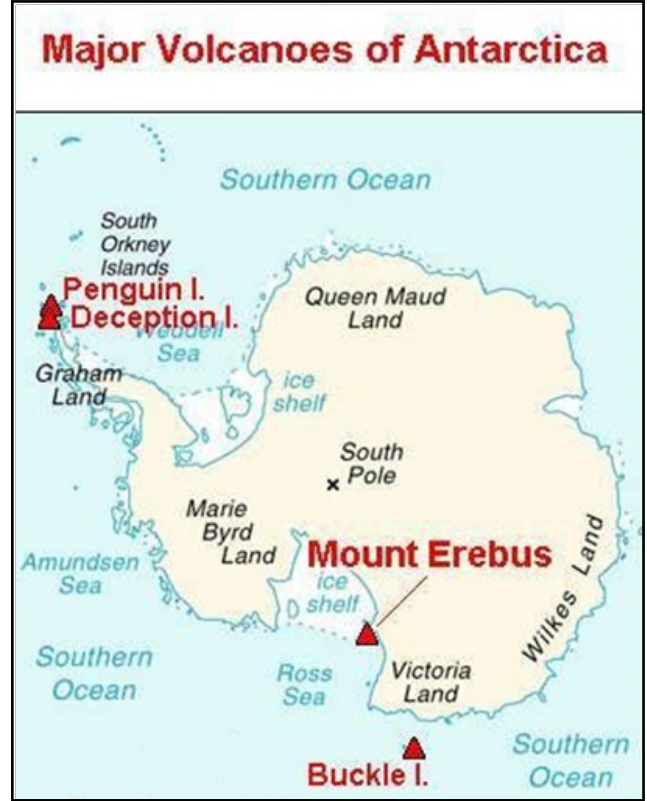
- केरल में अडानी ग्रुप के विज्ञानम पोर्ट को भारत के पहले ट्रांसशिपमेंट पोर्ट के रूप में संचालित करने के लिए केंद्र से मंजूरी मिल गई है।
- यह भारत का पहला पूर्ण विकसित गहरे पानी का ट्रांसशिपमेंट बंदरगाह होगा।
- इससे भारत को विनिर्माण केंद्र बनने में मदद मिलेगी।
- ट्रांसशिपमेंट पोर्ट एक महत्वपूर्ण केंद्र है जहां कार्गो को एक बड़े जहाज से कई छोटे जहाजों में स्थानांतरित किया जाता है।
- भारत का 75% ट्रांसशिपमेंट कार्गो वर्तमान में कोलंबो, सिंगापुर और क्लैंग जैसे विदेशी बंदरगाहों पर संसाधित किया जाता है।

धर्मशाला: भारत की पहली 'हाइब्रिड पिच' बनेगी

- हिमाचल प्रदेश का धर्मशाला स्टेडियम अत्याधुनिक 'हाइब्रिड पिच' स्थापित करने वाला पहला BCCI-मान्यता प्राप्त स्थल बन गया है।
- इस ट्रैक पर अंतरराष्ट्रीय और आईपीएल मैच होंगे।
- हाइब्रिड पिच को नीदरलैंड की SISGrass कंपनी द्वारा स्थापित किया गया है।
- यह पिच नई तकनीक के साथ अंतरराष्ट्रीय और IPL मैचों के लिए अधिक टिकाऊ, सुसंगत और उच्च प्रदर्शन वाली खेल सतह प्रदान करेगी।
- ICC द्वारा T20 और 50 ओवर के मैचों में हाइब्रिड पिच के उपयोग को मंजूरी दे दी गई है।
- इसके तहत पॉलिमर फाइबर को क्रिकेट स्टेडियमों के अंदर प्राकृतिक टर्फ में जोड़ा जाता है ताकि सतह को खेल के दौरान अधिक लचीला बनाया जा सके। इससे पिच पर एक समान उछाल रह सकेगा।
- धर्मशाला में हाइब्रिड पिच बनने के बाद अहमदाबाद और मुंबई में भी ऐसी पिच बनाई जाएगी।
- हाइब्रिड पिच को 'सिलाई हुई पिच' भी कहा जाता है।

माउंट एरेबस (Mount Erebus) ज्वालामुखी: प्रतिदिन लगभग 80 ग्राम गोल्ड डस्ट उगल रहा है

- यह ज्वालामुखी पृथ्वी पर सबसे दक्षिण में स्थित अंटार्कटिका के रोस आइलैंड पर स्थित है।
- विशेषज्ञों का अनुमान है कि माउंट एरेबस ज्वालामुखी अंटार्कटिका के 138 सक्रिय ज्वालामुखियों में से एक है।
- यह प्रतिदिन लगभग 80 ग्राम क्रिस्टलीकृत सोने से युक्त गैसों उगलता है, जिसकी कीमत लगभग 6,000 डॉलर है।



- यह ज्वालामुखी 12,448 फीट ऊँचा है तथा धूल के विशाल बादल छोड़ता है जो 621 मील (1,000 किलोमीटर) तक फैल सकते हैं।
- नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (NASA) अर्थ ऑब्जर्वेटरी के अनुसार, सोने की धूल ज्वालामुखी से निकलने वाले पदार्थों में से एक है।
- ज्वालामुखी से निकलने वाली अन्य गैसों और पदार्थों में जल वाष्प, कार्बन डाइऑक्साइड, सल्फर डाइऑक्साइड और राख शामिल हैं।
- माउंट एरेबस ज्वालामुखी पतली परत वाली टेक्टोनिक प्लेट पर स्थित है, जिसके कारण पिघली हुई चट्टान (मैग्मा) आसानी से ऊपर उठ पाती है।
- माउंट एरेबस में 1972 से लगातार विस्फोट कर रहा है।

माउंट एटना ज्वालामुखी: क्रैटर के धुएँ से बना वॉल्कैनिक वॉर्टेक्स रिंग

- माउंट एटना (Mount Etna) यूरोप का सबसे बड़ा और सबसे एक्टिव ज्वालामुखियों (Active Volcanoes) में से एक है।
- हाल ही में, इस ज्वालामुखी के क्रैटर से निकली गैसों का छल्ला यानी रिंग्स बनना एक दुर्लभ घटना है, जिसे वैज्ञानिक ज्वालामुखीय भंवर वलय यानी वॉल्कैनिक वॉर्टेक्स रिंग (Volcanic Vortex Rings) कहते हैं।

- माउंट एटना भूमध्य सागर के सबसे बड़े द्वीप सिसिली के पूर्वी तट पर स्थित है।
- माउंट एटना को 2013 से यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल में शामिल किया गया।



वॉल्कैनिक वोर्टेक्स रिंग

- ये छल्ले ज्वालामुखी में बने नए क्रेटर से निकलते हैं।
- जब ज्वालामुखी से गर्म गैस और भाप एक साथ निकलती है, तब क्रेटर से धुएं ऐसे निकलता है।
- जब गैस, मुख्य रूप से जल वाष्प, क्रेटर में एक वेंट के माध्यम से तेजी से बाहर ऊपर की ओर निकलती हैं, तब वोर्टेक्स रिंग्स निकलते हैं।
- माउंट एटना के क्रेटर में वेंट लगभग गोलाकार है, इसलिए छल्ले भी गोलाकार हैं।

10

महत्वपूर्ण तथ्य

‘मिथ वर्सेस रियलिटी रजिस्टर’

- निर्वाचन आयोग ने चुनाव में भ्रामक सूचनाओं के प्रसार से निपटने के लिए ‘मिथ वर्सेस रियलिटी’ के नाम से एक रजिस्टर की शुरुआत की है।
- यह निर्वाचन आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर है।
- यह मिथक बनाम वास्तविकता रजिस्टर भारत में चुनावों से संबंधित फर्जी खबरों के भण्डार के रूप में कार्य करता है, जो चुनाव अवधि के दौरान चुनावी प्रक्रिया के बारे में प्रसारित होने वाली जानकारी की प्रमाणिकता को सत्यापित करने के लिए एक विश्वसनीय संसाधन प्रदान करता है।
- इस रजिस्टर का उद्देश्य चुनावों के दौरान पारदर्शिता, सटीकता और जिम्मेदार संचार को बढ़ावा देना है।
- यह लोकसभा चुनाव में सभी हितधारकों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करेगा।
- यह फर्जी खबरों के उदाहरणों का दस्तावेजीकरण और सूचीकरण करके, रजिस्टर एक संदर्भ मार्गदर्शिका के रूप में कार्य करता है।

‘परिवर्तन चिंतन’: तीनों सेनाओं का पहला सम्मेलन

- तीनों सेनाओं का पहला सम्मेलन ‘परिवर्तन चिंतन’ (Parivartan Chintan) 8 अप्रैल 2024 को नई दिल्ली में आयोजित किया गया।
- इस सम्मेलन का आयोजन केंद्रीय रक्षा मंत्रालय द्वारा किया गया था।

- इस सम्मेलन की अध्यक्षता भारत के दूसरे चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (CDS) जनरल अनिल चौहान ने की।
- इसमें भारतीय सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे, भारतीय वायु सेना प्रमुख एयर मार्शल विवेक राम चौधरी और भारतीय नौसेना के तत्कालीन प्रमुख एडमिरल आर. हरि कुमार (वर्तमान: दिनेश कुमार त्रिपाठी) ने हिस्सा लिया।
- इस सम्मेलन का उद्देश्य सशस्त्र बलों के बीच संयुक्तता और एकीकरण प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए नए विचार, पहल और सुधार की दिशा में काम करना था।
- इसके तहत सशस्त्र बलों में परिवर्तनकारी परिवर्तनों को आगे बढ़ाना, भविष्य के युद्धों के लिए तैयार रहने की उनकी तत्परता को मजबूत करना और त्रि-सेवा, बहु-डोमेन संचालन को सक्षम करने का लक्ष्य रखा गया है।
- देश में सशस्त्र बलों के तीनों सेनाओं को मिलाकर एक एकीकृत थिएटर कमांड (Integrated Theatre Commands) स्थापित करने पर चर्चा हुई।

एकीकृत थिएटर कमांड (Integrated Theatre Command)

- सैन्य सेवाओं (थल सेना, वायु सेना और नौसेना) की ‘संयुक्त कमान’ को ‘एकीकृत थिएटर कमांड’ कहा जाता है।
- इन बलों (थल सेना, वायुसेना और नौसेना) के कमांडर अपनी क्षमताओं को तीनों सेनाओं के सभी संसाधनों का एक साथ उपयोग कर सकते हैं।
- भारत में, तीनों सेनाओं के लिए कुल 17 कमांड बनाए गए हैं। इनमें से 7-7 कमांड थल सेना और वायु सेना के हैं, जबकि 3 नौसेना के कमांड हैं। अंडमान और निकोबार कमांड (ANC) और स्ट्रैटेजिक फोर्स कमांड (SFC) भारत में वर्तमान दो एकीकृत कमांड हैं।
- एकीकृत थिएटर कमांड लागू होने से हर कमांड में तीनों सेनाओं के लिए एक ही कमांडर होगा। यह कमांडर, सभी संसाधनों के लिए निर्णय लेने में सक्षम होगा।
- भारत में एक एकीकृत त्रि-सेवा कमांड स्थापित करने की सिफारिश **डी.बी. शोक्तकर समिति** ने की थी।
 - लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) डी.बी. शोक्तकर समिति का गठन 2015 में केंद्रीय रक्षा मंत्रालय द्वारा की गई थी।

- दुनिया के कई देशों, जैसे संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन आदि में थिएटर कमान है।
- अमेरिका थिएटर कमांड सिस्टम लागू करने वाला पहला देश था।

भगवान महावीर का 2550वाँ निर्वाण महोत्सव

- प्रधान मंत्री ने 21 अप्रैल 2024 को नई दिल्ली के भारत मंडपम में भगवान महावीर के 2550वें निर्वाण महोत्सव (2550th Bhagwan Mahaveer Nirvan Mahotsav) का उद्घाटन किया।
- इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने एक स्मारक डाक टिकट और सिक्का भी जारी किया।
- 21 अप्रैल 2024 को भगवान महावीर स्वामी का जन्म कल्याणक था।
- महावीर जन्म कल्याणक जैन धर्म के प्रमुख धार्मिक त्योहारों में से एक है। यह महावीर के जन्मदिवस मनाया जाता है।
- जैन लोग प्रतिवर्ष चैत्र महीने के 13वें दिन महावीर जन्म कल्याणक मनाते हैं।

भगवान महावीर स्वामी

- महावीर जैन धर्म के 24वें एवं अंतिम तीर्थंकर थे।
- महावीर का जन्म 540 ईसा पूर्व में कुण्डग्राम (वैशाली) में हुआ था।
- महावीर का बचपन का नाम वर्धमान था। उनकी माता त्रिशला और पिता सिद्धार्थ थे।
- वह 23वें जैन तीर्थंकर पार्श्वनाथ के उत्तराधिकारी थे।
- महावीर की पत्नी का नाम यशोदा एवं पुत्री का नाम अनोज्जा प्रियदर्शनी था।
- उन्होंने 30 वर्ष की उम्र में माता पिता की मृत्यु के पश्चात् अपने बड़े भाई नंदिवर्धन से अनुमति लेकर सन्यास लिया।
- महावीर को 12 वर्षों की कठिन तपस्या के बाद जृम्भिक के समीप **ऋजुपालिका नदी के तट पर** साल वृक्ष के नीचे तपस्या करते हुए संपूर्ण ज्ञान प्राप्त हुआ।
- महावीर ने अपने उपदेश प्राकृत भाषा में दिए।
- जैनधर्म के त्रिरत्न हैं – **सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान और सम्यक आचरण।**
- जैन धर्म 5 महाव्रत हैं- अहिंसा, सत्य, अस्तेय, अपरिग्रह एवं ब्रह्मचर्य।
- महावीर का निर्वाण (निधन) 468 ईसा पूर्व में पावापुरी (राजगीर) में हुआ।
- जैन धर्म के उपासक महावीर स्वामी जी सहित प्रत्येक तीर्थंकर के पंच कल्याणक (पांच प्रमुख कार्यक्रम) को मनाते हैं।

पंच-कल्याणक हैं:

- गर्भ कल्याणक
- जन्म कल्याणक
- तप (त्याग) कल्याणक
- ज्ञान (सर्वज्ञता) कल्याणक
- निर्वाण (मुक्ति/परम मोक्ष) कल्याणक

‘ऑपरेशन प्रहार’

- यह ऑपरेशन नक्सलवादियों के खिलाफ चलाया जा रहा है।
- हाल ही में इसके तहत छत्तीसगढ़ के कांकेर में सुरक्षा बलों ने 29 नक्सलियों को मारा है।
- इसमें बीएसएफ ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में नए कैम्प खोल नक्सल घेराबंदी को मजबूत किया है।

भारत ने विसेरल लीशमनियासिस ‘कालाजार’ के उन्मूलन का लक्ष्य हासिल किया

- नेशनल सेंटर फॉर वेक्टर बॉर्न डिजीज कंट्रोल (NCVBDC) के डेटा के मुताबिक, भारत ने विसेरल लीशमनियासिस (Visceral Leishmaniasis), जिसे सामान्यतया कालाजार (Kala-azar) के नाम से जाना जाता है, के उन्मूलन का अपना लक्ष्य हासिल कर लिया है।
- भारत ने शुरुआत में 2010 तक कालाजार के उन्मूलन का लक्ष्य रखा था, लेकिन लगातार चुनौतियों के कारण इस लक्ष्य को 2023 तक बढ़ा दिया गया था।
- NCVBDC के नवीनतम डेटा के अनुसार भारत ने 2023 में पूरे भारत में कालाजार के केवल 520 मामले दर्ज किए, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) द्वारा निर्धारित उन्मूलन मानदंडों को पूरा करते हैं।
- WHO के मानदंड के अनुसार कालाजार उन्मूलन के लिए देश में किसी भी ब्लॉक में प्रति 10,000 लोगों में कालाजार के एक से अधिक मामले नहीं होने चाहिए।

कालाजार

- यह रोग जीनस लीशमैनिया के प्रोटोजोआ परजीवी के कारण होता है।
- भारत में केवल लीशमैनिया डोनोवानी परजीवी ही इस रोग का कारण है।
- यह परजीवी मुख्य रूप से रेटिकुलोएन्डोथेलियल सिस्टम को संक्रमित करता है और बोन मैरो, स्प्लीन और लिवर में बहुतायत में पाया जाता है।
- इसी वजह से कालाजार का नाम यानी भारतीय नाम ‘काला बुखार’ रखा गया है।

अयोध्या में राम लला का हुआ सूर्य तिलक

- अयोध्या में नवनिर्मित श्रीराम मन्दिर में स्थापित रामलला की मूर्ति का सूर्यतिलक रामनवमी के अवसर पर 17 अप्रैल, 2024 को किया गया।
- चैत्र शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को भगवान राम के जन्मोत्सव पर 'सूर्य तिलक' हेतु सूर्य की किरणें रामलला की मूर्ति के ललाट पर लगभग चार मिनट के लिए रहीं।
- उपर्युक्त सूर्य तिलक हेतु सूर्य तिलक परियोजना में 'भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान' (Indian Institute of Astrophysics- IIA), बेंगलुरु ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।
- 'आईआईए' विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत एक स्वायत्त निकाय है।
- 4 दर्पणों और 2 लेंसों वाले डिजाइन से 17 अप्रैल, 2024 को सूर्य तिलक का निष्पादन किया गया।
- 4 दर्पणों और 4 लेंसों के साथ सूर्य तिलक के अंतिम डिजाइन का उपयोग मंदिर के पूर्ण निर्माण के बाद दर्पणों और लेंसों को उनके स्थायी स्थान में रखकर किया जाएगा।
- इस यंत्र का निर्माण ऑप्टिका, बेंगलोर (Optica, Bangalore) द्वारा किया गया है।
- साइट पर ऑप्टो-मैकेनिकल सिस्टम का कार्यान्वयन सीएसआईआर - सीबीआरआई (CSIR-Central Building Research Institute 'CSIR-CBRI'), रुड़की द्वारा किया जा रहा है।

'शक्ति - संगीत और नृत्य का उत्सव'

- इसका आयोजन संगीत नाटक अकादमी द्वारा किया गया।
- यह उत्सव 9-17 अप्रैल 2024 तक भारत के 7 अलग-अलग शक्तिपीठों पर आयोजित किया गया।
- संगीत नाटक अकादमी द्वारा देश में मंदिर परंपराओं को पुनर्जीवित करने के लिए इस उत्सव का आयोजन किया गया।
- शक्ति उत्सव का शुभारंभ 9 अप्रैल से गुवाहाटी के कामाख्या मंदिर से हुआ।
- यह महालक्ष्मी मंदिर, कोल्हापुर, महाराष्ट्र, ज्वालामुखी मंदिर, कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश, त्रिपुरा सुंदरी, उदयपुर, राजस्थान, अंबाजी मंदिर, बनासकांठा, गुजरात, जय दुर्गा शक्तिपीठ, देवघर, झारखंड में भी मनाया गया।
- इसका समापन 17 अप्रैल, 2024 को शक्तिपीठ मां हरसिद्धि मंदिर, जयसिंहपुर, उज्जैन, मध्य प्रदेश में हुआ।

CDP-SURAKSHA: बागवानी किसानों को सब्सिडी देने के लिए नया डिजिटल प्लेटफॉर्म

- केंद्र सरकार ने बागवानी फसलों को बढ़ावा देने के

लिए क्लस्टर विकास कार्यक्रम (CDP) के तहत बागवानी किसानों को सब्सिडी देने के लिए नया डिजिटल प्लेटफॉर्म लॉन्च किया है।

CDP-SURAKSHA

- इसका पूरा नाम Cluster Development Programme-System for Unified Resource Allocation, Knowledge, and Secure Horticulture Assistance (क्लस्टर विकास कार्यक्रम-एकीकृत संसाधन आवंटन, ज्ञान और सुरक्षित बागवानी सहायता के लिए प्रणाली) है।
- यह प्लेटफॉर्म नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI) से ई-रूपी (e-RUPI) वाउचर का उपयोग करके किसानों को उनके बैंक खाते में तुरंत सब्सिडी ट्रांसफर की सुविधा प्रदान करेगा।
- एक किसान अपने मोबाइल नंबर का उपयोग करके लॉगिन कर सकता है और अपनी आवश्यकता के आधार पर बीज, सैपलिंग और पौधे जैसी रोपण सामग्री के लिए ऑर्डर दे सकता है।

e-RUPI वाउचर

- CDP-SURAKSHA प्लेटफॉर्म NPCI के e-RUPI वाउचर का उपयोग करता है।
- यह एक पेमेंट मैकेनिज्म है जिसे e-RUPI स्वीकार करने वाले व्यापारियों को कार्ड, डिजिटल भुगतान ऐप या इंटरनेट बैंकिंग एक्सेस के बिना उपयोग किया जा सकता है।
- e-RUPI को किसी विशिष्ट उद्देश्य या गतिविधि के लिए संगठनों या सरकार द्वारा SMS या क्यूआर कोड के माध्यम से लाभार्थियों के साथ साझा किया जा सकता है।

उत्तर प्रदेश के 15 उत्पादों को भौगोलिक संकेतक (GI) टैग मिला

- उत्तर प्रदेश में अब G.I. टैग वाले उत्पादों की संख्या 69 हो गई है। यह भारत का सर्वाधिक G.I. टैग वाला राज्य बन गया है।
- G.I. टैग वाली वस्तुओं के उत्पादन में **वाराणसी** पहले स्थान पर है। इसके 30 प्रमाणित उत्पाद हैं।
- यह किसी एक भौगोलिक क्षेत्र से अधिकतम संख्या है।
- यूपी के नए जीआई-टैग किए गए उत्पादों में निम्नलिखित शामिल हैं।
 1. बनारस की ठंडाई
 2. बनारस तबला
 3. बनारस की शहनाई
 4. बनारस लाल भरवामिर्च
 5. चिरई गाँव करौंदा (वाराणसी)
 6. बनारस लाल पेड़ा
 7. बनारस भित्ति चित्र

8. जौनपुर इमरती
9. मथुरा सांझी शिल्प
10. बुंदेलखंड कठिया गेहु
11. पोलीभीत बाँसुरी
12. सम्भल अस्थि शिल्प
13. चित्रकूट लकड़ी शिल्प एवं खिलौने
14. मूँज शिल्प
15. रामपुर पैचवर्क

त्रिपुरा के माताबारी पेरा और पचरा को G.I. टैग मिला

- त्रिपुरा की 2 वस्तुओं को प्रतिष्ठित भौगोलिक संकेत (G.I.) टैग दिया गया है।

- इसमें पहला उत्पाद माताबारी पेरा है, जो एक डेयरी आधारित मीठी वस्तु है। यह परंपरागत रूप से गोमती जिले के त्रिपुरसुंदरी मंदिर में प्रसाद के रूप में परोसी जाती है।
- दूसरा उत्पाद पचरा है, जो राज्य के विभिन्न समुदायों द्वारा उपयोग किया जाने वाला हाथ से बुना हुआ कपड़ा है।
- G.I. टैग से पारंपरिक बुनकरों की घटती संख्या को बढ़ावा मिलने और एक समृद्ध कला को प्रोत्साहन मिलेगा।

चर्चित पुस्तकें

- जस्ट ए मर्सिनरी? : नोट्स फ्रॉम माई लाइफ एण्ड कैरियर (Just a Mercenary? : Notes from My Life and Career) - दुव्वरी सुब्बाराव
 - भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्व गवर्नर डी. सुब्बाराव का संस्मरण है, जो आरबीआई और सरकार के बीच तनाव को उजागर करता है।
 - लॉ एण्ड स्पिरिचुअलिटी : रिकनेक्टिंग द बॉण्ड (Law and Spirituality: Reconnecting the Bond) - प्रोफेसर रमण मित्तल और प्रोफेसर सीमा सिंह
 - उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने 12 अप्रैल, 2024 को उपराष्ट्रपति एन्क्लेव में प्रोफेसर रमण मित्तल और डॉ. सीमा सिंह की पुस्तक का विमोचन किया।
- द आइडिया ऑफ डेमोक्रेसी (The Idea of Democracy) - सैम पित्रोदा
- कोड डिपेंडेंट : लिविंग इन द शेडो ऑफ एआई (Code Dependent: Living in the Shadow of AI) - मधुमिता मुर्गिया
 - मधुमिता मुर्गिया की उक्त पुस्तक नॉन-फिक्शन के महिला पुरस्कार के लिए शॉर्टलिस्ट की गई छह पुस्तकों में शामिल है।
- नाइफ : मेडिटेशन आफ्टर एन अटेम्प्टेड मर्डर (Knife : Meditations after an Attempted Murder) - सलमान रुश्दी

पर्यावरण

साइंस बेस्ड टार्गेट्स इनिशिएटिव (SBTi) ने कार्बन ऑफसेटिंग की अनुमति दी

- साइंस बेस्ड टार्गेट्स इनिशिएटिव (SBTi) के एक हालिया निर्णय, जिसमें SBTi आधारित क्लाइमेट टार्गेट्स वाले व्यावसायिक संगठनों के स्कोप 3 उत्सर्जन के लिए कार्बन ऑफसेटिंग की अनुमति दी गई है।
- अब तक, SBTi बिजनेस हाउसेस द्वारा कार्बन उत्सर्जन में कमी के लिए ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में व्यापक कटौती पर बल देता रहा है और कार्बन ऑफसेट के उपयोग को खारिज करता रहा है।
- हाल ही में, SBTi बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज ने कंपनियों को अपनी सप्लाय चैन से उत्सर्जन को ऑफसेट करने के लिए उपयोग करने की अनुमति देकर अपने नेट जीरो उत्सर्जन मानक में कार्बन क्रेडिट तकनीक का उपयोग करने की अनुमति देने की योजना जारी की।
- कंपनियों के सप्लाय चैन यानी आपूर्ति श्रृंखला से ग्रीन हाउस उत्सर्जन को स्कोप 3 उत्सर्जन के रूप में जाना जाता है।

साइंस बेस्ड टार्गेट्स इनिशिएटिव (SBTi)

- यह कॉर्पोरेट जलवायु कार्रवाई संगठन है जो दुनिया भर की कंपनियों और वित्तीय संस्थानों को जलवायु संकट से निपटने में अपनी भूमिका निभाने में सक्षम बनाता है।
- यह संगठन प्रमाणित करता है कि क्या कोई कंपनी ग्लोबल वार्मिंग को 1.5 डिग्री सेंटीग्रेड तापमान से कम तक सीमित करने में मदद करने की राह पर है।
- यह ऐसे मानक, टूल्स और मार्गदर्शन विकसित करता है जो कंपनियों को ग्लोबल वार्मिंग को भयावह स्तर से नीचे रखने और 2050 तक नेट-जीरो उत्सर्जन लक्ष्य तक पहुंचने के लिए आवश्यक उपायों के अनुरूप ग्रीनहाउस गैस, उत्सर्जन में कटौती के लक्ष्य निर्धारित करने की अनुमति देता है।
- SBTi के साझेदार CDP, संयुक्त राष्ट्र ग्लोबल कॉम्पैक्ट, वी मीन बिजनेस गठबंधन, वर्ल्ड रिसोर्सिज इंस्टीट्यूट और वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर (WWF) हैं।

11

इंडेक्स एवं रिपोर्ट्स

SIPRI रिपोर्ट

- स्वीडन के स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (SIPRI) ने 22 अप्रैल को एक रिपोर्ट जारी की।
- इस रिपोर्ट में विश्व में सेनाओं और हथियारों पर किए जाने वाले खर्च को बताया गया है।
- इस रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में 83.6 बिलियन डॉलर के व्यय के साथ **भारत दुनिया का चौथा सबसे बड़ा सैन्य खर्च** करने वाला देश था।
- भारत का सैन्य खर्च पिछले वर्ष की तुलना में 4.2% अधिक था।
- इसके अनुसार 2023 में वैश्विक सैन्य खर्च 2,443 अरब डॉलर तक पहुंच गया। यह पिछले वर्ष से 6.8% अधिक है।
- अमेरिका का सैन्य खर्च 2023 में 2.3% बढ़कर \$916 बिलियन हो गया।

सैन्य व्यय करने वाले शीर्ष 5 देश

रैंक	देश	सैन्य व्यय
1.	संयुक्त राज्य अमेरिका	\$916 बिलियन
2.	चीन	\$296 बिलियन
3.	रूस	\$109 बिलियन
4.	भारत	\$83.6 बिलियन
5.	सऊदी अरब	\$75.8 बिलियन

हुरुन ग्लोबल यूनिर्कॉर्न इंडेक्स 2024

- यह रिपोर्ट हुरुन रिसर्च इंस्टीट्यूट द्वारा जारी की जाती है।
- इसमें ऐसी गैर-सूचीबद्ध कंपनियाँ यानी स्टार्टअप शामिल हैं जिनका वर्तमान वैल्यूएशन 1 बिलियन डॉलर से अधिक है।
- अमेरिका 703 यूनिर्कॉर्न के साथ सूची में पहले स्थान पर है।
- इसके बाद चीन 340 यूनिर्कॉर्न के साथ दूसरे नंबर पर है।
- भारत में 67 यूनिर्कॉर्न के साथ तीसरे स्थान पर है।
- यूनाइटेड किंगडम और यूरोपीय यूनियन सूची में क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर हैं।
- हुरुन ग्लोबल यूनिर्कॉर्न इंडेक्स 2024 के अनुसार, भारत में 2017 के बाद पहली बार यूनिर्कॉर्न निर्माण में गिरावट दर्ज की गई।

- इस इंडेक्स के अनुसार, 2023 में भारत में 67 यूनिर्कॉर्न थे, जबकि पिछले साल ऐसे स्टार्टअप 68 थे।
- भारत में स्टार्टअप में मंदी का मुख्य कारण स्टार्टअप में निवेश की कमी है।
- हालाँकि, रिपोर्ट के अनुसार भारतीय ऑफशोर यूनिर्कॉर्न यानी विदेशों में यूनिर्कॉर्न स्थापना में पहले स्थान पर है।
- एक तरफ जहाँ भारत में 67 यूनिर्कॉर्न हैं वहीं भारत के बाहर 109 यूनिर्कॉर्न के सह-संस्थापक भारतीय हैं।

डिजिटल सर्विस सेक्टर में भारत दुनिया का चौथा सबसे बड़ा निर्यातक देश बना

- विश्व व्यापार संगठन (WTO) ने 10 अप्रैल 2024 को नवीनतम वैश्विक व्यापार आउटलुक और सांख्यिकी (Global Trade Outlook and Statistics) रिपोर्ट पेश की।
- इस रिपोर्ट के अनुसार भारत के डिजिटल सेवाओं (Digital Service) के निर्यात में 17% की बढ़ोतरी हुई है और यह अब 257 बिलियन डॉलर हो गया है।
- भारत डिजिटल सेवाओं (Digital Service) के निर्यात में दुनिया का चौथा सबसे बड़ा निर्यातक बन गया है।
- भारत की हिस्सेदारी सेवाओं में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के पांचवें हिस्से से अधिक है।
- डिजिटल रूप से वितरित सेवाओं में अमेरिका, ब्रिटेन और आयरलैंड क्रमशः पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर है।
- डिजिटल रूप से वितरित सेवाओं में शिक्षा, गेमिंग और स्ट्रीमिंग संगीत तथा वीडियो के लिए पेशेवर सेवाएँ प्रदान करने के लिए कंप्यूटर नेटवर्क का उपयोग करना शामिल है।
- 2023 में डिजिटल सेवाओं का वैश्विक निर्यात बढ़कर 4.25 ट्रिलियन डॉलर हो गया।
- 2023 में वैश्विक स्तर पर वस्तुओं के व्यापार के सभी सेक्टर में गिरावट आई वहीं डिजिटल सर्विस का निर्यात बढ़ता रहा।
- रिपोर्ट के अनुसार 52.4% हिस्सेदारी रखने वाले यूरोप और 23.8% की वैश्विक हिस्सेदारी वाले एशिया के निर्यात में क्रमशः 11% और 9% की वृद्धि हुई।

- वर्ष 2023 में व्यापार, प्रोफेशनल और तकनीकी सर्विस का योगदान सबसे अधिक 41.2% रहा।

विश्व व्यापार संगठन (WTO)

- विश्व व्यापार संगठन (WTO) एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है।
- यह राष्ट्रों के बीच वैश्विक व्यापार को नियंत्रित और सुगम बनाता है।
- इसका मुख्यालय जिनेवा (स्विट्जरलैंड) में है।
- इसकी स्थापना 1995 में हुई। इसने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद स्थापित टैरिफ और व्यापार पर सामान्य समझौते (GATT) का स्थान लिया।
- भारत इसका संस्थापक सदस्य है।
- इसका उद्देश्य मुक्त व्यापार को बढ़ावा देना, बाधाओं को कम करना और आर्थिक वृद्धि तथा विकास को बढ़ावा देना है।

विश्व साइबर अपराध सूचकांक

- ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय और UNSW (University of New South Wales) कैनबरा के शोधकर्ताओं ने नए विश्व साइबर अपराध सूचकांक (World Cybercrime Index) जारी किया।
- इस सूची में रूस पहले स्थान पर है। रूस का वर्ल्ड साइबर क्राइम इंडेक्स स्कोर 100 में से 58.39 है।
- इसके बाद यूक्रेन, चीन, अमेरिका, नाइजीरिया और रोमानिया का क्रमशः दूसरा, तीसरा, चौथा, पाँचवाँ और छठा स्थान हैं।
- उत्तर कोरिया सातवें, ब्रिटेन आठवें और ब्राजील नौवें स्थान पर है।
- भारत इस रैंकिंग में 10वें स्थान पर है। भारत का WCI स्कोर 6.13 है।
- इस सूचकांक में पाँच मुख्य साइबर अपराध श्रेणियों पर फोकस किया गया है:
 1. रैन्समवेयर सहित जबरन वसूली
 2. हैकिंग
 3. क्रेडिट कार्ड सहित डाटा की चोरी
 4. अग्रिम शुल्क धोखाधड़ी
 5. मनी लाँड्रिंग
- इसमें लोगों को अग्रिम शुल्क धोखाधड़ी या पहले भुगतान (Advance) के लिए कहकर सबसे अधिक ठगी की जाती है।

'एशिया में जलवायु की स्थिति 2023' रिपोर्ट

- हाल ही में, विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO) द्वारा 'एशिया में जलवायु की स्थिति 2023 (State of the Climate in Asia 2023)' रिपोर्ट जारी की गई।

- इस रिपोर्ट के अनुसार 2023 में, मौसम, जलवायु और पानी से संबंधित खतरों के कारण एशिया दुनिया का सबसे अधिक आपदा प्रभावित क्षेत्र रहा।
- इसने सतह के तापमान, ग्लेशियर के सिकुड़ने और समुद्री जल स्तर में वृद्धि जैसे प्रमुख जलवायु परिवर्तन संकेतकों के अधिक होने को रेखांकित किया, जिसका क्षेत्र के समाज, अर्थव्यवस्थाओं और पारिस्थितिक तंत्रों पर प्रभाव पड़ेगा।
- चूंकि एशिया वैश्विक औसत से अधिक तेजी से गर्म हो रहा है, इसलिए यहाँ दुनिया भर के किसी भी अन्य क्षेत्र की तुलना में अधिक चरम मौसम, जलवायु और जल से संबंधित आपदाएँ देखी जा रही हैं।
- 2023 में, जलीय मौसम संबंधी खतरों से जुड़ी 79 आपदाएँ दर्ज की गईं जिससे पूरे एशिया में 9 मिलियन से अधिक लोग प्रभावित हुए और 2,000 से अधिक लोगों की मौत हुई।
- इनमें से 80% घटनाएँ बाढ़ और तूफान से संबंधित थीं।
- इसके अलावा एशिया में भीषण गर्मी बढ़ती जा रही है।
- भारतीय उपमहाद्वीप ने 2023 में 6 उष्णकटिबंधीय चक्रवातों ने दस्तक दी जो उत्तरी हिंद महासागर में उत्पन्न हुए थे। छह चक्रवातों में से चार – मोखा, हामून, मिधिली और मिचौंग – बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने और दो – बिपरजॉय और तेज – अरब सागर के ऊपर बने।
- अत्यंत भीषण चक्रवाती तूफान मोखा 14 मई 2023 को म्यांमार के रखाइन तट पर तबाही मचाई जिसमें 156 लोगों की मौत हो गई।
- विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO) के अनुसार, **भारत 2023 में अत्यधिक गर्मी और बाढ़ से सबसे ज्यादा प्रभावित देशों में से एक है।**

संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (UNFPA) की रिपोर्ट 2024

- संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (UNFPA) ने 16 अप्रैल 2024 को विश्व जनसंख्या स्थिति रिपोर्ट (State of the World's Population report) 2024 जारी की थी।
- इस रिपोर्ट में भारत की आबादी के 144 करोड़ पहुंच जाने का अनुमान जताया गया है।
- भारत की जनसंख्या 77 वर्षों में दोगुनी होने का अनुमान है।
- जनसंख्या की दृष्टि से भारत दुनिया में पहले स्थान पर है। इसके बाद चीन 142.5 करोड़ के साथ दूसरे स्थान पर है।
- भारत की अनुमानित 24% आबादी 0-14 वर्ष की है, जबकि 17% आबादी 10-19 आयु सीमा के भीतर है।

- 10-24 आयु वर्ग 26% है, जबकि 15-64 आयु वर्ग 68% है।
- भारत की 7% आबादी 65 वर्ष और उससे अधिक आयु की है, जिसमें पुरुषों की जीवन प्रत्याशा (Life Expectancy) 71 वर्ष और महिलाओं की 74 वर्ष है।
- जनसंख्या के मामले में चीन 142.5 करोड़ के साथ दूसरे स्थान पर है।

भारत का पासपोर्ट दुनिया का दूसरा सबसे सस्ता पासपोर्ट है

- पासपोर्ट की लागत के संदर्भ में ऑस्ट्रेलियाई फर्म कंपेयर द मार्केट एयू द्वारा यह रिपोर्ट जारी की गई है।
- इसमें विभिन्न देशों से पासपोर्ट प्राप्त करने की लागत, वैधता के प्रति वर्ष की लागत-प्रभावशीलता का अध्ययन किया गया और उन देशों की संख्या के संदर्भ में उनके मूल्य का भी अध्ययन किया, जहां यह वीजा-मुक्त पहुंच प्रदान करता है।
- संयुक्त अरब अमीरात पासपोर्ट की लागत के संदर्भ में विश्व का सबसे सस्ता पासपोर्ट है।
- संयुक्त अरब अमीरात (UAE) में 5 साल की वैधता के लिए पासपोर्ट की लागत 17.70 अमेरिकी डॉलर है।
- UAE का पासपोर्ट अधिग्रहण की लागत और वीजा-मुक्त पहुंच के लिए देशों की संख्या के मामले में सबसे सस्ता है।
- विश्व का सबसे महंगा पासपोर्ट मेक्सिको का है, जहाँ 10 साल के पासपोर्ट की कीमत 231.05 अमेरिकी डॉलर है।
- समग्र सूची में भारत का पासपोर्ट दूसरा सबसे सस्ता है, जिसकी कीमत 10 साल की वैधता के लिए 18.07 अमेरिकी डॉलर है। हालाँकि, भारत के लोग भारतीय पासपोर्ट के साथ केवल 62 देशों में वीजा-मुक्त यात्रा कर सकते हैं।
- प्रति वर्ष वैधता की लागत के संदर्भ में (1.81 अमेरिकी डॉलर प्रति वर्ष की लागत के साथ) **भारत का पासपोर्ट सबसे सस्ता है।**
- प्रति वर्ष वैधता की लागत के संदर्भ दक्षिण अफ्रीका और केन्या क्रमशः US\$3.05 और US\$3.09 के साथ दूसरे और तीसरे स्थान पर थे।

टाइम की 100 सबसे प्रभावशाली सूची 2024 में 8 भारतीय शामिल

- टाइम पत्रिका की प्रतिष्ठित सूची 17 अप्रैल 2024 को जारी की गई।
- सूची में वित्त, मनोरंजन, प्रौद्योगिकी, सक्रियता और

शिक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों के नेताओं को जगह मिली है।

- समग्र सूची में चार श्रेणियां हैं: नेता, नायक, कलाकार और विचारक।
- 2024 के 100 सबसे प्रभावशाली लोगों में 8 भारतीयों को शामिल किया गया है जो निम्नलिखित हैं-
 1. आलिया भट्ट (अभिनेत्री)
 2. अजय बंगा (विश्व बैंक के अध्यक्ष)
 3. साक्षी मलिक (ओलंपिक पदक विजेता खिलाड़ी)
 4. देव पटेल (भारतीय मूल के अभिनेता)
 5. प्रियंवदा नटराजन (येल विश्वविद्यालय में खगोल विज्ञान भौतिकी की प्रोफेसर)
 6. सत्या नडेला (माइक्रोसॉफ्ट के CEO)
 7. जिगर शाह (अमेरिकी ऊर्जा विभाग के ऋण कार्यक्रम कार्यालय के निदेशक)
 8. अस्मा खान (भारतीय मूल के रेस्तरां मालिक)
- भारतीय मूल की ब्रिटिश शेफ अस्मा खान लंदन के सोहो में 'दार्जिलिंग एक्सप्रेस' नाम से रेस्तरां चलाती है।
- प्रियंवदा नटराजन एक खगोल वैज्ञानिक और खगोल विज्ञान की प्रोफेसर हैं। उनका शोध सुपरमैसिव ब्लैक होल के अध्ययन पर आधारित है।

WEF के 2024 के यंग ग्लोबल लीडर्स क्लास में 7 भारतीय शामिल

- वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (WEF) के 'यंग ग्लोबल लीडर्स कम्युनिटी: द क्लास ऑफ 2024' में 7 भारतीयों को शामिल किया गया है।
- WEF ने 4 अप्रैल 2024 को अपने यंग ग्लोबल लीडर्स कम्युनिटी में 90 चेंजमेकर्स को शामिल करने की घोषणा की थी, जो सभी 40 वर्ष से कम उम्र के थे और समाज के विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं।
- WEF की यंग ग्लोबल लीडर्स पहल 2005 में शुरू की गई थी।
- इस समूह में विभिन्न क्षेत्रों के व्यक्ति शामिल हैं जो भविष्य को आकार दे रहे हैं और अपने अभूतपूर्व कार्य के माध्यम से सकारात्मक बदलाव को गति दे रहे हैं।
 1. प्रिया अग्रवाल हेब्बार (वेदांता लिमिटेड की गैर-कार्यकारी निदेशक)
 2. भूमि पेडनेकर (अभिनेत्री)
 3. अद्वैत नायर (नायका फैशन के CEO)
 4. अर्जुन भरतिया (जुबिलेंट ग्रुप के संयुक्त प्रबंध निदेशक)

5. शरद विवेक सागर (फाउंडर और CEO, डेक्सटेरिटी ग्लोबल)
6. ऋचा बाजपेयी (फाउंडर और CEO, कैंपस फंड)
7. शाश्वत गोयनका (उपाध्यक्ष, आरपी-संजीव गोयनका समूह)

फोर्ब्स की 2024 की अरबपतियों की सूची जारी

- फोर्ब्स ने 2024 के लिए दुनिया के अरबपतियों की 38वीं वार्षिक सूची जारी की।
- इसमें पिछले वर्ष की तुलना में दुनिया में 141 अरबपति ज्यादा हैं, जिनकी कुल संख्या 2,781 है।
- इनकी संयुक्त संपत्ति 14.2 ट्रिलियन डॉलर है, जो 2023 में 2 ट्रिलियन डॉलर से अधिक है।
- इस सूची में, शीर्ष 20 को सबसे अधिक लाभ हुआ, उनकी संयुक्त संपत्ति में 2023 के बाद से 700 बिलियन डॉलर की वृद्धि हुई है।
- अमेरिका में रिकॉर्ड 813 अरबपति हैं, जो विश्व में सर्वाधिक है।
- चीन में 473 और भारत में 200 अरबपति हैं।

- विश्वविद्यालयों (69) की संख्या के मामले में भारत एशिया में 101 संस्थानों के साथ चीन के बाद दूसरा सबसे अधिक प्रतिनिधित्व वाला देश है।
- IIT बॉम्बे ने इस रैंकिंग में इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी में 45वीं रैंक हासिल की।
- भारतीय प्रबंधन संस्थान (IIM) अहमदाबाद व्यवसाय और प्रबंधन अध्ययन के लिए शीर्ष 25 संस्थानों में से एक है।
- इस रैंकिंग 2024 में मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (MIT) पहले स्थान पर है।
- जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (JNU) विकास अध्ययन (Development Studies) के लिए भारत का सर्वोच्च रैंक वाला विश्वविद्यालय है।
- डेवलपमेंट स्टडीज विषय के तहत जेएनयू को विश्व में 20वाँ स्थान दिया गया है।
- इसके अलावा, यह विश्वविद्यालय भूगोल, इतिहास, आधुनिक भाषाएँ, राजनीति और अंतर्राष्ट्रीय संबंध, मानव विज्ञान, अंग्रेजी भाषा और साहित्य और भाषा विज्ञान के विषयों में भी देश का शीर्ष रैंक वाला विश्वविद्यालय है।

शीर्ष 10 अरबपतियों की सूची

रैंक	नाम	नेटवर्थ (बिलियन अमेरिकी डॉलर)	कंपनी
1.	बर्नार्ड अरनॉल्ट एंड फॉमिली	\$233	LVMH
2.	एलोन मस्क	\$195	टेस्ला, स्पेसएक्स
3.	जेफ बेजोस	\$194	अमेजन
4.	मार्क जुकेरबर्ग	\$177	फेसबुक
5.	लैरी एलिसन	\$141	ओरेकल
6.	वारेन बफेट	\$133	बर्कशायर हैथवे
7.	बिल गेट्स	\$128	माइक्रोसॉफ्ट
8.	स्टीव बाल्मर	\$121	माइक्रोसॉफ्ट
9.	मुकेश अंबानी	\$116	रिलायंस
10.	लेरी पेज	\$114	गूगल

QS वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2024

- यह रैंकिंग लंदन स्थित उच्च शिक्षा एनालिटिक्स फर्म, क्वाकवरेली साइमंड्स (QS) द्वारा जारी की गई।
- कुल 69 भारतीय विश्वविद्यालयों ने विषय के आधार पर क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में जगह बनाई है, जो पिछले वर्ष 66 विश्वविद्यालयों द्वारा प्राप्त 355 प्रविष्टियों से 19.4% अधिक है।

खाद्य अपशिष्ट सूचकांक रिपोर्ट 2024

- खाद्य अपशिष्ट सूचकांक रिपोर्ट 2024 (Food Waste Index Report 2024) संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) और यू.के. स्थित गैर-लाभकारी संस्था WRAP (वेस्ट एंड रिसोर्स एक्शन प्रोग्राम) द्वारा संयुक्त रूप से जारी किया गया।
- खाद्य अपशिष्ट सूचकांक रिटेल और उपभोक्ता (घरेलू और खाद्य सेवा) स्तर पर बर्बाद होने वाले खाद्य पदार्थों और अखाद्य भागों की वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर पर ट्रैकिंग करता है।
- यह रिपोर्ट अंतर्राष्ट्रीय शून्य अपशिष्ट दिवस (30 मार्च) से पहले जारी की गई थी।
- 2022 में दुनिया भर में परिवारों ने प्रतिदिन एक अरब से अधिक समय का भोजन बर्बाद किया, जबकि 783 मिलियन लोग भुखमरी से जूझ रहे थे और लोगों के एक तिहाई हिस्से को खाद्य असुरक्षा का सामना करना पड़ा।
- 2022 में, 1.05 बिलियन टन खाद्य अपशिष्ट उत्पन्न हुआ (अखाद्य भागों सहित), जो प्रति व्यक्ति 132 किलोग्राम था और उपभोक्ताओं के लिए उपलब्ध कुल भोजन का लगभग पाँचवाँ हिस्सा था।

हेपेटाइटिस B और C के मामले में भारत चीन के बाद दूसरे स्थान पर है

- विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) की 'ग्लोबल हेपेटाइटिस रिपोर्ट 2024' 9 अप्रैल 2024 को जारी की गई।

- इस रिपोर्ट के अनुसार, 2022 में वैश्विक स्तर पर 254 मिलियन लोग हेपेटाइटिस B से संक्रमित थे, और 50 मिलियन लोग हेपेटाइटिस C से संक्रमित थे।
- इसके अनुसार, 2022 में 35 मिलियन संक्रमणों (29.8 मिलियन हेपेटाइटिस B के मामले और 5.5 मिलियन हेपेटाइटिस C संक्रमण) के साथ चीन के बाद भारत में हेपेटाइटिस B और C के मामलों की संख्या दूसरे स्थान पर थी।
- हेपेटाइटिस यकृत की सूजन है जो विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकती है और घातक हो सकती है।
- चीन में हेपेटाइटिस B और C के 83 मिलियन मामले दर्ज किए गए हैं, जो कुल मामलों का 27.5% है।
- वैश्विक स्तर पर कुल मामलों का 11.6% हिस्सा भारत में था।
- इस रिपोर्ट के अनुसार, वायरल हेपेटाइटिस के कारण जान गंवाने वालों की संख्या बढ़ रही है।
- यह बीमारी वैश्विक स्तर पर मृत्यु का दूसरा प्रमुख संक्रामक कारण है, इस बीमारी से प्रति वर्ष 1.3 मिलियन लोगों की मृत्यु होती है, जो तपेदिक के समान है।

प्लास्टिक ओवरशूट डे रिपोर्ट 2024

- प्लास्टिक ओवरशूट डे रिपोर्ट 2024 (Plastic Overshoot Day report 2024) स्विस नॉन-प्रॉफिट कम्पनी अर्थ एक्शन (Earth Action) द्वारा जारी की गई।
- इस रिपोर्ट के अनुसार **भारत विश्व में उत्पन्न 60% कुप्रबंधित प्लास्टिक अपशिष्ट के लिए जिम्मेदार 12 देशों में शामिल है।**
- बारह देश- चीन, भारत, रूस, ब्राजील, मैक्सिको, वियतनाम, ईरान, इंडोनेशिया, मिस्र, पाकिस्तान, संयुक्त राज्य अमेरिका और तुर्की दुनिया के 60% कुप्रबंधित प्लास्टिक कचरे के लिए जिम्मेदार हैं।
- 2021 के बाद से वैश्विक प्लास्टिक अपशिष्ट उत्पादन में 7.11% की वृद्धि हुई है।
- इस वर्ष दुनिया में 220 मिलियन टन (अनुमान) प्लास्टिक कचरा उत्पन्न हुआ है, जिसमें से 70 मिलियन टन पर्यावरण को प्रदूषित करेगा।
- भारत में प्रति व्यक्ति प्लास्टिक अपशिष्ट उत्पादन (प्रति वर्ष 8 किलोग्राम प्रति व्यक्ति) कम होने के कारण रिपोर्ट में **भारत को 'कम अपशिष्ट उत्पादक' प्रदूषक** के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

- **बेल्जियम प्लास्टिक कचरे का सबसे बड़ा उत्पादक** है। यहाँ प्रति व्यक्ति वार्षिक अपशिष्ट उत्पादन 147.7 किलोग्राम है।
- **कुप्रबंधित प्लास्टिक कचरे के मामले में ओमान** पहले स्थान पर है।

दिल्ली हवाई अड्डा 2023 के लिए दुनिया के शीर्ष 10 सबसे व्यस्त हवाई अड्डों में नामित

- दुनिया के शीर्ष 10 सबसे व्यस्त हवाई अड्डों की सूची एयरपोर्ट्स काउंसिल इंटरनेशनल (ACI) द्वारा जारी की गई।
- इस सूची में पहले स्थान पर **हर्ट्सफील्ड-जैक्सन अटलांटा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा** है।
- हर्ट्सफील्ड-जैक्सन अटलांटा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे ने 2023 में 10.46 करोड़ यात्रियों का आवागमन हुआ।
- दुबई और डलास हवाई अड्डे क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं।
- इस सूची में **दिल्ली का इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा दसवें स्थान** पर है।
- दिल्ली हवाई अड्डे ने 2023 में 7.22 करोड़ से अधिक यात्रियों को संभाला।
- 2023 के लिए वैश्विक कुल यात्री पूर्वानुमान 8.5 बिलियन (850 करोड़) था। यह 2022 से 27.2% ज्यादा है।

भारत में लगभग 23 लाख हेक्टेयर वन क्षेत्र नष्ट हुआ : ग्लोबल फॉरेस्ट वॉच

- ओपन-सोर्स वेब एप्लिकेशन 'ग्लोबल फॉरेस्ट वॉच' (Global Forest Watch-GFW) के मॉनिटरिंग प्रोजेक्ट (Monitoring project) के आँकड़े अप्रैल 2024 में जारी किए गए। ग्लोबल फॉरेस्ट वॉच मॉनिटरिंग प्रोजेक्ट के इन नवीनतम आँकड़ों के अनुसार भारत में वर्ष 2000 से अब तक 2.33 मिलियन हेक्टेयर वृक्ष क्षेत्र नष्ट हो गए हैं।
- यह इस अवधि के दौरान वृक्ष आवरण में 6 प्रतिशत की कमी के बराबर है।
- वर्ष 2002-2023 में देश में 4,14,000 हेक्टेयर (4.1 प्रतिशत) आर्द्र प्राथमिक वन (humid primary forest) नष्ट हो गए हैं, जो इस अवधि में कुल वन आच्छादित क्षेत्र की हानि का 18% है।
- वर्ष 2013-2023 के मध्य भारत में वृक्षावरण का 95% नुकसान प्राकृतिक वनों में हुआ है।
- वर्ष 2017 में सबसे अधिक 1,89,000 हेक्टेयर नुकसान हुआ।
- उससे पहले वर्ष 2016 में 1,75,000 हेक्टेयर और वर्ष 2023 में 1,44,000 हेक्टेयर का नुकसान हुआ। जो विगत 6 वर्षों में सर्वाधिक है।

- वर्ष 2001-2023 के दौरान कुल वन आच्छादित क्षेत्र की हानि का 60 प्रतिशत नुकसान पाँच राज्यों (असम, मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश, नगालैण्ड व मणिपुर) में हुआ।
- असम में सर्वाधिक 3,24,000 हेक्टेयर में वृक्षों का नुकसान हुआ।
- इसके बाद मिजोरम में 3,12,000 हेक्टेयर, अरुणाचल प्रदेश में 2,62,000 हेक्टेयर, नगालैण्ड में 2,59,000 हेक्टेयर और मणिपुर में 2,40,000 हेक्टेयर वृक्ष क्षेत्र नष्ट हो गया। वर्ष 2002-2022 में भारत में आग के कारण 35,900 हेक्टेयर (1.6%) वृक्षों का नुकसान हुआ।
- आग के कारण सबसे अधिक वृक्षों का नुकसान (3,000 हेक्टेयर) वर्ष 2008 में हुआ।
- वर्ष 2002-2022 में वनाग्नि के कारण पेड़ों के नुकसान की दर ओडिशा में सबसे अधिक थी। (प्रति वर्ष औसतन 238)

कर्नाटक, गुजरात स्वच्छ ऊर्जा अपनाने में देश में शीर्ष पर

- 'शोध संगठन 'इंस्टीट्यूट फॉर एनर्जी इकोनॉमिक्स एंड फाइनेंशियल एनालिसिस' (IEEFA) और स्वच्छ ऊर्जा थिंक टैंक 'एम्बर (Ember)' की संयुक्त रिपोर्ट 23 अप्रैल, 2024 को जारी की गई।
- इसके मूल्यांकन में देश के 21 राज्यों को शामिल किया गया है।
- देश की स्वच्छ ऊर्जा पर जारी इस रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में स्वच्छ ऊर्जा को अपनाने के मामले में कर्नाटक और गुजरात सबसे आगे हैं।
- कर्नाटक अपनी बिजली खपत का 37 प्रतिशत और गुजरात 17 प्रतिशत हरित ऊर्जा से पूरा करते हैं।
- इन राज्यों ने अपने बिजली क्षेत्रों में नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को प्रभावी ढंग से जोड़ा है, जिससे कार्बन उत्सर्जन कम करने में मजबूत प्रगति हुई है।
- इसके विपरीत रिपोर्ट में झारखण्ड, बिहार, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों को सुधार की जरूरत की बात कही गई है।

भारतीय हिमालय का ग्लेशियर झीलों में विस्तार : इसरो

- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने 'सैटेलाइट अंतर्दृष्टि: भारतीय हिमालय में हिमनदी झीलों का विस्तार' (Satellite Insights: Expanding Glacial Lakes in the Indian Himalayas) शीर्षक से एक रिपोर्ट 22 अप्रैल, 2024 को प्रकाशित की।
- इस रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 1984 से 2023 तक भारतीय हिमालयी नदी घाटियों के जलग्रहण क्षेत्रों को कवर करने वाली दीर्घकालिक उपग्रह

इमेजरी से पता चलता है कि हिमनद झीलों में महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं।

- 2016-17 में पहचानी गई हिमालय की 10 हेक्टेयर से बड़ी 2,431 हिमनद झीलों (glacial lakes) में से 676 हिमनद झीलों का वर्ष 1984 के बाद से उल्लेखनीय विस्तार हुआ है। इनमें से 130 झीलें भारत में स्थित हैं।
- इनमें 65 झीलें सिंधु, 7 झीलें गंगा और 58 झीलें ब्रह्मपुत्र नदी घाटियों में स्थित हैं।
- विस्तारित झीलों में से 601 (89 प्रतिशत) झीलों का विस्तार दोगुने से अधिक हुआ है।
- ऊँचाई-आधारित विश्लेषण (Elevation-based analysis) से पता चलता है कि 314 झीलें 4,000 से 5,000 मीटर की रेंज में स्थित हैं और 296 झीलें 5,000 मीटर की ऊँचाई से ऊपर हैं।
- 676 विस्तारित झीलों में से, अधिकांश (307) मोराइन-बाँधित हिमनद झीलों (Moraine-dammed) हैं, जबकि कटाव (Erosion) निर्मित हिमनद झीलें 265 व बर्फ-बाँधित (Ice-dammed) हिमनद झीलें 8 हैं। शेष 96 अन्य श्रेणी में हैं। हिमाचल प्रदेश में 4,068 मीटर की ऊँचाई पर स्थित घेपांग घाट हिमनद झील (सिंधु नदी बेसिन) का आकार 1989-2022 के बीच 36.49 से 101.30 हेक्टेयर (178% की वृद्धि) तक बढ़ा है।
- वृद्धि की यह दर लगभग 1.96 हेक्टेयर प्रतिवर्ष है।

डोपिंग अपराधियों की सूची में भारत शीर्ष पर

- विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (World Anti-Doping Agency (WADA) द्वारा वर्ष 2022 के परीक्षण आँकड़े अप्रैल 2024 में जारी किए गए।
- 'वाडा' द्वारा जारी डोपिंग रोधी रिपोर्ट, 2022' में भारत डोप अपराधियों के उच्चतम प्रतिशत वाले देशों में पहले स्थान पर है।
- रिपोर्ट से पता चलता है कि भारतीय एथलीटों (मूत्र, रक्त और एथलीट जैविक पासपोर्ट सहित) से एकत्र किए गए 4,064 नमूनों में से 127 व्यक्तियों के नमूने प्रतिबंधित पदार्थों के लिए सकारात्मक रहे, जो नमूना परीक्षण का 3.26% है।
- भारत में डोपिंग उल्लंघनों की संख्या प्रमुख खेल देशों यथा रूस (85), अमेरिका (84), इटली (73) और फ्रांस (72) से अधिक है।
- वाडा के अनुसार वर्ष 2021 की तुलना में वर्ष 2022 में 6.4% अधिक नमूनों का परीक्षण किया गया।
- प्रतिकूल विश्लेषणात्मक निष्कर्ष का प्रतिशत भी वर्ष 2021 में 0.65% से बढ़कर वर्ष 2022 में 0.77% हो गया।

- वाडा द्वारा एकत्र किए गए एथलीटों के अधिकतम नमूने में सबसे ज्यादा 19,228 नमूने चीन के एथलीटों के थे, जिनमें से मात्र 33 (0.2%) परीक्षण सकारात्मक थे।
- अधिकतम नमूने देने के मामले में जर्मनी 13,653 नमूने देने के साथ दूसरे स्थान पर रहा, जिनमें से केवल 42 नमूनों का परीक्षण सकारात्मक रहा।
- तीसरे सबसे ज्यादा नमूने (10,186) रूसी एथलीटों के थे, जिसमें केवल 85 नमूनों का परीक्षण सकारात्मक रहा।
- पूर्वी उप-सहारा अफ्रीका में जीवन प्रत्याशा में सबसे बड़ी वृद्धि देखी गई, जो 1990-2021 के बीच 10.7 वर्ष बढ़ी।
- दक्षिण पूर्व एशिया, पूर्वी एशिया और ओशिनिया में कुल मिलाकर जीवन प्रत्याशा 8.3 वर्ष बढ़ी, जो दुनिया भर में सबसे अधिक है।
- दक्षिण एशिया क्षेत्र में भूटान में जीवन प्रत्याशा (13.6 वर्ष) में सर्वाधिक वृद्धि देखी गई।
- इसके अलावा बांग्लादेश में यह 13.3 वर्ष, नेपाल में 10.4 वर्ष और पाकिस्तान में 2.5 वर्ष है।
- कोविड-19 के कारण 2019-2021 की प्रत्याशा में 1.6 साल की गिरावट आई, अन्यथा इसमें और वृद्धि सम्भावित थी।
- वर्ष 2020 में, दुनिया भर में मौतें वर्ष 2019 की तुलना में 10.8 प्रतिशत बढ़ीं और वर्ष 2021 में मौतें वर्ष 2020 की तुलना में 7.5 प्रतिशत बढ़ीं।
- मृत्यु दर में भी इसी तरह की प्रवृत्ति रही, वर्ष 2020 में 8.1 प्रतिशत और अतिरिक्त 5.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई।
- दक्षिण-पूर्व एशिया, पूर्वी एशिया और ओशिनिया में प्रति एक लाख आबादी पर लगभग 23 मौतों की दर सबसे कम थी। खसरे से पाँच साल से कम उम्र के बच्चों की मौतें पश्चिमी और पूर्वी उप-सहारा अफ्रीका में केन्द्रित थीं।

वैश्विक जीवन प्रत्याशा 6.2 वर्ष बढ़ी: लैंसेट

- वैश्विक जीवन प्रत्याशा रुझानों पर नवीनतम अध्ययन रिपोर्ट लैंसेट जर्नल द्वारा अप्रैल 2024 में प्रकाशित की लैंसेट के 1990-2021 के अध्ययन निष्कर्षों के अनुसार दुनिया भर में जीवन प्रत्याशा (Life Expectancy) में 6.2 वर्ष की समग्र वृद्धि देखी गई है।
- इसी प्रकार विगत तीन दशकों में भारत में जीवन प्रत्याशा लगभग 8 वर्ष बढ़ गई है।
- 'जीवन प्रत्याशा' में यह प्रगति डायरिया, निचले श्वसन संक्रमण, स्ट्रोक और इस्केमिक हार्ट रोग (संकुचित धमनियों के कारण होने वाले दिल के दौर) जैसी प्रमुख बीमारियों से होने वाली मौतों में कमी के कारण हुई है।

12

प्रमुख दिवस एवं सप्ताह

भारतीय रिजर्व बैंक का स्थापना दिवस

- प्रत्येक वर्ष 1 अप्रैल को भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) का स्थापना दिवस (RBI Foundation Day) मनाया जाता है।
- 1 अप्रैल 2024 को RBI का 90वाँ स्थापना दिवस था।

भारतीय रिजर्व बैंक

- स्थापना: भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 के तहत 1 अप्रैल 1935 को हुई।
- शक्तिकांत दास भारतीय रिजर्व बैंक के वर्तमान गवर्नर हैं।

88वाँ ओडिशा दिवस

- प्रत्येक वर्ष 1 अप्रैल को ओडिशा दिवस (Odisha Day)/ उत्कल दिवस मनाया जाता है।
- ओडिशा का गठन भाषायी आधार पर संयुक्त बंगाल प्रांत से अलग कर बनाया गया।
- 1 अप्रैल, 1936 में बिहार से उड़ीसा प्रांत का गठन किया गया।

विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस (World Autism Awareness Day 2024)

- यह प्रतिवर्ष 2 अप्रैल को मनाया जाता है।
- इस दिवस का उद्देश्य लोगों में ऑटिज्म के बारे में जागरूकता लाना और इससे पीड़ित लोगों के जीवन को सुलभ बनाना है।
- वर्ष 2024 की थीम- 'Empowering Autistic Voices' है।

अन्तर्राष्ट्रीय खदान जागरूकता दिवस

- यह प्रतिवर्ष 4 अप्रैल को मनाया जाता है।
- यह दिवस बारूदी सुरंगों (landmines) की वजह से पैदा हुए खतरे से सुरक्षा प्रदान करने, स्वास्थ्य और जीवन से सम्बंधित परेशानियों के बारे में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से मनाया जाता है।
- संयुक्त राष्ट्र महासभा ने इसे दिवस के रूप में मनाये जाने की घोषणा वर्ष 2005 में की थी।
- इस दिवस को पहली बार 4 अप्रैल 2006 को मनाया गया।
- अंतर्राष्ट्रीय खनन जागरूकता दिवस 2024 का विषय 'जीवन की रक्षा, शांति का निर्माण' है।

राष्ट्रीय समुद्री दिवस

- यह प्रतिवर्ष 5 अप्रैल को मनाया जाता है।
- इस दिवस को मनाने का उद्देश्य लोगों को भारतीय जहाजरानी उद्योग की गतिविधियों और देश की अर्थव्यवस्था में इसकी भूमिका से अवगत कराना है।
- 5 अप्रैल, 1919 को पहला भारतीय जहाज मुंबई से ब्रिटेन की यात्रा पर निकला था।
- सिंधिया स्टीम नेवीगेशन कंपनी लिमिटेड का पहला स्टीम शिप 'एसएस लॉयल्टी' (SS Loyalty) मुंबई से लंदन की पहली समुद्री यात्रा पर रवाना हुआ था।

राष्ट्रीय हस्तनिर्मित दिवस 2024

- हर साल अप्रैल के पहले शनिवार को राष्ट्रीय हस्तनिर्मित दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष यह 6 अप्रैल को मनाया गया।
- यह दिन हस्तनिर्मित सामान बनाने वाले लोगों के कौशल और समर्पण को सम्मानित करने और पहचानने के लिए मनाया जाता है।
- राष्ट्रीय हस्तनिर्मित दिवस 2024 का विषय 'हस्तनिर्मित उत्पाद खरीदें' है।

विकास और शांति के लिए अंतर्राष्ट्रीय खेल दिवस

- यह प्रतिवर्ष 6 अप्रैल को मनाया जाता है।
- शारीरिक और मानसिक विकास में खेलों के महत्व को रेखांकित करने और खेलों के प्रति जागरूकता लाने के लिए यह दिवस मनाया जाता है।
- संयुक्त राष्ट्र महासभा ने इस दिवस को मनाने की पहली बार घोषणा अगस्त 2013 में की थी।
- सबसे पहले 1896 को एथेंस (ग्रीस) में 6 अप्रैल के ही दिन पहले आधुनिक ओलंपिक खेलों का आयोजन किया गया था। इसीलिए 6 अप्रैल के दिन अंतरराष्ट्रीय खेल दिवस मनाया जाता है।

विश्व स्वास्थ्य दिवस

- यह प्रतिवर्ष 7 अप्रैल को मनाया जाता है।
- इसका उद्देश्य लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जानकारी और जागरूकता का प्रसार करना है।
- वर्ष 2024 का मुख्य विषय (थीम)- 'मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार' (My Health, My Right) है।
- WHO की स्थापना की वर्षगांठ के दिन मनाया जाता है।

हिंदू नववर्ष ('विक्रम संवत् 2081 ') / गुड़ीपड़वा / उगादी / चेटीचंड

- चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को हिन्दू नववर्ष के रूप में मनाया जाता है। पौराणिक मान्यता है कि इस दिन ब्रह्माजी ने सृष्टि का निर्माण किया था।
- इस दिन देश के विभिन्न राज्यों में गुड़ी पड़वा, उगादी और चैत्र नवरात्रि भी मनाए जाते हैं।
- इसका आरंभ विक्रमादित्य नामक शासक ने किया था इसलिए इसे विक्रम संवत् भी कहा जाता है।

भारत में नये साल के प्रकार

- **गुड़ी पड़वा** - मराठी नव वर्ष
- यह वसंत ऋतु का त्योहार मराठी और कोंकणी हिंदुओं के लिए नए साल की शुरुआत का प्रतीक है।
- यह त्योहार चैत्र महीने के पहले दिन मनाया जाता है।
- यह त्योहार महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गोवा और केंद्र शासित प्रदेश दादर और नगर हवेली और दमन और दीव के बीच लोकप्रिय है।

उगादी - तेलुगु नव वर्ष

- हिंदू कैलेंडर प्रणाली के अनुसार, उगादि चैत्र माह के पहले दिन मनाया जाता है।
- यह त्योहार तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक राज्यों में लोकप्रिय है।

नवरेह - कश्मीरी नव वर्ष

- नवरेह कश्मीर के हिंदुओं के लिए नव वर्ष के रूप में मनाया जाता है।
- यह त्योहार देवी शारिका को समर्पित है।

चेटीचंड

- यह सिंधी समुदाय का प्रमुख त्योहार है।
- यह वरुण देव (जल देवता) साईं झूलेलाल के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है।
- चेटीचंड सामान्यतया चैत्र शुक्ल पक्ष के पहले दिन, यानी हिंदू कैलेंडर के अनुसार चैत्र (सिंधी महीने) महीने की शुरुआत में होता है। (यह कभी-कभी दूसरे दिन भी हो सकता है।)

विश्व होम्योपैथिक दिवस

- यह प्रतिवर्ष 10 अप्रैल को मनाया जाता है।
- इसका उद्देश्य होम्योपैथिक चिकित्सा प्रणाली के बारे में जागरूकता पैदा करना है।
- यह दिवस होम्योपैथिक के संस्थापक डॉक्टर क्रिश्चियन फ्रेडरिक सैमूअल हैनिमैन के जन्मदिन के अवसर पर मनाया जाता है।
- हैनिमैन का जन्म जर्मनी में 10 अप्रैल 1755 को हुआ था।

- वर्ष 2024 का मुख्य विषय (थीम)- 'Homeoparivar: One Health, One Family' है।

महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती

- यह प्रतिवर्ष 11 अप्रैल को मनाई जाती है।
- ज्योतिबा फुले 19वीं शताब्दी के महान भारतीय विचारक और समाज सुधारक थे।
- उनका पूरा नाम जोतिराव गोविंदराव फुले था।
- इनका जन्म 11 अप्रैल, 1827 को पुणे में हुआ था।
- महात्मा फुले ने भारतीय समाज की व्याप्त छुआछूत, लैंगिक भेदभाव आदि कुरीतियों का विरोध किया।
- वह बाल-विवाह विरोधी, विधवा-विवाह और महिला शिक्षा के समर्थक थे।
- वह और उनकी पत्नी सावित्रीबाई फुले भारत में महिला शिक्षा के अग्रदूत थे।
- उन्होंने 1848 में महाराष्ट्र में पुणे के भिड़ेवाड़ा में देश का पहला बालिका विद्यालय खोला।
- वर्ष 1873 में दलितों और वंचितों को न्याय दिलाने हेतु 'सत्यशोधक समाज' संस्था का गठन किया।

राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस

- यह प्रतिवर्ष 11 अप्रैल को मनाया जाता है।
- इसका उद्देश्य गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं के मातृत्व स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता फैलाना है।
- यह दिवस मनाने वाला भारत दुनिया का पहला देश है।
- वर्ष 2024 की थीम- 'मातृ स्वास्थ्य देखभाल में समानता: कोई माँ पीछे न रहे' (Equity in Maternal Healthcare: Leaving No Mother Behind) है।

अंतरराष्ट्रीय मानव अंतरिक्ष उड़ान का दिवस

- यह प्रतिवर्ष 12 अप्रैल को मनाया जाता है।
- यह दिवस अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मानवता के लिए अंतरिक्ष युग की शुरुआत करने के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।
- बाहरी अंतरिक्ष मामलों के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (UNOOSA), बाहरी अंतरिक्ष में शांतिपूर्ण उपयोग के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देता है।
- यह दिवस सोवियत नागरिक यूरी गगारिन द्वारा पहला मानव अंतरिक्ष उड़ान भरने की स्मृति में मनाया जाता है।
- यूरी गगारिन ने 12 अप्रैल 1961 को पहली मानव अंतरिक्ष उड़ान भरी थी। उन्होंने वोस्टॉक नामक अंतरिक्ष-यान से यह उड़ान भरी थी।

वैसाखी

- यह प्रतिवर्ष 13 या 14 अप्रैल को मनाया जाता है।
- वैसाखी को खालसा पंथ की स्थापना दिवस के रूप में मनाते हैं तथा यह कृषि से जुड़ा त्योहार भी है।
- वैसाखी को विसाखी या बैसाखी के नाम से भी जाना जाता है।
- सौर कैलेंडर के अनुसार, सिख समुदाय के लोग इसे नव वर्ष के रूप में मनाते हैं।
- वैसाखी को असम में 'बिहू', बंगाल में 'नवा वर्षा', केरल में 'पूरम विशु' कहते हैं।

अंबेडकर जयंती

- यह प्रतिवर्ष 14 अप्रैल को मनाई जाती है।
- डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर ने जीवन भर समानता के लिए संघर्ष किया, इसलिए उनका जन्मदिन भारत में 'समानता दिवस' के रूप में मनाया जाता है।
- इनका जन्म 14 अप्रैल, 1891 को मध्य प्रदेश के महु में हुआ था।
- दलित वर्गों की समस्याओं के समाधान के लिए 03 अप्रैल, 1927 को 'बहिष्कृत भारत' समाचारपत्र की शुरुआत की।
- उन्होंने ब्रिटिश सरकार द्वारा आयोजित तीनों गोलमेज सम्मेलनों में भाग लिया।
- वर्ष 1932 में दलितोत्थान हेतु डॉ. अंबेडकर ने महात्मा गांधी के साथ "पूना पैक्ट" पर हस्ताक्षर किये।
- 15 अगस्त, 1936 को, उन्होंने दलित वर्गों के हितों की रक्षा करने के लिए "स्वतंत्र लेबर पार्टी" का गठन किया।
- 1946 में, उन्हें बंगाल के जैसर कुलना से संविधान सभा के लिए चुना गया, लेकिन जैसर कुलना के पाकिस्तान में शामिल होने के बाद वे बम्बई से संविधान सभा हेतु चुने गए।
- वह प्रारूप समिति के अध्यक्ष थे और उन्हें 'भारतीय संविधान के जनक' भी कहा जाता है।
- डॉ. अंबेडकर वर्ष 1947 में स्वतंत्र भारत के पहले मंत्रिमंडल में कानून मंत्री बने।
- वर्ष 1990 में भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से भी सम्मानित किया गया था।

विश्व चगास रोग दिवस

- यह प्रतिवर्ष 14 अप्रैल को विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) द्वारा मनाया जाता है।
- इसका मुख्य उद्देश्य चगास रोग के सन्दर्भ में जागरूकता फैलाना है।

- इस वर्ष 2024 की थीम : चगास रोग से निपटना: शीघ्र पता लगाना और जीवन की देखभाल करना (Tackling Chagas disease: detect early and care for life) है।

विश्व क्वांटम दिवस 2024

- यह प्रतिवर्ष 14 अप्रैल को मनाया जाता है।
- यह दिवस हमें प्रकृति को उसके सबसे मौलिक स्तर पर समझने में मदद करता है, जिससे हमें प्रौद्योगिकियों को विकसित करने में मदद की है।

हिमाचल दिवस

- यह प्रतिवर्ष 15 अप्रैल को मनाया जाता है।
- 15 अप्रैल 1948 को 30 रियासतों को मिलाकर हिमाचल को केंद्रशासित प्रदेश बनाया गया था।
- 'हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम-1971' के अन्तर्गत इसे भारत का 18वाँ राज्य का दर्जा दिया गया था।
- यह 25 जनवरी, 1971 को पूर्ण राज्य बना गया था। प्रत्येक वर्ष 25 जनवरी को हिमाचल प्रदेश का स्थापना दिवस (Foundation Day of Himachal Pradesh) मनाया जाता है।

विश्व कला दिवस

- यह प्रतिवर्ष 15 अप्रैल को मनाया जाता है।
- इसका उद्देश्य ललित कला संरक्षण के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाना है।
- इस दिन को इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ आर्ट (IAA) द्वारा घोषित किया गया था।

ललित कला

- गीत, संगीत, नृत्य, नाट्य, और विभिन्न प्रकार की ऐसी चित्रकलाएँ जिसमें हम अपने मनोभाव को प्रगट करते हैं, ललित कलाएँ कहलाती हैं।

विश्व हीमोफीलिया दिवस (World Hemophilia Day)

- यह प्रतिवर्ष 17 अप्रैल को वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ हीमोफीलिया द्वारा मनाया जाता है।
- इसका उद्देश्य हीमोफीलिया और अन्य वंशानुगत रक्तस्राव विकारों के बारे में लोगों को जागरूक करना है।
- वर्ष 2024 की थीम 'सभी के लिए समान पहुंच: सभी रक्तस्राव विकारों को पहचानना' ('Equitable access for all : recognizing all bleeding disorders') है।

विश्व धरोहर दिवस (World Heritage Day 2024)

- यह प्रतिवर्ष 18 अप्रैल को मनाया जाता है।
- इसका उद्देश्य विश्व में धरोहरों के साथ कला, साहित्य और संस्कृति को बढ़ावा देना है।

- वर्ष 2024 की थीम "Discover and experience diversity" (विविधता की खोज और उसका अनुभव करना) है।
- भारत में वर्तमान में 42 UNESCO विश्व धरोहर हैं।
- शांति निकेतन (पश्चिम बंगाल) (2023) और होयसल के मंदिर समूह (कर्नाटक) (2023) भारत के नवीनतम विश्व धरोहर स्थल हैं।

राजस्थान के विश्व धरोहर स्थल

- केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान (1985)
- जंतर मंतर (2010)
- राजस्थान के 6 पहाड़ी किलों (2013)
 1. गागरोण का किला
 2. आमेर किला
 3. चित्तौड़ का किला
 4. कुंभलगढ़ का किला
 5. रणथंभौर का किला
 6. जैसलमेर का किला
- जयपुर का परकोटा (2019)
- नोट: अहमदाबाद के बाद जयपुर भारत का दूसरा शहर है, जिसे यूनेस्को ने विश्व धरोहर का दर्जा दिया।

विश्व यकृत दिवस

- यह प्रतिवर्ष 19 अप्रैल को मनाया जाता है।
- इसका उद्देश्य यकृत संबंधित रोगों के बारे में जागरूकता फैलाना है।

राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस (National Civil Services Day)

- भारत में यह दिवस प्रतिवर्ष 21 अप्रैल को मनाया जाता है।
- इस दिन, चयनित सिविल सेवकों को राष्ट्र की सेवा में योगदान के लिए लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार प्रदान किया जाता है।
- स्वतंत्र भारत के पहले गृहमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल ने 21 अप्रैल 1947 को सिविल सेवकों के पहले बैच को दिल्ली स्थित मेटकाफ हाउस में संबोधित किया था।
- सरदार पटेल ने सिविल सेवकों को 'भारत का स्टील फ्रेम' कहा था।
- यह दिवस पहली बार 21 अप्रैल 2006 को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में मनाया गया।
- सत्येंद्र नाथ टैगोर ब्रिटिश काल में सिविल सेवा में चयनित होने वाले पहले भारतीय थे।
- भारत में सिविल सेवा की शुरुआत वारेन हेस्टिंग्स ने की थी।
- देश में सिविल सेवाओं के सुधार और आधुनिकीकरण में योगदान के लिए चार्ल्स कार्नवालिस को 'भारतीय सिविल सेवा का जनक' कहा जाता है।

विश्व पृथ्वी दिवस (World Earth Day)

- यह प्रतिवर्ष 22 अप्रैल को मनाया जाता है।
- इसका उद्देश्य पृथ्वी के महत्व के प्रति लोगों को जागरूक करना, पर्यावरण संरक्षण और स्थिरता को बढ़ावा देना है।
- वर्ष 2024 की थीम 'प्लेनेट वर्सेज प्लास्टिक (Planet vs Plastic)' है।
- वर्ष 2009 में संयुक्त राष्ट्र ने 22 अप्रैल को 'अंतर्राष्ट्रीय मातृ पृथ्वी दिवस (International Mother Earth Day)' के रूप में घोषित किया।
- यह दिवस पहली बार वर्ष 1970 में मनाया गया।

विश्व पुस्तक और कॉपीराइट दिवस

- यह प्रतिवर्ष 23 अप्रैल को मनाया जाता है।
- यह दिन पढ़ने, किताबें लिखने, अनुवाद, प्रकाशन और कॉपीराइट के प्रति प्रेम को बढ़ावा देने के लिए मनाया जाता है।
- UNESCO प्रत्येक वर्ष विश्व पुस्तक राजधानी (World Book Capital) नामित करता है।
- यह पुस्तक राजधानी 23 अप्रैल से 1 वर्ष की अवधि के लिए रहती है।
- इस वर्ष फ्रांस के स्ट्रासबर्ग (Strasbourg, France) को 'विश्व पुस्तक राजधानी 2024' के रूप में नामित किया गया है।
- वर्ष 2024 में इसका मुख्य विषय (थीम)- 'रीड योर वे' (Read Your Way) है।

संयुक्त राष्ट्र अंग्रेजी और स्पेनिश भाषा दिवस

- यह प्रतिवर्ष 23 अप्रैल को मनाया जाता है।
- भाषा दिवस को मनाने का उद्देश्य बहु-भाषावाद तथा सांस्कृतिक विविधता को बढ़ावा देना है।
- 23 अप्रैल को अंग्रेजी के मशहूर विलियम शेक्सपियर का जन्म हुआ था और उनकी मृत्यु भी इसी दिन हुई थी। इसलिए संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (UNESCO) ने 23 अप्रैल को अंग्रेजी भाषा दिवस के तौर पर चुना।

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस

- यह प्रतिवर्ष 24 अप्रैल को मनाया जाता है।
- इसका उद्देश्य सामाजिक न्याय और समावेशी विकास को बढ़ावा देने में स्थानीय शासन के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।
- 73वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1992 के तहत पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा दिया गया।
- यह अधिनियम 24 अप्रैल, 1993 को लागू हुआ था, इस उपलब्धि को रेखांकित करने हेतु यह दिवस मनाया जाता है।
- पहला राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस 24 अप्रैल 2010 को मनाया गया।

विश्व मलेरिया दिवस

- यह प्रतिवर्ष 25 अप्रैल को मनाया जाता है।
- इसका उद्देश्य मलेरिया के बारे में जागरूकता बढ़ाना और इससे बचाव के उपायों हेतु लोगों को प्रोत्साहित करना है।
- वर्ष 2024 की थीम 'अधिक न्यायसंगत दुनिया के लिए मलेरिया के खिलाफ लड़ाई में तेजी लाना' ('Accelerating the fight against malaria for a more equitable world') है।

विश्व बौद्धिक संपदा दिवस 2022

- यह प्रतिवर्ष 26 अप्रैल को मनाया जाता है।
- इसका उद्देश्य नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देने और बौद्धिक संपदा अधिकारों के बारे में जागरूकता फैलाना है।
- वर्ष 2024 की थीम: 'आईपी और एसडीजी: नवाचार और रचनात्मकता के साथ हमारे साझा भविष्य का निर्माण' (IP and the SDGs: Building Our Common Future with Innovation and Creativity) है।

विश्व टीकाकरण सप्ताह 2024: 24-30 अप्रैल

- यह प्रतिवर्ष अप्रैल के आखिरी सप्ताह में विश्व टीकाकरण सप्ताह मनाया जाता है।
- इसका मुख्य उद्देश्य लोगों को बीमारी से बचाने के लिए टीकों के उपयोग को बढ़ावा देना है।
- विश्व टीकाकरण सप्ताह 2024 का विषय 'मानवीय रूप से संभव: टीकाकरण के माध्यम से जीवन बचाना' है।
- भारत सरकार ने भारत में टीकाकरण का दायरा बढ़ाने के लिए मिशन इंद्रधनुष लॉन्च किया था।

अंतर्राष्ट्रीय नृत्य दिवस 2024

- यह प्रतिवर्ष 29 अप्रैल को मनाया जाता है।
- यह दुनिया भर में लोगों को विभिन्न नृत्य शैलियों के बारे में प्रोत्साहित और शिक्षित करता है।
- यह आधुनिक बैले के निर्माता जीन-जॉर्जेस नोवरे की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।
- जीन-जॉर्जेस नोवरे एक फ्रांसीसी नर्तक थे। उन्हें समकालीन बैले के जनक के रूप में पहचाना जाता है।

13

सार : योजना - कुरुक्षेत्र

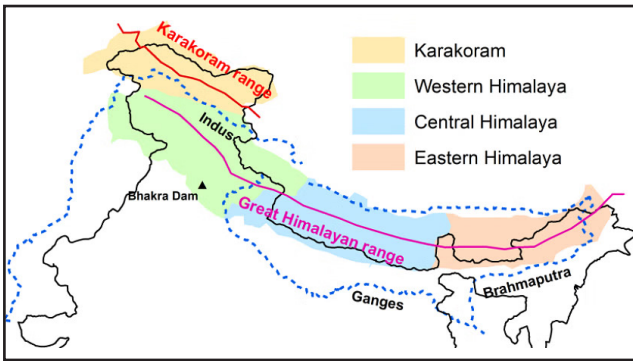
योजना

भू-वैज्ञानिक पारिस्थितिकी तंत्र

- भारत दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश है यह भौगोलिक रूप से समृद्ध और इसमें भू-वैज्ञानिक विविधता है, जिसमें शक्तिशाली हिमालय से लेकर (जो दुनिया की सबसे ऊँची पर्वत श्रृंखलाओं में से एक है), विशाल हिंद महासागर की देखरेख करने वाले निचले तटीय मैदानों तक फैला हुआ है। इसके भू-वैज्ञानिक भू-भाग में अरबों वर्ष पहले, पृथ्वी के निर्माण की शुरुआत में बने आर्कियन युग से लेकर, कुछ हजार साल पहले जमा हुए नदी जलोढ़ तक की चट्टानें हैं।

भारत के भूवैज्ञानिक प्रभाग

1. हिमालय



- **विवरण:** विश्व की सबसे ऊँची पर्वत श्रृंखला, भारतीय भूभाग को तिब्बती पठार से अलग करती है।
- **निर्माण:** भारतीय प्लेट के यूरेशियन प्लेट से टकराने के परिणामस्वरूप भारतीय उपमहाद्वीप के उत्तरी किनारे एक बड़ी वलित पर्वत प्रणाली का निर्माण हुआ।
- **विस्तार:** पश्चिम-उत्तर-पश्चिम से पूर्व-दक्षिण-पूर्व दिशा तक एक चाप के रूप में लगभग 2,400 किमी तक चलता है, जो पांच दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों में फैला हुआ है।
- **चौड़ाई:** पश्चिम में 350 किमी से लेकर पूर्व में 150 किमी तक।
- **4 समानांतर पर्वत श्रृंखलाएँ:** शिवालिक पहाड़ियाँ, निचली हिमालय श्रृंखला या हिमाचल, महान हिमालय श्रृंखला या हिमाद्रि, और दक्षिण से उत्तर तक तिब्बती हिमालय।

- प्रमुख चोटियाँ: माउंट एवरेस्ट, कंचनजंगा, नंगा पर्वत, आदि।
- प्रमुख ग्लेशियर: गंगोत्री ग्लेशियर और सतोपंथ ग्लेशियर
- महत्व:
 - हिमालय के ग्लेशियर उत्तर भारत की नदियों के लिए ताजे पानी का स्रोत हैं।
 - गर्म पानी के झरनों और भूतापीय विसंगतियों की पहचान की गई है जो उपसतह ताप स्रोतों की उपस्थिति का संकेत देते हैं जिनका उपयोग बिजली उत्पादन के लिए किया जा सकता है।

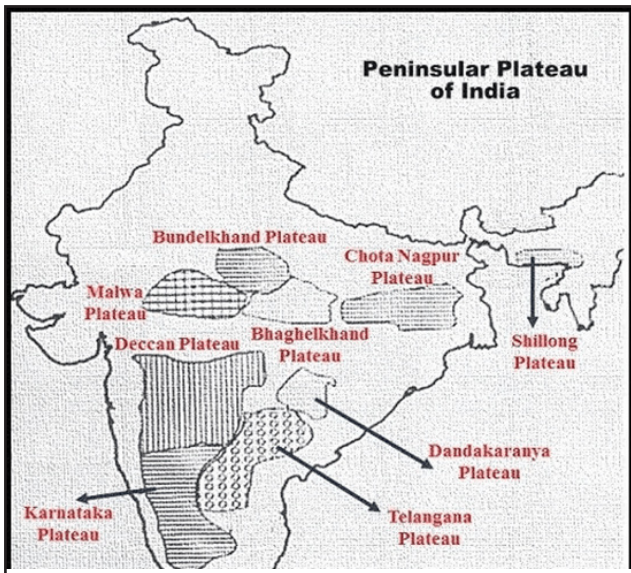
2. उत्तरी मैदान/भारत का महान मैदान

- **विवरण:** दुनिया के सबसे व्यापक जलोढ़ क्षेत्रों में से एक।
- **विस्तार:** यह पश्चिम से पूर्व तक लगभग 2400 किमी और उत्तर से दक्षिण तक 240 से 320 किमी तक फैला है।
- **निर्माण:** हिमालय के उत्थान से उत्पन्न होने वाली नदियों द्वारा लाए गए तलछट द्वारा, और एक अग्रभूमि बेसिन में जमा हुआ है।
- **सामान्य ढाल:** उत्तर-पूर्व से दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण
- **उत्तरी मैदानों के भाग:**
 - **भाबर:** जैसे-जैसे हिमालय से निकलने वाली नदियाँ पहाड़ियों से नीचे उतरती हैं, उनका वेग कम हो जाता है और वे अपने सघन और मोटे तलछट के अंश को लगभग 8 - 16 किमी चौड़ी एक संकीर्ण, छिद्रपूर्ण, पतली पट्टी जमा कर देती हैं। भाबर बेल्ट में सरंधता के कारण जलधाराएँ भूमिगत हो जाती हैं।
 - **तराई:** यहाँ भाबर बेल्ट में भूमिगत हो जाने वाली धाराएँ फिर से सतह पर आ जाती हैं। यह एक खराब जल निकासी वाला, गीला, दलदली और घने जंगलों वाला संकरा ट्रैक है, जो भाबर के समानांतर लगभग 15-30 किमी तक फैला हुआ है। इसमें कुछ प्रसिद्ध राष्ट्रीय उद्यान हैं जैसे कि उत्तराखंड में जिम कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान और असम में काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान।



- **भांगर:** पुराना जलोढ़ जो बाढ़ के मैदान के ऊपर एक परत बनाता है और अक्सर चूनेदार पत्थर जैसे कंकड़ से ढका रहता है।
- **खादर:** नदी के किनारे बाढ़ के मैदान जो नये जलोढ़ से बने होते हैं, जो हर साल पुनः भर जाने वाले नए जलोढ़ से बना होता है।
- **महत्त्व:** वे उपजाऊ जलोढ़ मिट्टी प्रदान करते हैं जो कृषि गतिविधियों का समर्थन करती है और रेत का उपयोग भवन निर्माण के लिए निर्माण सामग्री के रूप में किया जाता है।
- **सुंदरबन:** उत्तरी मैदानी इलाकों की नदियां तलछट जमाव से भरी हुई हैं, मुहाने पर उनका तलछट दुनिया में सबसे बड़ा डेल्टा बनाता है जिसे 'सुंदरबन' कहा जाता है। यह ज्वारीय जलमार्गों, कीचड़ वाले मैदानों और लवणयुक्त मैंग्रोव वनों के छोटे द्वीपों के एक जटिल नेटवर्क द्वारा चिह्नित है और पारिस्थितिक प्रक्रियाओं का एक उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करता है। मैंग्रोव वन उष्णकटिबंधीय चक्रवातों और सुनामी के विरुद्ध प्राकृतिक बाधाएँ प्रस्तुत करते हैं।

3. प्रायद्वीपीय पठार



- **विवरण:** भारतीय भूभाग की सबसे बड़ी भौगोलिक इकाई जिसमें एक टेबल-लैंड प्रकार की स्थलाकृति है।
- **औसत ऊंचाई:** समुद्र तल से लगभग 900-1200 मीटर की ऊंचाई से चिह्नित है, जो कई नदियों द्वारा विच्छेदित है तथा जो व्यापक घाटियों का निर्माण करती है।
- **आकार:** यह अवशिष्ट पहाड़ियों वाला एक ऊबड़-खाबड़ क्षेत्र है, जो लाखों और अरबों साल पहले बनी पर्वत श्रृंखलाओं के अपक्षय से बना है।
- **विस्तार:** यह पठार पश्चिम में अरावली पर्वतमाला से लेकर पूर्व में छोटा नागपुर पठार तक फैला हुआ है।
- **प्रमुख पर्वत श्रेणियाँ:** विन्ध्य, सतपुड़ा, महादेव, मैकाल और सरगुजा पर्वतमाला के साथ-साथ पश्चिमी और पूर्वी घाट
- **चट्टानी संरचना:** आग्नेय और रूपांतरित मूल की कठोर क्रिस्टलीय चट्टानें
- **प्रमुख खनिज:** लोहा, बॉक्साइट, अभ्रक, सोना, ताँबा, मैगनीज
- **प्रमुख खदानें:** कोलार, हट्टी, बैलाडीला सिंहभूम, कोरबा, मलाजखंड आदि
- **महत्त्व:**
 - गोंडवाना कोयला भंडार का अधिकांश हिस्सा भारत के प्रायद्वीपीय पठार में पाए जाते हैं।
 - इस क्षेत्र में चूना पत्थर का प्रचुर भंडार है जो सीमेंट उद्योग में उपयोग किया जाने वाला एक प्रमुख कच्चा माल है।
 - प्रायद्वीपीय पठार के दक्कन बेसाल्ट का सड़क धातु के रूप में उपयोग करने के लिए कई स्थानों पर उत्खनन किया जा रहा है।
 - पठार में विभिन्न अन्य खनिज वस्तुओं जैसे क्रोमाइट, सीसा, जस्ता, जिप्सम आदि के भंडार भी हैं।
 - पठार का एक बड़ा हिस्सा उपजाऊ काली मिट्टी से ढका हुआ है जो कपास उत्पादन के लिए बेहद उपयोगी है।
 - प्रायद्वीपीय भारत के कुछ निचले पहाड़ी क्षेत्र चाय, कॉफी, रबर आदि फसलों की खेती के लिए उपयुक्त है।
 - प्रायद्वीपीय भारत की नदियों, जल निकासी द्वारा लाए गए जलोढ़ से निर्मित उपजाऊ तटीय मैदान तटीय क्षेत्रों में कृषि का समर्थन करते हैं।
 - तटीय क्षेत्रों की रेत थोरियम युक्त मोनाजाइट से समृद्ध है जो भारत की परमाणु परियोजनाओं को शक्ति प्रदान करने की क्षमता रखती है।

4. थार रेगिस्तान/ महान भारतीय रेगिस्तान



- **विवरण:** एक विशाल शुष्क क्षेत्र, जो भारतीय उपमहाद्वीप के उत्तर-पश्चिमी भाग में स्थित है जिसमें रेत के टीले, चट्टानी भूभाग, नमक के मैदान और विरल वनस्पति शामिल हैं।
- **बरखान:** रेत के टीले, जो 150 मीटर तक की ऊंचाई तक पहुंच सकते हैं और हवा के साथ लगातार बदलते रहते हैं
- **नाला:** रेगिस्तान में शुष्क नदी तल भी हैं जो कभी-कभी मानसून के मौसम में पानी से भर जाते हैं।
- **महत्व:**
 - अपनी कठोर परिस्थितियों के बावजूद, यह रेगिस्तानी जीवन के लिए अनुकूलित, विशेष पौधों और जानवरों की प्रजातियों के साथ एक अद्वितीय पारिस्थितिकी तंत्र का समर्थन करता है।
 - यह क्षेत्र तेल भंडार से समृद्ध है और यह बाड़मेर बेसिन में भारत के सबसे बड़े तटवर्ती तेल क्षेत्रों में से एक है।
 - यह क्षेत्र दुनिया के सबसे बड़े नमक दलदलों में से एक है जिसे 'ग्रेट रन ऑफ कच्छ' कहा जाता है।

5. द्वीप

- अंडमान और निकोबार द्वीप समूह



- **विवरण:** एक द्वीपसमूह का निर्माण करता है, जिसमें लगभग 572 द्वीप शामिल हैं, जिनमें से केवल 37 ही बसे हुए हैं।
- **विशेषताएँ:** प्राचीन समुद्र तट, हरे-भरे उष्णकटिबंधीय जंगलों और विविध समुद्री जीवन
- **प्रकृति:** ये द्वीप श्रृंखलाएँ मुख्य रूप से ज्वालामुखीय मूल की हैं, जो प्लेटों की गति के कारण लावा के विस्फोट से बनती हैं।
- **ज्वालामुखी :** अंडमान सागर में बैरेन द्वीप भारत का एकमात्र सक्रिय ज्वालामुखी है ।
- **भूखण्ड:** द्वीप के अत्यधिक ऊबड़-खाबड़ भूखण्ड के लिए एपिसोडिक लावा प्रवाह जिम्मेदार हैं।

● लक्षद्वीप

- **स्थिति:** भारत के पश्चिमी तट पर द्वीपों का एक अन्य प्रमुख समूह लक्षद्वीप है, जो 36 द्वीपों का एक द्वीपसमूह है।
- **प्रकृति:** ये मुख्य रूप से अद्वितीय समुद्री वनस्पतियों और जीवों वाले मूंगा द्वीप हैं। अंडमान और निकोबार और लक्षद्वीप द्वीप समूह भी भारत के पर्यटन स्थल हैं, जो भारत में पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देते हैं।

चोटियों से घाटियों तक: पश्चिमी घाट का एक समग्र अन्वेषण

- पश्चिमी घाट को एक वैश्विक जैव विविधता तप्तस्थल (Hotspot) माना जाता है और अक्सर इसे भारत के ऊंचे क्षेत्र को अलग करने वाली तेज ढाल के रूप में भी जाना जाता है, इसे यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल का प्रतिष्ठित पद भी प्राप्त है। पश्चिमी घाट, जिसे सह्याद्रि पर्वत श्रृंखला के रूप में भी जाना जाता है, उत्तर में ताप्ती नदी से लेकर दक्षिण में कन्याकुमारी तक 8° 22°N के अक्षांशीय विस्तार तक फैला हुआ है। इसमें छह राज्यों के क्षेत्र शामिल हैं: गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु, और एक केंद्र शासित प्रदेश (दादरा और नगर हवेली)।

पश्चिमी घाट का विभाजन

- **कोंकण तट:** यह क्षेत्र गुजरात से महाराष्ट्र तक फैला हुआ है। और पश्चिमी घाट के सबसे निचले और कम ऊबड़-खाबड़ हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है।
- **कन्नड़ तट:** कर्नाटक से केरल तक फैले हुए हैं और पश्चिमी घाट के सबसे ऊँचे और सबसे ऊबड़-खाबड़ हिस्से का प्रतिनिधित्व करते हैं।

- **मालाबार तट** : केरल से तमिलनाडु तक फैला हुआ है और पश्चिमी घाट के सबसे विच्छेदित खंड का प्रतिनिधित्व करता है।

पश्चिमी घाट के विभिन्न नाम

- **सह्याद्रि**: सह्याद्रि का अर्थ है 'सह्या का निवास' (एक पौराणिक वर्षा नाग), जिसे इसके हरे-भरे परिदृश्य के कारण 'परोपकारी पर्वत' भी कहा जाता है। यह श्रृंखला उत्तर में गुजरात से लेकर दक्षिण में महाराष्ट्र और कर्नाटक तक फैली हुई है।
- **नीलगिरि पहाड़ियाँ** : 'नीले पहाड़ों' को दर्शाने वाले पश्चिमी घाट के सबसे दक्षिणी भाग कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु के संगम स्थल पर स्थित है।
- **सह्यपर्वतम**: मलयालम में, यह शब्द 'सह्य पर्वत' के रूप में अनुवादित होता है और आमतौर पर इस नाम का उपयोग केरल में, विशेष रूप से पर्वतमाला के दक्षिणी इलाकों में होता है।
- **इलाइची की पहाड़ियाँ**: केरल तमिलनाडु सीमा पर स्थित, इन पहाड़ियों का नाम इस क्षेत्र में उगाया जाने वाला एक प्रमुख मसाला पौधा 'इलायची' से लिया गया है।
- **अन्नामलाई पहाड़ियाँ**: केरल तमिलनाडु सीमा से लगे पश्चिमी घाट के दक्षिणी इलाकों में स्थित इन पहाड़ियों का नाम तमिल शब्द 'आनेई' से लिया गया है, जिसका अर्थ है 'हाथी', जो इस क्षेत्र में जंगली हाथियों की उपस्थिति का प्रतीक है।

पश्चिमी घाट का महत्व

- **प्रमुख नदियों का उद्गमक्षेत्र**: गोदावरी, कृष्णा, कावेरी और तुंगभद्रा सहित कई प्रमुख नदियाँ लाखों लोगों को सिंचाई, पीने और जल विद्युत उत्पादन के लिए पानी उपलब्ध कराती हैं।
- **जलवायु नियंत्रण**: ये पर्वत बरसाती हवाओं में रुकावट डालकर, उन्हें दक्कन के पठार तक पहुंचने से रोककर ठंडी, शुष्क स्थितियों को बनाए रखता है और भारत की जलवायु को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- **खनिज संसाधन**: लौह अयस्क, मैंगनीज, बॉक्साइट, चूना पत्थर आदि
- **जैव विविधता**: पश्चिमी घाट वैश्विक स्तर पर जैवविविधता के उच्चतम स्तरों में से एक है। कुल 4,000 संवहनी पौधों की प्रजातियों में से, 1,500 स्थानिक थे, जो कुल का 37.5% है। उभयचर (179 प्रजातियाँ, 65% स्थानिक), सरीसृप (157 प्रजातियाँ, 62% स्थानिक), और मछलियाँ (219 प्रजातियाँ, 53% स्थानिक), जैव समुदाय के उच्च स्तर को उजागर करते हैं।

खतरे

- **निवास स्थान का नुकसान और विखंडन**: यह मुख्य रूप से कॉफी, चाय, ताड़, रबर और अन्य फसलों की खेती से प्रेरित है। अत्यधिक कृषि उत्पादन से निवास स्थान का नुकसान हो रहा है।
- **वनों की निरंतर कमी**: बढ़ते शहरीकरण और औद्योगिक विकास के कारण वनस्पति और जीव अपने प्राकृतिक आवास खो देते हैं।
- वन्यजीवों का अवैध शिकार
- अत्यधिक मछली पकड़ना
- पशुओं की चराई प्रकृति
- विभिन्न वृक्षारोपण में कृषि रसायनों का अत्यधिक उपयोग
- पहाड़ी क्षेत्रों में रेलवे लाइनें
- खनन कार्यों और पर्यटक अवसंरचनात्मक ढाँचे का निर्माण
- **अन्य चुनौतियाँ**:
 - नीतियों का प्रभावी कार्यान्वयन करना
 - विकास को संरक्षण के साथ संतुलित करना
 - अंतरराज्यीय समन्वय सुनिश्चित करना
 - उभरते जलवायु परिवर्तन के मुद्दों को संबोधित करना

पश्चिमी घाट का संरक्षण और प्रबंधन

- **कानूनी प्रावधान**: पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम और वन अधिकार अधिनियम, पर्यावरण संवेदनशील क्षेत्र (ESZ)।
- **संस्थाएँ और एजेंसियाँ**: पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, राज्य वन विभाग और राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण।
- **विशिष्ट पहल**: संरक्षित क्षेत्र के नेटवर्क का विस्तार करना, बाघ संरक्षण के लिए प्रोजेक्ट टाइगर को लागू करना और ग्रीन इंडिया मिशन और राष्ट्रीय नदी संरक्षण योजना जैसे राष्ट्रीय मिशन।

आगे की राह

- प्राथमिकताओं में प्रवर्तन तंत्र को मजबूत करना
- सतत विकास प्रथाओं को बढ़ावा देना
- हितधारकों के बीच सहयोग बढ़ाना
- अनुसंधान और निगरानी में निवेश करना

मृदा पारिस्थितिकी तंत्र - जीवन का एक जटिल जाल

- मृदा पारिस्थितिकी तंत्र जीवों और अजैविक कारकों का एक गतिशील और विविध समुदाय है जो पृथ्वी पर जीवन को बनाए रखता है। पोषक तत्वों के चक्रण से लेकर आवास समर्थन तक, मृदा

स्थलीय पारिस्थितिकी तंत्र और मानव कल्याण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मृदा पारिस्थितिकी तंत्र के घटक और कार्य - संबंधों और फीडबैक लूप के जटिल नेटवर्क के माध्यम से जुड़े हुए हैं। पोषक तत्वों के चक्रण से लेकर आवास समर्थन तक, मिट्टी स्थलीय पारिस्थितिकी तंत्र और मानव कल्याण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है

मृदा पारिस्थितिकी तंत्र के घटक

- **भौतिक पर्यावरण:** मिट्टी के भौतिक गुण, जिसमें बनावट, संरचना और नमी की मात्रा शामिल है, मिट्टी के पारिस्थितिकी तंत्र की नींव बनाते हैं।
- **कार्बनिक पदार्थ:** मृत पौधे और पशु सामग्री के साथ-साथ सूक्ष्मजीव, कवक और केंचुए जैसे जीवित जीव मिट्टी के कार्बनिक घटक का निर्माण करते हैं।
- **सूक्ष्मजीव:** बैक्टीरिया, कवक, प्रोटोजोआ और अन्य सूक्ष्मजीव मिट्टी में प्रचुर मात्रा में हैं और पोषक चक्र, अपघटन और मिट्टी के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण हैं।
- **मैक्रोऑर्गेनिज्म:** केंचुए कीड़े, नेमाटोड और छोटे स्तनधारियों सहित बड़े जीव, मिट्टी में निवास करते हैं। और पोषक चक्र, मिट्टी वायु संचारण और मिट्टी संरचना निर्माण में विभिन्न भूमिका निभाते हैं।
- **पौधों की जड़ें:** पौधों की जड़ें मिट्टी में प्रवेश करती हैं, पौधों को बांधे रखती हैं और पानी और पोषक तत्वों को अवशोषित करती हैं।

मृदा पारिस्थितिकी तंत्र के कार्य

- **पोषक तत्व चक्रण:** मिट्टी के जीव कार्बनिक पदार्थों को विघटित करते हैं, जिससे नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटैशियम जैसे पोषक तत्व मिट्टी में उत्सर्जित होते हैं। फिर ये पोषक तत्व पौधों द्वारा ग्रहण किए जाते हैं, जिससे विकास और उत्पादकता को बढ़ावा मिलता है।
- **अपघटन:** सूक्ष्मजीव और जैविक जीव संगठन को कार्बनिक पदार्थ को तोड़ना, पोषक तत्वों को पुनर्चक्रित करना और उन्हें मिट्टी में वापस करना अपघटन प्रक्रियाएं मिट्टी की उर्वरता और कार्बनिक पदार्थ संचय में योगदान करती हैं।
- **मिट्टी का निर्माण:** मौसम और जैविक प्रक्रियाओं के माध्यम से, मिट्टी समय के साथ मूल सामग्री से विकसित होती है।
- **जल विनियमन:** मिट्टी की संरचना और कार्बनिक पदार्थ सामग्री जल रिसाव, अवधारण और जल निकासी को प्रभावित करती है, जिससे पौधों की

वृद्धि, भू-जल पुनर्भरण और बाढ़ शमन प्रभावित होता है।

- **आवास सहायता:** मिट्टी सूक्ष्म जीवाणुओं से लेकर बड़े स्तनधारियों तक, जीवों की एक विशाल श्रृंखला के लिए आवास प्रदान करती है।

पारंपरिक उपवन

- आम तौर पर उपवन छोटे वन क्षेत्र होते हैं जिन्हें स्थानीय लोगों द्वारा धार्मिक मान्यताओं, पारंपरिक भावनाओं और वर्जनाओं के माध्यम से संरक्षित किया जाता है। (रामकृष्ण 1997) और कई खतरे वाली प्रजातियों के भंडार हैं; इन्हें लोकप्रिय रूप से जीवित जैविक विरासत स्थल कहा जाता है क्योंकि इनमें समृद्ध विविधता मौजूद है। इन उपवनों का अस्तित्व पूरी दुनिया में है, जिसमें भारत के साथ-साथ एशिया, अफ्रीका, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका भी शामिल हैं।

उपवनों के प्रकार

- **मंदिर उपवन:** ये उपवन अपने धार्मिक महत्व के कारण मंदिरों से जुड़े हुए हैं; आम तौर पर, वे सरकारें, मंदिर ट्रस्ट या ग्राम समितियों द्वारा संरक्षित होते हैं। उनमें अक्सर विभिन्न प्रकार के पौधे और जानवर होते हैं। उदाहरण: फाइक्स नीम और इमली का पेड़ ।
- **पारंपरिक उपवन:** ये वे स्थान हैं जहां लोक देवता निवास करते हैं, अर्थात् आंध्र प्रदेश में पोतराजू, येल्लम्मा, पोलम्मा, मारिडिमा, तेलंगाना में सम्मक्का-सारक्का ग्राम देवथलु; केरल में कावुस, सिक्किम में गुम्पा वन, आदि। इनमें अक्सर पौधों और पशु जीवन की समृद्ध विविधता पाई जाती है।
- **धार्मिक उपवन:** जहां वे हिंदू धर्म, बौद्ध धर्म, जैन धर्म, इस्लाम धर्म और सिख धर्म से जुड़े हुए हैं। परंपरागत रूप से, इन्हें औपचारिक सरकारी कानून के बजाय धार्मिक मान्यताओं और रीति-रिवाजों के माध्यम से स्थानीय समुदायों द्वारा संरक्षित किया जाता है।
- **द्विपीय उपवन:** द्विपीय उपवनों को आवास प्रकार - विशिष्ट पारिस्थितिक महत्व के आधार पर वर्गीकृत किया जा सकता है, उदाहरण के लिए, आंध्र प्रदेश में मैंग्रोव और तटीय / रेवेरी क्षेत्र।
- **कब्र / श्मशान / स्मारक उपवन:** कब्र के स्थानों से जुड़े उपवनों को लोकप्रिय रूप से स्मारक उपवन कहा जाता है। उन उपवनों को मृतकों के प्रति श्रद्धा के स्थान के रूप में देखा जाता है और माना जाता है कि उनमें पूर्वजों की आत्माएं निवास करती हैं।

उपवनों का महत्व

- **पारिस्थितिक तंत्र की सुरक्षा:** उपवन अक्सर संरक्षित क्षेत्रों के रूप में कार्य करते हैं, जो पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली मानवीय गतिविधियों को प्रतिबंधित करके जैव विविधता की रक्षा करते हैं।
- **पारंपरिक ज्ञान:** उपवनों का प्रबंधन करने वाले स्थानीय समुदायों को अक्सर स्थानीय पारिस्थितिकी और पीढ़ियों से चली आ रही पारंपरिक प्रथाओं की गहरी समझ होती है।
- **जैव विविधता संरक्षण:** उपवन पौधों और पशु प्रजातियों की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए आश्रय के रूप में कार्य कर सकते हैं, खासकर उन क्षेत्रों में जहाँ निवास स्थान का नुकसान एक बड़ा खतरा है।
- **सांस्कृतिक संरक्षण:** इन्हें अक्सर देवताओं या आत्माओं के निवास स्थान के रूप में देखा जाता है, और धार्मिक समारोहों और अनुष्ठानों के लिए उपयोग किया जाता है।
- **सामुदायिक सशक्तीकरण:** इन क्षेत्रों के संरक्षण का समर्थन करने से इन समुदायों को सशक्त बनाने में मदद मिल सकती है और उन्हें अपने प्राकृतिक संसाधनों के बारे में निर्णय लेने में बड़ी भूमिका मिल सकती है।
- **पर्यावरणीय लाभ:** वे किसी क्षेत्र के पारिस्थितिक संतुलन को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उपवनों में मौजूद पेड़ और अन्य वनस्पतियाँ मिट्टी के कटाव को रोकने और स्वच्छ हवा प्रदान करने में मदद करती हैं।
- **सामुदायिक संरक्षण:** सामुदायिक संरक्षण का मूल सिद्धांत जैव विविधता की रक्षा करना, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करना और भविष्य के संरक्षण के लिए प्राकृतिक संसाधनों का स्थायी प्रबंधन करना है।

उपवनों का प्रबंधन

- **वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972:** यह राज्य सरकार को वनस्पतियों, पारंपरिक मूल्यों और प्रथाओं की रक्षा के लिए किसी भी निजी या सामुदायिक भूमि को सामुदायिक आरक्षित घोषित करने का अधिकार देता है।
- **वन्यजीव (संरक्षण) संशोधन अधिनियम, 2002:** इसने 'सामुदायिक रिजर्व' की अवधारणा पेश की, जिसका उपयोग समुदाय-संरक्षित भूमि पर पवित्र उपवनों को सरकारी सुरक्षा प्रदान करने के लिए किया जा सकता है।

- **जैविक विविधता अधिनियम 2002 (जैविक विविधता (संशोधन) अधिनियम, 2002) के तहत उठाए गए कदम:**
 - पुष्प और जीव-जंतु संसाधनों का सर्वेक्षण, आविष्कार, वर्गीकरण सत्यापन और खतरे का आकलन;
 - वनों की योजना और निगरानी के साथ-साथ संरक्षण और सुरक्षा के लिए एक सटीक डेटाबेस विकसित करने का आकलन;
 - राष्ट्रीय उद्यानों, वन्यजीव अभयारण्यों, संरक्षण और सामुदायिक अभयारण्यों के संरक्षित क्षेत्र नेटवर्क की स्थापना;
 - प्रतिनिधि पारिस्थितिक तंत्र के संरक्षण के लिए बायोस्फीयर रिजर्व को नामित करना;
 - प्रोजेक्ट टाइगर, प्रोजेक्ट एलिफेंट, प्रोजेक्ट डॉल्फिन जैसे प्रजाति उन्मुख कार्यक्रमों का उपक्रम;
 - देश के 10 जैव-भौगोलिक क्षेत्रों में पूर्व-स्थिति संरक्षण प्रयासों के साथ क्रियान्वित।
- **संवैधानिक प्रावधान:**
 - **अनुच्छेद 25 (1):** यह अनुच्छेद अंतरात्मा की स्वतंत्रता और धर्म का अभ्यास और प्रचार करने के अधिकार की गारंटी देता है। यह अधिकार उपवनों से जुड़ी प्रथाओं की सुरक्षा तक फैला हुआ है, जब तक कि वे दूसरों के अधिकारों का उल्लंघन नहीं करते हैं।
 - **अनुच्छेद 48A:** राज्य को पर्यावरण की रक्षा और सुधार करने तथा देश के वनों और वन्यजीवों की सुरक्षा करने का निर्देश देता है। इसे उपवनों की सुरक्षा के लिए एक अप्रत्यक्ष आदेश प्रदान करने के रूप में देखा जा सकता है, क्योंकि वे पर्यावरण और सांस्कृतिक महत्व दोनों का प्रतिनिधित्व करते हैं।
 - **अनुच्छेद 51A:** यह अनुच्छेद प्रत्येक नागरिक पर पर्यावरण की रक्षा और सुधार करने और इन उपवनों में निहित प्रकृति के प्रति सम्मान को दर्शाते हुए जीवित प्राणियों के प्रति दया रखने का मौलिक कर्तव्य आरोपित करता है।
- **राष्ट्रीय संस्थाएं:**
 - **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MOEFCC):** भारत में पारंपरिक उपवनों के महत्व और संरक्षण को मान्यता देता है।
 - **राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण (NBA):** भारत के जैविक विविधता अधिनियम (2002) को लागू करने के लिए स्थापित,

जिसका मुख्यालय चेन्नई, तमिलनाडु में है। यह एक वैधानिक निकाय है और जो संरक्षण, जैविक संसाधनों के सतत उपयोग और जैविक विविधता पर सम्मेलन में उनके उपयोग से उत्पन्न होने वाले लाभों के उचित और न्यायसंगत बंटवारे के मुद्दे पर भारत सरकार के लिए सुविधाजनक, विनियामक और सलाहकार का कार्य करता है।

- **राज्य जैव विविधता बोर्ड:** राज्य स्तर पर
- **जैव विविधता प्रबंधन समितियाँ (BMC):** स्थानीय स्तर पर
- **अंतरराष्ट्रीय संगठन**
 - **संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP):** पारंपरिक ज्ञान और जैव विविधता संरक्षण पर केंद्रित।
 - **संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (UNESCO):** 'विश्व विरासत स्वदेशी जन' पर एक कार्यक्रम है जो सांस्कृतिक विरासत और जैव विविधता संरक्षण के लिए पारंपरिक उपवनों के महत्व को पहचानता है।
 - **विश्व वन्यजीव कोष फॉर नेचर (WWF):** उन परियोजनाओं को वित्त पोषित किया है जो दुनिया भर में इन उपवनों के संरक्षण का समर्थन करते हैं।
 - **विश्व संरक्षण संघ (IUCN):** एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है जो संरक्षण के मुद्दों पर काम करने के लिए सरकारों और गैर सरकारी संगठनों को एक साथ लाता है और पारंपरिक उपवनों सहित पवित्र स्थलों के प्रबंधन के लिए कई दिशानिर्देश विकसित किए हैं।
 - **जैविक विविधता पर कन्वेंशन (CBD) :** पवित्र प्राकृतिक स्थलों के महत्व को स्वीकार करता है और सरकारों, स्वदेशी और स्थानीय समुदायों और अन्य हितधारकों के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करता है, जिससे जैव विविधता संरक्षण के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने में मदद मिलती है।

जैव विविधता विरासत स्थल

- **विवरण:** जैविक विविधता अधिनियम, 2002 की धारा 37 (1) के तहत मान्यता प्राप्त, राज्य सरकार समय-समय पर, स्थानीय निकायों के परामर्श से, जैव विविधता महत्व के क्षेत्रों को जैव विविधता विरासत स्थल के तौर पर आधिकारिक राजपत्र में अधिसूचित कर सकती है।

- **विशेषताएँ:** वे स्थल जो अद्वितीय पारिस्थितिक रूप से नाजुक पारिस्थितिक तंत्र हैं स्थलीय, तटीय और अंतर्देशीय जल और समुद्री, जिनमें निम्नलिखित घटकों में से किसी एक या अधिक से युक्त समृद्ध जैव विविधता है:
 - जंगली और साथ ही पालतू प्रजातियों या अंतर - विशिष्ट श्रेणियों की समृद्धि
 - उच्च स्थानिकवाद
 - दुर्लभ और संकटग्रस्त प्रजातियों की उपस्थिति
 - प्रमुख प्रजातियाँ
 - विकासवादी महत्व की प्रजातियाँ
 - घरेलू / खेती की गई प्रजातियों या उनकी किस्मों के जंगली पूर्वज
 - जीवाश्म बिस्तरों द्वारा दर्शाए गए जैविक घटकों की पूर्व - उत्कृष्टता
 - सांस्कृतिक, नैतिक या सौंदर्यात्मक मूल्य
 - सांस्कृतिक विविधता के रखरखाव के लिए महत्वपूर्ण, चाहे उनके साथ मानव जुड़ाव का लंबा इतिहास हो या न हो
- **जैव विविध विरासत स्थल:** अब तक सोलह (16) राज्यों द्वारा चौवालीस (44) जैव विविध विरासत स्थलों को अधिसूचित किया जा चुका है।

पारंपरिक वृक्ष

- **विवरण:** विशेष वृक्ष जिन्हें सांस्कृतिक, पारिस्थितिक मूल्य और जैविक महत्व का माना जाता है।
- **महत्व:** ये पेड़ अक्सर किसी समुदाय में सबसे पुराने जीवित प्राणी होते हैं और वन्यजीवों को आवास प्रदान करते हैं

चुनौतियाँ

- **पर्यावास की हानि:** शहरीकरण, बुनियादी ढांचे के विकास और शीर्ष पहाड़ियों में कृषि के विस्तार जैसी विकासात्मक गतिविधियों के कारण कई उपवनों को साफ किया जा रहा है या खंडित किया जा रहा है, जो वहां रहने वाले पौधों और जानवरों को नुकसान पहुंचा सकता है।
- **जलवायु परिवर्तन:** तापमान में अचानक और आकस्मिक परिवर्तन के कारण वन स्वास्थ्य और पारिस्थितिकी तंत्र को खतरा है।
- **ग्लोबल वार्मिंग:** लंबे समय तक तापमान में वृद्धि, मौसम के पैटर्न को बाधित करती है, जैसे गर्मी की लहरें, सूखा, बाढ़, जंगल की आग के कारण वन पारिस्थितिकी तंत्र में परिवर्तन होता है, इससे जैव विविधता का नुकसान होगा।
- **आक्रामक / विदेशी प्रजातियाँ:** ये ऐसी प्रवर्तित प्रजातियाँ हैं जो देशी प्रजातियों को नुकसान पहुंचा सकती हैं।

- **संसाधनों का दोहन:** कुछ मामलों में, स्थानीय समुदाय इन उपवनों से बहुत अधिक जलाऊ लकड़ी, औषधीय पौधे या अन्य संसाधन एकत्र करते हैं। इससे पारिस्थितिकी तंत्र पर दबाव पड़ सकता है और गिरावट आ सकती है।
- **अन्य चुनौतियाँ:** मानवजनित दबाव, अतिक्रमण, वनों की कटाई, सांस्कृतिक गिरावट, प्रदूषण और सशक्त कानून की कमी आदि।

ब्लू इकोनॉमी

- विश्व बैंक के अनुसार, ब्लू इकोनॉमी (नीली अर्थव्यवस्था) को समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य को संरक्षित करते हुए आर्थिक विकास, बेहतर आजीविका और नौकरियों के लिए समुद्री संसाधनों के सतत विकास के रूप में परिभाषित किया गया है। ब्लू इकोनॉमी (नीली अर्थव्यवस्था) नवीन व्यवसाय मॉडल के साथ संयुक्त रूप से सामाजिक समावेशन और पर्यावरणीय स्थिरता के साथ समुद्री अर्थव्यवस्था के विकास के एकीकरण पर जोर देती है। बदलती जलवायु और अन्य मानवजनित दबावों के बावजूद, महासागरों को भविष्य के विकास का इंजन माना जाता है। इस प्रकार ब्लू इकोनॉमी को राष्ट्रीय विकास के लिए एक मुख्य आयाम के रूप में स्वीकारा गया है, जो सतत विकास और समुद्री संसाधनों के जिम्मेदाराना उपयोग के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। आर्थिक विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाना आवश्यक है।

समुद्र और महासागरों का महत्व

- **ऊर्जा के विशाल भंडार:** महासागरों से खनिज तेल, ज्वारीय ऊर्जा के माध्यम से अत्यधिक ऊर्जा प्राप्त होती है।
- **श्वसन प्रयोजन:** समुद्र सांस द्वारा ली जाने वाली लगभग आधी ऑक्सीजन के लिए जिम्मेदार है
- **कार्बन चक्र** में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- यह पृथ्वी की **अधिकांश जैव विविधता का घर** है
- दुनिया भर के एक अरब से अधिक लोगों के लिए **प्रोटीन का मुख्य स्रोत**
- **आर्थिक महत्व:** वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का कम से कम 3-5 प्रतिशत महासागरों से प्राप्त होने के साथ, ब्लू इकोनॉमी (नीली अर्थव्यवस्था) महासागरों के सतत उपयोग के माध्यम से, आय सृजन, नौकरियों आदि के अवसर प्रदान करके आर्थिक विकास को बढ़ावा देने की काफी क्षमता रखती है।

भारत के तट

- **भारतीय समुद्र तट:** > 7500 किमी
- **भारतीय विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र (EEZ):** 2.2 मिलियन वर्ग किमी से अधिक
- **समुद्री सीमा वाले भारतीय राज्य:** भारत के नौ राज्यों की तटरेखा तक पहुंच है।
- **भारत में बंदरगाह:** भारत में 200 बंदरगाह हैं, जिनमें से 12 प्रमुख बंदरगाह हैं। सबसे अधिक गोवा में स्थित मोर्मुगाओ बंदरगाह है, जिसने कुल यातायात का 62.6% संभाला।
- **मत्स्य उद्योग:** तटीय अर्थव्यवस्था 4 मिलियन से अधिक मछुआरों और तटीय शहरों का भरण-पोषण करती है। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मछली उत्पादक देश है और इसके पास 2,50,000 मछली पकड़ने वाली नौकाओं का बेड़ा है।
- **भारत का ब्लू इकोनॉमी का योगदान:** यह सकल घरेलू उत्पाद का 4% है और तंत्र में सुधार होने पर इसके बढ़ने का अनुमान है।

ब्लू इकोनॉमी के अंतर्गत गतिविधियाँ

- **नवीकरणीय ऊर्जा:** स्थायी समुद्री ऊर्जा, जैसे अपतटीय पवन और तरंग ऊर्जा, गैर-नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों निर्भरता को कम करते हुए सामाजिक और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।
- **मत्स्य पालन:** अधिक राजस्व उत्पन्न करने, मछली की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करने और मछली स्टॉक की बहाली में योगदान देने के लिए सतत मत्स्य पालन प्रबंधन आवश्यक है, इस प्रकार आर्थिक और पर्यावरणीय दोनों लक्ष्यों का समर्थन किया जाता है।
- **समुद्री परिवहन:** 80 प्रतिशत से अधिक अंतरराष्ट्रीय सामान समुद्र के द्वारा ले जाया जाता है, समुद्री परिवहन वैश्विक अर्थव्यवस्था की आधारशिला है, जो राष्ट्रों को जोड़ता है। और व्यापार को सुविधाजनक बनाता है।
- **पर्यटन:** महासागर और तटीय पर्यटन न केवल मनोरंजन के अवसर प्रदान करते हैं बल्कि रोजगार सृजन और आर्थिक विकास में भी योगदान करते हैं, जिससे यह ब्लू इकोनॉमी (नीली अर्थव्यवस्था) का एक प्रमुख घटक बन जाता है।
- **जलवायु परिवर्तन:** महासागर महत्वपूर्ण कार्बन सिंक के रूप में कार्य करते हैं, कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित और संग्रहीत करते हैं, एक घटना जिसे 'ब्लू कार्बन' के रूप में जाना जाता है। यह भूमिका वातावरण में ग्रीनहाउस गैस सांद्रता को कम करके जलवायु परिवर्तन को कम करने में मदद करती है।

- **अपशिष्ट प्रबंधन:** भूमि पर प्रभावी अपशिष्ट प्रबंधन महासागरों के स्वास्थ्य का अभिन्न अंग है। उचित अपशिष्ट निपटान प्रक्रियाएँ, प्रदूषण, समुद्री मलबे और पर्यावरणीय क्षरण को रोकती हैं, जिससे समुद्र की रिकवरी को बढ़ावा मिलता है।

ब्लू इकोनॉमी के घटक

<p>महासागर संसाधन</p>	<ul style="list-style-type: none"> ● समुद्री मत्स्य पालन और अंतर्देशीय मत्स्य पालन: मत्स्य पालन ने 2019-2020 में निर्यात के माध्यम से अर्थव्यवस्था को 46,663 करोड़ रुपये का योगदान दिया है। ● खनिज: भारत के महाद्वीपीय किनारों पर विविध प्रकार के क्षेत्रीय, जैवजनित और समरूप खनिज भंडार एकत्र हैं, और भारतीय तटीय राज्यों के समुद्र तटों से इल्मेनाइट, मैग्नेटाइट, मोनाजाइट, जिर्कोन और रूटाइल जैसे भारी खनिजों की उपलब्धता मिली थी। ● हाइड्रोकार्बन: समुद्री तल हाइड्रोकार्बन के प्रमुख स्रोत भारत में 26 तलछटी घाटियाँ हैं, जो कुल 3.4 मिलियन किलोमीटर क्षेत्र में फैली हुई हैं। ● नवीकरणीय ऊर्जा: नवीकरणीय ऊर्जा में सूर्य के प्रकाश, तटवर्ती पवन, अपतटीय पवन, जलविद्युत, ज्वार, लहरें जैसी प्राकृतिक घटनाओं से प्राप्त ऊर्जा शामिल है।
<p>बंदरगाह, जहाजरानी और समुद्री पर्यटन</p>	<ul style="list-style-type: none"> ● समुद्री परिवहन का योगदान: देश का लगभग 95 प्रतिशत व्यापार मात्रा के हिसाब से और 68 प्रतिशत मूल्य के हिसाब से समुद्री परिवहन के माध्यम से होता है। ● भारतीय समुद्री क्षेत्र: भारतीय समुद्री क्षेत्र में बंदरगाह, शिपिंग, समुद्री जैव प्रौद्योगिकी, जहाज निर्माण और मरम्मत और अंतर्देशीय जल परिवहन प्रणालियाँ शामिल हैं। ● समुद्री पर्यटन: भारत में, तटीय पर्यटन ने राज्य की अर्थव्यवस्था और आजीविका सृजन दोनों में बड़े पैमाने पर योगदान दिया है।
<p>सामुद्रिक विज्ञान एवं सेवाएँ</p>	<ul style="list-style-type: none"> ● अवलोकन, डाटा और सूचना सेवाएँ: भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र (NCOIS) मछली पकड़ने पर प्रतिबंध की अवधि और प्रतिकूल समुद्री राज्य स्थितियों को छोड़कर वर्ष का प्रत्येक दिन मछली पकड़ने के संभावित क्षेत्र (PFZ) पर प्रमुख सेवा सलाह प्रदान करता है। ● ब्लू इकोनॉमी पर जलवायु परिवर्तन और आपदाओं का प्रभाव: महासागर का गर्म होना, समुद्र के स्तर में वृद्धि, महासागर का अम्लीकरण और समुद्री प्रदूषण समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र, उत्पादकता और समुद्र पर निर्भर लोगों के जीवन और आजीविका को नुकसान पहुंचा रहे हैं। ● समुद्री जैव विविधता: समुद्री संरक्षित क्षेत्रों (MPA) की घोषणा सहित समुद्री और तटीय जैव विविधता का सतत उपयोग यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है कि दुनिया के महासागर, समुद्र और समुद्री जीवन संसाधन वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों के लिए महत्वपूर्ण बने रहें। समुद्री संरक्षित क्षेत्रों (MPA) की घोषणा सहित समुद्री और तटीय जैव विविधता का सतत उपयोग यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है कि दुनिया के महासागर, समुद्र और समुद्री जीवन संसाधन वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों के लिए महत्वपूर्ण बने रहें। ● स्वस्थ महासागर: समुद्री प्रदूषण, विशेषकर प्लास्टिक और माइक्रोप्लास्टिक्स से, को कई हितधारकों को शामिल करते हुए एक मजबूत प्लास्टिक उन्मूलन और राष्ट्रीय समुद्री कूड़े नीति द्वारा संबोधित किया जाना चाहिए। ● रिसर्च गैप: समुद्री जीव विज्ञान, समुद्री प्रौद्योगिकी, समुद्री रसायन विज्ञान, भूविज्ञान, शिपिंग, समुद्र विज्ञान आदि में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ब्लू इकोनॉमी पर कई अध्ययन हैं।

नीली अर्थव्यवस्था में रोजगार के स्रोत

- **मत्स्य पालन और जलकृषि:** मछली पकड़ने, जलीय कृषि और मछली प्रसंस्करण जैसे पारंपरिक क्षेत्र कई दशकों से नीली अर्थव्यवस्था में रोजगार के महत्वपूर्ण स्रोत रहे हैं। यह क्षेत्र निर्वाह खेती से लेकर जलीय कृषि जैसी व्यावसायिक प्रक्रियाओं तक विकसित हो रहा है, जिसके लिए कुशल कार्यबल की आवश्यकता होती है।
- **समुद्री पर्यटन:** समुद्री पर्यटन, जिसमें क्रूज यात्रा, नौकायन, स्कूबा डाइविंग और अन्य गतिविधियाँ शामिल हैं, जो तटीय क्षेत्रों में रोजगार और आर्थिक विकास में योगदान देता है। तटीय पर्यटन नीली अर्थव्यवस्था का एक जीवंत खंड है, जो आतिथ्य, परिवहन और विभिन्न पर्यटन संबंधित सेवाओं में नौकरियों का समर्थन करता है।
- **शिपिंग और बंदरगाह:** समुद्री बंदरगाह रोजगार के प्रमुख स्रोत हैं, पिछले कुछ वर्षों में छोटे बंदरगाहों में नौकरियाँ बढ़ रही हैं। औद्योगिक मांग से प्रेरित लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में वृद्धि, भावी रोजगार में बंदरगाहों की बढ़ती भूमिका पर जोर देती है।
- **जहाज निर्माण:** भारत में जहाज निर्माण उद्योग में महत्वपूर्ण संभावनाएँ हैं और यह विविध कौशल वाले व्यक्तियों को रोजगार देता है। उद्योग में स्वदेशीकरण और आत्मनिर्भरता रोजगार सृजन में और योगदान दे सकती है।
- **अपतटीय पवन और समुद्री जीव विज्ञान:** अपतटीय पवन और समुद्री जीव विज्ञान जैसे उभरते क्षेत्र रोजगार के नए अवसर प्रदान करते हैं। जहाज निर्माण में स्थिरता की दिशा में बढ़ते कदमों में पुनर्चक्रण योग्य या बायोडिग्रेडेबल सामग्रियों का उपयोग करते हुए, ऊर्जा और संसाधन दक्षता सुनिश्चित करना शामिल है।

आर्द्रभूमि पर रामसर कन्वेंशन

- आर्द्रभूमि पर अंतरराष्ट्रीय महत्व की कन्वेंशन प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के उद्देश्य से राष्ट्रों के बीच पहली आधुनिक संधि के रूप में अद्वितीय पहल है। आर्द्रभूमि (वेटलैंड्स) पर कन्वेंशन पर हस्ताक्षर 1971 में एक छोटे ईरानी शहर रामसर में हुए थे। तब से आर्द्रभूमि पर कन्वेंशन को रामसर कन्वेंशन के रूप में जाना जाता है। रामसर आर्द्रभूमि के मुख्य उद्देश्य दुनिया भर में आर्द्रभूमि के नुकसान को रोकना और जो शेष हैं उनका विवेकपूर्ण ढंग से उपयोग और प्रबंधन के माध्यम से संरक्षण करना है। इसके लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग, नीति-निर्माण, क्षमता निर्माण और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की आवश्यकता है।

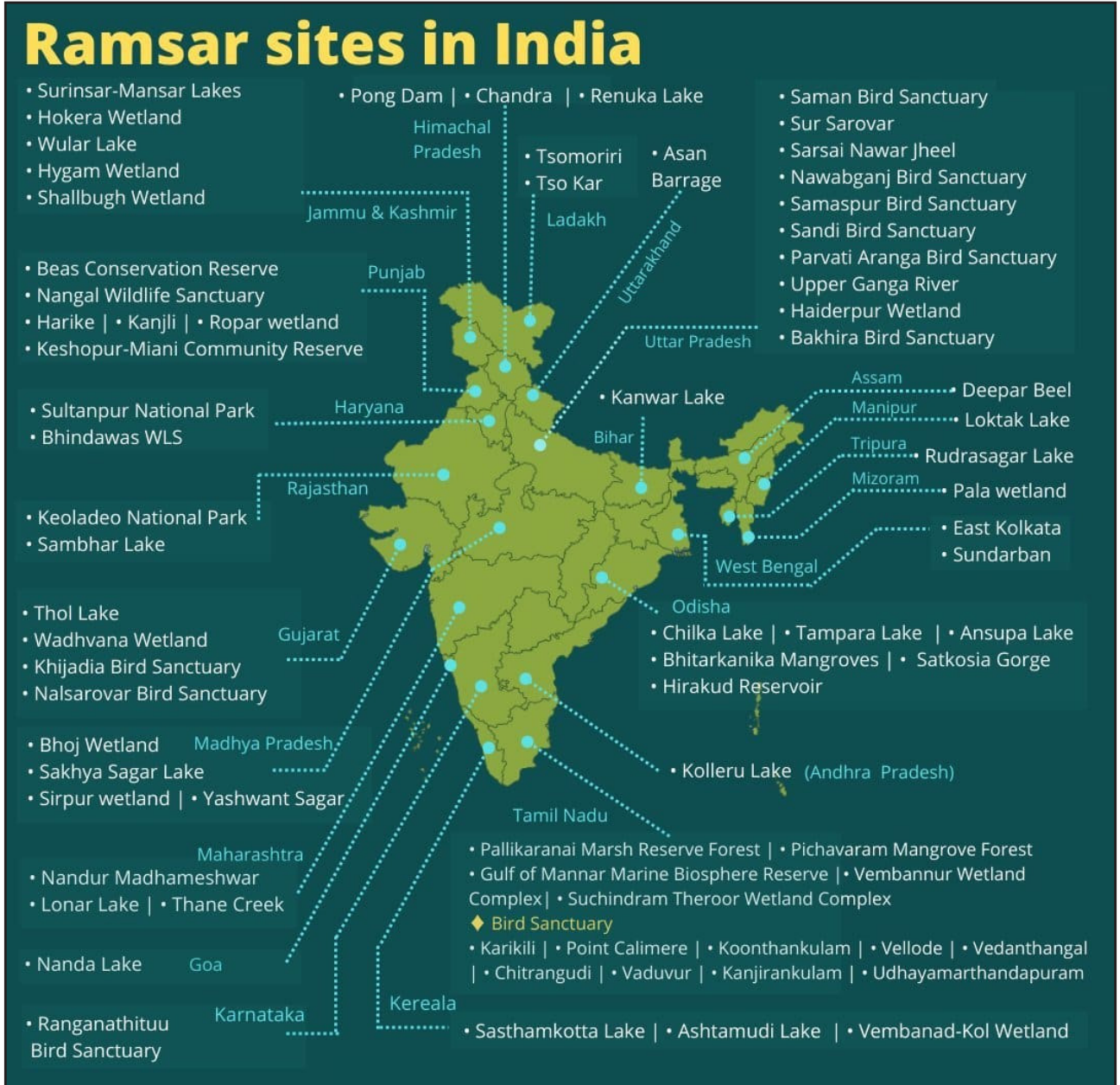
रामसर साइट के रूप में चुने जाने के लिए मानदंड

- **मानदंड 1:** एक आर्द्रभूमि को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण माना जाना चाहिए यदि इसमें उपयुक्त जैव- भौगोलिक क्षेत्र के भीतर पाए जाने वाले अद्वितीय प्रतिरूप तथा विशेष प्रकार की प्राकृतिक या अप्राकृतिक आर्द्रभूमि उपस्थित हो।
- **मानदंड 2:** एक आर्द्रभूमि को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण माना जाना चाहिए यदि वह संवेदनशील, लुप्तप्राय या गंभीर रूप से लुप्तप्राय प्रजातियों या संकटग्रस्त पारिस्थितिक का पोषण करता है।

- **मानदंड 3:** एक आर्द्रभूमि को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण माना जाना चाहिए यदि वह किसी विशेष जैव- भौगोलिक क्षेत्र की जैविक विविधता को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण माने जाने वाली वनस्पति या पशु प्रजातियों का पोषण करता है।
- **मानदंड 4:** एक आर्द्रभूमि को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण माना जाना चाहिए यदि वह वनस्पति या पशु प्रजातियों का उनके जीवन चक्र के महत्वपूर्ण चरण में पोषण करता है या प्रतिकूल परिस्थितियों के दौरान आश्रय प्रदान करता है।
- **मानदंड 5:** एक आर्द्रभूमि को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण माना जाना चाहिए यदि वह नियमित रूप से 20,000 या अधिक जलपक्षियों का पोषण करता है।
- **मानदंड 6:** एक आर्द्रभूमि को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण माना जाना चाहिए यदि वह नियमित रूप से जलपक्षी की एक प्रजाति या उप-प्रजाति की 1 प्रतिशत आबादी का पोषण करता है।
- **मानदंड 7:** एक आर्द्रभूमि को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण माना जाना चाहिए यदि वह स्थानीय मत्स्य उप-प्रजातियों, प्रजातियों, जीवन- इतिहास चरणों, प्रजातियों की अंतःक्रिया या समुदायों के एक महत्वपूर्ण भाग का पोषण करता है जो आर्द्रभूमि के लाभों या मूल्यों के द्योतक हैं और इस प्रकार वैश्विक जैव विविधता में योगदान करते हैं।

- **मानदंड 8:** एक आर्द्रभूमि को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण माना जाना चाहिए यदि वह मछलियों के भोजन, अंडे देने की जगह, संवर्धन या प्रवास पथ का एक महत्वपूर्ण स्रोत है जिस पर आर्द्रभूमि के भीतर या अन्य जगहों पर मछली का स्टॉक निर्भर करता है।
- **मानदंड 9:** एक आर्द्रभूमि को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण माना जाना चाहिए यदि वह नियमित रूप से आर्द्रभूमि पर निर्भर पक्षियों से इतर पशु प्रजातियों की एक प्रजाति या उप-प्रजाति की 1 प्रतिशत आबादी का पोषण करता है।

भारत के रामसर स्थल (जनवरी 2024 तक)



कुरुक्षेत्र

ग्रामीण भारत में बहुआयामी विकास का उत्प्रेरक ग्रामीण पर्यटन

- भारत में ग्रामीण पर्यटन आर्थिक विकास और सामुदायिक सशक्तीकरण के उत्प्रेरक के रूप में उभर रहा है। सरकारी पहल, प्रतियोगिताएँ और

अंतर्राष्ट्रीय मान्यता जैसे UNWTO पुरस्कार “पोचमपल्ली” और “धोडो” जैसे सफल प्रारूपों पर प्रकाश डालते हैं। वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम सीमावर्ती क्षेत्रों में व्यापक विकास पर केंद्रित है और क्षमता निर्माण प्रयासों का उद्देश्य ग्रामीण पर्यटन को सतत बनाए रखते हुए, स्थानीय समुदायों के कल्याण के लिए सहयोग और लचीलेपन को बढ़ावा देना है।

ग्रामीण पर्यटन का विकास

- **दसवीं पंचवर्षीय योजना (2002-2007):** भारत में ग्रामीण पर्यटन का पहला उल्लेख
- **ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना (2007-2012):** इन क्षेत्रों में ढाँचागत विकास कर पर्यटन के नए रूप 'ग्रामीण पर्यटन' को पहली बार प्राथमिकता इस योजना के माध्यम से दी गई। विशिष्ट समय सीमा के भीतर कुल 1003 परियोजनाओं में से 65 को विशेष रूप से ग्रामीण पर्यटन के लिए मंजूरी दी गई थी।
- **बारहवीं पंचवर्षीय योजना (2012-2017):** भारत सरकार चिकित्सा पर्यटन और ग्रामीण पर्यटन जैसे पर्यटन के विशिष्ट क्षेत्रों के विकास के लिए अवसरों को अपनाने और रास्ते खोलने की कोशिश।

ग्रामीण पर्यटन की विशेषताएँ

- निम्न जनसंख्या घनत्व
- कृषि और वानिकी पर परिदृश्य और भूमि-उपयोग का प्रभुत्व
- पारंपरिक सामाजिक संरचना और जीवनशैली

ग्रामीण पर्यटन के प्रकार

- **समुदाय आधारित पर्यटन:** सतत पर्यटन की एक निर्धारित रणनीति जिसमें गाँव के लोगों द्वारा सीधे स्थानीय कृषि उत्पादों की बिक्री शामिल है जिससे उन्हें अतिरिक्त वित्तीय लाभांश मिलता है।
- **फार्म पर्यटन:** यहाँ लोग खुद खेतों में काम करते हैं और कृषि का अनुभव करते हैं।
- **गाँवों में प्रकृति की सैर:** यह एक नवीन पर्यटन प्रकार है जहाँ वास्तविक ग्रामीण जीवन को मवेशियों के स्पर्श और अनुभव के साथ प्रदर्शित किया जाता है।
- **स्वयंसेवी पर्यटन:** इसमें पर्यटक ग्रामीण इलाकों का दौरा करते हैं और गाँव में अपने प्रवास का आनंद लेते हैं और वे बच्चों को पढ़ाने, कलाकृतियाँ बनाने या बेहतर कृषि जैसे ज्ञान में मूल्य जोड़ने में योगदान देते हैं।

पर्यटन के अन्य पहलू

- **औद्योगिक विरासत स्थल:** भारत में, समृद्ध औद्योगिक विरासत वाले कई क्षेत्र हैं जिन्हें पर्यटन के लिए विकसित किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, झारखंड में जमशेदपुर, जो अपने इस्पात उद्योग के लिए जाना जाता है, औद्योगिक विरासत पर्यटन पहलू विकसित कर सकता है।

- **कृषि पर्यटन:** फार्म स्टे, कृषि पर्यटन और फसल उत्सव जैसी गतिविधियाँ आगंतुकों को खेती के तरीकों के बारे में जानने, स्थानीय किसानों के साथ मिलने और खेत की ताजा उपज का आनंद लेने की अनुमति देती हैं।
- **डार्क स्काई पर्यटन:** डार्क स्काई रिजर्व और वेधशालाएँ आगंतुकों को खगोलीय घटनाओं को देखने, खगोल विज्ञान के बारे में जानने और रात के आकाश की सुंदरता का अनुभव करने का अवसर प्रदान करती हैं। उदाहरण के लिए, जम्मू-कश्मीर में लद्दाख, हिमाचल प्रदेश में स्पीति घाटी और ग्रामीण राजस्थान के कुछ हिस्से तारों को देखने और खगोल विज्ञान पर्यटन के लिए बेहतरीन अवसर प्रदान करते हैं।

सकारात्मक सुविधाएँ

- **अर्थ:** ऐसी सुविधाएँ जिनके अभाव में ग्रामीण पर्यटन में रुचि पैदा करने का विचार ही विफल हो जाएगा।

घटक:

- **स्वास्थ्य देखभाल तक पहुँच:** गाँवों में स्वास्थ्य देखभाल तक विश्वसनीय पहुँच होनी बहुत जरूरी है, विशेष रूप से आपातकालीन सहायता उचित समय के भीतर मिलनी अत्यावश्यक है।
- **स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन:** स्वच्छता और प्रभावी अपशिष्ट प्रबंधन का अभाव एक प्रमुख अवरोधक है। इससे भयावह स्थितियाँ पैदा हो सकती हैं।
- **सुरक्षित पीने योग्य पानी तक पहुँच:** सुरक्षित पीने योग्य पानी यह सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है कि आगंतुक बीमार न पड़ें।
- **हरित ऊर्जा:** सौर पैनलों का उपयोग कर हरित ऊर्जा के प्रति प्रतिबद्धता पर्यावरण जागरूकता की एक बेहतरीन मिसाल है।
- **स्ट्रीट लाइटिंग:** यह उन लोगों की सुरक्षा के लिए सबसे आवश्यक है जो परिवेश से परिचित नहीं हैं। किसी भी तरह सूर्यास्त के बाद कमरे में ही सीमित रहना एक बेहतर विचार नहीं हो सकता।
- **स्मार्ट सुरक्षा समाधान:** सुरक्षा आवश्यकताओं के लिए स्मार्ट समाधानों के माध्यम से बाहरी रिमोट सहायता से जुड़ाव आवश्यक प्रवर्तक है।

अनुकूल वातावरण बनाने के लिए बुनियादी सहायक सुविधाएँ

- **डिजिटल सेवाएँ:** मोबाइल कनेक्टिविटी के अतिरिक्त, डिजिटल सेवाएँ जुड़े रहने की सुविधा

है अन्यथा करियर के प्रति संवेदनशील आबादी के लिए व्यवधान की आशंका हो सकती है।

- **यात्रा कनेक्टिविटी:** दूरस्थ स्थान को प्राथमिकता देना एक आकर्षक विकल्प है यदि यात्रा कनेक्टिविटी उपलब्ध हो।
- **प्रतिबंधात्मक प्रथाओं का स्पष्टीकरण:** पर्यटकों को स्थानीय समुदायों की संवेदनशीलता के बारे में जागरूक कर पर्यटकों के साथ अनुकूलता बढ़ाई जा सकती है। प्रतिबंधात्मक प्रथाओं को सामने लाना एक महत्वपूर्ण उत्प्रेरक है।
- **सुविधाओं तक पहुँच:** बुनियादी कन्फेक्शनरी, किराना, पैकेज्ड भोजन, बेकरी और बैंक एटीएम में सामान आपूर्ति को जमा करने के बोझ से काफी राहत मिली है।

मूल्यवर्धन सुविधाएँ

- **डिजिटल कौशल सेट:** पर्यटक और गाँव के मेजबान के बीच इंटरफेस डिजिटल प्रौद्योगिकी के जरिए होता है जिसके लिए गाँवों में डिजिटल साक्षरता बढ़ाना जरूरी है ग्रामीण समुदायों की सोशल मीडिया संलग्नताएँ, होम स्टे और घर-आधारित स्थानीय उपज की ई-मार्केटिंग आदि को सँभालने के लिए गाँवों में डिजिटल साक्षरता को बढ़ाने की आवश्यकता है।
- **आतिथ्य कौशल सेट:** भारत सरकार ने पर्यटन मंत्रालय के तत्वाधान में ग्रामीण पर्यटन के विकास के लिए राष्ट्रीय रणनीति और रोडमैप के तहत विशेष रूप से 150 घंटे का होम स्टे पाठ्यक्रम तैयार किया है जो कौशल अंतर को दूर करने की पहल का हिस्सा है ये पाठ्यक्रम होम स्टे मालिकों में उद्यमिता कौशल विकास की एक प्रमुख पहल है।
- **'ग्राम कुटीर उद्यम':** स्थानीय कला, शिल्प, व्यंजन, अचार, कल्याण कार्यक्रम और ट्रेकिंग जैसी बाहरी गतिविधियों की सुविधाएँ घर आधारित मूल्यवर्धित उद्यम हैं, ऐसे उद्यम जो न केवल पर्यटकों को बेहतर यादगार अनुभव देते हैं बल्कि ग्रामीण समुदाय को भी बिना किसी ऊपर के खर्च के अतिरिक्त आमदनी का जरिया बनते हैं।
- **स्थानीय समुदाय से जुड़ना:** स्वयंसेवी पर्यटकों को लक्षित करने से, संगठित स्थानीय सामुदायिक समूहों के साथ जुड़ने से संस्कृतियों और जीवन-शैलियों को विदेशी अनुभव देने में मदद मिलती है।

आगे बढ़ने की रणनीति

- पर्यटन मंत्रालय की भारत में ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने और विकसित करने के लिए

रणनीतियाँ: भारत में ग्रामीण पर्यटन के विकास के लिए राष्ट्रीय रणनीति और रोडमैप तथा भारत में ग्रामीण होमस्टे को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय रणनीति।

- **विजन:** भारतीय ग्रामीण पर्यटन की क्षमता का लाभ उठाना और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के उत्थान के साथ-साथ ग्रामीण पर्यटन का विकास।
- **प्रमुख रणनीतिक स्तंभ:**
 - राज्य की नीतियों और सर्वोत्तम प्रथाओं की बेंचमार्किंग
 - ग्रामीण पर्यटन के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकियाँ और प्लेटफार्म
 - ग्रामीण पर्यटन के लिए क्लस्टर विकसित करना
 - ग्रामीण पर्यटन के लिए विपणन सहायता
 - हितधारकों का क्षमता निर्माण
 - सुशासन और संस्थागत ढाँचा

पर्यटन को पुनः परिभाषित करते पूर्वोत्तर भारत के त्यौहार, भोजन और संगीत

- हाल के दशकों में, पूर्वोत्तर में पारंपरिक नृत्य, संगीत और व्यंजनों पर केंद्रित पर्यटन उत्सव आयोजित करने का एक नया चलन सामने आया है। युद्ध, सामुदायिक शिकार और खेती, पारंपरिक संगीत और भोजन को दर्शाने वाले रंगीन लोक नृत्यों ने न केवल पर्यटकों को विभिन्न जनजातियों की अद्भुत झलक देखने में सक्षम बनाया है, बल्कि क्षेत्र और समुदायों को आर्थिक रूप से लाभान्वित करने में भी मदद की है। पूर्वोत्तर में, चूंकि प्रत्येक जिला या प्रत्येक जनजाति अपने स्वयं के विशिष्ट व्यंजन पेश करती है, पर्यटक इस क्षेत्र को खाद्य उत्सवों की भूमि के रूप में मानने लगे हैं।

उत्सव

1. असम

- **रोंगाली बिहू:** नए साल का त्यौहार जो सबसे ज्यादा गुवाहाटी, जोरहाट, डिब्रुगढ़, शिवसागर और तेजपुर के नजदीकी गाँवों में मनाया जाता है।
- **चंदूबी महोत्सव:** जनवरी के पहले सप्ताह में गुवाहाटी से 50 किमी पश्चिम में सुरम्य चंदुबी झील के किनारे आयोजित किया गया। यह विशेष रूप से राभा जनजाति के संगीत, नृत्य और व्यंजनों को प्रदर्शित करता है, जिनमें से फरकाति नृत्य सबसे रंगीन है।
- **जॉन-बील मेला:** जगीरोड पर गुवाहाटी से लगभग 45 किमी. पूर्व में आयोजित यह मेला मेघालय की पहाड़ियों के खासी और असम के मैदानी इलाकों

के तिवस के बीच वस्तु- विनिमय उत्सव के रूप में समय से आयोजित किया जाता है।

- **कार्बी युवा महोत्सव:** इसका आयोजन पचास साल पहले शुरू हुआ। बाद में इस उत्सव को 'हॉर्नबिल महोत्सव' का नाम दिया गया।
- **रास महोत्सव:** नवंबर में आयोजित इस 7-दिवसीय कार्यक्रम में 16वीं शताब्दी में लिखे गए एक पारंपरिक नाटक भाओना का प्रदर्शन शामिल है, जिसमें सत्तरिया नृत्य शैली शामिल है।
- **अली-ऐ-लिगांग:** अप्रैल में माजुली के मिसिंग आदिवासी समुदाय द्वारा अपने वसंत उत्सव के रूप में मनाया जाता है, जिसमें पर्यटक अपने दिलों में ओइनाटोम यानी श्प्यार के गीतश गुनगुनाते हुए घर लौटते हैं।
- **मोन-गीत:** संगीत और संस्कृति का एक नया उत्सव, जनवरी के मध्य में ब्रह्मपुत्र के रेतीले तटों पर आयोजित किया जाता है, जो प्राचीन विरासत को प्रस्तुत करता है।

पूर्वोत्तर भारत के जीवंत त्यौहार और सांस्कृतिक विविधता

- **जिरो संगीत उत्सव, अरुणाचल प्रदेश :** मनमोहक संगीत और सांस्कृतिक प्रदर्शन की विशेषता वाला सबसे बड़ा गैर-तीर्थयात्रा कार्यक्रम
- **टेमी टी शरद ऋतु उत्सव, सिक्किम :** एक अनुठा कार्यक्रम जिसमें जाने-माने टेमी टी एस्टेट में जैविक चाय का उत्सव मनाया जाता है।



2. अरुणाचल प्रदेश

- **लोसर:** फरवरी में आयोजित होने वाला तवांग की मोनपा जनजाति का नववर्ष त्यौहार लोसर सबसे रंग-बिरंगा है। बौद्ध धर्म के 'मोनपा' सबसे रंग-बिरंगा मुखौटा नृत्य 'अजी ल्हामू' का प्रदर्शन करते हैं जो फोटोग्राफरों के लिए एक दावत है।
- **जिरो संगीत समारोह:** 2012 में लॉन्च किया गया, अपातानी घाटी में मनाया जाने वाला यह कार्यक्रम हर साल अक्टूबर में लगभग एक सप्ताह तक बड़े बैंडों के प्रदर्शन के साथ-साथ हिमालयी राज्य के पारंपरिक संगीत का प्रदर्शन करता है।

3. मिजोरम

- **चपचर कुट-वसंत उत्सव:** पारंपरिक गाँवों से आइजोल में लाया गया, झूम (जंगल को जलाकर साफ करना) के सबसे कठिन कार्य को पूरा करने के बाद मार्च के मध्य में गाँवों में मनाया जाता है।

- **मिम कुट (मक्का उत्सव):** मिजोरम में अगस्त-सितंबर में मनाया जाता है
- **पावल कुट (फसल उत्सव):** दिसंबर में मनाया जाता है; हालाँकि भोजन अलग-अलग हो सकता है, लेकिन इन त्यौहारों में नृत्य और संगीत चपचर कुट के समान होता है।

4. नागालैंड

- **सक्रेनी उत्सव:** फरवरी में आयोजित होने वाला सेक्रेनी अंगामी समुदाय का, जो कोहिमा और उसके आसपास रहते हैं, दस दिवसीय उत्सव है जो युद्ध पर जाने से पहले शुद्धिकरण और पवित्रीकरण का प्रतीक है।
- **मोत्सु त्यौहार:** मोत्सु मई के प्रथम सप्ताह में मोकोकचुंग जिले में एओ समुदाय द्वारा मनाया जाता है। बुआई के मौसम के बाद मनाया जाने वाला ये त्यौहार सामुदायिक बंधन का प्रतीक है।

5. मेघालय

- **नॉंगक्रेम और शाद-सुक-मिन्सिएम:** खासी समुदाय का त्यौहार
- **वांगला या सौ ड्रम त्यौहार:** गारो का त्यौहार
- **बहदीनखलाम :** जैतिया जनजाति का त्यौहार
- **चेरी ब्लॉसम फेस्टिवल:** यह नवंबर में शिलांग में आयोजित किया जाता है।

मेलों और त्यौहारों का महत्व

- **आर्थिक महत्व:** भारत में त्यौहारों के दौरान उत्सव कई कारीगरों के लिए आजीविका के अवसर पैदा करते हैं।
- **सामाजिक-सांस्कृतिक महत्व:**
 - पारंपरिक भारतीय त्यौहार सभी धर्मों के बीच सामाजिक जुड़ाव को प्रोत्साहित करने का अवसर भी प्रदान करते हैं। त्यौहार उन्हें बनाए रखने के लिए एक मंच प्रदान करते हैं।
- **त्यौहार के माध्यम से MICE (बैठकें, प्रोत्साहन, सम्मेलन और प्रदर्शनियाँ/कार्यक्रम) और रूट्स पर्यटन:**
 - पर्यटन उद्योग में, गंतव्य शादियों को MICE के घटनाक्रमों के अंतर्गत शामिल किया जाता है।
 - विरासत और रूट्स पर्यटन उन यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण हैं जो अपने परिवार की जड़ों की तलाश कर रहे हैं।
- **त्यौहार के माध्यम से साहसिक और ग्रामीण पर्यटन:** साहसिक पर्यटन एक प्रकार का विशिष्ट पर्यटन है जहाँ यात्रा में कुछ हद तक जोखिम (वास्तविक या कथित) शामिल होता है और

- इसके लिए विशेष कौशल और शारीरिक प्रयास की आवश्यकता हो सकती है। गुजरात के कच्छ रण उत्सव में रॉक क्लाइम्बिंग, रैपेलिंग आदि जैसी साहसिक पर्यटन गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं।
- **त्यौहारों के माध्यम से विरासत को पुनर्जीवित करना:** विरासत पर्यटन ऐतिहासिक आकर्षणों जैसे स्मारकों, अतीत की घटनाओं के साथ-साथ परंपराओं से सम्बद्ध महत्वपूर्ण स्थलों आदि में यात्रियों की रुचि को पूरा करता है।
 - **त्यौहारों के माध्यम से ग्रामीण उपज की बिक्री हेतु सुविधा उपलब्ध कराना:** कृषि उपज और संबंधित गतिविधियाँ ग्रामीण पर्यटन आकर्षण हो सकते हैं।
 - **त्यौहार के माध्यम से फूलों की खेती और पर्यटन:** उदाहरण के लिए, ट्यूलिप उत्सव (वसंत ऋतु की शुरुआत के दौरान आयोजित) एक वार्षिक उत्सव है जिसका उद्देश्य पर्यटन प्रयासों के एक भाग के रूप में बगीचे में फूलों को प्रदर्शित करना है।
 - **त्यौहारों के माध्यम से भारतीय कला और 'प्रामाणिकता' को कायम रखना:** 'VIRASAT' नामक उत्सव जो हर साल देहरादून, उत्तराखंड में आयोजित किया जाता है। यह REACH (कला और सांस्कृतिक विरासत के लिए ग्रामीण उद्यमिता) द्वारा पिछले 24 साल से आयोजित किया जा रहा है। यह भारत की कला और संस्कृति को एक अद्वितीय, शिक्षाप्रद प्रारूप में प्रस्तुत करता है जिससे युवा और आगंतुक अपनी जड़ों के बारे में जानने के साथ-साथ कला का आनंद भी उठा सकते हैं।
 - **त्यौहारों के माध्यम से कल्याण और खेल पर्यटन:** अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हर साल उत्तराखंड के ऋषिकेश में आयोजित होने वाले योग महोत्सव (IYF) की शुरुआत 1999 में एक छोटे महोत्सव के रूप में की गई थी जो अब एक लोकप्रिय अंतरराष्ट्रीय पर्यटक आकर्षण है। खेल के माध्यम से शारीरिक फिटनेस कल्याण प्राप्त करने का एक लोकप्रिय साधन है।

14

आलेख

1. भारत ने अरुणाचल प्रदेश पर चीन के दावे को खारिज किया

- भारत ने हाल ही में चीन द्वारा अरुणाचल प्रदेश में कुछ स्थानों के नाम बदलने को संवेदनहीन बताते हुए खारिज कर दिया और कहा कि "आविष्कृत" नाम निर्दिष्ट करने से इस वास्तविकता में कोई बदलाव नहीं आएगा कि "राज्य भारत का अभिन्न अंग है, था और हमेशा रहेगा"। भारत की तीखी प्रतिक्रिया चीनी सरकार द्वारा अरुणाचल प्रदेश में 30 और स्थानों के नामों की घोषणा के बाद आई है, जिसे वह तिब्बत का दक्षिणी भाग होने का दावा करता है।

मैकमोहन रेखा

- **विवरण:** भारत-चीन सीमा के पूर्वी क्षेत्र में विवादित सीमा।
- **निर्धारण:** शिमला सम्मेलन (1913-1914) के दौरान निर्धारित।
- **प्रतिभागी:** चीन, भारत और तिब्बत के प्रतिनिधि शिमला में एकत्रित हुए।
- **प्रारूप:** सर हेनरी मैकमोहन, ब्रिटिश भारत के तत्कालीन विदेश सचिव।
- **लंबाई:** भूटान की पूर्वी सीमा से चीन-म्यांमार सीमा पर इस रजि दर्रे तक 550 मील (890 किमी) तक फैली हुई है।

भारत-चीन 1962 युद्ध और अरुणाचल प्रदेश

- **क्षेत्रीय विवाद:** अरुणाचल प्रदेश सबसे बड़ा विवादित क्षेत्र है, जिसका क्षेत्रफल लगभग 90,000 वर्ग किमी है।
- **1962 संघर्ष:** 1962 के युद्ध के दौरान, पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (PLA) ने अरुणाचल प्रदेश पर कब्जा कर लिया।
- **युद्धविराम और वापसी:** PLA ने मैकमोहन रेखा का सम्मान करते हुए एकतरफा युद्धविराम की घोषणा की और पीछे हट गया।
- **वर्तमान दावा:** पीछे हटने के बावजूद, चीन अरुणाचल प्रदेश पर अपना दावा जताता रहा है।
- **वर्तमान स्थिति:** चीन अरुणाचल प्रदेश के लगभग पूरे क्षेत्र पर अपना दावा करता है।

पूर्वी क्षेत्र में विवाद

- **विवरण:** भारत-चीन सीमा विवाद मुख्य रूप से पूर्वी क्षेत्र पर केंद्रित है।

- **मैकमोहन रेखा का वर्गीकरण:** ब्रिटिश नियंत्रण को उत्तर की ओर उल्लेखनीय रूप से बढ़ाया गया।
- **क्षेत्रीय प्रभाव:** इसके परिणामस्वरूप तवांग और अन्य तिब्बती क्षेत्र ब्रिटिश साम्राज्य को सौंप दिए गए।
- **चीनी प्रतिक्रिया:** प्रारंभ में, चीनी प्रतिनिधियों ने समझौते को माना लेकिन बाद में इसे स्वीकार करने से इनकार कर दिया।
- **मैकमोहन रेखा को मान्यता नहीं:** चीन आधिकारिक तौर पर मैकमोहन रेखा को मान्यता नहीं देता है और इसे "अवैध" करार देता है।
- **अरुणाचल प्रदेश:** चीन मैकमोहन रेखा के दक्षिण में, विशेषकर अरुणाचल प्रदेश में, क्षेत्रों पर दावा करता है, जिसे वह दक्षिणी तिब्बत का हिस्सा मानता है।
- **ऐतिहासिक संबंध:** चीन अपने क्षेत्रीय दावों के समर्थन में तवांग और ल्हासा में मठों के बीच ऐतिहासिक संबंधों का हवाला देता है।

2. पुनर्मतदान और स्थगन: मतदान प्रक्रिया बाधित होने पर चुनाव आयोग के पास विकल्प

- लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (RPA) की धारा 58(2) और 58A(2) के तहत चुनाव आयोग ने 19 अप्रैल को मणिपुर के 11 मतदान केंद्रों और अरुणाचल प्रदेश के 8 मतदान केंद्रों पर मतदान शून्य घोषित कर दिया।

चुनाव आयोग के सामने विकल्प जब सामान्य मतदान प्रक्रिया बाधित होती है

1. जानबूझकर तोड़फोड़ करना, EVM छीन लेना

- **चुनाव आयोग किसी मतदान केंद्र पर मतदान को शून्य घोषित कर सकता है यदि:**
 - किसी अनधिकृत व्यक्ति ने गैरकानूनी तरीके से कोई EVM ले ली है;
 - कोई भी EVM दुर्घटनावश या जानबूझकर नष्ट कर दी गई है, या खो गई है, या क्षतिग्रस्त हो गई है, या उसके साथ छेड़छाड़ की गई है; या
 - वोटों की रिकॉर्डिंग के दौरान किसी भी EVM में यांत्रिक खराबी आ जाती है।
- **EC के समक्ष विकल्प:**
 - रिटर्निंग ऑफिसर (RO) तुरंत चुनाव आयोग और राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी को

सूचित करता है, जिस पर विचार करने के बाद, चुनाव आयोग मतदान को शून्य घोषित कर सकता है और पुनः मतदान के लिए औपचारिक रूप से तारीख और समय तय कर सकता है।

- इसके बाद चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों या उनके चुनाव एजेंटों को लिखित रूप से सूचित किया जाता है।
- मतदाताओं को सूचित करने के लिए मतदान क्षेत्र में ढोल की थाप पर घोषणा के साथ-साथ सार्वजनिक स्थानों पर नोटिस भी लगाया जाता है।
- सभी मतदाताओं को नए सिरे से मतदान करने की अनुमति दी जाती है।

2. बूथ कैप्चरिंग

- **बूथ कैप्चरिंग में शामिल है:**
 - किसी मतदान केंद्र पर कब्जा करना, जिससे चुनाव का संचालन प्रभावित हो;
 - किसी मतदान केंद्र पर केवल अपने या उनके समर्थकों को मतदान करने की अनुमति देना;
 - किसी निर्वाचक को डराना या धमकाना और उसे मतदान केंद्र पर जाने से रोकना;
 - वोटों की गिनती को प्रभावित करने के लिए किसी मतगणना स्थल पर कब्जा करना;
 - उपरोक्त गतिविधियों में किसी भी सरकारी सेवक की भागीदारी।
- **दंडात्मक प्रावधान:** आम नागरिकों के लिए कम से कम एक वर्ष और अधिकतम तीन वर्ष की सजा, और सरकारी कर्मचारियों के लिए कम से कम तीन साल एवं अधिकतम पांच वर्ष की सजा।
- **EC के समक्ष विकल्प:**
 - चुनाव आयोग उस मतदान केंद्र पर मतदान को शून्य घोषित कर सकता है और नई तारीख पर नए सिरे से मतदान कराने का निर्देश दे सकता है; या
 - यदि बड़ी संख्या में मतदान केंद्रों पर बूथ कैप्चरिंग हुई है, या इससे वोटों की गिनती प्रभावित हुई है, तो निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव रद्द कर सकता है।

3. प्राकृतिक आपदाएँ, मतदान में अन्य व्यवधान

- **इसमें शामिल है:**
 - बाढ़, भीषण तूफान जैसी प्राकृतिक आपदा;
 - EVM, मतदाता सूची आदि जैसी आवश्यक मतदान सामग्री का न मिलना या खो जाना या क्षतिग्रस्त होना;
 - किसी भी दंगे या हिंसा के कारण रुकावट या बाधा;

- रुकावट या किसी अन्य कठिनाई के कारण मतदान दल का न पहुँचना; या
- EVM में खराबी या किसी अन्य कारण से निर्धारित समय से दो घंटे के भीतर मतदान शुरू नहीं हो पाना।

● EC के समक्ष विकल्प:

- तिथि और समय के बारे में चुनाव आयोग की मंजूरी मांगने के बाद, स्थगित मतदान उसी चरण से फिर से शुरू होगा जहाँ इसे स्थगन से ठीक पहले छोड़ा गया था।
- चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों या उनके एजेंटों को सूचित किया जाता है, और केवल उन निर्वाचकों को मतदान करने की अनुमति दी जाती है जिन्होंने मतदान स्थगित होने से पहले मतदान नहीं किया है।

4. उम्मीदवार की मृत्यु

- **किसी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल के उम्मीदवार की मृत्यु की स्थिति में ही मतदान स्थगित किया जाएगा।**
- **मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल:** या तो मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय पार्टी, या किसी राज्य में राज्य पार्टी के रूप में मान्यता प्राप्त पार्टी, जिसके लिए चुनाव चिह्न (आरक्षित और आर्वांटित) होता है।
- यह तब लागू होता है जब वैध नामांकन वाले उम्मीदवार की नामांकन की आखिरी तारीख को सुबह 11.00 बजे के बाद मतदान होने तक किसी भी समय मृत्यु हो जाती है।
- **EC के समक्ष विकल्प:**
 - इसके बाद चुनाव आयोग संबंधित राजनीतिक दल से मृत उम्मीदवार के स्थान पर उक्त चुनाव के लिए किसी अन्य उम्मीदवार को नामांकित करने का आह्वान करता है।
 - राजनीतिक दल को सात दिनों के भीतर नामांकन करना होगा।
 - यदि चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की सूची मतदान स्थगित होने से पहले ही प्रकाशित हो चुकी है, तो चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की एक नई सूची तैयार की जाती है और प्रकाशित की जाती है, जिसमें मृत उम्मीदवार के स्थान पर नामांकित उम्मीदवार का नाम भी शामिल होता है।

3. वैश्विक लोकतांत्रिक मंदा की प्रवृत्ति को उलटना

- भारत अपननी सबसे महत्वपूर्ण चुनावी प्रक्रिया के मध्य में है और सबसे बड़े लोकतंत्र और भारत के राजनीतिक पारिस्थितिकी तंत्र के बारे में लोगों

की बदलती धारणाओं की जाँच करना सार्थक हो सकता है। इस तरह का अभ्यास हमें मौजूदा स्थिति को समझने और भविष्य में की जाने वाली कार्रवाई में मदद कर सकता है।

प्यू रिसर्च सेंटर के वैश्विक सर्वेक्षण के निष्कर्ष

- **निराशाजनक निष्कर्ष:** 30,861 व्यक्तियों का यह सर्वेक्षण लोकतांत्रिक आदर्शों के जटिल ताने-बाने पर प्रकाश डालता है, जो वैश्विक रुझानों और सूक्ष्म क्षेत्रीय विविधताओं दोनों को उजागर करता है।
- **लोकतांत्रिक प्रणालियों में विश्वास में स्पष्ट गिरावट का संकेत:** यहाँ, 77% व्यक्तियों ने प्रतिनिधि लोकतंत्र के बारे में आशावाद व्यक्त किया। लेकिन, वैकल्पिक शासन मॉडल के प्रति उनकी ग्रहणशीलता चिंताजनक है।
- **2017 से 2023 में परिवर्तन:** यह विशेषज्ञों द्वारा शासन के प्रति बढ़ते झुकाव (58%) और सत्तावादी सरकारी मॉडल की बढ़ती स्वीकार्यता (26%) द्वारा चिह्नित है।
- **इस परिवर्तन के पीछे तर्क:** लोकतंत्र में चर्चा और आम सहमति बनाने की आवश्यकता के कारण देरी होती है, जबकि केंद्रित शक्ति त्वरित निर्णय लेने और त्वरित आर्थिक विकास की सुविधा प्रदान करती है।
- **उभरती प्रवृत्तियाँ:**
 - कम आय और कम शिक्षा वाले देशों के नागरिक 'मजबूत' नेताओं का समर्थन करते हैं।
 - 15% सैन्य शासन का समर्थन करते हैं, विशेषकर मध्यम आय वाले देशों में।

लोकतंत्र के प्रति भारत की धारणा

- **2017 में रुझान:** 44% भारतीयों ने प्रतिनिधि लोकतंत्र का समर्थन किया, जो 2023 में घटकर 36% हो गया है।
- **शक्तिशाली नेता के प्रति झुकाव बढ़ा:** यह रुझान 2017 में 55% से बढ़कर 2023 में 67% हो गया।
- **विशेषज्ञों द्वारा शासन का समर्थन:** यह 65% से बढ़कर प्रभावशाली 82% हो गया।
- एक सत्तावादी नेता द्वारा शासन या सैन्य शासन के प्रति झुकाव: आश्चर्यजनक रूप से 85% व्यक्तियों ने इसके प्रति रुझान दिखाया।
- **लोकतंत्र-निगरानी संगठनों के अनुसार भारत की स्थिति:** वे भारत को "संकर शासन वाले राष्ट्र" के रूप में चित्रित करते हैं, जिसमें "स्वतंत्र/आंशिक रूप से स्वतंत्र" से लेकर "चुनावी निरंकुशता" तक शामिल हैं और इसे कभी कभार "त्रुटिपूर्ण लोकतंत्र" भी कहा जाता है।

लोकतांत्रिक नींव को मजबूत करने के तरीके

सहभागी शासन	<ul style="list-style-type: none"> ● निर्णय लेने में सक्रिय नागरिक भागीदारी को बढ़ावा देना ● टाउन हॉल मीटिंग, सहभागी बजटिंग, नागरिक सभाएँ और सहभागिता के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म जैसे तंत्र स्थापित करना
सूचना तक निःशुल्क और समान पहुँच	<ul style="list-style-type: none"> ● पारदर्शिता और सही व सटीक सूचना तक पहुँच सुनिश्चित करना ● सूचना कानूनों की स्वतंत्रता को मजबूत करना और मीडिया साक्षरता को बढ़ावा देना
उत्तरदायी एवं न्यायपूर्ण शासन व्यवस्था	<ul style="list-style-type: none"> ● विधि का शासन और जवाबदेही कायम रखना ● जाँच और संतुलन, स्वतंत्र न्यायपालिका और निरीक्षण तंत्र स्थापित करना
नागरिक सहभागिता और नागरिक समाज को बढ़ावा देना	<ul style="list-style-type: none"> ● नागरिक समाज संगठनों का समर्थन और अभिव्यक्ति और सभा की स्वतंत्रता की रक्षा करना ● सरकार और नागरिक समाज के बीच सहयोग को बढ़ावा देना
नैतिक नेतृत्व और सार्वजनिक सेवा	<ul style="list-style-type: none"> ● सार्वजनिक सेवा में नैतिक आचरण और सत्यनिष्ठा को बढ़ावा देना ● भ्रष्टाचार से लड़ना और कदाचार के लिए व्यक्तियों को जिम्मेदार ठहराना
उत्तरदायी और समावेशी नीतियाँ	<ul style="list-style-type: none"> ● उन नीतियों को प्राथमिकता देना जो सभी नागरिकों, विशेषकर उपेक्षित समूहों की आवश्यकताओं को पूरा करें ● विविध हितधारकों को शामिल करना और सामाजिक न्याय और आर्थिक समानता को बढ़ावा देना

4. 'बेसल III एंडगेम' क्या है और अमेरिकी बैंक इसके बारे में क्यों चिंतित हैं?

- अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने सख्त बैंक पूँजी आवश्यकताओं के प्रस्तावित सेट में महत्वपूर्ण संशोधन की घोषणा की है जिसे "बेसल III एंडगेम" के रूप में जाना जाता है। ये परिवर्तन वॉल स्ट्रीट बैंकों की जीत को दर्शाते हैं, जिन्होंने नियमों को

थोड़ा ढील देने के लिए अभूतपूर्व प्रयास किया है। बैंकिंग पर्यवेक्षण के नियमों पर बेसल समिति, 100 बिलियन डॉलर से अधिक संपत्ति वाले बैंकों को लक्षित करती है, जिसका उद्देश्य प्रमुख बैंकों द्वारा अपनी पूँजी को संभालने के तरीके को सुधारना है, जिससे बैंकिंग गतिविधियों पर असर पड़ता है। बैंकों का तर्क है कि प्रस्तावित अतिरिक्त पूँजी अनावश्यक है और अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचा सकती है, और इसकी वजह से वे इस पहल के खिलाफ आक्रामक रूप से पैरवी कर सकते हैं।

बैंकिंग पर्यवेक्षण की बेसल समिति (BCBS)

- **स्थापना:** 1974
- **उद्देश्य:** बैंक पर्यवेक्षण गुणवत्ता में सुधार करके वित्तीय स्थिरता बढ़ाना।
- **भारतीय सदस्यता:** भारत 2009 में BCBS में शामिल हुआ।
- **संयोजक:** बेसल, स्विट्जरलैंड में बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट्स (BIS)।
- **महत्त्व:**
 - बैंकों के विवेकपूर्ण विनियमन के लिए

प्राथमिक वैश्विक मानक-निर्धारक।

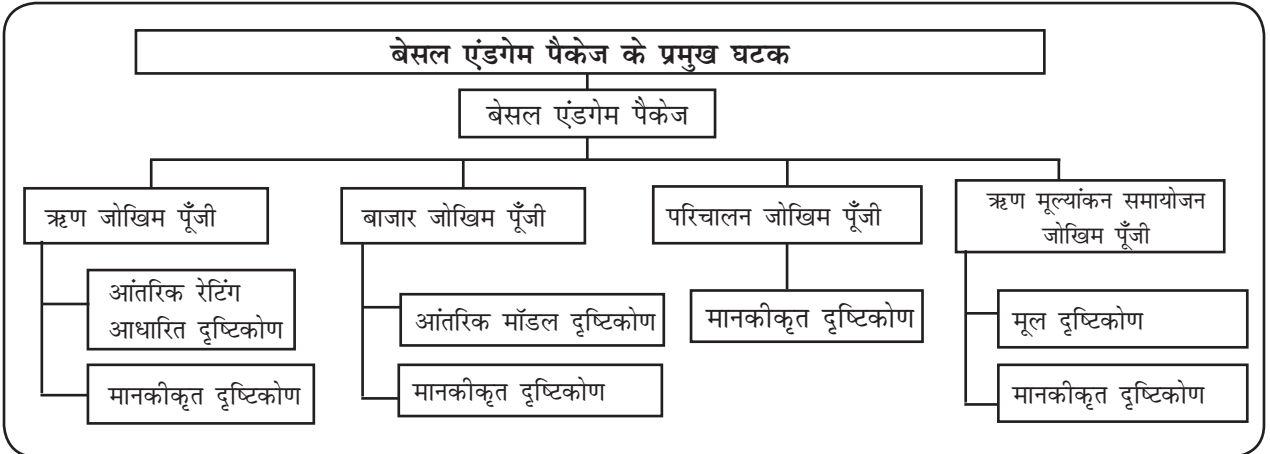
- यह सुनिश्चित करता है कि वैश्विक नियामक आर्थिक चुनौतियों के दौरान ऋण घाटे का सामना करने के लिए बैंकों के लिए लगातार न्यूनतम पूँजी मानकों को लागू करें।

- **मुद्दे:** सहमत न्यूनतम मानकों को लागू करने के लिए कानूनी अधिकार का अभाव।

बेसल III एंडगेम

- **बेसल III:** 2007-09 के वित्तीय संकट के बाद बेसल समिति द्वारा विकसित एक रूपरेखा।
- **घटक:** पूँजी, उतोलन, और तरलता आवश्यकताएँ।
- **उद्देश्य:** बैंक विनियमन, पर्यवेक्षण और जोखिम प्रबंधन को बढ़ावा देना।
- **बेसल III एंडगेम (2017):** क्रेडिट, परिचालन और बाजार जोखिमों के खिलाफ पूँजी पर्याप्तता पर जोर देने वाले नियमों का अंतिम सेट।
- **सख्त नियम लाये गए:** मूल्यांकन पद्धतियों को मानकीकृत करके और पूँजी पर्याप्तता उपायों को बढ़ाकर, जोखिम प्रबंधन में सुधार करना, विशेष रूप से क्रेडिट, बाजार और परिचालन जोखिमों के संबंध में।

बेसल III एंडगेम के प्रावधान



- **प्रयोज्यता नियम** \$100 बिलियन से अधिक संपत्ति वाले बैंकों पर लागू होते हैं।
- **जोखिम मूल्यांकन:** बैंकों को जोखिम का पुनर्मूल्यांकन करना चाहिए और संभावित घाटे के खिलाफ अधिक प्रभावी ढंग से पूँजी आवंटित करनी चाहिए।
- **ऋण जोखिम:**
 - नियामकों का लक्ष्य बंधक या कॉर्पोरेट ऋण जैसी उधार गतिविधियों के खिलाफ पूँजी आवश्यकताओं का आकलन करने के लिए बैंकों द्वारा आंतरिक जोखिम मॉडल के उपयोग को खत्म करना है।
 - पूँजीगत लागत प्रोत्साहनों के कारण आंतरिक मॉडल अक्सर जोखिम को कम आंकते हैं।
 - बड़े बैंकों में समान मॉडलिंग मानकों को प्राथमिकता।
- **बाजार जोखिम:**
 - बाजार में उतार-चढ़ाव और व्यापारिक घाटे से संबंधित बाजार जोखिमों का मूल्यांकन करने के लिए बैंकों के लिए नई आवश्यकताएँ प्रस्तुत करता है।
 - नियामक मौजूदा बाजार जोखिम आकलन को अपर्याप्त मानते हैं।

- **परिचालन जोखिम:**
 - आंतरिक नीति विफलताओं, प्रबंधन त्रुटियों, मुकदमेबाजी लागत या बाहरी घटनाओं जैसे विभिन्न स्रोतों से संभावित नुकसान के आकलन पर जोर देता है।
 - नियामक बैंक की गतिविधियों और पूँजी गणना के लिए ऐतिहासिक परिचालन घाटे पर विचार करते हुए आंतरिक जोखिम मॉडल को मानकीकृत दृष्टिकोण से बदलना चाहते हैं।
 - संभावित उच्च परिचालन जोखिम वाली पूँजी आवश्यकताओं के कारण गैर-ब्याज शुल्क आय (उदाहरण के लिए, क्रेडिट कार्ड और निवेश बैंकिंग शुल्क) पर निर्भर बैंकों द्वारा चिंताएँ व्यक्त की गईं।
- **क्रियान्वयन दृष्टिकोण:**
 - बैंक जोखिम मूल्यांकन के लिए अनुमोदित आंतरिक मॉडल का उपयोग जारी रख सकते हैं, लेकिन जटिल जोखिमों के लिए मानकीकृत मॉडल की आवश्यकता हो सकती है।
 - महत्वपूर्ण व्यापारिक परिचालन वाले बैंकों के लिए पूँजी आवश्यकताओं में वृद्धि का अनुमान है।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा प्रस्तावित परिवर्तन

- **परिवर्तन का कारण:** व्यापक आलोचना और उद्योग के दबाव के जवाब में फेडरल रिजर्व बेसल III एंडगेम नियमों में पर्याप्त संशोधन पर विचार कर रहा है।
- **प्रत्याशित परिवर्तन:** नए नियमों द्वारा लगाई गई पूँजी आवश्यकताओं के समग्र प्रभाव को कम करना, बढ़ी हुई लागत और परिचालन प्रभावों के संबंध में बैंकों द्वारा उठाई गई चिंताओं को संबोधित करना।

अमेरिकी बैंकों द्वारा बेसल III एंडगेम नियमों का विरोध करने के कारण

- **शुल्क-निर्भर बैंकों के लिए लागत में संभावित वृद्धि:** गैर-ब्याज शुल्क आय (उदाहरण के लिए, क्रेडिट कार्ड और निवेश बैंकिंग शुल्क) पर बहुत अधिक निर्भर रहने वाले बैंक बेसल III एंडगेम के तहत परिचालन जोखिम पूँजी आवश्यकताओं में वृद्धि के कारण काफी अधिक लागत का अनुमान लगाते हैं।
- **डेटा का अभाव:** बैंकों की शिकायत है कि नियामकों ने पूँजी आवश्यकताओं में प्रस्तावित

वृद्धि के लिए पर्याप्त डेटा या औचित्य प्रदान नहीं किया है, जिससे बैंक की लाभप्रदता पर प्रभाव के बारे में अनिश्चितता और चिंताएँ पैदा हो रही हैं।

- **कानूनी कार्रवाई की धमकी:** कुछ बैंकों ने पारदर्शिता की कमी और नियम कार्यान्वयन प्रक्रिया में कथित खामियों से असंतोष के कारण नियामकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की धमकी दी है।
- **विनियामक राहत के लिए अधूरी उम्मीदें:** बैंकों को उम्मीद थी कि अमेरिकी नियामक बेसल III एंडगेम के प्रभाव को कम करने के लिए पूँजी आवश्यकताओं के अन्य पहलुओं को समायोजित करके राहत प्रदान करेंगे, लेकिन ये उम्मीदें पूरी नहीं हुई हैं, जिससे बैंकिंग उद्योग में निराशा पैदा हुई है।

बैंक ऑफ इंटरनेशनल सेटलमेंट्स (BIS)

- **स्थापना:** 1930, और यह सबसे पुराना वैश्विक वित्तीय संस्थान है।
- **विधिक स्थिति:** अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत संचालित होती है।
- **मुख्यालय:** बेसल, स्विट्जरलैंड (हांगकांग SAR और मैक्सिको सिटी में प्रतिनिधि कार्यालय)
- **उत्पत्ति:** 1930 के हेग समझौते से निर्मित, बर्लिन में प्रत्यावर्तन के लिए एजेंट जनरल की जिम्मेदारियाँ संभालते हुए।
- **महत्व:** अंतर्राष्ट्रीय वित्त में एक प्रमुख संस्थान के रूप में कार्य करता है, केंद्रीय बैंकों के बीच सहयोग की सुविधा प्रदान करता है और वैश्विक स्तर पर मौद्रिक और वित्तीय स्थिरता को बढ़ावा देता है।

5. बर्फ की चादरें पिघलने से 'नकारात्मक लीप सेकंड' समायोजन की आवश्यकता में देरी

- विज्ञान पत्रिका नेचर में प्रकाशित एक नए अध्ययन के अनुसार, जलवायु परिवर्तन के कारण ग्रीनलैंड और अंटार्कटिका में ग्लेशियर तथा हिम परत तेजी से पिघल रही हैं, जिससे पूरे ग्रह पर दबाव का पुनर्वितरण हो रहा है एवं पृथ्वी का अपनी धुरी पर घूमना थोड़ा धीमा हो गया है। अंटार्कटिका और ग्रीनलैंड से बर्फ के पिघलने में तेजी ने एक ब्रेक की तरह काम किया है, जिससे घूर्णन धीमा हो गया है तथा संभावित रूप से वर्ष 2029 या उसके बाद तक 'नेगेटिव लीप सेकंड' समायोजन की आवश्यकता में देरी हो रही है।

लीप सेकंड

- **विवरण:** पृथ्वी के घूर्णन गति जो बर्फ की परतों के लगातार पिघलने और फिर से जमने के कारण धीमी होती है, से निपटने के लिए एक उपाय।

- **उद्देश्य:** दुनिया भर की घड़ियों को पृथ्वी के लगातार धीमे होते घूर्णन के साथ सिंक्रनाइज करने के लिए समय-समय पर समन्वित यूनिवर्सल टाइम (UTC) में लीप सेकंड जोड़ा जाता है।
- **UTC के घटक:** इसमें एक टाइम स्केल शामिल है जो दुनिया भर में 300 से अधिक बेहद सटीक परमाणु घड़ियों के आउटपुट को जोड़ता है।
- **परमाणु घड़ियाँ:** लाखों वर्षों की अवधि में मात्र 1 सेकंड की गड़बड़ी बहुत सटीक और स्थिर।
- **लीप सेकंड की प्रणाली का परिचय:** 1970 के दशक की शुरुआत में; अब तक 27 पॉजिटिव लीप सेकंड जोड़े जा चुके हैं।
- **खगोलीय समय/सार्वभौम समय (UT1):** पृथ्वी का अपनी धुरी पर घूमना और एक दिन की लंबाई निर्धारित करता है।
- **शामिल करने का कारण:**
 - पृथ्वी का अपनी धुरी के चारों ओर घूमना नियमित नहीं है, क्योंकि चंद्रमा के गुरुत्वाकर्षण बलों सहित विभिन्न कारकों के कारण कभी-कभी इसकी गति तेज हो जाती है और कभी-कभी यह धीमी हो जाती है, जिसके परिणामस्वरूप अक्सर समुद्री ज्वार आते हैं।
 - खगोलीय समय (UT1) धीरे-धीरे परमाणु समय (UTC) के साथ तालमेल से बाहर हो जाता है।
 - जब UTC और UT1 के बीच का अंतर 0.9 सेकंड के करीब पहुंचता है, तो दुनिया भर में परमाणु घड़ियों के माध्यम से UTC में एक 'लीप सेकंड' जोड़ा जाता है।

- एक लीप सेकंड आम तौर पर या तो 30 जून या 31 दिसंबर को जोड़ा जाता है।

नकारात्मक लीप सेकंड

- **विवरण:** एक सेकंड जो हमारी घड़ियों को पृथ्वी के घूर्णन के साथ समन्वित रखने के लिए घटाया जाता है।
- **उपयोग:** आज तक कोई नकारात्मक लीप सेकंड उपयोग नहीं किया गया है, क्योंकि पिछले कुछ दशकों में पृथ्वी का घूर्णन आम तौर पर थोड़ा धीमा रहा है। चूंकि पृथ्वी हाल ही में सामान्य से अधिक तेजी से घूम रही है, टाइमकीपरों ने पहली बार नकारात्मक लीप सेकंड का उपयोग करने के बारे में सोचा था।
- **नकारात्मक लीप सेकंड जोड़ने या घटाने का निर्णय:** इंटरनेशनल अर्थ रोटेशन एंड रेफरेंस सिस्टम्स सर्विस (IERS) द्वारा लिया गया।

6. दक्षिण एशिया, भारत में जनसांख्यिकीय लाभांश के बर्बाद होने का जोखिम: विश्व बैंक

- विश्व बैंक ने चेतावनी दी है कि भारत सहित दक्षिण एशिया क्षेत्र अपने जनसांख्यिकीय लाभांश का उपयोग नहीं कर रहा है क्योंकि इस क्षेत्र में रोजगार सृजन की गति कामकाजी उम्र की आबादी में वृद्धि से काफी कम है; हाल ही में विश्व बैंक द्वारा जारी अपने दक्षिण एशिया क्षेत्रीय अपडेट, "जॉब्स फॉर रेजिलिएंस" में इस क्षेत्र के लिए 2024-25 के लिए 6-6.1% की मजबूत वृद्धि का अनुमान लगाया गया है।

जॉब्स फॉर रेजिलिएंस रिपोर्ट के मुख्य बिंदु

भ्रामक शक्ति	<ul style="list-style-type: none"> ● 2024-25 में दक्षिण एशिया की उत्पादन वृद्धि 6.0-6.1% होने का अनुमान है, जो अन्य उभरते बाजारों और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं (EMDE) से अधिक है। ● विकास मुख्यतः भारत द्वारा संचालित; क्षेत्र के बाकी हिस्सों की वृद्धि महामारी-पूर्व औसत से नीचे बनी हुई है। ● सार्वजनिक क्षेत्र विकास को गति देता है, जबकि निजी निवेश कमजोर बना हुआ है। ● अंतर्निहित कमजोरियाँ बनी रहती हैं, जिससे विकास के लिए नकारात्मक जोखिम उत्पन्न होता है।
निजी निवेश	<ul style="list-style-type: none"> ● महामारी-पूर्व स्तरों की तुलना में दक्षिण एशियाई देशों में निजी निवेश वृद्धि में तीव्र मंदी। ● विकास और जलवायु उद्देश्यों को पूरा करने के क्षेत्र के प्रयासों में बाधा उत्पन्न करता है।
जलवायु अनुकूलन	<ul style="list-style-type: none"> ● जलवायु परिवर्तन के प्रति दक्षिण एशिया अत्यधिक संवेदनशील है। ● सीमित राजकोषीय स्थितियाँ जलवायु परिवर्तन अनुकूलन के लिए सार्वजनिक नीतियों को प्रतिबंधित करती हैं। ● अनुकूलन का बोझ असंगत रूप से कंपनियों, किसानों और परिवारों, विशेषकर गरीबों पर पड़ता है।

<p>रोजगारविहीन विकास</p>	<ul style="list-style-type: none"> दक्षिण एशिया के श्रम बाजार अन्य उभरते बाजारों और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में रोजगार अनुपात में गिरावट और रोजगार में महिलाओं की कम हिस्सेदारी से पीड़ित हैं। रोजगार अनुपात (कुल कार्य-आयु जनसंख्या के सापेक्ष रोजगार) कम है। कृषि में श्रम के उपयोग में गिरावट; गैर-कृषि क्षेत्र में रोजगार सृजन धीमा चुनौतीपूर्ण संस्थागत और आर्थिक वातावरण दृढ़ विकास में बाधा डालते हैं। क्षेत्र उत्पादन वृद्धि के लिए श्रम उत्पादकता और जनसंख्या वृद्धि पर निर्भर करता है। कार्यशील आयु की जनसंख्या वृद्धि में कमी आने की संभावना; COVID-19 महामारी के बाद से श्रम उत्पादकता वृद्धि धीमी हो गई है।
---------------------------------	---

जॉब्स फॉर रेजिलिएंस रिपोर्ट में उजागर जोखिम

<p>आर्थिक जोखिम</p>	<ul style="list-style-type: none"> उच्च ऋण, उधार लेने की लागत और राजकोषीय घाटे को कम करने के प्रयास अंततः विकास को धीमा कर सकते हैं। सीमित राजकोषीय संसाधनों के कारण जलवायु संबंधी झटकों पर प्रतिक्रिया करने की सरकारों की क्षमता सीमित हो सकती है।
<p>जलवायु अनुकूलन</p>	<ul style="list-style-type: none"> प्रभावी जलवायु अनुकूलन के लिए सार्वजनिक वस्तुओं का प्रावधान महत्वपूर्ण है। कृषि के बाहर सीमित अवसरों के कारण घरेलू और कृषि अनुकूलन रणनीतियाँ, जैसे गैर-कृषि नौकरियों में स्थानांतरित होना, कम प्रभावी हैं।
<p>रोजगार रुझान</p>	<ul style="list-style-type: none"> गैर-कृषि क्षेत्रों में रोजगार के कमजोर रुझान । रोजगार वृद्धि कामकाजी उम्र की जनसंख्या वृद्धि से कम हो रही है।
<p>जनसांख्यिकीय लाभांश</p>	<ul style="list-style-type: none"> कम रोजगार दर के कारण क्षेत्र अपने जनसांख्यिकीय लाभांश का पूरी तरह से लाभ उठाने में विफल रहता है। यदि क्षेत्र की रोजगार दर अन्य EMDE से मेल खाती है तो 16% अधिक उत्पादन वृद्धि की संभावना है।

भारत से सम्बंधित मुख्य बिंदु

<p>रोजगार वृद्धि</p>	<ul style="list-style-type: none"> 2000-2023 की अवधि के दौरान भारत की रोजगार वृद्धि इसकी कामकाजी उम्र की आबादी में औसत वृद्धि से पीछे रही। 2022 तक नेपाल को छोड़कर, रोजगार अनुपात में काफी गिरावट आई।
<p>रोजगार में उछाल</p>	<ul style="list-style-type: none"> प्रारंभिक आंकड़ों से पता चलता है कि 2023 में भारत के रोजगार अनुपात में 3 प्रतिशत अंक की बढ़ोतरी होगी, जो आंशिक रूप से गिरावट को उलट देगा।
<p>आर्थिक विकास</p>	<ul style="list-style-type: none"> वित्त वर्ष 23/24 में भारत की अर्थव्यवस्था में 7.5% की मजबूत वृद्धि दर्ज होने की उम्मीद है। विश्व बैंक के अनुसार, श्रीलंका और पाकिस्तान में रिकवरी के साथ-साथ विस्तार, बड़े पैमाने पर दक्षिण एशियाई क्षेत्र के लिए आर्थिक विकास को प्रेरित करता है।

रिपोर्ट के अनुसार आगे की राह

<p>विकास और निवेश को बढ़ावा देना</p>	<ul style="list-style-type: none"> विकास, निजी निवेश और सरकारी राजस्व को बढ़ाने के लिए रोजगार सृजन को मजबूत करना और वित्तीय बाजार प्रतिबंधों को आसान बनाना। जलवायु अनुकूलन के लिए अनुकूल स्थितियाँ बनाना।
---	---

<p>सतत निजी निवेश के लिए कारक</p>	<ul style="list-style-type: none">● मजबूत संस्थागत गुणवत्ता, प्रतिस्पर्धी वास्तविक विनिमय दर और व्यापार और पूँजी प्रवाह के प्रति खुलापन निजी निवेश में निरंतर तेजी लाने में मदद करता है।
<p>प्रभावी अनुकूलन रणनीतियाँ</p>	<ul style="list-style-type: none">● अनुकूलन के लिए सार्वजनिक समर्थन विशुद्ध निजी रणनीतियों की तुलना में अधिक प्रभावी होता है।● नीति को निम्नलिखित को प्राथमिकता देनी चाहिए<ul style="list-style-type: none">○ व्यापक नीति पैकेजों का कार्यान्वयन।○ "दोहरे लाभांश" वाली नीतियों को प्राथमिकता देना।○ जलवायु-संबंधी लक्ष्यों से समझौता किए बिना गैर-जलवायु लक्ष्यों को लक्षित करने वाली नीतियाँ तैयार करना।
<p>सतत विकास और रोजगार</p>	<ul style="list-style-type: none">● निम्नलिखित के माध्यम से, विशेष रूप से गैर-कृषि क्षेत्र में और महिलाओं के बीच रोजगार अनुपात बढ़ाएँ:<ul style="list-style-type: none">○ व्यापार वृद्धि में आने वाली बाधाएं दूर करके।○ अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रति खुलापन बढ़ाके।○ श्रम बाजार और उत्पाद बाजार प्रतिबंधों में ढील देके।○ मानव पूँजी में निवेश करके।○ महिलाओं के अधिकारों और समानता को सुदृढ़ करके।

15

टर्म इन न्यूज़

नॉन-फंजीबल टोकन (NFT)

- यह ब्लॉकचेन-आधारित टोकन है, जो प्रत्येक कला, डिजिटल सामग्री या मीडिया जैसी संपत्ति का प्रतिनिधित्व करते हैं। NFT (चाहे वह डिजिटल हो या भौतिक) को किसी दी गई संपत्ति के स्वामित्व और प्रामाणिकता का डिजिटल प्रमाणपत्र माना जा सकता है। इसे दोहराया नहीं जा सकता है। यह कलेक्टर्स के लिए महत्वपूर्ण है और रचनाकारों को अपने डिजिटल कार्य को नए तरीके से बेचने की अनुमति देता है। NFT के स्वामित्व की जानकारी ब्लॉकचेन पर सुरक्षित रूप से संग्रहीत की जाती है, जिससे इसे ट्रैक करना और सत्यापित करना आसान हो जाता है।

ओपन मार्केट ऑपरेशंस (OMOs)

- भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) अर्थव्यवस्था में वितरित धन की मात्रा का प्रबंधन करने के लिए ओपन मार्केट ऑपरेशंस (OMOs) का उपयोग करता है। यह बाजार में मुद्रा की तरलता के एक उपकरण के रूप में कार्य करता है। यदि पैसे की कमी होती है तो RBI बैंकों से सरकारी प्रतिभूतियाँ खरीदता है। इससे अर्थव्यवस्था में पैसा आता है क्योंकि बैंकों के पास अब उधार देने के लिए अधिक नकदी भंडार हो जाता है। इसके विपरीत, यदि बाजार में नकदी अधिक है, तो RBI सरकारी प्रतिभूतियाँ बेच देता है। बैंक इन प्रतिभूतियों के लिए भुगतान करते हैं, इससे प्रभावी रूप से मुद्रा की तरलता को कम किया जाता है। रणनीतिक रूप से खरीद और बिक्री करके, RBI एक स्थिर वित्तीय माहौल बनाए रखते हुए ब्याज दरों और मुद्रास्फीति को नियंत्रित करता है।

हीटवेव

- हीटवेव (स्थानीय नाम: लू) किसी स्थान के सामान्य तापमान की अपेक्षा अत्यधिक गर्म मौसम की लंबी अवधि होती है। यह दैनिक जन-जीवन को प्रभावित करती है तथा इससे स्वास्थ्य सम्बन्धी चुनौतियाँ आती हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) द्वारा सामान्य तापमान से विचलन और वास्तविक अधिकतम तापमान दोनों को ध्यान में रखते हुए हीटवेव घोषित करने के लिए विशिष्ट मानदंड निर्धारित किए गए हैं।

- मैदानी क्षेत्रों के लिए, यदि अधिकतम तापमान लगातार 5 या अधिक दिनों तक सामान्य से 4.5°C से 6.4°C तक बढ़ता है, तो हीटवेव घोषित की जाती है। यदि विचलन 6.4°C से भी अधिक है, तो इसे गंभीर हीटवेव के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। हालाँकि, इतने बड़े विचलन के बिना भी, मैदानी क्षेत्रों के लिए वास्तविक अधिकतम तापमान 45°C या उससे अधिक होने पर हीटवेव घोषित किया जा सकता है। मैदानी इलाकों में गंभीर हीटवेव तब घोषित की जाती है जब वास्तविक तापमान 47°C या उससे अधिक हो जाता है। पहाड़ी क्षेत्रों के लिए, मानदंड अलग हैं, यहाँ क्षेत्र का तापमान 30°C या उससे अधिक होने पर हीटवेव घोषित की जाती है और 32°C से अधिक वास्तविक तापमान पर गंभीर हीटवेव घोषित की जाती है। तटीय स्टेशनों के भी अलग मानदंड हैं, इसके तहत यदि तापमान औसत से कम से कम 4.5°C विचलित होता है बशर्ते अधिकतम तापमान कम से कम 37°C हो। ये वर्गीकरण अधिकारियों को समय पर चेतावनी जारी करने और सार्वजनिक स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे पर हीटवेव के प्रभाव को कम करने के लिए आवश्यक सावधानी बरतने में मदद करते हैं।

ट्यूरिंग टेस्ट

- ट्यूरिंग टेस्ट 1950 में एलन ट्यूरिंग द्वारा प्रस्तावित किया गया था। यह एक मशीन की मानव के समान या उससे अप्रभेद्य बुद्धिमान व्यवहार प्रदर्शित करने की क्षमता का परीक्षण है। इसमें एक मानव मूल्यांकनकर्ता मानव और मानव-जैसी प्रतिक्रियाएँ उत्पन्न करने के लिए डिजाइन की गई मशीन के बीच प्राकृतिक भाषा की बातचीत का मूल्यांकन करेगा (अक्सर टेक्स्ट चैट के माध्यम से)। यदि बातचीत के आधार पर निश्चित अंतर नहीं बता पाता है, तो इसका अर्थ है कि मशीन ने टेस्ट पास कर लिया है। ट्यूरिंग टेस्ट कृत्रिम बुद्धिमत्ता अनुसंधान में अत्यधिक प्रभावशाली रहा है, जिसने बुद्धि की प्रकृति और मशीनों द्वारा चेतना प्राप्त करने की संभावना के बारे में बहस छेड़ दी है। हालाँकि, इसे केवल भाषा की क्षमता पर ध्यान केंद्रित करने और मानव बुद्धि के अन्य पहलुओं जैसे समस्या-समाधान या दुनिया के साथ पर भागीदार नहीं होने

हेतु आलोचना का भी सामना करना पड़ता है। अपनी सीमाओं के बावजूद, ट्यूरिंग टेस्ट AI के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण अवधारणा है, जो वास्तव में बुद्धिमान मशीनों के विकास में प्रगति के लिए एक बेंचमार्क के रूप में कार्य करती है।

डी-डॉलराइजेशन

- डी-डॉलराइजेशन वैश्विक बाजारों में अमेरिकी डॉलर के प्रभुत्व को कम करना है। यह गैर-डॉलर आरक्षित मुद्राओं, स्थानीय मुद्रा व्यापार समझौतों और वैकल्पिक भुगतान प्रणालियों में वृद्धि के माध्यम से किया जाता है। इसके कारणों में भू-राजनीतिक तनाव, विविधीकरण रणनीतियाँ और कम लेनदेन लागत शामिल हैं। अभी डॉलर की आगामी भूमिका अनिश्चित है, इस स्थिति में डी-डॉलराइजेशन अंतरराष्ट्रीय वित्तीय परिदृश्य को नया रूप दे सकता है।

तंत्रिका नेटवर्क (Neural Network)

- मानव मस्तिष्क से प्रेरित तंत्रिका नेटवर्क (Neural Network), इसकी संरचना और कार्य का अनुकरण करते हैं, जिसमें नोड्स के रूप में जाने जाने वाले परस्पर जुड़े कृत्रिम न्यूरॉन्स शामिल होते हैं। ये नोड्स कई परतों में व्यवस्थित होते हैं तथा सिनेप्स की तरह होते हैं जिससे कनेक्शन के समायोजन के माध्यम से सीखने और कार्य प्रदर्शन में वृद्धि होती है। व्यापक डेटासेट पर प्रशिक्षित, तंत्रिका नेटवर्क पैटर्न और संबंधों को समझते हैं, ये पूर्वानुमान, वर्गीकरण के साथ-साथ संगीत या कोड जनरेशन जैसे रचनात्मक आउटपुट की सुविधा प्रदान करते हैं। फोटो और भाषण पहचान, नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग और रोबोटिक्स के एप्लिकेशन्स के साथ, तंत्रिका नेटवर्क एक शक्तिशाली एआई उपकरण के रूप में हैं, जो नवीन आर्किटेक्चर और एप्लिकेशन्स की खोज के साथ लगातार बढ़ रहे हैं।

थाली इकोनॉमिक्स

- थाली इकोनॉमिक्स पारंपरिक भोजन थाली की कीमतों के अनुसार भारत की आर्थिक स्थिति का आकलन करने की एक विधि है। यह भोजन की थाली (चावल या रोटी, सब्जियाँ और दाल जैसे खाद्य पदार्थों से युक्त) आम लोगों हेतु आवश्यक खाद्य पदार्थों की क्षमता को दर्शाती है। थाली की बढ़ती कीमतें मुद्रास्फीति के दबाव को दर्शाती हैं तथा मुख्य रूप से घरेलू बजट को प्रभावित करती हैं। थाली इकोनॉमिक्स के द्वारा नीति निर्माता और नागरिक जीवन की लागत और आर्थिक हस्तक्षेप

के संभावित क्षेत्रों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। यह भारत की आर्थिक स्थिति को समझने की एक सरल और व्यावहारिक विधि है।

स्टरलाइजेशन

- रुपये के मूल्य और मुद्रास्फीति को प्रबंधित करने के लिए RBI स्टरलाइजेशन का उपयोग करता है। बाजार में मुद्रा का मूल्य कम करने हेतु विदेशी मुद्राएँ खरीदता है, तो यह अर्थव्यवस्था में रुपये की तरलता बढ़ाता है है, परन्तु मुद्रास्फीति को बढ़ने से रोकने हेतु RBI सरकारी प्रतिभूतियाँ बेच सकता है। जिससे बाजार में मुद्रा तरलता कम हो जाती है।

"गॉड पार्टिकल"

- "गॉड पार्टिकल" को हिग्स बोसोन भी कहा जाता है, यह भौतिकी के मानक मॉडल द्वारा पूर्वानुमानित एक मूलभूत कण है। इसकी खोज ने 2012 में सर्न, स्विट्जरलैंड में लार्ज हैड्रॉन कोलाइडर (LHC) में हिग्स क्षेत्र के अस्तित्व की पुष्टि की, यदि कोई कण हिग्स क्षेत्र में आता है तो यह उन कणों को द्रव्यमान प्रदान करता है। भौतिक विज्ञानी लियोन लेडरमैन द्वारा "गॉड पार्टिकल" नाम दिया गया था, हालांकि कई वैज्ञानिक इसके भ्रामक अर्थों के कारण इसे हिग्स बोसोन कहते हैं। यह ब्रह्मांड में द्रव्यमान निर्माण के संदर्भ में और ब्रह्मांड को नियंत्रित करने वाले मूलभूत कणों को समझने सहायक है, जो भौतिकी अनुसंधान के एक नए युग की शुरुआत है।

आदर्श आचार संहिता (MCC)

- आदर्श आचार संहिता (MCC) भारत के चुनाव आयोग (ECI) द्वारा चुनावों के दौरान राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के आचरण को विनियमित करने के लिए जारी दिशा-निर्देशों का एक समूह है। इसका उद्देश्य मतदाताओं को अनुचित रूप से प्रभावित करने या चुनावी प्रक्रिया को बाधित करने वाली गतिविधियों को रोककर स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करना है। आदर्श आचार संहिता चुनाव प्रचार, भड़काऊ भाषण, मतदाताओं को रिश्वत देने और सांप्रदायिक या जातिगत भावनाओं को भड़काने तथा सरकारी संसाधनों के इस्तेमाल जैसी गतिविधियों पर रोक लगाती है। यह लाउडस्पीकर, जुलूस और पोस्टर के इस्तेमाल पर भी सीमित प्रतिबंध लगाती है। चुनावी क्षेत्र में ईमानदारी और निष्पक्षता बनाए रखने के लिए चुनाव की घोषणा से लेकर चुनावी प्रक्रिया के समापन तक आदर्श आचार संहिता लागू की जाती है।

ईव्सड्राइपिंग (छिपकर सुनना)

- ईव्सड्राइपिंग (छिपकर सुनना) से तात्पर्य किसी व्यक्ति की निजी बातचीत बिना उसकी जानकारी या सहमति के चुपके से सुनना है। यह व्यक्तिगत रूप से किया जा सकता है, जैसे किसी बातचीत को छिपकर सुनना या इलेक्ट्रॉनिक रूप से, फोन कॉल, संदेश या ऑनलाइन चैट में बाधा डालना। ईव्सड्राइपिंग (छिपकर सुनना) निजता का उल्लंघन है और इसका उपयोग संवेदनशील जानकारी चुराने, किसी को ब्लैकमेल करने या किसी व्यापारिक सौदे में अनुचित लाभ प्राप्त करने के लिए किया जा सकता है।

ड्रॉपशीपिंग

- ड्रॉपशीपिंग खुदरा पूर्ति विधि है इसके तहत विक्रेता किसी उत्पाद को किसी गोदाम में भंडारण किए बिना बेचता है तथा विक्रेता बिचौलिए के रूप में कार्य करता है। इसमें, खुदरा विक्रेता उत्पादों को संग्रहित नहीं करता है। वह केवल तृतीय-पक्ष आपूर्तिकर्ता से उत्पादों की खरीद करता है और ऑर्डर प्राप्त करके या खरीद की जाती है तो उन उत्पादों को सीधे खरीदने वालों को भेज दिया जाता है ड्रॉपशीपिंग में व्यापार, खुदरा विक्रेता को किसी भी तरह से इन्वेंट्री या ऑर्डर को पूरा करने की आवश्यकता नहीं है। इसमें विक्रेता आपूर्तिकर्ता से थोक मूल्य और ग्राहक के लिए उनके द्वारा निर्धारित खुदरा मूल्य के बीच के अंतर पर लाभ कमाता है। यह ऑनलाइन व्यवसाय शुरू करने का एक कम जोखिम आधारित तरीका है, लेकिन इसमें कम लाभ मार्जिन के साथ ही उत्पाद की गुणवत्ता और शिपिंग में लगने वाले समय पर नियंत्रण नहीं होता है।

फेड टेपरिंग

- फेड टेपरिंग, मौद्रिक नीति के संदर्भ में अक्सर इस्तेमाल किया जाने वाला शब्द, फेडरल रिजर्व द्वारा अपनी परिसंपत्ति खरीद में क्रमिक कमी को संदर्भित करता है। इन परिसंपत्ति खरीदों को मात्रात्मक सहजता (QE) के रूप में भी जाना जाता है, जिसमें वित्तीय प्रणाली में तरलता को इंजेक्ट करने के लिए सरकारी बॉन्ड और अन्य प्रतिभूतियाँ खरीदना शामिल है। टेपरिंग तब होती है जब फेड इन खरीदों की गति को कम करने का फैसला करता है। आम तौर पर, यह निर्णय तब लिया जाता है जब अर्थव्यवस्था में सुधार के संकेत दिखाई देते हैं और केंद्रीय बैंक अपने प्रोत्साहन उपायों को कम करने का लक्ष्य रखता

है। फेड टेपरिंग पर वित्तीय बाजारों और निवेशकों द्वारा बारीकी से नजर रखी जाती है क्योंकि यह ब्याज दरों, मुद्रास्फीति की उम्मीदों और परिसंपत्ति की कीमतों को प्रभावित कर सकता है। टेपरिंग का समय और गति नीति निर्माताओं के लिए महत्वपूर्ण विचार हैं क्योंकि वे आर्थिक विकास को मूल्य स्थिरता के साथ संतुलित करना चाहते हैं।

अग्रिम मूल्य निर्धारण समझौते (APA)

- अग्रिम मूल्य निर्धारण समझौते (APA) किसी कंपनी और कर अधिकारियों के बीच पहले से निर्धारित अनुबंध होते हैं। ये समझौते विभिन्न देशों में संबंधित कंपनियों के बीच लेन-देन के मूल्यांकन के लिए एक विशिष्ट विधि (ट्रांसफर प्राइसिंग पद्धति) स्थापित करते हैं। इसका लक्ष्य भविष्य में कर विवादों से बचना है, इसमें यह सुनिश्चित किया जाता है कि सभी पक्ष इस बात पर सहमत हों कि प्रत्येक इकाई इन लेन-देन से कितना लाभ कमाती है, जिससे देशों को करों को कम करने के लिए हस्तांतरण मूल्यों में हेरफेर करने का आरोप लगाने से रोका जा सके। APA आमतौर पर एक निश्चित अवधि को कवर करते हैं और जटिल अंतरराष्ट्रीय लेनदेन के लिए एक कर प्राधिकरण (एकतरफा) या विभिन्न देशों (द्विपक्षीय या बहुपक्षीय) के कई प्राधिकरणों को शामिल कर सकते हैं।

ब्लू चिप कंपनियाँ

- ब्लू चिप कंपनियाँ वित्तीय बाजार का प्रमुख आधार हैं, यह अपनी स्थिरता और निरंतर प्रदर्शन के लिए जानी जाती हैं। जैसे Apple, Microsoft, Coca-Cola और Johnson & Johnson. ये कंपनियाँ मजबूत बैलेंस शीट, दीर्घावधिक लाभ कमाने और लाभांश भुगतान का दावा करती हैं। आर्थिक मंदी के दौरान उनका लचीलापन और स्थिर रिटर्न देने की क्षमता के कारण ये संस्थागत और व्यक्तिगत निवेशकों दोनों के लिए एक पसंदीदा निवेश प्लेटफार्म है। ब्लू चिप स्टॉक अपनी विश्वसनीयता के लिए जाने जाते हैं और विविध पोर्टफोलियो में कोर होल्डिंग्स के रूप में काम करते हैं। गुणवत्तापूर्ण उत्पादों या सेवाओं और सुव्यवस्थित प्रबंधन के कारण ये कंपनियाँ वित्त बाजार में बदलते परिदृश्य में भी अच्छी स्थिति में हैं।

शून्य-आधारित बजट (ZBB)

- शून्य-आधारित बजट (ZBB) एक बजट विधि है जो पारंपरिक दृष्टिकोणों से अलग है। इसमें

बजट अनुमान शून्य से प्रारंभ किये जाते हैं। शून्य आधारित बजट में गत वर्षों के व्यय सम्बन्धी आँकड़ों का उपयोग नहीं किया जाता है। इसके तहत किसी संगठन के भीतर हर विभाग या कार्यक्रम "शून्य आधार" से शुरू होता है और उसे अपनी आवश्यकताओं और लागतों का विश्लेषण करना होता है। फिर प्रत्येक व्यय की समीक्षा की जाती है और विभाग के रणनीतिक लक्ष्यों के साथ उसकी आवश्यकता और रूपरेखा के आधार पर उसे मंजूरी दी जाती है। यह खर्च के मूल्यांकन हेतु प्रोत्साहित करता है और लागत में कमी या अनुकूलन के लिए क्षेत्रों की पहचान करने में सहायक है। यद्यपि ZBB को लागू करने में समय लग सकता है, लेकिन यह संसाधनों के अधिक कुशल आवंटन को बढ़ावा देता है और सुनिश्चित करता है कि प्रत्येक व्यय उचित है और संगठन के समग्र उद्देश्यों को पूरा करने में सहायक है।

‘टू बिग टू फेल’

- ‘टू बिग टू फेल’ से तात्पर्य ऐसी कंपनियों से है, जो सामान्यतः वित्तीय संस्थान होती हैं, जो वित्तीय और प्रबंधकीय दृष्टि से इतने सशक्त होते हैं कि उनके विफल होने से बड़ी आर्थिक आपदा आ सकती है। सरकारें ऐसी स्थिति से बचने हेतु बेलआउट के जरिए हस्तक्षेप कर सकती हैं। यदि ऐसी कंपनी विफल होती है तो इसका प्रभाव पूरे सिस्टम पर पड़ सकता है, जिससे दूसरे बैंक और बिजनेस भी विफल हो सकते हैं। इससे अर्थव्यवस्था में मंदी भी आ सकती है। इन कारणों से, सरकार को इन कंपनियों को बचाने हेतु प्रभावी कदम उठाने पड़ते हैं, हालाँकि यह जोखिम भरा हो सकता है, तथा असंतुलित प्रतिस्पर्धा हो सकती है। जैसे - SBI, LIC, HDFC, ICICI आदि।

क्लाउड ब्राइटनिंग

- क्लाउड ब्राइटनिंग, जिसे समुद्री क्लाउड ब्राइटनिंग (MCB) के नाम से भी जाना जाता है, ग्लोबल वार्मिंग से निपटने के लिए प्रस्तावित जियोइंजीनियरिंग तकनीक है। इसका उद्देश्य समुद्री स्ट्रेटोक्ल्यूमुलस बादलों को (जो ठंडे समुद्री क्षेत्रों में सामान्य हैं) अधिक सफेद और अधिक परावर्तक बनाना है। यह समुद्री जल की महीन बूंदों को वायुमंडल में छिड़कने से प्राप्त किया जा सकता है। जब वे वाष्पित होते हैं, तो छोटे नमक के कण शेष रहते हैं जो क्लाउड कंडेंसेशन नाभिक के रूप में कार्य करते हैं। ये घने बादलों के निर्माण को बढ़ावा देते हैं, जिससे सूर्य के प्रकाश को वापस अंतरिक्ष में

परावर्तित करने और संभावित रूप से धरती को ठंडा करने की क्षमता बढ़ जाती है।

चंद्र दिवस (Lunar Day)

- जिस प्रकार पृथ्वी के घूर्णन के कारण दिन-रात चक्र होता है, उसी प्रकार चंद्रमा अपनी धुरी पर बहुत धीमी गति से घूमता है। इस कारण एक चंद्र दिवस (दिन और रात) लगभग 29.5 पृथ्वी दिनों तक रहता है। अर्थात् चंद्रमा पर पृथ्वी की तुलना में रात की अवधि लगभग 14 पृथ्वी दिनों तक होती है। इस अवधि के दौरान, तापमान -280 डिग्री सेल्सियस तक गिर जाता है, जो दिन के तापमान से अधिक ठंडा होता है। यह अत्यधिक तापमान परिवर्तन अंतरिक्ष यान और उपकरणों के लिए प्रमुख चुनौती है जो इन कठिन परिस्थितियों का सामना नहीं कर पाते हैं।

ऋण पुनर्गठन (Debt Reconstruction)

- ऋण पुनर्गठन उन कंपनियों या व्यक्तियों के लिए सहायक है जो अपने मौजूदा ऋण का प्रबंधन करने में चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। इसमें लेनदारों के साथ उन ऋणों की शर्तों पर फिर से बातचीत की जाती है। इसका लक्ष्य संभावित रूप से ब्याज दरों को कम करके, पुनर्भुगतान अवधि को बढ़ाकर या कुल बकाया राशि को कम करके पुनर्भुगतान को अधिक प्रबंधनीय बनाना है। इससे वित्तीय दबाव कम करने में मदद मिलती है और देनदार को ठोस वित्तीय स्थिति पर वापस आने पर ध्यान केंद्रित करने में सहायता मिलती है। यह दोनों पक्षों के लिए लाभकारी है क्योंकि एक तरफ यह दिवालियापन से बचाता है जबकि दूसरी तरफ लेनदारों को अंतिम पुनर्भुगतान का आश्वासन देता है।

एथिलीन ऑक्साइड (EtO)

- एथिलीन ऑक्साइड (EtO) एक रंगहीन गैस है जिसका उपयोग एंटीफ्रीज, पॉलिएस्टर कपड़े और चिकित्सा आपूर्ति जैसी रोजमर्रा की वस्तुओं के उत्पादन के लिए विभिन्न औद्योगिक प्रक्रियाओं में किया जाता है। यह एक ज्ञात कार्सिनोजेन भी है। उपभोक्ता सुरक्षा और EtO के उपयोग के पर्यावरणीय प्रभाव के बारे में चिंताएँ बढ़ रही हैं, जिससे सख्त नियमों की माँग हो रही है। यह बहस हाल ही में तब और तेज हो गई जब सिंगापुर और हांगकांग ने कथित EtO संदूषण के कारण भारतीय मसाला मिश्रणों पर प्रतिबंध लगा दिया, जिससे भारत में खाद्य सुरक्षा मानकों पर सवाल उठने लगे।

वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (VVPAT)

- वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (VVPAT) भारत की चुनावी प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण घटक है, जो चुनावों की पारदर्शिता को बढ़ाता है। यह मतदाताओं को उनके वोट का एक भौतिक पेपर ट्रेल प्रदान करता है, जिससे उन्हें इलेक्ट्रॉनिक रूप

से अपना मत डालने से पहले अपने विकल्पों को सत्यापित करने की अनुमति मिलती है। भारत में VVPAT का पहला उपयोग 2013 में नागालैंड में नोकसेन विधानसभा उपचुनाव के दौरान हुआ था। इसने चुनाव आयोग की चुनावी प्रक्रिया को आधुनिक बनाने और मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया।

मॉडल प्रश्न

1. राजस्थान सरकार द्वारा 'राजीव गांधी एकेडमिक एक्सीलेंस स्कॉलरशिप योजना' का नाम बदलकर किसके नाम पर कर दिया गया है?
(A) दीनदयाल उपाध्याय
(B) स्वामी विवेकानंद
(C) वीर सावरकर
(D) श्यामा प्रसाद मुखर्जी
2. हाल ही में जारी पोषण ट्रैक्टर रिपोर्ट के अनुसार राजस्थान में सर्वाधिक कुपोषित बच्चे किस जिले में हैं?
(A) जैसलमेर (B) उदयपुर
(C) चूरू (D) बाड़मेर
3. देश की पहली इमरजेंसी एयर स्ट्रिप राजस्थान के किस जिले में है?
(A) जैसलमेर (B) बीकानेर
(C) सांचौर (D) जोधपुर
4. भारतीय रेलवे द्वारा राजस्थान का पहला एलिवेटेड ट्रैक किस रूट पर बनेगा?
(A) कोटा-दिल्ली (B) जोधपुर-अहमदाबाद
(C) कोटा-भोपाल (D) जयपुर-दिल्ली
5. हाल ही में राजस्थान के अमर सिंह का एशिया ओशेनिया अल्ट्रा मैराथन चैंपियनशिप में कौनसा स्थान रहा?
(A) पहला (B) दूसरा
(C) तीसरा (D) चौथा
6. राजस्थान में लोकसभा चुनाव हेतु मतदाता केंद्रों की स्थिति और प्रबंधन के लिए 'क्यू ट्रैकर' एप किस जिला प्रशासन की पहल है?
(A) अलवर (B) कोटा
(C) जालौर (D) जयपुर
7. हाल ही में 'सिन्देसर खुर्द' दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी चांदी उत्पादक खान बनी है, यह राजस्थान के किस जिले में स्थित है?
(A) उदयपुर (B) बांसवाड़ा
(C) झुंझनू (D) भीलवाड़ा
8. हाल ही में 'डाबरी' पर्यटन विभाग से पंजीकृत होने वाली पहली ग्रामीण पर्यटन इकाई बनी है, यह किस जिले में स्थित है?
(A) कोटा (B) उदयपुर
(C) अजमेर (D) भीलवाड़ा
9. हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव के खिलाफ अधिकार को किस अनुच्छेद के तहत मौलिक अधिकार माना है?
(A) अनुच्छेद 13 (B) अनुच्छेद 19
(C) अनुच्छेद 21 (D) अनुच्छेद 32
10. हाल ही में 10,000 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता वाली पहली भारतीय कंपनी कौनसी बनी है?
(A) टाटा पावर सोलर सिस्टम
(B) सुजलॉन एनर्जी
(C) अडानी ग्रीन एनर्जी
(D) जेएसडब्ल्यू एनर्जी
11. भारत को सितवे बंदरगाह के संचालन का अधिकार मिला है, यह किस देश में स्थित है?
(A) म्यांमार (B) सिंगापुर
(C) बांग्लादेश (D) मालदीव
12. हाल ही में चर्चा में रहे कच्चातिवु द्वीप को भारत सरकार द्वारा वर्ष 1974 में किस देश को सौंप दिया गया?
(A) मालदीव (B) बांग्लादेश
(C) श्रीलंका (D) म्यांमार
13. हाल ही में चर्चा में रहा 'वखान कॉरिडोर' किस देश से संबंधित है?
(A) उज्बेकिस्तान (B) म्यांमार
(C) भूटान (D) अफगानिस्तान
14. हाल ही में 'शेनझोउ-18' अंतरिक्ष यान द्वारा 3 अंतरिक्ष यात्रियों को स्पेस स्टेशन भेजा गया, यह किस देश से संबंधित है?
(A) दक्षिण कोरिया (B) जापान
(C) चीन (D) ताइवान
15. इग्ला एस मैन पोर्टेबल एयर डिफेंस सिस्टम (MANPADS) भारतीय सेना द्वारा किस देश से आयात किया गया है?
(A) फ्रांस
(B) संयुक्त राज्य अमेरिका
(C) रूस
(D) यूनाइटेड किंगडम
16. विश्व का सबसे शक्तिशाली लेजर किस देश में सक्रिय किया गया है?
(A) रोमानिया (B) बुल्गारिया
(C) अजरबैजान (D) फिनलैंड
17. 'दस्तलिक (DUSTLIK)' संयुक्त सैन्य अभ्यास किन देशों से संबंधित है?
(A) भारत-उज्बेकिस्तान
(B) भारत-रूस
(C) भारत-मॉरीशस
(D) भारत-श्रीलंका

18. हाल ही में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (BEL) ने क्वांटम टेक्नोलॉजी में सहयोग के लिए किसके साथ समझौता किया है?
(A) IIT कानपुर (B) IIT मंडी
(C) IIT गुवाहाटी (D) IIT बॉम्बे
19. हाल ही में चर्चा में रहे लेप्टोस्पायरोसिस रोग का संक्रमण किससे होता है?
(A) कवक (B) जीवाणु
(C) विषाणु (D) प्रोटोजोआ
20. विश्व के किस देश द्वारा पहली बार अंतरिक्ष में युद्ध अभ्यास 'मिशन विक्टस हेज' आयोजित किया जाएगा?
(A) जापान (B) संयुक्त राज्य अमेरिका
(C) चीन (D) रूस
21. भारत में निजी क्षेत्र का पहला सैन्य भू-स्थानिक उपग्रह किसके द्वारा डिजाइन किया गया है?
(A) टाटा एडवांस्ड सिस्टम लिमिटेड
(B) स्काईरूट एयरोस्पेस
(C) अग्निकुल कॉसमॉस
(D) पिक्सल
22. हाल ही में सोनार प्रणाली के मूल्यांकन हेतु 'सबमर्सिबल प्लेटफॉर्म फॉर एकाॅस्टिक कैरेक्टराइजेशन एंड इवैल्यूएशन (SPACE) केंद्र किस राज्य में शुरू किया गया है?
(A) केरल
(B) पश्चिम बंगाल
(C) महाराष्ट्र
(D) तमिलनाडु
23. 'IMT TRILAT-24' युद्धाभ्यास किन देशों के बीच आयोजित किया गया?
(A) भारत, मलेशिया, थाईलैंड
(B) भारत, मॉरीशस, ट्यूनीशिया
(C) भारत, मालदीव, थाईलैंड
(D) भारत, मोजांबिक, तंजानिया
24. विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा लॉन्च किए गए स्वास्थ्य के लिए स्मार्ट आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (A.I.) रिसोर्स असिस्टेंट का क्या नाम है?
(A) S.A.R.A.H. (B) V.I.T.A.R.A.
(C) J.A.M.E.S. (D) V.I.N.I.
25. हाल ही में मियामी ओपन चैंपियनशिप में डबल्स का खिताब किसने जीता है?
(A) यूकी भाम्बरी और मैथ्यू एबडन
(B) रोहन बोपन्ना और मैथ्यू एबडन
(C) साकेत माईनेनी और मैथ्यू एबडन
(D) सुमित नागल और मैथ्यू एबडन
26. हाल ही में हॉकी इंडिया अवार्ड 2024 में पुरुष और महिला वर्ग में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार से क्रमशः किसे सम्मानित किया गया है?
(A) हार्दिक सिंह और सलीमा टेटे
(B) पीआर श्रीजेश और सविता पूनिया
(C) हार्दिक सिंह और सविता पूनिया
(D) हरमनप्रीत सिंह और दीपिका सोरेंग
27. भारत की बिंदारानी देवी ने थाईलैंड के फुकेत में आयोजित विश्व कप 2024 में कांस्य पदक जीता, यह किस खेल से संबंधित है?
(A) भाला फेंक (B) भारोत्तोलन
(C) तीरंदाजी (D) निशानेबाजी
28. हाल ही में शंघाई (चीन) में आयोजित तीरंदाजी वर्ल्ड कप स्टेज 1 में भारत की पुरुष रिकर्व टीम ने स्वर्ण पदक जीता, इस टीम में निम्नलिखित में से कौन शामिल नहीं है?
(A) तरुणदीप राय
(B) रजत चौहान
(C) प्रवीण जाधव
(D) धीरज बोम्मदेवरा
29. हाल ही में कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट का खिताब किस भारतीय खिलाड़ी ने जीता है?
(A) आर. प्रगनानन्द (B) डी. गुकेश
(C) विदित गुजराती (D) आर. वैशाली
30. हाल ही में स्काॅटी शेफलर ने गोल्फ में अगस्ता मास्टर्स का खिताब जीता, यह किस देश से है?
(A) रूस
(B) सर्बिया
(C) संयुक्त राज्य अमेरिका
(D) यूनाइटेड किंगडम
31. हाल ही में ओलंपिक खेलों हेतु पहली भारतीय महिला जूरी सदस्य कौन बनी है?
(A) नीलिमा घोष (B) पी.टी. उषा
(C) एम.सी. मैरीकॉम (D) बिल्किस मीर
32. हाल ही में 25वें लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवॉर्ड में 'स्पोर्ट्समैन ऑफ द ईयर' से किसे सम्मानित किया गया?
(A) राफेल नडाल (B) लियोनेल मेसी
(C) नोवाक जोकोविच (D) विराट कोहली
33. हाल ही में चर्चा में रही अदिति अशोक किस खेल से संबंधित है?
(A) तीरंदाजी (B) निशानेबाजी
(C) शतरंज (D) गोल्फ
34. हाल ही में किस भारतीय महिला खिलाड़ी ने तीरंदाजी विश्व कप में रजत पदक जीता?
(A) डोला बनर्जी (B) ज्योति सुरेखा वेनम
(C) दीपिका कुमारी (D) मुस्कान किरार

35. हाल ही में भारत की अनुपमा उपाध्याय और थारुन मन्नेपल्ली ने कजाखखिस्तान इंटरनेशनल चैलेंज टूर्नामेंट में क्रमशः महिला और पुरुष एकल खिताब जीता, ये किस खेल से संबंधित है?
(A) टेनिस (B) टेबल टेनिस
(C) निशानेबाजी (D) बैडमिंटन
36. हाल ही में चर्चा में रहे भारतीय खिलाड़ी सुमित नागल किस खेल से संबंधित है?
(A) बैडमिंटन (B) टेनिस
(C) गोल्फ (D) हॉकी
37. हाल ही में अमेरिकी स्पेस फाउंडेशन के प्रतिष्ठित जॉन एल जैक स्विगर्ट अवार्ड से किस स्पेस मिशन को सम्मानित किया गया?
(A) स्लिम (SLIM) मिशन, जापान
(B) लूना-25 (Luna-25) मिशन, रूस
(C) चन्द्रयान-3 मिशन, भारत
(D) रशीद (Rashid) मिशन, संयुक्त अरब अमीरात
38. भारत के किस पर्यावरणविद को 'ग्रीन नोबेल' कहे जाने वाले 'गोल्डमैन पर्यावरण पुरस्कार 2024' हेतु चुना गया है?
(A) मेधा पाटकर
(B) सदगुरु
(C) सुनीता नारायण
(D) आलोक शुक्ला
39. हाल ही में मनोज पांडा किस कारण से चर्चा में रहे हैं?
(A) नए नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक
(B) राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष
(C) 16वें वित्त आयोग के सदस्य
(D) नीति आयोग के नए उपाध्यक्ष
40. हाल ही में भारतीय नौसेना के नए प्रमुख कौन बने हैं?
(A) विवेक राम चौधरी (B) अनिल चौहान
(C) दिनेश कुमार त्रिपाठी (D) आर. हरि कुमार
41. हाल ही में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) के प्रबंध निदेशक के रूप में किसे नियुक्त किया गया है?
(A) गीता गोपीनाथ (B) सौम्या स्वामीनाथन
(C) क्रिस्टिना जॉर्जीएवा (D) रुचिरा कम्बोज
42. हाल ही में जुडिथ सुमिनवा तुलुका किस देश की पहली महिला प्रधानमंत्री बनी है?
(A) फिलिपींस (B) वियतनाम
(C) कांगो (D) नाइजीरिया
43. हाल ही में शेख अहमद अब्दुल्ला अल-अहमद को किस देश का नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया है?
(A) कुवैत (B) थाईलैंड
(C) मलेशिया (D) कतर
44. हाल ही में अब्देल फतेह अल सिसी ने किस देश के राष्ट्रपति के रूप में तीसरी बार शपथ ली है?
(A) जॉर्डन (B) सूडान
(C) लीबिया (D) मिस्र
45. भारत का पहला ट्राई सर्विस कॉमन डिफेंस स्टेशन कहाँ स्थापित किया जाएगा?
(A) मुंबई (B) सुलुर
(C) गुवाहाटी (D) चेन्नई
46. निम्नलिखित में से कौनसी संस्था कैंसर के इलाज हेतु भारत की पहली स्वदेशी जीन थेरेपी 'CAR-T सेल थेरेपी' के विकास से असम्बद्ध है?
(A) आईआईटी बॉम्बे
(B) सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया
(C) टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल
(D) इम्यूनोएसिटी
47. विश्व का सबसे बड़ा रिन्यूएबल एनर्जी प्रोजेक्ट भारत में कहाँ स्थापित किया जाएगा?
(A) खावड़ा, कच्छ (गुजरात)
(B) फतेहगढ़, जैसलमेर (राजस्थान)
(C) नारकेटपल्ली, नालगोंडा (तेलंगाना)
(D) खेड़ी, भोपाल (मध्य प्रदेश)
48. केंद्रीय रक्षा मंत्रालय द्वारा तीनों सेनाओं के पहले 'परिवर्तन चिंतन' सम्मेलन का आयोजन कहाँ किया गया?
(A) विशाखापट्टनम (B) बेंगलुरु
(C) नई दिल्ली (D) भोपाल
49. हाल ही में भारत में विशालकाय सर्प 'वासुकी' के जीवाश्म कहाँ पाए गए हैं?
(A) झारखंड (B) गुजरात
(C) मध्य प्रदेश (D) तेलंगाना
50. हाल ही में नक्सलवादियों के खिलाफ कौनसा ऑपरेशन चलाया जा रहा है?
(A) ऑपरेशन कावेरी (B) ऑपरेशन प्रहार
(C) ऑपरेशन कैक्टस (D) ऑपरेशन पवन

Answer Key (April 2024)

1.	B	11.	A	21.	A	31.	D	41.	C
2.	B	12.	C	22.	A	32.	C	42.	C
3.	C	13.	D	23.	D	33.	D	43.	A
4.	D	14.	C	24.	A	34.	C	44.	D
5.	A	15.	C	25.	B	35.	D	45.	A
6.	D	16.	A	26.	A	36.	B	46.	B
7.	A	17.	A	27.	B	37.	C	47.	A
8.	A	18.	B	28.	B	38.	D	48.	C
9.	C	19.	B	29.	B	39.	C	49.	B
10.	C	20.	B	30.	C	40.	C	50.	B